Machine Translated by Google
ebook
EHIPASSIKO

# BORN again

Kasus Reinkarnasi
Tokoh dan Selebriti

dr. Walter Semkiw

Machine Translated by Google

# APAKAH KITA TERLAHIR LAGI?

Bagaimana jika kita mempunyai kehidupan lain, pada waktu dan tempat yang berbeda, dalam tubuh yang berbeda? Mengapa dua anak dari orangtua yang sama, memiliki kecenderungan batin yang sangat berbeda semenjak usia dini?

Mengapa sebagian orang mampu mempelajari bahasa asing dengan amat mudah? Apakah aku yang sekarang ini adalah hasil dari kehidupanku sebelumnya dan akankah pilihan yang aku ambil sekarang ini menentukan siapa aku di kehidupan selanjutnya?

Dalam buku yang provokatif ini, dr. Walter Semkiw mengajukan sebuah pertanyaan yang menantang: APAKAH KITA TERLAHIR LAGI? Ia mengangkat bahasan mengenai kehidupan lampau dan reinkarnasi pada tataran kemungkinan yang baru. Hasilnya adalah sudut pandang baru yang menarik dalam aspek sejarah, budaya, dan kelangsungan kehidupan.

Born Again, Kasus Reinkarnasi Tokoh dan Selebriti, mempelajari reinkarnasi dengan lebih menyeluruh dan lebih mantap daripada buku-buku sejenis mana pun yang pernah diterbitkan.

Buku ini juga menyingkap misteri asal usul jiwa, astrologi, spektrum energi, hukum karma, tahap evolusi manusia, tingkatan alam spiritual, fenomena hantu, anak ajaib, bodhisattwa, dan akhir dari reinkarnasi. Buku unik ini akan mengubah cara pandang Anda terhadap jati diri, kehidupan, dan pemaknaan hidup.

AWARENESS
PUBLICATION

9 786028 194266

Machine Translated by Google

# पुनर्जन्म

"यह काम उन लोगों के साथ काफी शोध और साक्षात्कार के माध्यम से संकलित किया गया था, जिनके बारे में माना जाता है कि वे प्रसिद्ध व्यक्तित्वों और माध्यमों के पुनर्जन्म हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे शर्मिंदगी का अभ्यास करने में सक्षम हैं... यह पुस्तक उन लोगों के लिए चौंकाने वाली है जो एक ऐसा सिद्धांत देखते हैं जिस पर उन्होंने कभी विचार नहीं किया था, और अब अचानक शोध साक्ष्य द्वारा समर्थित है।

जहाँ तक कुछ निश्चित आस्थाओं में विश्वासियों की बात है, उनकी कुछ आध्यात्मिक विश्वास प्रणालियों का उजागर होना, विच्छेदन, दस्तावेजीकरण और क्रॉस-रेफ़रेंस होना भी एक आरामदायक एहसास नहीं है...। यह पुस्तक वास्तव में विचार के क्षेत्र में एक क्रांति शुरू करने का इरादा रखती है। अगर हम सभी को यह एहसास हो कि हम इस दुनिया में विपरीत लिंग के रूप में, दूसरे धर्म को अपनाकर, दूसरे देश में, दूसरी जाति में वापस आ सकते हैं, तो हमें एहसास होगा कि हम एक हैं और एक-दूसरे को कष्ट नहीं देना चाहिए।

हिन्दू

"प्रतिष्ठित व्यक्तियों का पिछला जीवन अनिवार्य रूप से उनके वर्तमान से जुड़ा होता है, क्योंकि उनकी आत्माएं एक शरीर से दूसरे शरीर में भटकती रहती हैं।"

इंडियन एक्सप्रेस

"प्रसिद्ध हस्तियों से जुड़े पुनर्जन्म के मामलों पर एक नई किताब... हमारी आत्माओं के लिए एक उत्तर हो सकती है।"

अग्रणी

"उम्मीद है कि यह पुस्तक एक प्रभावी चिकित्सीय पद्धति के रूप में पास्ट लाइफ रिग्रेशन के बारे में जागरूकता फैलाती है।"

आज

"यदि आप अपनी याददाश्त के साथ काम करने के लिए तैयार हैं, तो पिछले जीवन का प्रतिगमन और चिकित्सा पद्धतियां आपकी शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक बीमारियों को ठीक कर सकती हैं।"

डॉ. सनी सैटिन पीएच.डी., सीएनएन-आईबीएन पर साक्षात्कार

Machine Translated by Google

वाल्टर सेमकिव की पिछली किताब को बधाई
क्रांतिकारियों की वापसी:

पुनर्जन्म और आत्मा समूहों के पुनर्मिलन का मामला

"दिलचस्प लग रहा है!"
बिल क्लिंटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति

“मानव जाति के अस्तित्व के लिए, यह पिछले हज़ार वर्षों में लिखी गई सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक है। जब अनुसंधान कई सहसंबंधों को उजागर करता है, तो "संयोग" शब्द एक मेल बन जाता है, जो कई नई वैज्ञानिक खोजों की नींव है।

सी. नॉर्मन शीली

एमडी, पीएच.डी., न्यूरोसर्जन

चिकित्सा में आविष्कारक, 22 पुस्तकों के लेखक

"डॉक्टर की किताब। सेमकिव, रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़, शायद पश्चिमी दुनिया में मानव पुनर्जन्म का सबसे अच्छा प्रलेखित केस अध्ययन है। यह किताब बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि पुनर्जन्म का सच्चा विचार पहली बार पश्चिमी साहित्य में पेश किया गया था।"

वेन पीटरसन

एक्स्ट्राऑर्डिनरी टाइम्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स के लेखक।

Machine Translated by Google

AWARENESS
PUBLICATION

# BORN again

पुनर्जन्म का मामला
पात्र और मशहूर हस्तियाँ

डॉ। वाल्टर सेमकिव

Machine Translated by Google

# पुनर्जन्म

चरित्र और सेलिब्रिटी पुनर्जन्म मामला

मूल शीर्षक

पुनर्जन्म

लेखक

डॉ। वाल्टर सेमकिव

संपादक

हंडका विजयानंद
ब्रेंडा यानी-मैकरे

अनुवादक

तस्फान संतासिट्टा

कवर डिज़ाइनर एवं लेआउटर
हीरा धिताधीवरा

कॉपीराइट ©2006 वाल्टर सेमकीव
कॉपीराइट ©2008 जागरूकता प्रकाशन

आईएसबीएन 978-602-8194-26-6

अंक 1, दिसम्बर 2008

अंक 2, दिसंबर 2014

जागरूकता

प्रकाशन सेवा केन्द्र , 085888503388

Awarenesspublication@gmail.com

आप इस पुस्तक को तब तक डाउनलोड, प्रिंट, कॉपी और साझा कर सकते हैं जब तक यह बिक्री के लिए न हो।

Machine Translated by Google

विषयसूची

सामग्री सूची 5
मिशन वक्तव्य 8
धन्यवाद नोट 8
प्रस्तुति 8
लेखक का नोट 9
संपादक का नोट 10
पुनर्जन्म प्रकरण सूची 11

भाग I

पुनर्जन्म मामले पर स्वतंत्र रूप से शोध किया गया

1 पुनर्जन्म के साक्ष्य और समाज और धर्म पर इसका प्रभाव 2 पुनर्जन्म के सिद्धांत 19
और अनुसंधान डॉ. इयान स्टीवेन्सन 3
40

ऐनी फ्रैंक 4 पोर्ट्रेट का पुनर्जन्म 57
पेंटर और पुलिस कप्तान 5 संघचालक 68
जनरल और कनेक्टिकट यांकीज़ 6 न्यूरोसर्जन नॉर्म 75
शीली डॉ. 90
जॉन इलियटसन के पुनर्जन्म के रूप में; चार्ल्स डिकेंस का जेके
राउलिंग के रूप में पुनर्जन्म 7 अमेरिकी राजनयिक वेन पीटरसन का पिछला जीवन और
मैत्रेय और साईं बाबा के साथ उनके रिश्ते 8 पॉल गाउगिन और पाब्लो पिकासो के 8 पुनर्जन्म 100
पेनी पीयर्स के 9 तीन जीवन और
विभाजित अवतार घटना 119
145

भाग द्वितीय

केविन रायर्सन और अहतुन रे के माध्यम से मामले सुलझाए गए

10 केविन रायर्सन, टॉम मैकफरसन और अहतुन रे का परिचय 165

11 राल्फ नादर, कार्ल सागन के पुनर्जन्म के मामले, 174
और नील डोनाल्ड वाल्श

Machine Translated by Google

12 जॉर्ज डब्ल्यू बुश के पुनर्जन्म मामले, बिल 189
क्लिंटन, और अल गोर; यहाँ ज़ेनोग्लॉसी घटना है
13 ओपरा विन्फ्रे और अमेरिकी क्रांति 203
14 हाले बेरी डोरोथी डैंड्रिज के पुनर्जन्म के रूप में, 213
एक आत्मीयता का मामला
15 उरी गेलर, डैनियल डुंगलास होम, और एरियल शेरोन 217
16 नास्त्रेदमस और रबेलैस का पुनर्जन्म 247
17 लॉरेल और हार्डी पुनर्जन्म 252

भाग III

भारतीय, इंडोनेशियाई और फिलीपीनी महापुरूषों का पुनर्जन्म मामला

18 राष्ट्रपति अब्दुल कलाम टीपू सुल्तान के पुनर्जन्म के रूप में, 265
हैदर अली पुनर्जन्म के रूप में विक्रम साराभाई, और भारतीय मिसाइलों के पुत्र
19 इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और 280
1857 का स्वतंत्रता संग्राम
20 जवाहरलाल नेहरू के पुनर्जन्म के रूप में बेनजीर भुट्टो; 294
डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का अमेरिका में पुनर्जन्म 21 शाहरुख खान साधना बोस के
पुनर्जन्म के रूप में 301
22 अमिताभ और जया बच्चन, रेखा, सोनिया, 305
और राहुल गांधी, और अमेरिकी गृहयुद्ध
23 शिव बाबा और उनका पिछला जीवन 330
अगस्त्यर और वल्लालर के रूप में; पुनर्जन्म के साथ
एडवर्ड डी वेरे और विलियम शेक्सपियर
24 प्रशांत नेपोलियन: सोएकरनो का पिछला जीवन, 353
हट्टा, और फर्डिनेंड मार्कोस
25 हेनरी ओपुकाहिया, लिखित हवाईयन के अग्रणी 370
इंडोनेशिया में भाषा और उसका पुनर्जन्म

भाग IV

आत्मा की उत्पत्ति और पुनर्जन्म का उद्देश्य

26 परिचय और आईआईएसआईएस: 379
अध्यात्म विज्ञान की स्थापना
27 ब्रह्माण्ड और आत्माओं की रचना 384

Machine Translated by Google

28 सात किरणों की अवधारणा 390
29 डिपोल्स और कैन और हाबिल की कहानी 402
30 विभाजित अवतार या समानांतर जीवन 416
31 ज्योतिष, कबला, एनीग्राम और
आपका ऊर्जा स्पेक्ट्रम 420
32 अपने मूल सार को व्यक्त करना 432
मानव विकास और कर्म के 33 चरण 438
आध्यात्मिक जगत के 34 स्तर 455
पिछले जन्मों, होलोग्राम और आत्माओं के 35 फ्लैशबैक,
भूत, और यौगिक ब्रह्मांड 490
36 समय, स्थान और इंद्रियों की प्रकृति 498
37 अद्भुत बच्चे: पिकासो, रूबेन्स, बीथोवेन और
माइकलएंजेलो फिर से जन्मे हैं 502
38 बोधिसत्व और पुनर्जन्म का अंत 521
39 यीशु के पिछले जीवन, दीक्षा, स्वर्गारोहण, और क्षमा 538
40 निष्कर्ष 554
लेखक के बारे में 558
पुस्तकालय सूची 560

Machine Translated by Google

# मिशन वक्तव्य

हिंसा को ख़त्म करने के लिए, अपनी एकता को
जगाने के लिए, सभ्यता के निर्माण में मदद करने के लिए, हम
खुशी के साथ, ग्रह पृथ्वी पर, अपनी धरती माता के पास लौटते हैं।

# धन्यवाद नोट

मैं इस पुस्तक को संभव बनाने के लिए सनी सैटिन और रॉक फर्टाडो को धन्यवाद देता हूं।

मैं सनी सैटिन की भी सराहना करता हूं
दयालु और सज्जन व्यक्ति, दुनिया भर के छात्रों को पिछले जीवन
प्रतिगमन चिकित्सा शुरू करने में उनके अथक प्रयासों के लिए।

# समर्पण

मैं बॉर्न अगेन को उन सभी आत्माओं को समर्पित करता हूं जो
इस पुस्तक में पुनर्जन्म के रूप में दिखाई देती हैं
मामले.

Machine Translated by Google

# लेखक का नोट

बॉर्न अगेन मामलों का एक अध्ययन है
पिछले जीवन प्रकाशित स्रोतों के साथ-साथ मेरे अपने शोध, विश्लेषण और टिप्पणियों पर आधारित हैं। यह पुस्तक मेरा अपना स्वतंत्र कार्य है और इस पुस्तक में उल्लिखित किसी भी व्यक्ति का कोई सहयोग, प्रोत्साहन या प्रायोजन व्यक्त या निहित नहीं है, जब तक कि विशेष रूप से उल्लेख न किया गया हो। तथ्य यह है कि मैं विभिन्न जीवित लोगों के पिछले जीवन के साक्ष्य को पहचानता हूं इसका मतलब यह नहीं है कि वे मेरे विचार साझा करते हैं या मेरे निष्कर्षों को स्वीकार करते हैं। बॉर्न अगेन में लिखी टिप्पणियाँ और निष्कर्ष मेरे अपने हैं।

कॉपीराइट कानूनों के तहत उचित उपयोग के दायरे से बाहर होने पर कॉपीराइट धारक से अनुमति लेने और प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। हालाँकि, अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, मैं कुछ छवियों की कॉपीराइट स्थिति की पुष्टि करने में असमर्थ रहा। इसलिए, मैं इन छवियों के कॉपीराइट स्वामियों को प्रकाशक से संपर्क करने के लिए आमंत्रित करता हूं ताकि भविष्य के प्रकाशनों में उचित अधिकार प्राप्त किए जा सकें।

वाल्टर सेमकिव, बॉर्न अगेन के लेखक

Machine Translated by Google

# संपादक का नोट

## मैं डॉ से मिला. जिस समय वह वाल्टर सेमकिव बने

2007 में आईएआरआरटी सम्मेलन, कनेक्टिकट यूएसए में वक्ताओं में से एक और उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों में मेरी बहुत रुचि थी।

उस समय जेफ कीन भी मौजूद थे, जो बॉर्न अगेन मामले के एक उदाहरण हैं और जब यह घोषणा की गई कि इस पुस्तक का भारतीय भाषा में अनुवाद किया गया है, तो मैंने इसे इंडोनेशियाई में भी अनुवाद करने की इच्छा व्यक्त की। फिर पता चला कि हंडका विजानंद और उनकी टीम भी अनुवाद करने को तैयार थी जिससे मेरा काम हल्का हो गया। यह पुस्तक पुनर्जन्म का एक बहुत ही दिलचस्प मामला है क्योंकि यह पिछले और वर्तमान जन्मों के बीच चेहरे की समानता के बारे में बात करती है, और मेरी जानकारी के अनुसार, किसी भी लेखक ने कभी भी चेहरे की समानता का प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है। यह समझना किसी के लिए भी पढ़ने और समझने लायक है कि पिछला जीवन और वर्तमान जीवन आपस में इतने घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं कि हम सभी एक-दूसरे को चोट नहीं पहुँचाते हैं।

## ब्रेंडा यानी-मैकरे, रिग्रेशन हिप्नोथेरेपिस्ट, रहती हैं

प्यारे इंडोनेशियाई राष्ट्र के लिए ओशनसाइड, कैलिफ़ोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका।

Machine Translated by Google

# पुनर्जन्म मामले की सूची

भाग I

स्वतंत्र रूप से शोधित पुनर्जन्म मामले का उपयोग किया गया

| | | अब |
|---|---|---|
| अध्याय 1 | जेम्स हस्टन जूनियर बनें | जेम्स लेनिंगर |
| | सुरेश वर्मा | टीटू सिंह |
| अध्याय दो | हानान मंसूर | सुजैन घनम |
| | रशीद खडगेगे | डेनियल जुर्डी |
| अध्याय 3 | ऐनी फ्रैंक | बार्ब्रो कार्लेन |
| अध्याय 4 | कैरोल बेकविथ | रॉबर्ट स्नो |
| अध्याय 5 | जॉन बी. गॉर्डन | जेफरी कीन |
| | कैडमस विलकॉक्स | वेन ज़ेलेटा |
| अध्याय 6 | जॉन इलियटसन | सामान्य शीली |
| | एंटोन मेस्मर | जॉन काबट-ज़िन |
| | चार्ल्स डिकेंस | जेके रॉउलिंग |
| अध्याय 7 | फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी | वेन पीटरसन |
| | लुईस वेंडरबिल्ट | वेन पीटरसन |
| | क्लाउड लेडौक्स | वेन पीटरसन |
| अध्याय 8 | पॉल गौगुइन | पीटर टेकैम्प |
| | पब्लो पिकासो | एलेक्जेंड्रा नेचिता |
| अध्याय 9 | चार्ल्स पार्कहर्स्ट | पेनी पियर्स |
| | ऐलिस कैरी | पेनी पियर्स |
| | फोबे कैरी | पाउला पियर्स |

Machine Translated by Google

भाग द्वितीय:

केविन रायर्सन और अहतुन रे के माध्यम से मामले सुलझाए गए

| | | |
|---|---|---|
| अध्याय 10 | जॉन एडम्स | वाल्टर सेमकिव |
| | पीटर एडम्स | जॉर्ज सेमकिव |
| अध्याय 11 | चार्ल्स थॉमसन | राल्फ नादर |
| | डेविड रिटनहाउस | कार्ल सैगन |
| | अबीगैल एडम्स | मैरिएन विलियमसन |
| | जेम्स ओटिस | जॉन हेगेलिन |
| अध्याय 12 | पेयटन रैंडोल्फ | बिल क्लिंटन |
| | होरेशियो गेट्स | ऐल गोर |
| | डेनियल मॉर्गन | जॉर्ज डब्ल्यू बुश टोनी ब्लेयर |
| | मार्क्विस लाफायेट | टॉमी फ्रैंक्स |
| | जॉर्ज वाशिंगटन | |
| अध्याय 13 | जेम्स विल्सन | ओपराह विन्फ्री |
| अध्याय 14 | डोरोथी डैंड्रिज | हैली बैरी |
| अध्याय 15 | डेनियल डी. होम | उरी गेलर |
| | सच्चा होम | हन्ना गेलर |
| | ग्रिचा होम | शिपी श्रत्रंग |
| | जे. ग्लौमेलाइन | याफ़ा |
| | श्रीमान श्रीमती। डी. जार्विस | श्रीमान श्रीमती। बी जेनिस |
| | जॉन एडमंड्स | अम्नोन रुबिनस्टीन |
| | अलेक्जेंडर अक्साकॉफ़ | एंड्रीजा पुहारिच |
| | सर विलियम क्रुक्स | डेविड बोहम |
| | अलेक्जेंडर द्वितीय | जोस लोपेज़ पोर्टिलो |
| | नेपोलियन तृतीय | एरियल शेरॉन |
| अध्याय 16 | नोस्ट्राडमस | हंस क्रिश्चियन किंग |
| | रबेलैस | माइकल क्रिक्टन |
| अध्याय 17 | ओलिवर हार्डी | डैनी बाचर |
| | स्टेन लॉरेल | जोश बाचर |

Machine Translated by Google

भाग III

भारतीय, इंडोनेशियाई और फिलीपीनी महापुरूषों का पुनर्जन्म मामला

| | | |
|---|---|---|
| अध्याय 18 | टीपू सुल्तान | ए पी जे अब्दुल कलाम |
| | हैदर अली | विक्रम साराभाई |
| | मुहम्मद सादिक | ब्रह्म प्रकाश |
| | बुरहान-उद-दीन | वर्नर वॉन ब्रूम |
| अध्याय 19 | नाना साहब | इंदिरा गांधी |
| | बहादुर शाह जफर | जवाहर लाल नेहरू |
| अध्याय 20 | जवाहर लाल नेहरू | बेनजीर भुट्टो |
| | भीमराव रामजी अम्बेडकर | मेव (कैनेडी) टाउनसेंड |
| अध्याय 21 | साधोना बोस | शाहरुख खान |
| अध्याय 22 | एडविन बूथ | अमिताभ बच्चन |
| | मैरी मैकविकर्स | जया बच्चन |
| | एडविन बूथ एडविन | श्वेता बच्चन |
| | बूथ जूनियर | अभिषेक बच्चन |
| | मैरी डेवलिन | रेखा |
| | एशिया बूथ | भावना सोमाया |
| | लौरा कीन | निकोल किडमैन |
| | टॉम टेलर | डेविड मैमेट |
| | जोसेफ जेफरसन | टॉम क्रूज |
| | वर्जिनिया हार्नड | मिमी रोजर्स |
| | जुनियस ब्रूटश बूथ | हरिवंशराय श्रीवास्तव बच्चन |
| | मैरी ऐनी होम्स बूथ | तेजी बच्चन |
| | एडविन स्टैंटन लुसी हेल जॉन | इंदिरा गांधी |
| | पी. हेल रॉबर्ट टॉड लिंकन | सोनिया गांधी |
| | | राहुल गांधी |
| | | स्टीवन स्पीलबर्ग |

Machine Translated by Google

| | | |
|---|---|---|
| अध्याय 23 | अगस्तयार | शिव बाबा |
| | रामलिंगम (वल्लालर) | शिव बाबा |
| | मणिकावकाकर | शिव बाबा |
| | एडवर्ड डी वेरे | शिव बाबा |
| | विलियम शेक्सपियर | अगस्त विल्सन |
| | नाथन फील्ड | जॉनी डेप |
| | विलियम कैमडेन | रॉबर्ट रोसेन |
| | जोनाथन एडवर्ड्स | वेन डायर |
| अध्याय 24 | विलियम पिट लेलेइओहोकू | Soekarno |
| | कलुआइकु कपाकेआ | मोहम्मद हट्टा |
| | नेपोलियन (यूजीन) चतुर्थ | फर्डिनेंड मार्कोस |
| अध्याय 25 | हेनरी ओपुकाहिया | हंडका विजयानंद |

भाग IV

आत्मा की उत्पत्ति और पुनर्जन्म का उद्देश्य

| | | |
|---|---|---|
| अध्याय 28 | नेपोलियन बोनापार्ट | जैक वेल्च |
| | एडम स्मिथ | जेफरी सैक्स एरिक |
| | हैन्स क्रिश्चियन एंडरसन | बर्गलुंड पॉल आर्मिटेज |
| | एडवर्ड ग्रिग | स्टीवन डब्ल्यू स्क्वॉयरेस |
| | निकोलस कोपरनिकस | |
| अध्याय 29 | जॉर्ज वाशिंगटन | जॉन केना |
| | | जॉर्ज मार्शल |
| | | टॉमी फ्रैंक्स |
| | रॉबर्ट कोच | क्रेग वेंटर |
| | लुई पास्चर | फ्रांसिस कोलिन्स |
| | अविला के जीन बैपटिस्ट लैमार्क | ब्रूस लिप्टन |
| | सेंट टेरेसा | सुसान ट्राउट |
| अध्याय 32 | जेम्स विल्सन | ओपरा विन्फ्रे जॉर्ज डब्ल्यू |
| | डेनियल मॉर्गन | बुश टॉम |
| | थॉमस जेफरसन | |
| | कैरोल बेकविथ | रॉबर्ट स्नो |
| | निकोलस डी ले रेनी | रॉबर्ट स्नो |
| | जीन बैपटिस्ट कोलबर्ट | वाल्टर सेमकिव |

Machine Translated by Google

अध्याय 35

ग्रे ईगल

चमकता चाँद

किम एडम्स

डी लोचर

अध्याय 37

पीटर पॉल रूबेन्स

लुडविग वान बीथोवेन

माइकल एंजेलो

अकैने क्रामारिक

गुस्तावो डुडामेल

पॉल फेलिक्स-मोंटेज़

अध्याय 39

विल्जा विटकोम्बे

देवानमपिया तिस्सा

युगल मामला

अध्याय 29

मोशे डायन

बेनेडिक्ट अर्नोल्ड

मोहम्मद अली

महात्मा गांधी

क्रिस्टोफर मार्लो

थॉमस एडीसन

ओलिवर हार्डी

रॉबर्ट कोचो

चार्ल्स डार्विन

असीसी के सांता क्लेयर

सेंट जॉन द क्रॉस

यीशु

अलेक्जेंडर हैमिल्टन

जॉन एडम्स

अनवर सादात

जॉर्ज वाशिंगटन

जो फ्रेज़ियर

जवाहर लाल नेहरू

विलियम शेक्सपियर

हेनरी फ़ोर्ड

स्टेन लॉरेल

लुई पास्चर

जीन बैपटिस्ट लैमार्क

सेंट फ्रांसिस

असीसी से

अविला की सेंट टेरेसा/

सुसान ट्राउट

मैरी, यीशु की माँ

जेम्स मैडिसन

थॉमस जेफरसन

Machine Translated by Google

# भाग I

## स्वतंत्र रूप से

पुनर्जन्म प्रकरण पर शोध किया

Machine Translated by Google

# 1

## पुनर्जन्म के साक्ष्य और उसका प्रभाव समाज और धर्म पर

कला सहस्राब्दी के मोड़ पर, स्वतंत्र रूप से शोध किया गया
पुनर्जन्म के मामले सामने आए, जिससे पता चला कि जीवन दर जीवन, लोगों के चेहरे की विशेषताएं, व्यक्तित्व लक्षण, जुनून, प्रतिभा और यहां तक कि भाषाई लेखन शैली भी समान होती हैं। सबसे ठोस मामले उन बच्चों में होते हैं जिनके पास पिछले जन्मों की सहज यादें होती हैं जिन्हें तथ्यों के आधार पर सिद्ध किया जा सकता है। हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका में, इस तरह का एक मामला राष्ट्रीय टेलीविजन चैनलों पर दिखाया गया था। 2005 में, जेम्स लीनिंगर नाम के एक लड़के के पुनर्जन्म का मामला एक लोकप्रिय टेलीविजन समाचार कार्यक्रम एबीसी प्राइमटाइम पर प्रसारित किया गया था।

इस लड़के को याद है कि द्वितीय विश्व युद्ध में एक लड़ाकू पायलट के रूप में उसकी मृत्यु हो गई थी।

लड़के के माता-पिता अपने बेटे की मदद के लिए पुनर्जन्म शोधकर्ता कैरोल बोमन के पास जाते हैं, जो बच्चों के मामलों से निपटने में माहिर हैं, जिन्हें विमान दुर्घटनाओं के बारे में बुरे सपने आते हैं। जेम्स ने अपने माता-पिता, ब्रूस और एंड्रिया लेनिंगर को जो जानकारी दी, उसके माध्यम से उनके पिता जेम्स हस्टन जूनियर नामक एक अमेरिकी लड़ाकू पायलट के रूप में अपने बेटे के पिछले जीवन को साबित करने में सक्षम थे, और जब छोटा जेम्स हस्टन की जीवित बहन के साथ फिर से मिला, तो केवल जानकारी के आधार पर जेम्स हस्टन के पास था। वह खुद जानती है, हस्टन की बहन ने छोटे जेम्स को अपने दिवंगत भाई के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार किया।

कैरल ने अपनी पुस्तक, चिल्ड्रेन्स पास्ट लाइव्स में एक और मामला बताया है
बोमन ने भारत में नाम के एक लड़के से जुड़े उद्धरण दिए
टीटू सिंह जिन्हें जीवन की स्पष्ट याददाश्त है

Machine Translated by Google



आगरा में उनका अतीत, कि उनका नाम सुरेश वर्मा था। उसे याद आया कि उसकी पत्नी उमा है और उसके दो बच्चे हैं।

जब वह अपने पिछले जीवन के परिवार के साथ फिर से जुड़ जाता है, तो वह अपने परिवार के सदस्यों को पहचानता है, सुरेश वर्मा के जीवन के विवरण बताता है जो सच साबित होते हैं, इस प्रकार टीटू को वर्मा परिवार द्वारा सुरेश के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार किया जाता है। यह मामला 1990 में बीबीसी के फोर्टी मिनट्स पर भी प्रसारित किया गया था और हाल ही में रीइंकार्नेशन इंटरनेशनल में दिखाया गया था।

लंदन में प्रकाशित.

एक और मामला जो बचपन की यादों से जुड़ा है

बारब्रो कार्लेन की, एक लड़की जो बचपन से ही अपने पिछले जीवन को ऐनी फ्रैंक के रूप में याद कर सकती है। फ्रैंक/कारलेन मामला समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐनी फ्रैंक ने एक यहूदी के रूप में उत्पीड़न का अनुभव किया था, जबकि बारब्रो का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था। इस मामले को बाद में विस्तार से प्रस्तुत किया जाएगा.

यह पुस्तक तीन भागों में विभाजित है। पहले भाग में स्वतंत्र रूप से शोध किए गए पुनर्जन्म के मामले शामिल हैं, जो पुनर्जन्म के सामान्य सिद्धांतों को प्रदर्शित करते हैं, जैसे कि यह अवलोकन कि चेहरे की विशेषताएं एक अवतार से दूसरे अवतार में समान रहती हैं।

दूसरे भाग में केविन रायर्सन, एक ट्रान्स माध्यम* के माध्यम से पश्चिम में सुलझाए गए मामलों को शामिल किया गया है, जिसकी दुनिया भर में प्रतिष्ठा है, जिसे शर्ली मैकलेन** की तीन पुस्तकों में दिखाया गया है।
एक चैत्य स्वयं को ध्यान की स्थिति या ट्रान्स में लाकर काम करता है, जिससे आध्यात्मिक प्राणियों को उसके माध्यम से बोलने की अनुमति मिलती है। पुनर्जन्म पर शोध करते समय, मुझे पता चला कि केविन ने अहतुन रे नामक एक मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक को प्रसारित किया, जो पिछले जन्मों की पहचान करने की क्षमता प्रदर्शित करता है।

---

* ट्रान्स माध्यम: मानसिक व्यक्ति जो सम्मोहित अवस्था या उच्च स्तर की एकाग्रता में मर चुके लोगों की आत्माओं से संवाद कर सकता है ताकि उन्हें अपने परिवेश के बारे में पता न चले। रायर्सन के मामले में, उन्होंने अपनी मार्गदर्शक भावना को अपने अंदर प्रवेश करने और अपने माध्यम से बोलने की अनुमति दी।

** शर्ली मैकलेन (जन्म 24 अप्रैल, 1934) एक ऑस्कर विजेता, फिल्म और थिएटर हैं
अभिनेत्री, न केवल अपने अभिनय के लिए, बल्कि पुनर्जन्म और अन्य प्राकृतिक प्राणियों के अस्तित्व में अपने विश्वास के प्रति समर्पण के लिए भी जानी जाती हैं।

Machine Translated by Google



सटीक रूप से, मेरी टिप्पणियों के अनुसार। यह एक दुर्लभ क्षमता है और जब मुझे पता चला कि अहतुन रे को इस क्षमता में एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, तो मैंने केविन के साथ नियमित आधार पर काम करना शुरू कर दिया। बॉर्न अगेन के प्रकाशन के समय, मैंने केविन के साथ पाँच वर्षों से अधिक समय तक काम किया था और उसके साथ सत्तर से अधिक सत्र किये थे। केविन के आध्यात्मिक मार्गदर्शक के साथ बहुत अनुभव प्राप्त करने के बाद, मैं पुनर्जन्म के मामलों में सटीक मिलान स्थापित करने की अहतुन रे की क्षमता पर विश्वास करने लगा। इस प्रकार, मैंने यह निर्धारित करने के लिए अहतुन रे को "स्वर्ण मानक" के रूप में उपयोग किया है कि पिछले जीवन का मिलान सटीक है या नहीं। बॉर्न अगेन और मेरी पिछली पुस्तक, रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ में प्रकाशित सभी पुनर्जन्म मामलों की अहतुन रे द्वारा सटीक और वैध रूप से पुष्टि की गई थी।

तीसरे भाग में भारतीय, इंडोनेशियाई और फिलिपिनो हस्तियों के पुनर्जन्म के मामले शामिल हैं जो ज्यादातर केविन रायर्सन के साथ मेरे सहयोग से सामने आए हैं, जैसा कि हम देखेंगे, एक आत्मा एक जीवनकाल में भारत में और एक बार संयुक्त राज्य अमेरिका या पाकिस्तान में अवतरित हो सकती है। समय में इंगित। एक और जिंदगी। अंतिम अध्याय में भारतीय आध्यात्मिक शिक्षक, शिव बाबा को दिखाया गया है, जिन्होंने पुनर्जन्म पर मेरे शोध का समर्थन किया था, और जो स्वतंत्र रूप से अपने पिछले जीवन के बारे में कुछ जानते हैं।

सहजता पर आधारित पुनर्जन्म का वस्तुनिष्ठ प्रमाण

बचपन और वयस्कता दोनों में पिछले जन्मों की यादें अनिवार्य रूप से उभरती रहती हैं। इंटरनेट की उपस्थिति के साथ, विश्व स्तर पर इन मामलों के बारे में संचार पुनर्जन्म मामलों के डेटा का एक बड़ा संग्रह तैयार करेगा।

मैंने केविन रायर्सन और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इंस्टीट्यूट फॉर द इंटीग्रेशन ऑफ साइंस, इंट्यूशन एंड स्पिरिट (आईआईएसआईएस) की स्थापना की है, जो पुनर्जन्म, मनुष्यों या आत्माओं के विकास और संबंधित मामलों पर वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए समर्पित है। यहां मैं पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के कारण समाज में होने वाले कुछ बदलावों की समीक्षा करना चाहता हूं:

Machine Translated by Google



• पुनर्जन्म की समझ से उत्पन्न सबसे लाभकारी प्रभावों में से एक विभिन्न जातीय, धार्मिक और नस्लीय पृष्ठभूमि के लोगों के बीच हिंसा में कमी है। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के विनाश जैसी घटनाओं के साथ-साथ विरोधी संस्कृतियों के लोगों के बीच होने वाली हिंसा और हत्याओं की दैनिक खबरों को देखते हुए, इस बदलाव की तत्काल आवश्यकता है। इस पुस्तक में प्रस्तुत साक्ष्य से पता चलता है कि लोग जीवन भर धार्मिक, जातीय और नस्लीय गठबंधन बदल सकते हैं।

• जब किसी को पता चलता है कि धार्मिक विश्वास एक अस्थायी विश्वास प्रणाली है, कि वह एक जीवन में ईसाई हो सकता है, और दूसरे जीवन में यहूदी, मुस्लिम, हिंदू या बौद्ध हो सकता है, तो ये धार्मिक संघर्ष अतार्किक प्रतीत होंगे। . वास्तव में, हम सभी को स्वयं को केवल ईसाई, यहूदी, मुस्लिम या हिंदू के रूप में सोचना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि जन्मों-जन्मों के अंतराल में, हम उनमें से सभी बन गए हैं, और उससे भी अधिक। इस समझ की अच्छी बात यह है कि इसमें किसी भी धर्म को नीचा नहीं दिखाया जाता और किसी को गलत नहीं माना जाता। वास्तव में, हम समझेंगे कि जीवन से लेकर जीवन तक, हमें विभिन्न धार्मिक शिक्षाओं का आनंद लेने और सीखने का अवसर मिलता है। मुख्य बात यह है कि किसी एक विशेष विश्वास प्रणाली से बहुत अधिक न जुड़ें, क्योंकि अंत में, यह केवल विभाजन और संघर्ष की ओर ले जाता है।

मेरा मानना है कि पुनर्जन्म के तंत्र का ज्ञान मानवता को जनजातीय मानसिकता से विकसित होने में मदद करेगा, जिसमें हम एक विशेष धार्मिक, जातीय, नस्लीय या राष्ट्रीय समूह के साथ सार्वभौमिक मानव स्तर की ओर पहचान करते हैं। सार्वभौमिक मानव के रूप में, हम कई संस्कृतियों को समझते हैं और उनका सम्मान करते हैं, लेकिन खुद को किसी एक संप्रदाय से जोड़कर नहीं देखते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में, गैरी जुकाव और बारबरा मार्क्स हबर्ड जैसे लेखक यूनिवर्सल मैन की अवधारणा को जारी रख रहे हैं।

Machine Translated by Google



इस पुस्तक में दी गई जानकारी उनके विचारों को और अधिक ठोस आधार प्रदान करेगी।

• जैसे-जैसे हम आदिवासी लोगों से सार्वभौमिक मानव में बदलते हैं, नस्लवाद और धार्मिक पूर्वाग्रह ख़त्म हो जायेंगे. राष्ट्रवाद और जातीय गौरव को भी ऐसे परिप्रेक्ष्य में रखा जाएगा, जब हमें यह एहसास होगा कि हम अलग-अलग देशों में और विविध जातीय पृष्ठभूमि वाले माता-पिता से एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में जन्म ले सकते हैं। जब हमें एहसास होता है कि हम एक जीवन में श्वेत हो सकते हैं और दूसरे जीवन में काले या एशियाई, तो नस्लीय पूर्वाग्रह गायब हो जाएगा। • विभिन्न धर्म शिक्षाओं के अधिक सार्वभौमिक सेट को अपनाएंगे, क्योंकि आध्यात्मिकता अधिक वैज्ञानिक हो जाएगी, जो टिप्पणियों और वस्तुनिष्ठ डेटा पर आधारित होगी। वास्तव में, आध्यात्मिकता अनिवार्य रूप से विश्वास के दायरे से ज्ञान के दायरे की ओर बढ़ेगी। धार्मिक संगठन महत्वपूर्ण बने रहेंगे, क्योंकि हमें अभी भी ईश्वर से मिलने और उसकी पूजा करने के लिए जगह की आवश्यकता होगी।

• जब सामूहिक संघर्ष और युद्ध कम हो जायेंगे तो व्यक्तिगत हिंसक और आपराधिक व्यवहार भी कम हो जायेगा।

यह पूर्वानुमान दो सिद्धांतों पर आधारित है। पहला यह कि लोग कर्म को वास्तविकता के रूप में महसूस करेंगे। हमें पता चल जाएगा कि हम दूसरों के साथ जो करते हैं वह उचित समय पर हमारे पास वापस आएगा। इससे उन लोगों के व्यवहार में बदलाव आएगा, जो नास्तिक हैं और जो स्थापित धर्मों का पालन करते हैं। आज, धार्मिक सिद्धांत सिखाते हैं कि गलत काम को कुछ धार्मिक और दैवीय शक्तियों द्वारा हटाया या माफ किया जा सकता है। इससे उचित व्यवहार करने की प्रेरणा कम हो जाती है।

पुनर्जन्म के साक्ष्य से यह जागरूकता आएगी कि हम अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं और अगले जन्म में हम उन्हीं कार्यों के अधीन होंगे जो हमने इस जीवन में किए थे। यदि हम इस जीवन में किसी का मजाक उड़ाते हैं, तो दूसरे जीवन में हम उपहास का पात्र बनेंगे। अगर हम किसी को मारते हैं, तो

Machine Translated by Google



दूसरे जीवन में हम अपने कार्यों के कारण पीड़ा का अनुभव करेंगे। अगर हम सहनशीलता और करुणा प्रकट करें तो ये चीजें भी हमारे पास वापस आ जाएंगी।

इस समझ के साथ, किसी भी कार्रवाई जिसमें दूसरे पक्ष को नुकसान पहुंचाने की क्षमता हो, उस पर अधिक सावधानी से विचार किया जाएगा। कुछ लोग तर्क देंगे कि पुनर्जन्म को स्वीकार करने वाली संस्कृति में बुराई अभी भी मौजूद है। मैं इसका जवाब यह तर्क देकर देता हूं कि पुनर्जन्म में विश्वास करने और यह जानने के बीच एक बड़ा अंतर है कि पुनर्जन्म मानव आत्मा का विकासवादी मार्ग है।

जब आप पूरी तरह से जानते हैं कि पुनर्जन्म और कर्म वास्तविक हैं, तो अपराध करना जानबूझकर धधकती भट्टी में अपना हाथ डालने जैसा है।

हिंसा कम होने का एक और कारण यह है
लोगों को एहसास होगा कि वे इस जीवन में प्राप्त ज्ञान और कौशल को अगले जीवन में ले जा सकते हैं। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जिनका जन्म गरीबी या अन्य अभावग्रस्त क्षेत्रों में हुआ है। जो लोग गरीब पैदा हुए हैं, जो लोग जीवन में उपेक्षित महसूस करते हैं, उनके लिए बुराई ही एकमात्र रास्ता हो सकता है। यह अमेरिकी संस्कृति में विशेष रूप से सच है, जहां भौतिकवाद व्याप्त है, और अमीरों और अमीरों के बीच का अंतर इतना बड़ा कभी नहीं रहा। इस असमान स्थिति को देखते हुए, जो लोग अपराध करते हैं वे अपने कार्यों को उस अन्याय के प्रतिशोध के रूप में और अपनी निराशा के इलाज के रूप में देख सकते हैं।

इस पुस्तक में प्रस्तुत साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि जीवन से
जीवन में, हम वही पाते हैं जो हमने पीछे छोड़ा है, कि हम अपने साथ पिछले जन्मों में हासिल किए गए कौशल और क्षमताओं को लेकर चलते हैं।
हम देखेंगे कि व्यक्ति किसी कार्य को पूरा करने या पिछले जीवन में शुरू किए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए जीवन में लौट सकते हैं।
यह उन लोगों के लिए आशा ला सकता है जो ऐसी स्थिति में फंसे हुए हैं

Machine Translated by Google



प्रतिकूल. जिस व्यक्ति को लगता है कि इस जीवनकाल में उसके अवसर अवरुद्ध हैं, वह अगले जीवन के लिए योजना बना सकता है और निवेश कर सकता है।
हम अगले अवतार की तैयारी के लिए इस अवतार का अध्ययन, समझ और अभ्यास शुरू कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर पर अगर आप एक महान संगीतकार बनना चाहते हैं तो आज ही वह इच्छा पूरी कर लें. भविष्य के अवतारों में, आप अतीत में विकसित की गई प्रतिभाओं को सामने लाने में सक्षम होंगे। यदि आप अमीर बनना चाहते हैं, तो आज से ही वित्त और निवेश के बारे में सीखें, और आप अपनी व्यावसायिक प्रतिभा को अगले जीवन में ले जाएंगे। यदि आप एक महान संगीतकार बनना चाहते हैं, तो आज से ही किसी वाद्य यंत्र को बजाने का अभ्यास करें और गीत रचना सीखें, ताकि कल के जीवन में प्रतिभा उभर कर सामने आ सके। यह जानना कि इस जीवन में किया गया प्रयास दूसरे जीवन में फल देगा, निश्चित रूप से निराशा में पड़े लोगों के लिए आशा लाएगा।

• दुनिया की भूख और गरीबी से लड़ना और भी मुश्किल हो जाएगा

इस ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए गंभीर चिंता। ऐसा दो अनुभूतियों के कारण होगा। सबसे पहले, हम समझेंगे कि हम उस दुनिया में लौटेंगे जिसके निर्माण में हमने मदद की थी। हम भविष्य में अवतारों में जिन परिस्थितियों में रहेंगे उसके लिए हम जिम्मेदार हैं।

स्वार्थी दृष्टिकोण से, यह ज्ञान कि हम एक गरीब देश में पुनर्जन्म ले सकते हैं, विकसित देशों में रहने वालों को गरीब देशों के साथ संसाधन साझा करने के लिए प्रेरित करेगा।

विकसित देशों के निवासियों को गरीब देशों को बुनियादी ढांचे और आर्थिक नीतियों के निर्माण में मदद करने की अधिक आवश्यकता महसूस होगी जो उनकी आबादी की बुनियादी जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित कर सकें।

तीसरी दुनिया के देशों के ऋण के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदल जाएगा क्योंकि हम गरीबों की दुर्दशा के बारे में अधिक चिंतित हो जाएंगे।

दूसरा, आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, हमें एहसास होगा कि मृत्यु के समय हमारे बैंक खाते में उतनी ही धनराशि थी

Machine Translated by Google



परमेश्वर की दृष्टि में बिल्कुल अर्थहीन। इसके बजाय, जो सार्थक है वह अच्छे कर्म हैं जो इस पर आधारित हैं कि हमने अपने जीवनकाल में दूसरों की मदद के लिए क्या किया है। कर्म की बेहतर समझ के साथ, अमीर उन लोगों की पीड़ा को कम करने के बारे में अधिक चिंतित होंगे जिनके पास कुछ नहीं है।

साथ मिलकर, हम इस दुनिया को उन लोगों के लिए एक बेहतर जगह बनाने के तरीकों को डिजाइन करने में अपना अधिक समय, ऊर्जा, पैसा और रचनात्मकता निवेश करेंगे जो प्रतिकूल परिस्थितियों में पैदा हुए थे।

हम अपने संसाधनों को बड़े घरों, शानदार कारों, आभूषणों और ट्रिंकेट, खेल टीमों और हिंसक खेलों में लगाने के लिए कम प्रेरित होंगे। दूसरी ओर, हममें आम भलाई के लिए जीवन स्थितियों में सुधार करने की इच्छा होगी। पुनर्जन्म का ज्ञान हमारे मूल्यों को बदल देगा, और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से मूल्यवान चीजों को आगे बढ़ाने की इच्छा पैदा होगी।

- पर्यावरण की रक्षा करना एक और अधिक गंभीर मुद्दा बन जाएगा क्योंकि लोगों को यह एहसास होने लगेगा कि वे भविष्य में बार-बार ग्रह पृथ्वी, हमारी धरती माता पर लौटेंगे। लोगों को एहसास होगा कि अगले जीवन में उन्हें स्वयं उन पर्यावरणीय समस्याओं से निपटना होगा जो वे आज पैदा कर रहे हैं।

आर्थिक लाभ अब एक बहाना नहीं होगा जो पर्यावरण के संरक्षण से आगे जाता है, क्योंकि लोगों को एहसास होगा कि वे जो कुछ भी करते हैं वह मायने रखता है और पृथ्वी के खिलाफ अपराध का कार्मिक प्रभाव भी होता है।

- परिवार के सदस्यों, दोस्तों, दुश्मनों के बीच भी रिश्ते बेहतर हो जाएंगे जब लोगों को एहसास होगा कि हम समूहों में जीवन में लौट रहे हैं, कि हम उन लोगों के साथ पृथ्वी पर लौट रहे हैं जिन्हें हम पहले जानते हैं।

जो लोग एक जीवन में हमसे झगड़ते हैं, हम दूसरे जीवन में फिर मिलेंगे। हमारा सबसे घातक शत्रु हमारे पास वापस आ सकता है

Machine Translated by Google



परिवार का कोई सदस्य या सहकर्मी, ताकि हमें उस व्यक्ति को वास्तव में जानने का एक और मौका मिल सके और संघर्ष को समाप्त करने का अवसर मिल सके। इस प्रकार, हम अपने वर्तमान अवतार में आपसी समझ के लिए और अधिक प्रयास करेंगे। हम उन लोगों को सहन करना सीखेंगे जिनके जीवन में परस्पर विरोधी विचार और भिन्न मूल्य हैं।

जो रिश्ते एक-दूसरे से प्यार करते हैं उन्हें एक वस्तु के रूप में पहचाना जाएगा
पैसे या सोने से भी अधिक मूल्यवान.

## धर्म की स्थापना एवं पुनर्जन्म की स्वीकृति

यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थापित धर्म इस बढ़ते कदम पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे
दुनिया में पुनर्जन्म के प्रमाण लगातार सामने आते रहते हैं। धार्मिक अधिकारियों के पास दो विकल्प होंगे: पुनर्जन्म को अपने सिद्धांत में शामिल करें या इसे अस्वीकार करें। यदि धार्मिक अधिकारी पुनर्जन्म के साक्ष्य को अस्वीकार करते हैं, तो वे यथास्थिति बनाए रखेंगे और अल्पकालिक सुरक्षा उपाय करेंगे, लेकिन इसका मतलब यह भी है कि वे चल रहे धार्मिक संघर्ष को भी बढ़ावा दे रहे हैं, जो एक दिन पूर्ण रूप से विकसित हो सकता है।

आपदा।

यदि धार्मिक अधिकारियों को पुनर्जन्म के बारे में जानकारी मिलेगी तो वे मदद करेंगे
एक अधिक शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण करें। उनके धर्म सुंदर और सुंदर के लिए टिके रहेंगे
उनके भविष्यवक्ताओं की अद्भुत शिक्षाएँ नष्ट नहीं होंगी। इसके अलावा, लोग करेंगे
हमेशा धर्म की आवश्यकता होती है, क्योंकि लोगों को एक साथ आने और एक साथ भगवान की पूजा करने की आवश्यकता होती है।
सौभाग्य से, अधिकांश प्रमुख धर्मों के सिद्धांतों में ऐसे संदर्भ हैं जो पुनर्जन्म का समर्थन करते प्रतीत होते हैं, जो

सिस्टम में पुनर्जन्म को एकीकृत करना आसान बनाता है
पारंपरिक मान्यताएँ. भले ही मैं विशेषज्ञ नहीं हूं

---

*** यहां प्राधिकरण का तात्पर्य उन पार्टियों से है जिनके पास व्याख्या करने के मामले में शक्ति है
कुछ धार्मिक सिद्धांतों के कार्यान्वयन को विनियमित करना। उदाहरण के लिए, कैथोलिक धर्म में सर्वोच्च प्राधिकारी पोप के नेतृत्व में वेटिकन चर्च है।

Machine Translated by Google



धार्मिक हों या इस मामले पर अधिकार रखते हों, मुझे धार्मिक ग्रंथों के अंश साझा करने दीजिए जो पुनर्जन्म की ओर संकेत करते प्रतीत होते हैं। मैंने ईसाई धर्म, यहूदी धर्म और इस्लाम पर ध्यान केंद्रित किया क्योंकि इन धर्मों में परंपरागत रूप से पुनर्जन्म पर जोर नहीं दिया गया है।

## पुनर्जन्म और ईसाई धर्म

ईसाई, यहूदी और इस्लामी नेताओं के लिए पुनर्जन्म के साक्ष्य को स्वीकार करना आसान हो सकता है यदि वे यह पहचान लें कि पुनर्जन्म का सिद्धांत कभी उनके पैगम्बरों के सिद्धांतों का हिस्सा था। इस प्रकार, इस पुस्तक में प्रस्तुत जानकारी किसी भी तरह से नई नहीं है। वास्तव में, प्रमुख धर्मों में पुनर्जन्म की शिक्षाओं को नजरअंदाज कर दिया गया है और कभी-कभी जानबूझकर छिपा दिया गया है। आइए हम ईसाई धर्म को एक उदाहरण के रूप में लें।

नये नियम में यहूदियों को अपने महान पैगम्बरों के पुनर्जन्म की प्रतीक्षा करते हुए दर्शाया गया है। वास्तव में, ऐसा माना जाता है कि इन पैगम्बरों का प्राचीन काल में पुनर्जन्म हुआ था। उदाहरण के लिए, सामरी नामक यहूदी संप्रदाय का मानना था कि आदम का पुनर्जन्म नूह के रूप में हुआ, फिर अब्राहम के रूप में, फिर मूसा के रूप में।2 पिछले पैगम्बरों के पुनर्जन्म भी यीशु के समय यहूदियों के दिमाग में थे। दरअसल, यीशु के अनुयायी सोचते थे कि वह एक अवतारी भविष्यवक्ता हैं। आइए मैथ्यू के सुसमाचार के निम्नलिखित अंश पर ध्यान दें: "जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्र में पहुंचे, तो उन्होंने अपने शिष्यों से पूछा: 'लोग क्या कहते हैं कि मनुष्य का पुत्र कौन है?

उन्होंने उत्तर दिया: 'कुछ कहते हैं यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, कुछ कहते हैं एलिय्याह, और कुछ कहते हैं यिर्मयाह या भविष्यवक्ताओं में से एक।'' (मत्ती 16:13-14)

हेरोदेस, जिसने उस समय रोमन साम्राज्य के तहत यरूशलेम पर शासन किया था, यह भी अनुमान लगाता है कि यीशु कौन रहे होंगे। हेरोदेस यह भी सोचता है कि यीशु प्राचीन भविष्यवक्ताओं में से एक हो सकता है, या यहाँ तक कि जॉन बैपटिस्ट भी हो सकता है जिसका उसने हाल ही में सिर काट दिया था।

Machine Translated by Google



जब यीशु ने घोषणा की कि वह मसीहा है
यहूदी, उनके अनुयायी भ्रमित थे, क्योंकि धर्मग्रंथों में कहा गया था कि पैगंबर एलिजा (या ग्रीक में एलिजा) वापस आएंगे और मसीहा के आने से पहले आएंगे। शिष्यों ने यीशु को इस विसंगति के बारे में बताया। शिष्यों ने कहा, "फिर शास्त्रियों ने यह क्यों कहा कि एलिय्याह पहले आएगा? और यीशु ने उत्तर दिया और उन्हें बताया, कि यह सच है कि एलिय्याह पहले आएगा, और सभी चीजों को सीधा करेगा/सभी चीजों को पुनर्स्थापित करेगा। परन्तु मैं तुम से कहता हूं, कि यह एलिय्याह आया है, परन्तु उन्होंने उसे न पहचाना... तब उसके चेलों ने समझा, कि वह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के विषय में कहता है। (मत्ती 17:10-13)

नए नियम के एक अन्य भाग में, यीशु ने निर्विवाद रूप से कहा है कि जॉन बैपटिस्ट पैगंबर एलिजा का पुनर्जन्म था, "महिलाओं से जन्मे लोगों में जॉन बैपटिस्ट से अधिक गौरवशाली कोई नहीं है... और यदि आप सभी उसे स्वीकार करते हैं, तो यह एलिजा है...

वह जिसके पास सुनने के लिए कान हों , उसे सुनने दो।" (मत्ती 11:11-15)

पुनर्जन्म का उल्लेख नए नियम के एक अंश में भी किया गया है जहां शिष्य यीशु से पूछते हैं कि कुछ लोग अंधे क्यों पैदा होते हैं। शिष्यों ने पूछा, "किसने पाप किया, इस व्यक्ति ने या उसके माता-पिता ने?" (यूहन्ना 9:34) इस उद्धरण का तात्पर्य है कि इस अंधे व्यक्ति का पिछला अवतार था, जहाँ उसने एक पाप किया था जिसके कारण उसे अंधेपन का कर्मफल भुगतना पड़ता। पुनर्जन्म की धारणा के बिना, अंधा व्यक्ति वह पाप कैसे कर सकता है जो उसकी विकलांगता के लिए जिम्मेदार है, क्योंकि वह व्यक्ति जन्म से ही अंधा था? यीशु ने शिष्यों के तर्क से इनकार नहीं किया, हालाँकि उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति का अंधापन अन्य कारकों के कारण था।

नए नियम के इन उद्धरणों के अलावा, साक्ष्य से पता चलता है कि पुनर्जन्म एक समय प्रारंभिक चर्च सिद्धांत का हिस्सा था और चर्च फादर्स द्वारा प्रसारित किया गया था, लेखक जिन्होंने 8 वीं शताब्दी से पहले ईसाई सिद्धांत की स्थापना की थी और उनके काम का उपयोग ईसाई विचारों को अन्य लोगों तक फैलाने के लिए किया गया था। लोग। रोमन साम्राज्य के निवासी. एक बनने के लिए

Machine Translated by Google



चर्च के फादर, एक व्यक्ति को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना होगा।
उसे पवित्र जीवन जीना चाहिए; उनका लेखन सैद्धांतिक त्रुटि से मुक्त होना चाहिए; ईसाई सिद्धांत की उनकी व्याख्या को अनुकरणीय माना जाता है; और उसके लेखन को चर्च की स्वीकृति मिलनी चाहिए।

कई चर्च फादर पुनर्जन्म में विश्वास करते थे और इसके बारे में लिखते थे।

संत जस्टिन शहीद (100-165 ई.) ने दृढ़तापूर्वक कहा कि आत्मा एक से अधिक मानव शरीरों में निवास करती है। ऑरिजन (185-254 ई.), जो सेंट जेरोम के अनुसार "प्रेरितों के बाद चर्च के सबसे महान शिक्षक" थे, ने इस विचार का बचाव किया कि आत्मा शरीर से पहले अस्तित्व में थी, जो पुनर्जन्म की अवधारणा के लिए मौलिक थी।

एक अन्य चर्च फादर, सेंट ग्रेगरी, निसा के बिशप (257-332)।
एड़ी), ने लिखा, "यह नितांत आवश्यक है कि आत्मा को ठीक किया जाए और शुद्ध किया जाए, और यदि पृथ्वी पर उसके जीवन के दौरान ऐसा नहीं होता है, तो यह भविष्य के जन्मों में भी हो सकता है...

आत्मा...अभौतिक और अदृश्य है, आत्मा किसी बिंदु पर एक शरीर छोड़ देती है...और उसकी जगह एक क्षण ले लेती है।''

सेंट ग्रेगोरी ने यह भी लिखा, "इस दुनिया में आने वाली हर आत्मा पिछले जीवन की जीत से मजबूत होती है या हार से कमजोर होती है।"
ईसाई चर्च के महानतम धर्मशास्त्रियों में से एक, सेंट ऑगस्टीन (354-430 ई.) ने सिद्धांत दिया कि दार्शनिक प्लोटिनस प्लेटो का पुनर्जन्म था। सेंट ऑगस्टीन ने लिखा, "प्लेटो का संदेश... अब विशेष रूप से प्लोटिनस में चमक रहा है, जो प्लेटो का अनुयायी था, जो अपने शिक्षक से इतना मिलता-जुलता था कि कोई भी सोच सकता था... कि प्लेटो का प्लोटिनस में फिर से जन्म हुआ है।"

पुनर्जन्म में विश्वास प्रदर्शित करने वाले अन्य चर्च पिता थे
सिनेसियस (टॉलेमाइस के बिशप), सेंट एम्ब्रोसिया, पोप ग्रेगरी प्रथम, जेरोम, सेंट अथानासियस, सेंट बेसिल, सेंट जॉन क्राइसोस्टॉम, नाज़ियानज़स के सेंट ग्रेगरी, और अलेक्जेंड्रिया के क्लेमेंट।3

यदि प्रारंभिक ईसाई चर्च में आत्माओं के पूर्व-अस्तित्व (पूर्व-अस्तित्व) और पुनर्जन्म के बारे में मान्यताएँ प्रमुख थीं, तो यह अवधारणा वर्तमान सिद्धांत में मौजूद क्यों नहीं है? इसका कारण यह है कि रोमन सम्राट जस्टिनियन ने 553 ई. में आधिकारिक चर्च सिद्धांत से पुनर्जन्म को हटाने की व्यवस्था की थी। ईसाई चर्च की प्रारंभिक शताब्दियों में, सिद्धांत पर विवादों को चर्च के बिशपों द्वारा पारिस्थितिक परिषद नामक बैठकों के माध्यम से सुलझाया जाता था। परिषद-

Machine Translated by Google



यह परिषद् एक भव्य सभा है, जो बार-बार नहीं, कभी-कभी होती है
सौ साल में एक बार. पुनर्जन्म की कहानी को समझने के लिए और
ईसाई चर्च, हमें 330 ईस्वी में वापस जाना होगा।

उस वर्ष, कॉन्स्टेंटाइन द ग्रेट ने रोमन साम्राज्य की राजधानी को रोम से कॉन्स्टेंटिनोपल में स्थानांतरित कर दिया, जिसे अब इस्तांबुल कहा जाता है। परिणामस्वरूप, ईसाई चर्च के दो केंद्र विकसित हुए, रोम में पश्चिमी चर्च और पूर्वी

कॉन्स्टेंटिनोपल में चर्च.
कॉन्स्टेंटिनोपल के शासक सम्राटों ने पूर्वी चर्च को नियंत्रित किया और अपनी इच्छानुसार नीतियां लागू कीं। उदाहरण के लिए, सम्राट लियो III ने चर्चों में तस्वीरें और तस्वीरें रखने पर रोक लगा दी थी, इसलिए जिन छवियों की आज उनकी सुंदरता के लिए इतनी प्रशंसा की जाती है, उन्हें पूजा स्थलों से हटाना पड़ा। इसी प्रकार जस्टिनियन ने पुनर्जन्म पर चर्च की नीति निर्धारित की।

छठी शताब्दी में पुनर्जन्म को लेकर चर्च में टकराव हुआ।
जबकि, रोम में पश्चिमी बिशप आत्मा के प्रारंभिक अस्तित्व में विश्वास करते थे
पूर्वी बिशपों ने इसका विरोध किया। कॉन्स्टेंटिनोपल के सम्राट जस्टिनियन, जिन्होंने पूर्वी चर्च पर शासन किया, ने पुनर्जन्म के सिद्धांत का विरोध किया। चर्च के मामलों में अपने हस्तक्षेप के उदाहरण के रूप में, जस्टिनियन ने चर्च फादर ओरिजन को निर्वासित कर दिया, जिन्होंने खुले तौर पर पुनर्जन्म के विचार का समर्थन किया था। अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए, जस्टिनियन ने 553 ई. में पांचवीं विश्वव्यापी परिषद बुलाई, जिसमें पश्चिमी चर्च के केवल छह बिशपों ने भाग लिया। दूसरी ओर, पूर्वी चर्च के 159 बिशप, जिस पर जस्टिनियन का नियंत्रण था, उपस्थित थे। इसी बैठक में मतदान द्वारा आत्मा के प्रारंभिक अस्तित्व की अवधारणा को चर्च सिद्धांत से हटा दिया गया था। सम्राट जस्टिनियन ने अपनी इच्छानुसार वोट एकत्र करके चर्च सिद्धांत में हेरफेर किया।

पोप विजिलियस ने इस घटना का विरोध किया और समान प्रतिनिधित्व की मांग की
पूर्व और पश्चिम के बिशपों के बीच। हालाँकि पोप विजिलियस पाँचवीं विश्वव्यापी परिषद में कॉन्स्टेंटिनोपल में मौजूद थे, उन्होंने परिषद का बहिष्कार किया
विरोध।
जस्टिनियन ने न केवल पोप विजिलियस की उपेक्षा की, बल्कि उनका दमन भी किया। कैथोलिक इनसाइक्लोपीडिया में कहा गया है कि सम्राट और पोप के बीच संघर्ष इतना चरम था कि पोप को सम्राट के हाथों बहुत दुर्व्यवहार सहना पड़ा और वह लगभग मारे गए। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आजकल ए

Machine Translated by Google



क्या राजनेता या राज्य नेता पोप को नीति निर्देशित कर सकते हैं? कि पोप वेटिकन में सौ साल में एक बार होने वाली सबसे बड़ी सभा का बहिष्कार करेंगे? हालाँकि, ऐसा तब हुआ जब चौथी विश्वव्यापी परिषद 451 ईस्वी में हुई और छठी विश्वव्यापी परिषद 680 ईस्वी में बुलाई गई। परिणामस्वरूप, कैथोलिक इनसाइक्लोपीडिया में कहा गया है कि जस्टिनियन ने जो परिषद बुलाई थी, वह सच्ची विश्वव्यापी परिषद नहीं थी, इसलिए चर्च सिद्धांत में आत्मा के प्रारंभिक अस्तित्व के उन्मूलन को विश्वव्यापी परिषद का आधिकारिक आदेश नहीं माना जाना चाहिए।4,5

पूर्वी और पश्चिमी चर्चों के बीच झगड़ा बढ़ गया
1054 में जब ईसाई चर्च की ये दो शाखाएँ अलग हो गईं
एक दूसरे। जब पश्चिमी चर्च के क्रुसेडर्स उन पर थे
यरूशलेम को मुस्लिम हाथों से वापस लेने के लिए, उन्होंने ईसाई शहर कॉन्स्टेंटिनोपल को जला दिया।

तब से, स्थायी अलगाव हो गया है और पश्चिमी चर्च रोमन कैथोलिक चर्च बन गया है, जबकि पूर्वी रूढ़िवादी चर्च अपने तरीके से चला गया है। आज भी, पूर्वी ईसाई चर्च के सदस्य रोम में पोप को अपने नेता के रूप में नहीं पहचानते हैं। तो हम देख सकते हैं कि ईसाई चर्च की पश्चिमी और पूर्वी शाखाओं के बीच राजनीतिक विभाजन आज भी उतना ही वास्तविक है जितना सम्राट जस्टिनियन और पोप विजिलियस के समय में था।

साथी ईसाई नेताओं के बीच संघर्ष के अलावा, वहाँ
ऐसे परेशान करने वाले उदाहरण भी हैं जिनमें ईसाइयों ने उन लोगों से युद्ध किया है जो उनके सिद्धांत का खंडन करते हैं। विभाजनकारी धार्मिक आंदोलनों से निपटने के लिए 1227-1235 के बीच पोप के आदेशों की एक श्रृंखला के माध्यम से इनक्विजिशन**** का गठन किया गया था। इस प्रयास में, पोप इनोसेंट IV ने 1252 में यातना के उपयोग को मंजूरी दे दी।

बाद में, 1450-1700 के बीच यूरोप में डायन होने के आरोप में लोगों का उत्पीड़न तब शुरू हुआ जब मार्टिन लूथर के सुधार और एक वैज्ञानिक प्रतिमान के उद्भव के कारण रूढ़िवादी ईसाई असहज थे। 1484 में पोप इनोसेंट VIII द्वारा जारी पोप सुमिस डेसिडेरेंटेस के आदेश से हड़कंप मच गया

**** इनक्विजिशन रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा उन्मूलन के लिए की गई एक कार्रवाई है
ऐसे संप्रदाय जिन्हें विधर्मी माना जाता है। यह कार्रवाई पूरे यूरोप में बड़े पैमाने पर लोकप्रिय आंदोलनों की प्रतिक्रिया है
जिन्हें ईसाई समझ के खिलाफ विचलित और विधर्मी माना जाता है।

Machine Translated by Google



यातना और अन्य सज़ाओं की लहरें। पोप का शोध प्रबंध महिला विरोधी है और चुड़ैलों की निंदा करता है। यातना के माध्यम से प्राप्त बयानों के आधार पर हजारों निर्दोष महिलाओं को मार डाला गया।

इस दमन का अंतिम विस्फोट 1692 में सलेम, मैसाचुसेट्स में हुआ था। जादू से खेलते समय युवा लड़कियों के एक समूह के भावुक या उन्मादी हो जाने के बाद बीस महिलाओं को मार डाला गया था। वास्तव में, अतीत में जिन लोगों पर डायन होने का आरोप लगाया गया था उनमें से कुछ संभवतः ऐसी महिलाएं थीं जिनके पास मानसिक प्रतिभा थी लेकिन जिनके पास नहीं थी उन्हें वे खतरनाक मानते थे।

आज, कई महिलाएं अपने अंतर्ज्ञान और अतीत को याद करने की मानसिक क्षमता को बढ़ाने के लिए ध्यान कक्षाएं लेती हैं जब उन्हें धमकाया गया था और दांव पर जला दिया गया था। अपेक्षाकृत आदिम दुनिया में महान प्रतिभा वाले व्यक्ति के रूप में जन्म लेना वास्तव में खतरनाक था।

## पुनर्जन्म और यहूदी धर्म

जैसा कि उल्लेख किया गया है, पुनर्जन्म यीशु के समय यहूदी राष्ट्र की सोच का हिस्सा था। यहूदी इतिहासकार फ्लेवियस जोसीफस (37-100 ई.) ने लिखा है कि उस समय यहूदी धर्म के तीन संप्रदाय थे: सदूकी, एस्सेन्स और फरीसी। जोसेफस ने लिखा है कि इनमें से दो संप्रदाय, एस्सेन्स (मृत सागर स्क्रॉल के लिए प्रसिद्ध) और फरीसी, दोनों पुनर्जन्म में विश्वास करते थे।

जोसेफस ने लिखा, "फरीसियों का मानना था कि आत्माओं में शाश्वत शक्ति होती है और जो लोग गुणी होते हैं उनमें फिर से उठने और जीने की शक्ति होती है; इस सिद्धांत से वे कई लोगों को आश्वस्त कर सकते हैं।''6

### जोसेफस ने स्वयं, जिसने एक सैनिक के रूप में सेवा की थी, पालन-पोषण किया था

पुनर्जन्म के सिद्धांत का आह्वान करके लड़ने के लिए उनके लोगों की भावना। जोसीफस ने अपने लोगों से कहा, "क्या तुम्हें याद नहीं है कि सभी शुद्ध आत्माएं जब इस जीवन को छोड़ेंगी तो उन्हें स्वर्ग में सबसे पवित्र स्थान मिलेगा, वहां से, युग में

Machine Translated by Google



हलचल करके फिर उन निकायों में भेज दिया जायेगा
शुद्ध।"7

पुनर्जन्म भी ज़ोहर का हिस्सा है, एक क्लासिक कैबलिस्टिक पाठ, माना जाता है कि इसे रब्बी शिमोन बेन जोचाई ने 80 ईस्वी में लिखा था, जिसमें मध्ययुगीन हिब्रू विद्वानों द्वारा विभिन्न परिवर्धन शामिल थे। कैबलिस्टिक आंदोलन यहूदी आस्था के छिपे हुए ज्ञान पर केंद्रित है। ज़ोहर को 1280 में रब्बी मोसेस डी लियोन द्वारा संपादित और पहली बार प्रकाशित किया गया था। यहां पुनर्जन्म से संबंधित ज़ोहर के अंशों के कुछ उदाहरण दिए गए हैं:

सभी आत्माएँ स्थानांतरण (पुनर्जन्म) के प्रलोभन के अधीन हैं; और मनुष्य अपने विषय में परमप्रधान की युक्तियों को नहीं जानते; वे नहीं जानते कि हर बार उनके साथ कैसा न्याय किया जाता है, इस दुनिया में आने से पहले और इसे छोड़ने के बाद भी। वे नहीं जानते कि उन्हें कितने रहस्यमय विस्थापन और परीक्षण सहने होंगे।

आत्माओं को उस पूर्ण पदार्थ में पुनः प्रवेश करना होगा जिससे वे हैं

के जैसा लगना। लेकिन इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए उन्हें उन सभी सिद्धियों को विकसित करना होगा, जिनके बीज उनमें बोए गए हैं; और यदि उन्होंने एक जीवन के दौरान इस अवस्था को पूरा नहीं किया है, तो उन्हें दूसरा जीवन, तीसरा जीवन, इत्यादि शुरू करना होगा, जब तक कि वे

भगवान के साथ पुनः जुड़ने के लिए उपयुक्त स्थिति तक पहुँचें।8

पुनर्जन्म में विश्वास करने वाले एक अन्य प्रमुख यहूदी धर्मशास्त्री रब्बी मनश्शे बेन इज़राइल (1604-1657) थे। यह रब्बी ही था जिसने ओलिवर को आश्वस्त किया
क्रॉमवेल ने यहूदियों को इंग्लैंड में रहने की अनुमति देने पर अपना प्रतिबंध हटा दिया, एक नीति जो एडवर्ड प्रथम के समय से 150 वर्षों तक जारी रही थी। अपनी पुस्तक, निश्मथ हेयम में,
रब्बी मनश्शे बेन इज़राइल लिखते हैं:

आत्माओं के स्थानान्तरण का विश्वास या सिद्धांत एक ठोस और अचूक हठधर्मिता है, जिसे हमारी पूरी चर्च संगति ने एक मत से स्वीकार किया है, ताकि कोई भी इसे नकारने का साहस न कर सके.... वास्तव में, इज़राइल में कई बुद्धिमान लोग हैं इस सिद्धांत को मजबूती से पकड़ें इसलिए उन्होंने इसे एक हठधर्मिता बना दिया, एक ऐसी चीज़ जो इसके लिए मौलिक थी

Machine Translated by Google



हमारा धर्म. इसलिए हम इस हठधर्मिता को पूरी तरह से मानने और स्वीकार करने के लिए बाध्य हैं... क्योंकि इसकी सच्चाई ज़ोहर और कैबलिस्टिक्स की सभी पुस्तकों द्वारा निर्विवाद रूप से प्रदर्शित की गई है।9

पुनर्जन्म और इस्लाम

पुनर्जन्म इस्लाम की शिक्षाओं में भी शामिल है, यह धर्म पैगंबर मुहम्मद द्वारा समर्थित है। मुहम्मद का जन्म 570 ईस्वी में एक प्रमुख परिवार में हुआ था, जिन्होंने मक्का के पवित्र स्थल के संरक्षक के रूप में कार्य किया था, जिसके बारे में माना जाता है कि इसकी स्थापना पारंपरिक रूप से इब्राहीम ने की थी। मुहम्मद ने अपने नियोक्ता, खदीजा नाम की एक महिला व्यापारी से शादी की, जब मुहम्मद 25 वर्ष के थे और खदीजा 40 वर्ष की थीं। इस्लाम की पवित्र पुस्तक कुरान (या कुरान) है, जिसका अर्थ है "पाठ" या "पाठ"। संक्षेप में, कुरान एक पाठ है जो मुहम्मद के माध्यम से ईश्वर की ओर से भेजा गया था।

मुहम्मद का पहला रहस्योद्घाटन तब हुआ जब वह 40 वर्ष के थे वर्ष 610 ई. में पुराना। फिर उन्होंने छंदों को रिकॉर्ड करना शुरू किया जो समय के साथ कुरान बन गया। जैसे-जैसे यह आध्यात्मिक आंदोलन बढ़ता गया, मुहम्मद और उनके अनुयायी उत्पीड़न के शिकार होते गए, जब तक कि उन्हें 622 ईस्वी में मक्का छोड़कर मदीना भागना नहीं पड़ा।

मुहम्मद एक योद्धा और पैगंबर दोनों थे और उन्होंने कई युद्धों में अपने अनुयायियों का नेतृत्व किया। अंत में, मुहम्मद अपने अनुयायियों को मक्का, जो आज इस्लाम का सबसे पवित्र स्थल है, वापस ले आये।

कुरान में पुनर्जन्म के कई संदर्भ हैं।

आइए इनमें से कुछ उद्धरणों की समीक्षा करें।

तुम अल्लाह पर अविश्वास क्यों करते हो, जब तुम मर गए थे, तो अल्लाह ने तुम्हें जीवन दिया, फिर तुम्हें मरवाया और तुम्हें जीवित किया, फिर तुम उसी की ओर लौटाए जाओगे?12

अल्लाह ने शुरू से (इंसानों को) बनाया, फिर लौट आया (मुड़कर) उसे वापस; फिर तुम उसी की ओर लौटाए जाओगे। 13

वास्तव में, अल्लाह वनस्पति के अनाज को बढ़ाता है और

Machine Translated by Google



फलों के बीज. वह जीवित को मरे हुओं में से निकालता है, और मरे हुओं को जीवित में से निकालता है। (जिसमें ये गुण हों) वही अल्लाह है, फिर तुम फिर क्यों मुँह मोड़ते हो?

जो लोग भावनात्मक और कार्मिक रूप से जुड़े हुए हैं, वे ऐसा करेंगे
उन लोगों के साथ जीवन में लौटें जिन्हें वे पहले जानते हैं। यह एक अवलोकन है जिस पर मैंने अपने शोध में काम किया है। पुनर्जन्म के बारे में उद्धरणों के अलावा, कुरान में कर्म का भी संदर्भ है:

अल्लाह किसी इंसान पर बोझ नहीं डालता बल्कि उसकी क्षमता के अनुसार उस पर बोझ डालता है।
वह जिस काम के लिए (अच्छे काम) करता है उसे इनाम मिलता है और (बुरे कर्मों से) उसे सजा मिलती है।

16

जिस दिन हर व्यक्ति अपने सभी गुणों को उजागर कर देगा, उसी दिन उसके द्वारा किए गए बुरे कर्म भी उजागर हो जाएंगे; वह चाहता था कि उसके और उस दिन के बीच कुछ दूर का समय हो; और अल्लाह तुम्हें अपने (यातना) से डराता है। और अल्लाह अपने बंदों पर बहुत दयालु है

हम क़ियामत के दिन सही पैमाना तय करेंगे, ताकि किसी को ज़रा भी नुकसान न हो। और यदि (अभ्यास) राई के दाने जितना भारी है, तो हम उसे (इनाम) अवश्य लाएंगे। और हिसाब-किताब करने वालों के तौर पर हम काफी हैं।18

निस्संदेह हम मुर्दों को जीवित करते हैं और जो कुछ वे करते हैं उसे लिखते भी हैं
करते थे और जो निशान वे पीछे छोड़ते थे। और सब कुछ हम वास्तविक मास्टर बुक (लोहमहफ़ुज़) में एकत्र करते हैं।19

कुरान में अद्भुत छंद हैं जो हमें सार्वभौमिक मनुष्य के संदर्भ में सोचने पर मजबूर करते हैं; धार्मिक संबद्धता को कम किया जाता है और किसी की भलाई को सर्वोपरि माना जाता है। निम्नलिखित के बारे में सोचें

श्लोक:

वास्तव में, ईमानवाले, यहूदी,
सबियाई और ईसाई, जो कोई (उनमें से) वास्तव में अल्लाह, अंतिम दिन पर विश्वास करता है और अच्छे कर्म करता है,

Machine Translated by Google



तब उन्हें कोई चिन्ता न रहेगी, और न वे शोक करेंगे। 20

मुहम्मद ने धर्म के विशेष अभ्यास की चेतावनी दी, जिसका उद्देश्य उनके समय में ईसाई चर्च था। मुहम्मद का कहना था कि ईश्वर को किसी के जीवन का केंद्रीय विषय होना चाहिए, न कि ईश्वर के शब्दों को बताने वाले दूत या पैगंबर। इस उद्धरण में "पुस्तक" बाइबिल को संदर्भित करती है।

ऐ किताबवालों, अपने धर्म का उल्लंघन न करो और अल्लाह के विषय में सत्य के अतिरिक्त कुछ न कहो। वास्तव में, मसीहा, मरियम का पुत्र यीशु, अल्लाह का दूत है और (उसके द्वारा बनाया गया) शब्द जो उसने मरियम को बताया, और (एक झटके के साथ) उसकी ओर से एक आत्मा है।

21

जलालुद्दीन रूमी (1207-1273) एक महान इस्लामी और सूफी कवि थे। सूफियों को इस्लाम के गूढ़ ज्ञान का धारक माना जाता है, ठीक उसी तरह जैसे कैबलिस्टों को यहूदी धर्म के छिपे हुए ज्ञान का धारक माना जाता है। रूमी ने लिखा:

मैं घास की तरह बड़ा हुआ हूं और बढ़ता ही जा रहा हूं। मैं उत्तीर्ण हुआ
खनिज रूप और एक पौधे के रूप में रहते थे। मैं एक पौधे से एक जानवर बन गया। फिर मैंने पशु रूप त्याग दिया और मानव रूप धारण कर लिया। मुझे क्यों डरना चाहिए कि अगर मैं मर गया तो खो जाऊंगा?

क्योंकि मानव रूप से गुजरते हुए मुझे बालों की ढीली लटें और चमकदार परी पंख मिलेंगे। और फिर मैं वह बन जाऊँगा जो किसी ने कभी नहीं सोचा होगा। हे मुझे अब अस्तित्व में न रहने दो! क्योंकि न होने का अर्थ ही यह है कि मैं उसके पास लौट जाऊंगा।22

यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि ईसाई चर्च के पिताओं ने भी रूमी की तरह मानव विकास के मार्ग पर विचार किया था। यह दृष्टिकोण बताता है कि पौधों और जानवरों की प्रजातियाँ मानव स्तर पर आत्माओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकती हैं। आइए हम ईसाई चर्च फादर सिनेसियस, टॉलेमाइस के बिशप (370-430 ईस्वी) के सपनों पर उनके ग्रंथ से निम्नलिखित उद्धरण पर विचार करें:

Machine Translated by Google



"दर्शन एक पारगमन पुल के माध्यम से आत्माओं को तैयार करने की बात करता है... जब यह पहली बार पृथ्वी पर उतरती है, तो यह (आत्मा) एक जहाज़ की तरह पशु आत्मा के रूप में चढ़ती है, और इसके माध्यम से इसे पदार्थ के संपर्क में लाया जाता है।" 23

इस्लामी कवि रूमी और ईसाई चर्च के उद्धरणों में
फादर सिनेसियस के अनुसार, बार-बार जन्म के माध्यम से मानव विकास का सामान्य विषय परिकल्पना और आवाज उठाई गई है।

## नई विश्व व्यवस्था के संबंध में गैलीलियो और संवाद

यह देखना दिलचस्प होगा कि आज दुनिया में आ रहे पुनर्जन्म के सबूतों पर स्थापित धर्म किस तरह प्रतिक्रिया करते हैं। धार्मिक अधिकारियों के पास जानकारी से इनकार करने या इस संभावना के प्रति खुले रहने का विकल्प है कि पुनर्जन्म के मामलों में कुछ वैधता हो सकती है। इस सन्दर्भ में मैं एक और ऐतिहासिक उदाहरण देना चाहूँगा, वो हैं वैज्ञानिक और खगोलशास्त्री गैलीलियो।

गैलीलियो को तरंगों की गति में रुचि थी और उन्होंने इसे पाया
तरंगों की गति निकोलस कोपरनिकस (1473-1543) के सिद्धांतों से सबसे अधिक मेल खाती थी। कॉपरनिकस ने यह सिद्धांत प्रस्तुत किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है। यह दृष्टिकोण इस धारणा का खंडन करता है कि पृथ्वी ब्रह्मांड का केंद्र है, जो कि रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा आयोजित ब्रह्मांड विज्ञान है।

महासागरों की गति पर गैलीलियो के शोध से यह पता चला
कॉपरनिकस सही था और प्राचीन धारणा वास्तविकता से मेल नहीं खाती थी। 1624 में, गैलीलियो ने डायलॉग ऑफ द टाइड्स लिखा, जिसे रोमन कैथोलिक चर्च के सेंसरशिप बोर्ड ने प्रकाशित करने की अनुमति दी, हालांकि उन्होंने इसका शीर्षक बदलकर डायलॉग ऑन द टू चीफ वर्ल्ड सिस्टम्स कर दिया।

यद्यपि दो प्रमुख विश्व व्यवस्थाओं पर संवाद था
1632 में चर्च के सेंसरशिप बोर्ड की मंजूरी के साथ प्रकाशित, गैलीलियो को "गंभीर विधर्म के आरोप" के लिए रोम में पेश होने का आदेश दिया गया था। रोमन कैथोलिक चर्च, वास्तव में, कोपरनिकस और गैलीलियो द्वारा प्रस्तावित विश्वदृष्टिकोण को नापसंद करता था, जिसने सूर्य को हमारे सौर मंडल के केंद्र में रखा था।

Machine Translated by Google



जहाँ पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। चर्च ने गैलीलियो को पीछे हटने के लिए मजबूर किया
उनके सिद्धांत कि सूर्य सौर मंडल के केंद्र में था और गैलीलियो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उन्हें और अधिक अपमानित करने और विश्वास प्रणाली पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए, रोमन कैथोलिक चर्च ने आदेश दिया कि गैलीलियो की जेल की सजा को हर विश्वविद्यालय में प्रचारित किया जाए और उनकी पुस्तक डायलॉग ऑन द टू चीफ वर्ल्ड सिस्टम्स को जला दिया जाए।

दिलचस्प बात यह है कि दिवंगत पोप जॉन पॉल द्वितीय ने 1979 में गैलीलियो मामले को फिर से खोला। तेरह साल बाद, अक्टूबर 1992 में, वैज्ञानिक दुनिया द्वारा गैलीलियो के निष्कर्षों को स्वीकार करने के सदियों बाद, रोमन कैथोलिक चर्च ने वेटिकन के 1632 के अपराध को स्वीकार किया। 1992 में, गैलीलियो द्वारा अपना लेखन प्रकाशित करने के 360 साल बाद, चर्च ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है, न कि इसके विपरीत।

यह पोप पॉल द्वितीय की योग्यता है जिन्होंने इस त्रुटि को सुधारा।
यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि अपने सहस्राब्दी भाषण के हिस्से में, पोप जॉन पॉल द्वितीय ने पूरे इतिहास में चर्च की ओर से किए गए पापों के लिए भगवान से क्षमा मांगी।

Machine Translated by Google

# 2

पुनर्जन्म के सिद्धांत
और अनुसंधान डॉ. इयान स्टीवेन्सन

इस अध्याय में, डॉ. इयान द्वारा दो मामलों का अध्ययन किया गया है
वर्जीनिया विश्वविद्यालय के स्टीवेन्सन। इन मामलों से पता चलता है कि चेहरे की विशेषताएं एक अवतार से दूसरे अवतार तक एक जैसी रहती हैं। इसके बाद के अध्यायों में, स्वतंत्र रूप से जांचे गए मामलों से पता चलेगा कि व्यक्तित्व लक्षण,
प्रतिभा और यहां तक कि भाषाई लेखन शैली भी कायम है। पॉल गाउगिन और पिकासो के पुनर्जन्म के
मामले में, हम देखेंगे कि कलात्मक आत्मा का विकास भी एक अवतार से दूसरे अवतार में दोहराया जाता है, भले ही पहले की उम्र में। इससे पता चलता है कि हम वास्तव में पिछले जन्मों की उपलब्धियों पर बने हैं। लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म के मामले में, हम यह भी देखते हैं कि एक्शन कॉमेडी का विकास भी खुद को दोहरा रहा है।

स्टीवनसन के दो मुख्य मामलों को प्रस्तुत करने से पहले, मैं पुनर्जन्म के सिद्धांतों की रूपरेखा तैयार करना चाहूंगा जो इस पुस्तक में प्रस्तुत मामलों से निकाले गए हैं, जिन्हें निम्नानुसार संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है:

## 1. शारीरिक उपस्थिति

चेहरे की आकृति, आकृति और अनुपात जीवन-दर-जीवन एक समान प्रतीत होते हैं। शारीरिक आदतें, जैसे
आसन, हाथ की हरकतें और पहने जाने वाले गहनों का प्रकार भी एक जीवन से दूसरे जीवन में सुसंगत हो सकते हैं। यहां तक कि उनके विचित्र स्व-चित्रों और तस्वीरों में कैद की गई मुद्राएं भी अक्सर जीवन-दर-जीवन समान होती हैं।

शरीर के प्रकार भी एक जैसे हो सकते हैं, हालाँकि शरीर का आकार भिन्न-भिन्न हो सकता है। व्यक्ति का शरीर कमजोर हो सकता है

Machine Translated by Google



एक जीवन और दूसरे में शारीरिक रूप से मजबूत।
एक व्यक्ति एक अवतार में छोटा और अगले अवतार में लंबा हो सकता है, हालांकि चेहरे की विशेषताएं, मुद्रा और हावभाव समान रहते हैं।

मैं इस सुंदरता पर टिप्पणी करना चाहता हूं। मैं इस बात पर अडिग हूं कि किसी भी चेहरे के आकार को सुंदर या मनमोहक माना जा सकता है। सुंदरता की यह धारणा मुख्य रूप से त्वचा के रंग और शारीरिक बनावट जैसे कारकों पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, एक महिला एक जन्म में लंबी, पतली, सुंदर त्वचा, उत्तम मुस्कान और आकर्षक शरीर वाली हो सकती है।

इन कारकों और उनकी उपस्थिति पर उनके प्रभाव के कारण, यह महिला एक प्रमुख फैशन मॉडल या सौंदर्य रानी बन सकती है। दूसरे जन्म में, समान चेहरे की विशेषताओं वाली यह महिला खुरदरी त्वचा, गठीले शरीर और असमान दांतों के साथ पुनर्जन्म ले सकती है।

इस महिला को अब पर्यवेक्षकों द्वारा औसत दर्जे का माना जाएगा।

दरअसल, हाल ही में जिस मामले की जांच की गई थी, उसमें शामिल है
ये दिखाती हैं खूबसूरत अमेरिकी एक्ट्रेस एंजेलिना जोली। फ्रांस में लुई XIV के समय में, एक मान्यता प्राप्त पिछले जीवन में, उसे एक अनाकर्षक महिला के रूप में वर्णित किया गया था क्योंकि उसका माथा उसके चेहरे के मुकाबले बहुत ऊंचा था, उसके दांत असमान थे, उसकी त्वचा खुरदरी थी, और वह लंगड़ा रही थी क्योंकि उसका एक पैर ख़राब था। दूसरे से छोटा. उसके चेहरे का आकार एक जैसा है और एक चित्र में वह अपने वर्तमान चेहरे जैसा ही दिखता है। रिकॉर्ड के लिए, उन दिनों, जोली भी उदार थी, जैसी वह अब है, और उसने कई गरीब परिवारों का पालन-पोषण किया।

निष्कर्षतः, किसी भी चेहरे के आकार को सुंदर माना जा सकता है
या अनाकर्षक, इन कारकों पर आधारित है। मेरा मानना है कि हम किसी दिए गए जन्म में सीखे गए पाठों के आधार पर, जीवन-दर-जीवन आकर्षक और सामान्य होने के बीच वैकल्पिक रूप से काम कर सकते हैं।

रिकॉर्ड के लिए, मेरे पुनर्जन्म अनुसंधान से पता चलता है कि लगभग 10-20% मामलों में, आत्माएं लिंग बदल सकती हैं। ऐसे मामलों में भी, चेहरे का आकार अभी भी एक समान रहता है।

Machine Translated by Google



कुल मिलाकर, अधिकांश लोग (80-90%) एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में लिंग नहीं बदलते हैं, और यह संभावना है कि हमारा स्वभाव या तो मर्दाना या स्त्रैण है।

जो लोग स्वभाव से पुरुषोचित होते हैं उनका पुनर्जन्म पुरुष के रूप में होता है।

जबकि जो लोग मूल रूप से स्त्रैण हैं वे स्त्री शरीर में लौटना पसंद करते हैं। हालाँकि, मुझे लगता है कि हम सभी ने समय-समय पर लिंग बदला है, यह जानने के लिए कि एक अलग लिंग होना कैसा होता है।

2. व्यक्तित्व

ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्तित्व के लक्षण जीवन-दर-जीवन बने रहते हैं।

एक व्यक्ति जीवन को जिस तरह से देखता है और दूसरे आपको जिस तरह से देखते हैं वह भी एक समान रहता है। हमारे व्यक्तित्व के कुछ गुण सकारात्मक हैं और हम लाभ के लिए उन्हें अपने साथ रखते हैं। जबकि कुछ अन्य व्यक्तित्व लक्षण नुकसान पहुंचा सकते हैं और जीवन भर कष्ट पहुंचा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हमारे विकास ने हमारी प्रकृति के सबसे कठिन हिस्सों को सुचारू करने में भूमिका निभाई है।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि कोई है जो स्वभाव से बहुत आक्रामक है। आक्रामक व्यक्ति होने का फायदा यह है कि यह व्यक्ति अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लेता है। नकारात्मक पक्ष यह है कि अन्य लोग उस आक्रामक दृष्टिकोण से आहत हो सकते हैं। एक जीवनकाल या उससे अधिक की अवधि में एक आक्रामक व्यक्ति का लक्ष्य दूसरों की भावनाओं पर विचार करना सीखना है।

हालाँकि, मैंने देखा है कि व्यक्तित्व के लक्षण लगातार बने रहते हैं
कि न तो शारीरिक और न ही मानसिक बीमारी एक जीवन से दूसरे जीवन तक बनी रहती है। जो व्यक्ति पिछले जीवन में रासायनिक रूप से निर्भर थे या मानसिक बीमारी से पीड़ित थे, उनमें ये विकार बाद के जीवन में नहीं आते हैं।

आध्यात्मिक और बौद्धिक रूप से, ऐसा प्रतीत होता है कि हम वहीं हैं जहाँ हम थे
छोड़ दिया। जिन उपलब्धियों के लिए हमने अपनी आध्यात्मिक और बौद्धिक गतिविधियों में इतनी मेहनत की है, वे स्थायी हो जाती हैं - वे हमारा हिस्सा बन जाती हैं।
इसलिए, खुद को आगे बढ़ाने के हमारे प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाते

Machine Translated by Google



और हम जीवन-पर्यंत अपने प्रयासों के अनुसार निर्माण करते रहते हैं।
इसी तरह, प्रतिभाएँ एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में उभर सकती हैं, लेकिन इसके विपरीत, यदि आत्मा को एक निश्चित जीवनकाल में एक अलग रास्ता अपनाने की आवश्यकता होती है, तो वे प्रतिभाएँ कभी-कभी बाधित हो जाती हैं।

भले ही हमारे पूरे जीवनकाल में आध्यात्मिक परिपक्वता और बौद्धिक विकास का स्तर समान हो, हम गरीब और अमीर, प्रसिद्ध और अज्ञात के बीच स्विच कर सकते हैं। हम बारी-बारी से सुर्खियों के अंदर या बाहर होते हैं। जीवन में हमारी स्थिति संभवतः पिछले जन्मों में हमारे द्वारा किए गए कर्मों के साथ-साथ हमारी अपनी आत्मा द्वारा निर्धारित पाठों द्वारा निर्धारित होती है। बेशक, एक पैटर्न है कि मजबूत आत्माएं मजबूत आत्मा बनकर लौटती हैं, महान कलाकार महान कलाकार बनकर लौटते हैं, और जो अतीत में प्रभावशाली थे वे अगले जीवन में फिर से ऐसा करेंगे।

जैसा कि पहले अध्याय में विस्तार से चर्चा की गई है, धार्मिक संबंध और जातीय पृष्ठभूमि जीवन-दर-जीवन बदल सकती हैं। एक आत्मा एक जीवनकाल में ईसाई हो सकती है और अगले जीवन में यहूदी या मुस्लिम हो सकती है। इससे जातीय या धार्मिक मतभेदों के कारण होने वाले संघर्षों की एक नई समझ आती है।

जब मैं व्यक्तित्व की समानताओं के बारे में बात करता हूं, तो मैंने देखा कि जिस तरह से लोग जीवन से लेकर जीवन तक नाम के आधार पर अपनी पहचान चुनते हैं, उसमें अक्सर समानताएं होती हैं।

अधिक विशेष रूप से, हमारे द्वारा चुने गए नामों की बारीकियाँ और प्रवृत्तियाँ अक्सर एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक समान होती हैं। बेशक, यह हमारे माता-पिता हैं जो हमें जन्म के समय नाम देते हैं, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम दिए गए नाम का वह संस्करण चुन लेते हैं जैसा हम चाहते हैं। कुछ लोग अपने पहले नाम के बजाय मध्य नाम का उपयोग करना पसंद करते हैं, कुछ उपनाम पसंद करते हैं या प्रारंभिक अक्षर का उपयोग करते हैं। हम अपने नामों की विविधताएं चुनते हैं जो एक आंतरिक लय, एक ऊर्जा पैटर्न या ऊर्जा के पैटर्न को दर्शाते हैं।

Machine Translated by Google



3. लेखन शैली

जिस प्रकार व्यक्तित्व के लक्षण जीवन-दर-जीवन एक जैसे रहते हैं, उसी प्रकार व्यक्ति के अभिव्यक्त होने का तरीका भी जीवन-दर-जीवन एक समान रहता है। जॉन बी. गॉर्डन/जेफ़ कीन के मामले में, एक विश्वविद्यालय प्रोफेसर द्वारा किए गए भाषाविज्ञान के आधिकारिक विश्लेषण से पता चला कि लेखन की संरचना एक अवतार से दूसरे अवतार तक समान रह सकती है। बेशक, अलग-अलग युगों की अलग-अलग परंपराओं के कारण लेखन शैलियों में कई भिन्नताएँ हैं। हालाँकि, अभिव्यक्ति की शैली और सामग्री में एकरूपता अभी भी देखी जाती है।

जैसे चित्र जो हमें यह देखने की अनुमति देते हैं कि एक व्यक्ति जीवन-दर-जीवन एक जैसा कैसे दिखता है, ऐतिहासिक दस्तावेज़, डायरियाँ और अन्य दस्तावेज़ हमें विभिन्न अवतारों में लेखन शैलियों का अध्ययन करने की अनुमति देते हैं।
विलियम शेक्सपियर और अंग्रेजी नाटककार टॉम टेलर के बारे में इस पुस्तक में दिखाए गए दो पुनर्जन्म के मामले, अवतारों के नाटकों की रचना में शोध के लिए प्रचुर मात्रा में सामग्री प्रदान करते हैं।

4. कर्म समूह

ऐसा प्रतीत होता है कि लोग साझा कर्म और भावनात्मक बंधनों के आधार पर समूहों में जीवन जीते हैं।

जोड़े अक्सर एक साथ वापस आ जाते हैं और पूरा परिवार खुद को दोहरा सकता है। जब किसी व्यक्ति का पुनर्जन्म होता है, तो उस व्यक्ति के कर्म समूह के अन्य सदस्य उपस्थित होंगे। व्यक्ति के कर्म समूह के सदस्य की पहचान पिछले जीवन मिलान को सुनिश्चित करने में एक और महत्वपूर्ण मानदंड है।

हम अपने कर्म समुच्चय से कैसे जुड़ें?
मेरा मानना है कि इसका उत्तर भाग्य है। पिछले जीवन के मामलों का अध्ययन करते हुए, मैंने देखा है कि हम सभी की एक पूर्वनिर्धारित नियति या जीवन यात्रा होती है जो हमें उन लोगों तक ले जाती है जिनके साथ हमें रहना है। यह बेहतर ढंग से समझने के लिए कि नियति कैसे काम करती है, मैं एक यात्रा की उपमा का उपयोग करता हूँ।
अपने जीवन को एक छुट्टी के रूप में सोचें

Machine Translated by Google



वह लंबाई जिसकी आपने शुरू से योजना बनाई थी। आप तय करते हैं कि आप किसे देखना चाहते हैं और आपको किससे मिलना है, आप कहां जाना चाहते हैं और आप किन गतिविधियों में शामिल होना चाहते हैं। आप उन लोगों के साथ अपनी यात्रा का समन्वय करते हैं जिनसे आप मिलना चाहते हैं।

आप, आपके कार्मिक मित्र और प्रियजन सभी आपके जन्म से पहले ही इस योजना से सहमत थे। एक बार जब आप जीवन में आते हैं, तो नियति यह सुनिश्चित करती है कि आप अपने कर्म समूह से मिलें। कर्म संबंधों की यह व्यवस्था हमारा परिवार, कामकाजी जीवन या मनोरंजक गतिविधियाँ हो सकती है।

ये व्यवस्थाएँ वे मंच हैं जिन पर हम अपने जीवन का कर्म नाटक खेलते हैं। इससे शेक्सपियर के वाक्यांश, "जीवन केवल एक मंच है" में नया अर्थ आया।

हम जीवन के विभिन्न क्षणों में विभिन्न कर्म समुच्चय का सामना करते हैं। जब हम नई नौकरी की तलाश करना चाहते हैं, किसी नए शहर की यात्रा करना चाहते हैं, या कोई नया मनोरंजक कार्य करना चाहते हैं, तो यह अक्सर हमारे भाग्य के खेल का हिस्सा होता है। नए स्थान हमें कर्म समुच्चय की ओर ले जाते हैं जिनमें हमें भाग लेने की आवश्यकता होती है।

यदि यह सत्य है, तो हमें यह प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए कि क्या हमारे पास स्वतंत्र इच्छा है। मेरा मानना है कि यद्यपि हम सभी के पास एक मार्ग है जिसे पहले ही रेखांकित किया जा चुका है और हमें उसका अनुसरण करना चाहिए, लेकिन रास्ते में हम जो भी करते हैं उस पर हमारी स्वतंत्र इच्छा होती है। वास्तव में, मानव विकास और विकास स्वतंत्र इच्छा के बिना नहीं हो सकता। कुछ लोगों के पास अधिक संरचित मार्ग हो सकता है जो बग़ल में सीमित होता है, जबकि अन्य के पास खेल के कम संरचित नियम होते हैं।

हालाँकि, हम अभी भी अपने भाग्य के पथ पर स्वतंत्र इच्छा रखते हैं।

कार्मिक समुच्चय डेजा वू के अनुभव में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। यदि हम ऐसे लोगों से मिलते हैं जिन्हें हम पिछले जन्मों में जानते हैं, तो यह आश्चर्य की बात नहीं है कि जब हम मिलते हैं तो हमारे पास पहचान की चमक होती है।
चूँकि लोगों के व्यवहार के पैटर्न सुसंगत होते हैं, इसलिए ऐसी स्थितियाँ उत्पन्न होने पर हम अद्वितीय लक्षणों और प्रतिक्रियाओं की पहचान कर सकते हैं

Machine Translated by Google



वापस करना। अंततः, डेजा वु तब घटित हो सकता है यदि हम किसी ऐसी घटना को पहचान लें जो हमारे जीवन के ताने-बाने का हिस्सा है। हम अपने रास्ते में एक सड़क चिह्न के बारे में जानते होंगे जिसकी रूपरेखा तैयार की गई है।

5. पिछले जीवन के प्रतीक, समकालिक घटनाएँ और उत्सव की घटनाएँ

पिछले जीवन अनुसंधान में एक सामान्य विशेषता यह है कि पिछले जीवन के प्रतीक आमतौर पर व्यक्ति के वर्तमान अवतार में पाए जाते हैं और घटित होने वाली समकालिक घटनाएं पिछले जीवन के रिश्तों को मजबूत करती प्रतीत होती हैं। मेरे व्यक्तिगत मामले में, कई "संयोग" घटनाएँ हैं जो बोस्टन में अमेरिकी क्रांति के नेता जॉन एडम्स के रूप में मेरे पिछले जीवन से जुड़ती प्रतीत होती हैं। उदाहरण के लिए, मैंने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने पिछले जीवन के बारे में मैसाचुसेट्स के "पब्लिक हाउस" में बात की थी, जिसे 1711 में रिवोल्यूशनरी ट्रिंकेट से भरे कमरे में बनाया गया था। बिल क्लिंटन, जॉर्ज डब्ल्यू के पुनर्जन्म मामलों की तस्वीरें।

बुश, अल गोर और मुझे जॉन एडम्स के जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में तत्कालीन राष्ट्रपति क्लिंटन के हाथों में सौंपा जाना चमत्कारी है। अनजाने में, मैंने जॉन एडम्स के जन्मदिन पर अपनी पुस्तक रिटर्न ऑफ़ द रेवोल्यूशनरीज़ पर भी हस्ताक्षर किए, अगले दिन तक इस समकालिक हस्ताक्षर से अनजान।

6. कुछ भौगोलिक स्थानों में रुचि

व्यक्ति अक्सर पिछले जन्मों के भूगोल में रुचि रखते हैं। कई मामलों में, यह देखा जा सकता है कि लोग उन जगहों पर लौट जाते हैं जहां वे पहले रहते थे। कोई व्यक्ति इन क्षेत्रों में निवास कर सकता है या छुट्टियों के दौरान इन स्थानों पर जा सकता है। कुछ मामलों में, ऐसा प्रतीत होता है कि आत्मा किसी परिचित स्थान की चाहत रखती है। अन्य मामलों में, आत्मा निर्देशित कर सकती है

Machine Translated by Google



पिछले जन्मों की याद दिलाने या आध्यात्मिक जागृति में सहायता करने के लिए व्यक्ति को एक विशेष स्थान पर ले जाना। रॉबर्ट स्नो और जेफरी कीन के मामले बताते हैं कि कैसे भौगोलिक स्थानों के सुराग पिछले जीवन के रहस्योद्घाटन का कारण बन सकते हैं।

7. स्मृति

पिछले जन्मों की यादें उस व्यक्ति पर गहरा प्रभाव डाल सकती हैं जो उन्हें अनुभव करता है। यादें अनायास या पिछले जीवन के प्रतिगमन के माध्यम से उत्पन्न हो सकती हैं*। रिग्रेशन थेरेपी में, चिकित्सक व्यक्ति को गहन विश्राम के चरण में मार्गदर्शन करता है। व्यक्ति को उस समय में लौटने के लिए निर्देशित किया जाता है जब पिछले जन्मों का अनुभव किया गया था या याद किया गया था। यादें, चाहे सहज हों या प्रतिगमन के माध्यम से अनुभव की गई हों, व्यक्तिपरक होती हैं। अकेले खड़े होकर ये यादें कमज़ोर ही होती हैं

उन लोगों के लिए पुनर्जन्म का प्रमाण जिन्होंने इसका अनुभव नहीं किया है। हालाँकि, जब ये यादें ऐतिहासिक शोध और दोबारा जांच के माध्यम से प्राप्त वस्तुनिष्ठ तथ्यों द्वारा समर्थित हैं, वे इसके ठोस सबूत प्रदान कर सकते हैं

पुनर्जन्म.

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के मनोचिकित्सक डॉ. इयान स्टीवेन्सन ने बच्चों द्वारा अपने पिछले जीवन को याद करने के हजारों मामलों का विस्तार से संकलन और अध्ययन किया है।
अपने काम में, डॉ. स्टीवेन्सन प्रमाण देने के लिए वर्तमान और पिछले जीवन के स्थानों की यात्रा करते हैं
पिछले जन्मों के बारे में विस्तार से बताया गया। दो प्रमुख मामले जो डॉ. स्टीवेन्सन, जो
प्रदर्शित किया गया कि चेहरे की विशेषताएं एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक एक समान रहती हैं,
नीचे प्रस्तुत किया जाएगा. इससे पहले कि हम इन दो मामलों पर गौर करें, मैं पुनर्जन्म के बारे में पूछे जाने वाले दो बहुत ही सामान्य प्रश्नों का उत्तर देना चाहता हूं।

* यहां रिग्रेशन का तात्पर्य उस थेरेपी से है जिसमें एक व्यक्ति रिग्रेशन थेरेपिस्ट के मार्गदर्शन में आराम और सचेत अवस्था में पिछले जीवन की यादों को उजागर कर सकता है।

Machine Translated by Google



यदि पुनर्जन्म वास्तविक था, तो इस समय जनसंख्या कैसे बड़ी हो सकती है?

यदि पुनर्जन्म का सिद्धांत सत्य है, तो आज ग्रह पर अतीत की तुलना में अधिक लोग कैसे हो सकते हैं? इस प्रश्न का उत्तर देने का सबसे आसान तरीका अवतार की आवृत्ति है। अतीत में, जब पृथ्वी पर जनसंख्या बहुत कम थी, शायद आत्माएँ हर कुछ सौ वर्षों में केवल एक बार ही अवतरित हो पाती थीं। वर्तमान जनसंख्या के साथ, आत्माएँ अधिक बार, लगभग निरंतर रूप से अवतार ले सकती हैं।

प्रत्येक व्यक्ति पिछले जन्म में प्रसिद्ध क्यों होता है?

वास्तव में, अधिकांश लोग अपने पिछले जीवन में प्रसिद्ध व्यक्ति नहीं थे, हालाँकि प्रसिद्ध लोगों को निश्चित रूप से हर किसी की तरह पुनर्जन्म लेना पड़ता है।

यह सच है कि जिन आत्माओं ने पिछले जन्मों में बहुत प्रभाव डाला है, उनके बाद के जीवन में भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है, क्योंकि ये आत्माएं एक अवतार से दूसरे अवतार में अपने कौशल को अपने साथ ले जाती हैं। यह पिकासो, एपीजे अब्दुल कलाम, विक्रम साराभाई, शाहरुख खान, रेखा, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के पुनर्जन्म के मामलों में दिखाया गया है।

व्यक्ति उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति समझने की भूल कर सकते हैं जो अतीत में दो कारणों से प्रसिद्ध था।

सबसे पहले, वे पिछले जीवन में किसी प्रसिद्ध व्यक्ति को जानते होंगे और अपने पिछले जीवन की पहचान की पुष्टि करने की कोशिश में, वे उस प्रसिद्ध व्यक्ति को अपनी वास्तविक अतीत की पहचान समझने की गलती करते हैं। उदाहरण के लिए, क्लियोपेट्रा होने के बजाय, कोई क्लियोपेट्रा का परामर्शदाता या मित्र हो सकता है। मैं इस प्रकार के बेमेल को "बेंचमार्क केस" कहता हूं, जिसमें प्रसिद्ध व्यक्ति स्थान और समय के संदर्भ में किसी व्यक्ति के अवतार के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है।

ग़लतियाँ इसलिए भी हो सकती हैं क्योंकि कोई मशहूर व्यक्ति किसी के लिए मार्गदर्शक का काम कर सकता है। हम सब के पास है

Machine Translated by Google



मार्गदर्शक आत्माएँ जो हमारे जीवन में हमारी मदद करने का प्रयास करती हैं। जिन परिवारों की मृत्यु हो चुकी है और जिन लोगों के साथ हमारे पिछले जन्मों में घनिष्ठ संबंध रहे हैं, वे मार्गदर्शक आत्माओं के रूप में कार्य कर सकते हैं। कभी-कभी, लोग मार्गदर्शक आत्मा को अपना पिछला अवतार समझने की भूल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति लियोनार्डो दा विंची के कला स्टूडियो और वर्तमान में उनका सहायक रहा होगा

अवतार लियोनार्डो इस व्यक्ति के लिए एक मार्गदर्शक भावना के रूप में कार्य करता है। इस व्यक्ति ने कला में अपना करियर बनाया और कई बार लियोनार्डो से प्रेरणा ली, जिन्होंने दूसरी ओर से इस व्यक्ति का मार्गदर्शन किया। यह व्यक्ति तब विश्वास करना शुरू कर देता है कि वह वास्तव में अपने पिछले जीवन में लियोनार्डो दा विंची था, इस तथ्य के बावजूद कि लियोनार्डो उसकी मार्गदर्शक आत्मा की भूमिका निभा रहा है।

अब जब ये मुद्दे साफ़ हो गए हैं, तो आइए जाँच करें
बच्चों में सहज स्मृतियों से जुड़े पुनर्जन्म के मामले।

## डॉ. इयान स्टीवेन्सन द्वारा पुनर्जन्म अनुसंधान

अपने करियर में, डॉ. स्टीवेन्सन वर्जीनिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं, और उन्हें संस्थान में मनोचिकित्सा के कार्लसन प्रोफेसर के रूप में भी सम्मानित किया जाता है। चालीस वर्षों से, डॉ. स्टीवेन्सन उन बच्चों की जांच कर रहे हैं जो अपने पिछले जीवन को याद करते हैं। इनमें से अधिकतर मामले एशिया, भारत या अन्य क्षेत्रों से आते हैं जहां पुनर्जन्म के सिद्धांत को स्वीकार किया जाता है। उन स्थानों पर जहां पुनर्जन्म एक स्वीकृत विश्वास प्रणाली नहीं है, यह माना जाता है कि माता-पिता बच्चों को पिछले जीवन की यादों की अभिव्यक्ति को रोकते हैं। इयान स्टीवेन्सन द्वारा अध्ययन किए गए किशोर मामलों में एक सामान्य पैटर्न होता है, जो निम्नलिखित विशेषताओं द्वारा पहचाना जाता है:

• जैसे ही बच्चा संवाद करना शुरू कर देता है, बच्चा पिछले जीवन का वर्णन करना शुरू कर देता है। अक्सर बच्चा कहता है कि उसका नाम दिए गए नाम से अलग है

Machine Translated by Google



बच्चे को उसके जैविक माता-पिता द्वारा। बच्चा इस बात पर ज़ोर देता है कि उसका वर्तमान परिवार उसका असली परिवार नहीं है, बल्कि उसका असली परिवार दूसरे गाँव या कस्बे में रहता है। आमतौर पर बच्चा अपने पिछले जीवन के परिवार के कुछ सदस्यों के नाम याद रखने में सक्षम होता है। उस घर और आसपास के वातावरण की भौतिक विशेषताओं को भी याद किया जा सकता है जहां बच्चा पिछले जन्म में रहा था।

• बच्चे को पिछले जन्म में अपनी मृत्यु का विवरण याद रहता है। डॉ. पुनर्जन्म के लगभग 50% मामले। स्टीवेन्सन के अनुसार, पिछले जन्म में असामयिक या दुखद मृत्यु हुई थी।

डॉ. स्टीवेन्सन ने पाया कि जो व्यक्ति गोली या चाकू के घाव जैसी दर्दनाक चोटों से मरते हैं, वे अक्सर बाद के अवतारों में उन घावों के साथ पुनर्जन्म लेते हैं जो पिछले जन्मों के निशानों को प्रतिबिंबित करते हैं। आज के जीवन में, बच्चों को अक्सर पिछले जीवन में मृत्यु के कारण से संबंधित भय होता है।

• पिछले अवतार के बच्चे के परिवार की अंततः पहचान कर ली गई। जब बच्चा पहली बार इस परिवार से मिलता है तो वह परिवार के सदस्यों के नाम और उनके रिश्तों को पहचानने में सक्षम होता है। बच्चे अक्सर पारिवारिक रहस्य जानते हैं जो केवल परिवार के पिछले सदस्य ही जानते थे।

परिणामस्वरूप, पिछले जन्मों के परिवार अक्सर बच्चे को अपने मृत परिवार के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार करते हैं। वर्तमान अवतार के बच्चे के जैविक माता-पिता अक्सर डरते हैं कि बच्चा पिछले जन्म के परिवार की खातिर उन्हें छोड़ देगा, जब बच्चे और पिछले परिवार के बीच का बंधन इतना मजबूत हो गया था। यह डर निराधार साबित होता है, क्योंकि बच्चे और उसके वर्तमान माता-पिता के बीच संबंध कायम रहता है। हालाँकि, आमतौर पर बच्चे और उसके परिवार के बीच उसके अतीत से दीर्घकालिक संबंध स्थापित होते हैं।

• व्यक्तित्व के लक्षण, प्राथमिकताएँ और आदतें अक्सर एक अवतार से दूसरे अवतार में बनी रहती हैं।

• कई मामलों में रिपोर्ट की गई शारीरिक बनावट अक्सर एक जैसी होती है। 95% मामलों में डॉ. इयान स्टीवेन्सन, पुत्र वापस आ जाते हैं

Machine Translated by Google



पिछले जीवन के समान ही लिंग। इस प्रकार, केवल 5% मामलों में ही एक जीवन से दूसरे जीवन में लिंग परिवर्तन होता है।

1998 में, डॉ. स्टीवेन्सन ने उन मामलों की दोबारा जांच की जिनका उन्होंने बीस साल पहले अध्ययन किया था। इनमें से दो मामलों में, पिछले जीवन के व्यक्तियों की तस्वीरें उपलब्ध हैं। इन छवियों से पता चलता है कि वयस्कता के बाद, शारीरिक उपस्थिति एक जीवन से दूसरे जीवन तक सुसंगत रहती है। आइए इन दो मामलों की समीक्षा करें, जो लेबनान से निकले और डॉ. स्टीवेन्सन के बारे में एक पुस्तक में संक्षेप में प्रस्तुत किए गए

टॉम श्रोडर द्वारा ओल्ड सोल्स।

हनान मोनसूर/सुजैन घनेम का मामला

हनान का जन्म 1930 के दशक के मध्य में लेबनान में हुआ था।
जब लड़की बीस वर्ष की थी, तो उसने लेबनान के एक संपन्न परिवार के सदस्य फारूक मंसूर से शादी कर ली। इस जोड़े की दो बेटियाँ हैं, जिनका नाम लीला और गलारेह है। हानान का नबीह नाम का एक भाई था, जो लेबनानी समाज में प्रतिष्ठित था, लेकिन एक हवाई जहाज दुर्घटना में उसकी युवावस्था में ही मृत्यु हो गई।

अपनी दूसरी बेटी को जन्म देने के बाद, हनान को दिल की समस्या हो गई और उसके डॉक्टरों ने उसे और बच्चों को जन्म न देने की सलाह दी। चेतावनी पर ध्यान देते हुए, हनान 1962 में तीसरे बच्चे, एक लड़के, के साथ गर्भवती हो गई। 1963 में, अपने भाई, नबीह की मृत्यु के तुरंत बाद, हनान का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। हनान बात करने लगा कि वह जल्द ही मर जाएगा। हनान के पति फ़ारूक ने कहा कि हनान ने उससे कहा था कि "उसका पुनर्जन्म होगा और उसके पास अपने पिछले जीवन के बारे में बताने के लिए बहुत कुछ होगा।"1 यह हनान की मृत्यु से दो साल पहले हुआ था। 36 साल की उम्र में, हनान दिल की सर्जरी कराने के लिए रिचमंड, वर्जीनिया गए। ऑपरेशन से पहले हनान ने अपनी बेटी लीला को कॉल करने की कोशिश की, लेकिन कॉल नहीं लग सकी।

ऑपरेशन के अगले दिन जटिलताओं के कारण हनान की मृत्यु हो गई।

Machine Translated by Google



हनान की मृत्यु के दस दिन बाद, सुज़ैन घनम का जन्म हुआ।
सुज़ैन की माँ ने इयान स्टीवेन्सन को बताया कि सुज़ैन के जन्म से कुछ समय पहले, "मैंने सपना देखा था कि मुझे एक बेटी होने वाली है।
मैं एक महिला से मिला और मैंने उसे चूमा और गले लगाया। उन्होंने कहा, 'मैं आपके पास आऊंगा.' इस महिला की उम्र करीब चालीस साल है. बाद में, जब मैंने हनान की तस्वीर देखी, तो मुझे लगा कि वह मेरे सपने वाली महिला की तरह दिखती है।''2 दूसरे शब्दों में, सुजैन घनेम की मां ने एक सपना देखा था कि उनका एक बच्चा होगा जो हनान मोंसूर की तरह दिखता है, और यह सपना आया सत्य।

16 महीने की उम्र में, सुज़ैन ने रिसीवर पकड़ लिया जैसे कि वह उसमें बात करने की कोशिश कर रही हो और बार-बार बोली, "हैलो, लीला?" उसका परिवार नहीं जानता कि लीला कौन है।

जब वह बड़ी हुई, तो सुज़ैन ने बताया कि लीला उसके बच्चों में से एक थी, और वह सुज़ैन नहीं, बल्कि हनान थी। उसके परिवार ने पूछा, "हनान क्या?" सुज़ैन ने उत्तर दिया, "मेरा सिर अभी भी छोटा है।

इसके बड़े होने तक प्रतीक्षा करें, और शायद मैं आपको बता सकूं।"3 जब वह दो साल का था, तो उसने अपने अन्य बच्चों के नाम, अपने पति फारूक का नाम और अपने पिछले जीवन के माता-पिता और भाइयों के नाम का उल्लेख किया। —

कुल मिलाकर तेरह नाम हैं।

सुज़ैन के पिछले परिवार, परिचितों का पता लगाने के प्रयास में
घनेम परिवार उस शहर में खोज करता है जहां मॉनसौर रहते हैं। जब उन्होंने मामले के बारे में सुना, तो मोनसोर्स ने सुज़ैन से मुलाकात की। मोनसोर्स को शुरू में छोटी लड़की के बयान पर संदेह हुआ। उन्हें तब विश्वास हुआ जब सुज़ैन ने हनान के सभी रिश्तेदारों को पहचान लिया, उनकी ओर इशारा किया और उनके नाम सही-सही बताए। सुज़ैन को यह भी पता चला कि हनान ने दिल की सर्जरी से पहले वर्जीनिया में अपनी बड़ी बहन, हरक्यूल को अपने गहने दे दिए थे, और हनान ने अपनी बहन से गहने अपनी बेटियों को वितरित करने के लिए कहा था। मोनसौर के बाहर किसी को भी आभूषण के बारे में कुछ भी पता नहीं था।

इससे पहले कि वह पढ़ या लिख पाती, सुज़ैन ने एक कागज़ के टुकड़े पर एक फ़ोन नंबर काट दिया था। बाद में जब

Machine Translated by Google



परिवार मोनसूर के घर गया, उन्होंने पाया कि फोन नंबर मोनसूर परिवार से मेल खाता था, सिवाय इसके कि अंतिम दो अंक उलटे थे।
एक बच्चे के रूप में, सुज़ैन हनान की बहन, नबीह के अंतिम संस्कार में बोला गया भाषण सुना सकती थी। सुज़ैन के परिवार ने पाठ को रिकॉर्ड किया, हालाँकि अंततः टेप खो गया।

पांच साल की उम्र में सुजैन ने फारूक को दिन में तीन बार फोन किया। जब सुज़ैन फ़ारूक से मिलने जाती थी, तो वह उसकी गोद में बैठ जाती थी और अपना सिर उसकी छाती पर रख देती थी। 25 साल की उम्र में भी सुज़ैन फ़ारूक को बुला रही हैं। फ़ारूक, एक पुलिस अधिकारी, ने सुज़ैन को अपनी दिवंगत पत्नी, हनान के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार किया है।

इस निष्कर्ष का समर्थन करने के लिए, फ़ारूक बताते हैं कि तस्वीरों से, सुज़ैन उन लोगों की सटीक पहचान कर सकती हैं जिन्हें वे एक बार जानते थे, और विभिन्न जानकारी सीख सकते हैं जो केवल हनान को पता है।

रशीद खडगे/डैनियल जर्दी का मामला

रशीद खड्देगे एक वाहन मैकेनिक हैं जो लेबनान के कफ़रमत्ता नामक कस्बे में रहते हैं। राशिद का जन्म 1943 में हुआ था। जब वह 25 साल के थे, तब इब्राहिम नाम के एक दोस्त ने उन्हें कार से जाने के लिए उठाया था। इब्राहिम ने भूमध्य सागर की ओर अपनी कार तेज कर दी और मिलिट्री कोस्ट नामक स्थान पर उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया। राशिद को कार से फेंक दिया गया, सिर पर चोट लगी और तुरंत उसकी मौत हो गई।

एक वर्ष से अधिक समय के बाद, डेनियल जुर्डी का जन्म हुआ। डेनियल के शुरुआती शब्द "इब्राहिम" हैं। दो साल की उम्र में उन्होंने अपनी मां लतीफे से कहा, "मैं घर जाना चाहता हूं।" ढाई साल की उम्र में डेनियल ने बयान दिया था, ''यह मेरा घर नहीं है। तुम मेरी माँ नहीं हो. मेरे पिता नहीं हैं. मेरे पिता मर चुके हैं.'' डैनियल की मां याद करती हैं, ''वह यूसुफ को डैड नहीं कहना चाहते थे.''

"उसने उसे उसके सीधे नाम से बुलाया।" डेनियल ने आगे कहा, 'मेरे पिता नईम हैं।' नईम रशीद खडगे के पिता का नाम है।4

ढाई साल की उम्र में, एक परिवार के साथ बाहर घूमने पर, एक रिश्तेदार ने कफ़रमट्टा शहर का नाम उच्चारण करने की कोशिश की। डैनियल

Machine Translated by Google



तुरंत काटा गया और शहर का नाम सही ढंग से उच्चारित किया गया।
जब उसके पिता ने पूछा कि वह शहर का नाम कैसे जानता है, तो डैनियल ने उत्तर दिया, "मैं कफ़रमट्टा से हूं।"5

जब डैनियल और उसकी माँ बेरूत में गाड़ी चला रहे थे, वे मिलिट्री बीच नामक समुद्र के किनारे से गुज़रे। डैनियल ने अपनी आँखें बंद कर लीं, उन्हें दोनों हाथों से ढक लिया और रोने लगा। फिर वह चिल्लाया, "मैं यहीं मर जाता था!"6 डैनियल ने यह भी कहा कि अपने पिछले जीवन में वह एक मैकेनिक था।

हादसे के बारे में डेनियल ने कहा कि इब्राहिम तेज गति से गाड़ी चला रहा था और उसने कार से नियंत्रण खो दिया. डैनियल ने कहा, "मैं कार से बाहर उछला और सबसे पहले नीचे उतरा।"

जब पीड़ित की मदद के लिए मदद आई, तो डैनियल ने कहा कि उसने किसी को यह कहते हुए सुना, "इसे छोड़ दो, यह मर चुका है।"7

किंडरगार्टन में, डैनियल ने शिक्षकों को बताया कि उसका नाम राशिद खडगेगे था। एक किंडरगार्टन स्कूल की एक अन्य घटना में, छोटे डैनियल ने एक आकर्षक युवा शिक्षक की चुटकी ली और एक चुटीली टिप्पणी की। आख़िरकार, डैनियल के पिता किसी ऐसे व्यक्ति की जांच करने के लिए केफ़रमाटा में एक परिचित को भेजते हैं, जो मिलिट्री बीच पर एक कार दुर्घटना में मरने वाले मैकेनिक के डैनियल के विवरण में फिट बैठता है। खड्डगे के परिवार ने कहानी सुनी और डैनियल से मुलाकात की।

जब इयान स्टीवेन्सन ने 1979 में दोनों परिवारों का साक्षात्कार लिया,
दोनों ने कहा कि उनकी शुरुआती मुलाकात में डेनियल ने तुरंत राशिद की बहन नजला को पहचान लिया और तुरंत उसका नाम बताया। जब दोनों परिवार मिले तो डेनियल ने अपनी मां से मेहमानों के लिए केले लाने को कहा। राशिद को केले खाना पसंद है, जबकि उसकी माँ और बहनों ने राशिद की मौत के बाद केले खाना बंद कर दिया, क्योंकि केले उन्हें राशिद की मौत के दुःख की याद दिलाते हैं।

बाद में, कफ़रमट्टा की यात्रा के दौरान, डैनियल ने इब्राहिम को, साथ ही रशीद के शिकार साथी जिजाद को भी पहचान लिया।

राशिद परिवार ने डेनियल को पिछले जन्म से अपने बेटे के रूप में स्वीकार कर लिया था। उन्होंने डेनियल की फोटो लगा दी

Machine Translated by Google



उनके घर और डैनियल के लिए एक बिस्तर उपलब्ध कराया, जो महीने में एक या दो बार आता था। डेनियल शादीशुदा है और अकाउंटेंट के तौर पर काम करता है।

डेनियल को कार रेसिंग का शौक है, जो मिलिट्री बीच पर हुई दुर्घटना में राशिद को हुए मनोवैज्ञानिक आघात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

डॉ. स्टीवेन्सन ने लगभग 3,000 मामलों का अध्ययन किया है जिनमें बताया गया है कि बच्चे पिछले जन्मों को याद करने में सक्षम हैं। डॉ।
वैध मामलों पर विचार करने के लिए स्टीवेन्सन के पास सख्त मानदंड हैं और उन्होंने जिन 3,000 मामलों की जांच की, उनमें से लगभग एक हजार प्रामाणिक के रूप में उनके मानदंडों पर खरे उतरे। भले ही डॉ. स्टीवेन्सन ने अपने शोध के शुरुआती वर्षों में शारीरिक उपस्थिति अनुकूलता पर ध्यान केंद्रित नहीं किया था, सुज़ैन घनेम, डैनियल जुर्डी और अन्य के मामलों ने उन्हें अपने दृष्टिकोण को संशोधित करने के लिए प्रेरित किया है।

हनान मोनसूर और सुजैन घनम के चेहरे की बनावट, चेहरे की विशेषताएं समान हैं। राशिद खडगे और डेनियल जुर्डी के चेहरे के फीचर्स भी एक जैसे हैं। इस अध्याय के अंत में खडगे और जुर्डी की तुलना करने वाली एक तस्वीर संलग्न है। हनान मोनसूर और सुजैन घनम के चेहरों में समानताएं देखने के लिए, कृपया टॉम श्रोड की पुस्तक ओल्ड सोल्स देखें। अपनी पुस्तक, व्हेयर बायोलॉजी एंड रीइंकार्नेशन इंटरसेक्ट में डॉ.

स्टीवेन्सन का सुझाव है कि भविष्य के शोधकर्ताओं को "विषयों और पिछले व्यक्तित्वों के बीच चेहरे की समानता" का व्यवस्थित रूप से अध्ययन करना चाहिए।8

डॉ. स्टीवेन्सन पुनर्जन्म के वैज्ञानिक अनुसंधान में अग्रणी थे।
उनका ट्वेंटी केसेस सजेस्टिव ऑफ रीइंकार्नेशन, जो पहली बार 1966 में प्रकाशित हुआ, एक क्लासिक है। वास्तव में, मैं यह कहने का साहस करता हूं कि जो कोई भी ट्वेंटी केस पढ़ता है

खुले दिमाग से पुनर्जन्म में निश्चित रूप से विश्वास करेंगे।

Machine Translated by Google



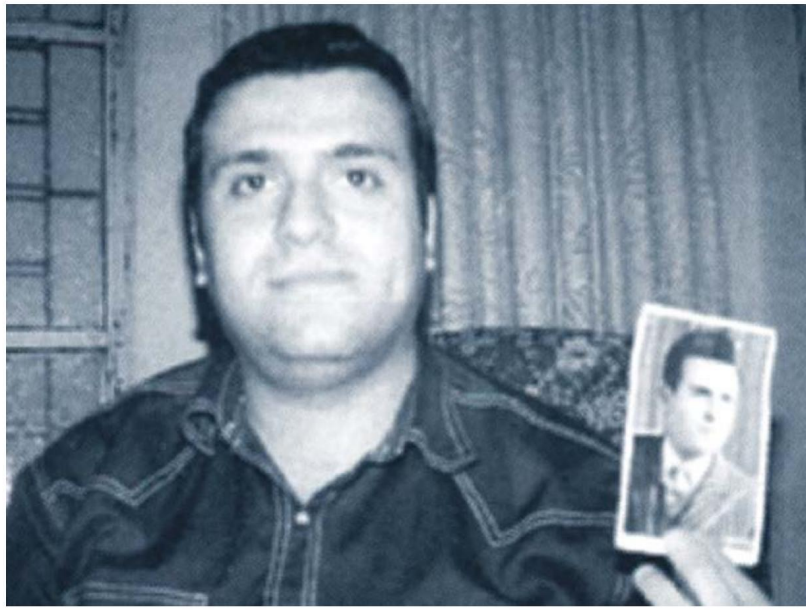

टॉम श्रोडर का योगदान

रशीद खडगे की तस्वीर पकड़े हुए डेनियल जुर्डी।
जुर्डी को बचपन से ही अपने पिछले जन्म में खड्देगे होने की यादें रही हैं।

Machine Translated by Google

# 3

## ऐनी फ्रैंक का पुनर्जन्म

पुनर्जन्म के सबसे प्रभावशाली मामलों में से एक
संस्कृति बारब्रो कार्लेन का मामला है, जिनके साथ मैंने वर्षों से लगातार प्रस्तुतियाँ दी हैं।

मैं पहली बार बारब्रो से 2000 में मिला था और अब मैं उसे एक अच्छा दोस्त मानता हूं।
मैंने उनकी कहानी कई बार सुनी है और अब मैं इसे आपके साथ साझा करना चाहता हूं।

ऐनी फ्रैंक की मृत्यु बर्गेन के बेलसन एकाग्रता शिविर में हुई
1945. 10 साल बाद, 1954 में, बारब्रो कार्लेन का जन्म स्वीडन में ईसाई माता-पिता के यहां हुआ था।
जब वह तीन साल से कम उम्र की थी, तब बारब्रो ने अपने माता-पिता को बताया कि उसका नाम बारब्रो नहीं, बल्कि ऐनी फ्रैंक है। बार्ब्रो के माता-पिता को बिल्कुल पता नहीं था कि ऐनी फ्रैंक कौन थी, क्योंकि ऐनी फ्रैंक: डायरी ऑफ ए यंग गर्ल नामक पुस्तक, जिसे द डायरी ऑफ ऐनी फ्रैंक के नाम से भी जाना जाता है, अभी तक स्वीडन में प्रकाशित नहीं हुई थी।

बारब्रो ने कहा कि उसके माता-पिता चाहते थे कि वह उन्हें "मा और पा" कह कर बुलाए, लेकिन बारब्रो जानता था कि वे उसके असली माता-पिता नहीं हैं। बारब्रो ने अपनी मां से यहां तक कहा कि उसके असली माता-पिता जल्द ही आएंगे और उसे घर ले आएंगे। एक बच्चे के रूप में, बारब्रो ने अपने माता-पिता को ऐनी के रूप में अपने जीवन के विवरण के बारे में बताया, जिसे उसके माता-पिता ने काल्पनिक माना। बार्ब्रो को भी बचपन में बुरे सपने आते थे, जिसमें कई लड़के सीढ़ियों से ऊपर भागते थे और परिवार के ठिकाने की अटारी की ओर जाने वाले दरवाजे में लात मारते थे। बार्ब्रो को वर्दीधारी लोगों से डर था, नट्स के प्रति घृणा थी, जिसे फ्रैंक्स खाते थे

Machine Translated by Google



लगभग दो वर्षों तक जीवित रहने के लिए, और वह केवल स्नानघर में स्नान करता था, शॉवर में नहीं।

बार्ब्रो की यादों ने उसके माता-पिता और एक समय उन्हें भी चिंतित कर दिया
एक मनोचिकित्सक से उसकी जाँच करायी।
हालाँकि, तब तक बार्ब्रो को पता चल गया था कि जिस दूसरी दुनिया में वह रहता था, ऐनी फ्रैंक की दुनिया के बारे में बात करना मूर्खतापूर्ण होगा, जब उसे एहसास हुआ कि जब वह अपनी यादों का वर्णन करता है तो हर कोई "तनावग्रस्त हो जाता है"। इसलिए जब वह मनोचिकित्सक से मिलती है, तो वह ऐनी के रूप में उसकी स्मृति का उल्लेख नहीं करता है, इसलिए उसे पूरी तरह से सामान्य छोटी लड़की माना जाता है।

जब बार्ब्रो किशोरी थी, तब वह भ्रमित हो गई थी
उसके स्कूल शिक्षक ने कक्षा में ऐनी फ्रैंक के बारे में बात करना शुरू कर दिया।
शिक्षक ऐनी फ्रैंक के बारे में कैसे जान सकते थे?
इसके अलावा, बार्ब्रो को यह एहसास होने लगा कि ऐनी फ्रैंक एक प्रसिद्ध व्यक्ति थीं। यह कैसे हो सकता है? जैसा कि बार्ब्रो ने बाद में कहा, उस समय एक बच्चे के रूप में, "यह सब मैं नहीं समझ सकता।" कल्पना कीजिए कि बार्ब्रो के लिए यह कितना कठिन रहा होगा जिसके पास सहज यादें थीं और उनके बारे में बात करने के लिए कोई नहीं था; कैरल बोमन की तरह कोई भी, उसके भ्रम और बुरे सपनों से उबरने में उसकी मदद नहीं कर सकता था।

बार्ब्रो को अपना पहला प्रमाण ऐनी फ्रैंक के रूप में तब मिला जब वह 10 वर्ष की थी, जिसका वर्णन उसने अपनी पुस्तक, एंड द वॉल्ल्स हाउल्ड में किया है। जो कुछ हुआ मैं दोबारा बताऊंगा.

जब वह दस वर्ष का था, तो बार्ब्रो के माता-पिता ने उसे अपने पास ले लिया
यूरोप के मुख्य शहरों में छुट्टियाँ। ऐसा ही एक पड़ाव एम्स्टर्डम था, वह शहर जहां फ्रैंक्स रहते थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, ओटो फ्रैंक और उनके परिवार को उस इमारत के अटारी में छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा जहां ओटो काम करता था, क्योंकि नाजियों ने नीदरलैंड पर आक्रमण किया था और यहूदियों पर अत्याचार किया था। फ्रैंक्स इसी में छिप गये

लगभग 2 वर्षों तक अटारी में रहे, जब तक कि वे नाजियों द्वारा नहीं पाए गए, गिरफ्तार किए गए और एकाग्रता शिविरों में नहीं भेजे गए। एकमात्र जीवित बचे पिता ओटो फ्रैंक थे, जिन्हें बाद में अपनी बेटी ऐनी की डायरी मिली, जिसे उन्होंने बाद में प्रकाशित किया। युद्ध के बाद छिपने की जगह

Machine Translated by Google



इसे एक संग्रहालय में बदल दिया गया और इसका नाम ऐनी फ्रैंक हाउस रखा गया।

जब बारब्रो दस वर्ष की थी, तब ऐनी फ्रैंक की डायरी प्रकाशित हुई थी और एम्स्टर्डम में रहते हुए, उसके पिता ऐनी फ्रैंक हाउस का दौरा करना चाहते थे। होटल में उसने फोन उठाया और उन्हें वहां ले जाने के लिए टैक्सी मांगी। लेकिन बार्ब्रो ने अचानक कहा, "हमें टैक्सी की ज़रूरत नहीं है, यह यहाँ से ज़्यादा दूर नहीं है!" बारब्रो इतना आश्वस्त था कि उसके माता-पिता को कोई आपत्ति नहीं थी, जैसे ही वह जल्दी से चला गया, उन्होंने आज्ञाकारी रूप से उसका पीछा किया।

"हम जल्द ही वहां पहुंचेंगे, घर अगले कोने के आसपास ही है," बारब्रो ने कहा। एम्स्टर्डम की घुमावदार सड़कों से 10 मिनट की पैदल दूरी के बाद जब वे ऐनी फ्रैंक हाउस पहुंचे तो उन्हें खुद बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ। जबकि उसके माता-पिता अवाक रह गए और बस एक-दूसरे को देखते रहे।

"अजीब बात है," बारब्रो ने कहा, जब वे घर की ओर जाने वाली सीढ़ियों के सामने खड़े थे। "पहले ऐसा नहीं था।" वह स्तब्ध था और उसके माता-पिता को समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहें। वे घर में दाखिल हुए और लंबी, संकरी सीढ़ी पर चढ़ गए। बारब्रो, जो रास्ता दिखाते समय बहुत निश्चिंत था, अचानक घातक रूप से पीला पड़ गया।

उसे ठण्डे पसीने आ गए और उसने अपनी माँ का हाथ पकड़ लिया। जब उसकी मां को एहसास हुआ कि बार्ब्रो के हाथ बर्फीले ठंडे हैं तो वह काफी हैरान रह गई।

जैसे ही वे ठिकाने में दाखिल हुए, बार्ब्रो पर एक अकथनीय भय व्याप्त हो गया, जैसा कि उसने कई बार अपने सपनों में अनुभव किया था। उन्हें सांस लेने में कठिनाई होने लगी और उनके पूरे शरीर में घबराहट फैल गई। जब वे एक छोटे से कमरे में दाखिल हुए, तो वह अचानक ठिठक कर खड़ा हो गया और थोड़ा और खुश हो गया।

बार्ब्रो ने अपने सामने की दीवार की ओर देखा और कहा, "देखो, उन फिल्मी सितारों की तस्वीरें अभी भी वहाँ हैं!" फिल्मी सितारों की जो तस्वीरें ऐनी ने काटकर दीवारों पर चिपकाई थीं, जिन्हें बारब्रो ने उस पल देखा, उसने उसे खुश महसूस किया, लगभग ऐसा जैसे कि वह घर लौट आई हो।

उसकी माँ ने खाली दीवार की ओर देखा और उसे कुछ भी समझ नहीं आया। "यह कौन सी तस्वीर है? दीवारें खाली हैं न?"

Machine Translated by Google



बार्ब्रो ने फिर से देखा और इस बार यह सच था। दीवार खाली है!
उसकी माँ इतनी आश्चर्यचकित थी कि उसे एक गाइड से पूछने के लिए मजबूर होना पड़ा कि क्या वह जानती है कि दीवारों पर कभी तस्वीरें थीं। "ओह हाँ," एक गाइड ने उत्तर दिया, "लेकिन उन्हें फ्रेम करने के लिए अस्थायी रूप से हटाया जा रहा है ताकि वे क्षतिग्रस्त या चोरी न हों।" बार्ब्रो की माँ को उस समय समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे।

"यह कैसे संभव है कि आपने पहले यहां अपना रास्ता ढूंढा, फिर इस बात पर जोर दिया कि वहां सीढ़ियां अलग हुआ करती थीं, और फिर दीवारों पर लगी तस्वीरों को देखा जबकि वे वहां थीं ही नहीं?"

बार्ब्रो की माँ उत्सुक और काफी परेशान थी। लेकिन बार्ब्रो एक शब्द भी बोलने में असमर्थ था। वह बस वहां से निकलना चाहता था, वह इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता था।

जब वह सीढ़ियाँ उतर रही थी तो उसके पैर जेली की तरह ढीले महसूस हो रहे थे।
उसे अपने जीवन में कभी इतना दुःख नहीं हुआ था। उसके चेहरे पर आँसू अनियंत्रित रूप से बह रहे थे, और उसके पैर उन्हें संभाल नहीं पा रहे थे। जब वह सीढ़ियों से नीचे पहुंचा तो उसके पैर झुक गए और वह गिर गया।

इन पुनर्कथित अंशों में एंड द वॉल्व्स हाउल्ड, बारब्रो
उन घटनाओं को याद करती है जिससे अंततः उसके माता-पिता को विश्वास हो गया कि वह ऐनी फ्रैंक का पुनर्जन्म है। कोई दूसरा नहीं था
वैसे, यह कैसे हो सकता है कि परिवार की एम्स्टर्डम की पहली यात्रा पर, उसे पता होगा कि ऐनी फ्रैंक हाउस तक कैसे पहुंचा जाए?

उसे कैसे पता चला कि सीढ़ियाँ बदल दी गई हैं और ऐनी फ्रैंक ने फिल्म स्टार की जो तस्वीरें चिपकाई थीं, जिन्हें फ्रेम में ले जाया जा रहा था, वे दीवार पर हो सकती हैं? बार्ब्रो की माँ ने बहुत आध्यात्मिक होने और पुनर्जन्म में विश्वास करने का उत्तर दिया।

दूसरी ओर, बार्ब्रो के पिता और भी अधिक चिड़चिड़े लग रहे थे।
बार्ब्रो को याद आया कि उसके पिता ने जवाब देते हुए कहा था, “मैं इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि आप पहले भी किसी तरह यहां आ चुके हैं। हो सकता है कि आप पहले भी जीवित रहे हों और दोबारा जन्मे हों, लेकिन आप अकेले ही ऐसे हैं!”

बारब्रो ने समझा कि जब पुनर्जन्म की संभावित वास्तविकता का सामना करना पड़ा, तो उस दिन की घटनाओं ने उनके पिता के ईसाई विश्वदृष्टिकोण को हिलाकर रख दिया था, कि "सब कुछ था

Machine Translated by Google



सही ढंग से सेट करें"। हालाँकि, बार्ब्रो को बहुत खुशी महसूस हुई क्योंकि तब से, वह अपनी माँ से ऐनी फ्रैंक के रूप में अपने अतीत के बारे में बात कर सकती थी, और उसे अपनी माँ का समर्थन प्राप्त था।

ऐनी फ्रैंक की तरह, बारब्रो कार्लेन में जादुई लेखन प्रतिभा थी
युवा अवस्था। बार्ब्रो ने मुझे बताया कि लिखना सीखना एक बहुत बड़ा वरदान था, क्योंकि हालांकि वह अपनी पिछली ज़िंदगी की यादों के बारे में किसी से बात नहीं कर सकती थी, एक बार जब उसने लिखना सीख लिया, तो वह अपने ब्लैकबोर्ड से बातचीत कर सकती थी। एक दिन, जब वह लगभग 11 वर्ष का था, बारब्रो के परिवार के एक मित्र ने बारब्रो के निजी नोट्स पढ़े और महसूस किया कि ये मूल्यवान रचनाएँ थीं। बार्ब्रो से पूछा गया कि क्या उनका स्वतंत्र लेखन एकत्र किया जा सकता है। वह सहमत हो गये और बारह वर्ष की उम्र में उनकी गद्य की पहली पुस्तक प्रकाशित हुई।

यह पुस्तक, मैन ऑन अर्थ, स्वीडिश इतिहास में सबसे अधिक बिकने वाली गद्य/कविता पुस्तक बन गई। बारब्रो एक छोटी हस्ती बन गए, यहाँ तक कि टेलीविजन शो में पादरी और धर्मशास्त्रियों के साथ धर्मशास्त्र के बारे में बहस करने लगे।

बचपन बीतने के बाद उनकी पिछले जीवन की यादें धुंधली होने लगीं। यह बार्ब्रो के लिए राहत की बात थी, क्योंकि अब वह आखिरकार सामान्य जीवन जी सकता था। लेकिन जब वह अपने चालीसवें वर्ष में थे, तो ये यादें फिर से उभरने लगीं, जैसा कि उन्होंने अपनी पुस्तक में वर्णित किया है। कुछ समय पहले तक, बारब्रो ने ऐनी फ्रैंक के रूप में अपनी स्मृतियों को लिखने के बारे में कभी नहीं सोचा था, लेकिन बारब्रो ने एक बार एक साक्षात्कार में उदास होकर टिप्पणी की थी, "कभी मत मत कहो।"

उनकी पुस्तक प्रकाशित होने के बाद, उन्हें यूरोप में बहुत ध्यान मिला।
अंतर्ज्ञान के आधार पर उन्होंने कैलिफ़ोर्निया जाने का निर्णय लिया, जहाँ मुझे इस महान आत्मा से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जब 2000 में मुझे एक फोन आया, जब मुझे बताया गया कि एक महिला ऐनी फ्रैंक का पुनर्जन्म होने का दावा कर रही है, तो मुझे संदेह हुआ। लेकिन फिर भी मैं उनके पति स्टीफ़न के साथ उनसे मिलने गई और मुझे एहसास हुआ कि मैं वास्तव में पुनर्जन्म लेने वाली ऐनी फ्रैंक से मिली थी। अपनी पुस्तकों और प्रस्तुतियों में, बार्ब्रो ने एक बार भी यह उल्लेख नहीं किया कि उनका चेहरा एक जैसा है

Machine Translated by Google



ऐनी फ्रैंक के साथ, क्योंकि बार्ब्रो के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण था वह उसकी यादें थीं, न कि उसका रूप। हालाँकि, उस मुलाकात में मुझे एहसास हुआ कि बार्ब्रो के चेहरे की विशेषताएं ऐनी जैसी ही थीं। इस पुस्तक के चित्र बारब्रो कार्लेन और ऐनी फ्रैंक के चेहरे की विशेषताओं की तुलना करने वाले पहले चित्र हैं।

चेहरे की विशेषताओं और मुद्रा के अलावा भी कई हैं
बार्ब्रो और ऐनी फ्रैंक के बीच समानताएं, जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

A. आध्यात्मिकता और प्रकृति प्रेम

ऐनी फ्रैंक, रिफ्लेक्शन्स ऑन हर लाइफ एंड लिगेसी में लॉरेंस एल. रेंजर ने ऐनी के बारे में निम्नलिखित लिखा है।

"तेरह या चौदह साल की लड़की के होठों से गहरी आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि शायद ही कभी निकलती है। इसके अलावा, जैसा कि उनकी डायरी में हाल के कई लेखों से पता चलता है, ऐनी फ्रैंक स्वभाव से एक शारीरिक प्राणी, प्रकृति प्रेमी और महिलाओं की दुनिया में रुचि रखने वाली थीं।

ये गुण बारब्रो कार्लेन में भी प्रतिबिंबित होते हैं, जो कि
सोलह साल की उम्र में वह अपने घोड़े, दो कुत्तों, दो बिल्लियों, एक भेड़ और मुर्गियों के झुंड और उनके बच्चों के साथ जंगल में एक केबिन में चला गया। बार्ब्रो को विशेष रूप से घोड़ों और घुड़सवारी से प्यार था, जिसके कारण उन्होंने एक घोड़ा पुलिसकर्मी के रूप में अपना करियर बनाया।

उनकी नारी दुनिया 18 वर्ष की उम्र में शीघ्र विवाह और गर्भावस्था से सिद्ध होती है। वास्तव में, ऐनी के कई जुनून बारब्रो कार्लेन के प्रारंभिक जीवन में फल देने लगे।

बार्ब्रो की आध्यात्मिकता भी प्रकृति से संबंधित थी। अपनी पुस्तक में, उन्होंने भगवान के साथ अपनी बचपन की मुलाकात का वर्णन किया है जब उन्होंने रेत पर पैरों के निशानों पर विचार किया था। उस समय उन्होंने भगवान को जो नाम दिया वह था "घुमक्कड़"। बार्ब्रो, ऐनी की तरह, एक ऐसी आत्मा के गुणों को प्रदर्शित करता है जो कम उम्र में परिपक्व होती है।

Machine Translated by Google



बी. प्राकृतिक लेखन प्रतिभा

प्रशिक्षण की कमी के बावजूद, ऐनी फ्रैंक को एक प्रतिभाशाली लेखिका के रूप में जाना जाता है।
इसी प्रकार, बारब्रो कार्लेन लेखन के क्षेत्र में एक प्रतिभाशाली बालक हैं। उनकी पहली पुस्तक तब प्रकाशित हुई जब वह केवल 12 वर्ष के थे और स्वीडन में अब तक की सबसे अधिक बिकने वाली कविता पुस्तक बन गई। 12 से 17 वर्ष की आयु के बीच, बारब्रो द्वारा लिखित नौ पुस्तकें प्रकाशित हुईं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि ऐनी फ्रैंक को हमेशा ऐसी लेखिका बनने की उम्मीद थी जिसका काम प्रकाशित हो। 11 मई, 1944 को, ऐनी ने लिखा कि उनकी "सबसे बड़ी इच्छा" एक पत्रकार, "और बाद में, एक प्रसिद्ध लेखिका" बनना था। फिर, ऐसा लगता है कि ऐनी का सपना बारब्रो के जीवन में ही पूरा हो गया था।

फ्रैंक और कार्लेन के लेखन में भी इसी तरह के विषय मिलते हैं।
जबकि हम सवाल कर सकते हैं कि ये समानताएँ जानबूझकर हैं, बारब्रो कार्लेन इस बात पर ज़ोर देते हैं कि उन्होंने कभी ऐनी फ्रैंक के लेखन का अध्ययन नहीं किया।
नाज़ियों द्वारा यहूदियों के दमन के कारण ऐनी फ्रैंक ने अच्छे और बुरे पर व्यापक विचार किया। उनमें मानवीय गुणों को मूर्त रूप देने की प्रवृत्ति भी है, जैसा कि "झूठ" पर नीचे दिए गए उद्धरण में देखा गया है। ऐनी की विरासत विषम परिस्थितियों में भी आशा बनाए रखने की उसकी क्षमता पर आधारित है। पीड़ा और उत्पीड़न के बावजूद, ऐनी फ्रैंक के सबसे प्रसिद्ध उद्धरण मनुष्य में बुनियादी गुणों पर जोर देते हैं।

बारब्रो कार्लेन ने अपनी पुस्तक एंड द में भी अच्छाई और बुराई के बारे में लिखा है
वॉल्व्स हाउल्ड, आंशिक रूप से ऐनी फ्रैंक के रूप में अपने जीवन की यादों के कारण, और आंशिक रूप से इस जीवन में उनके द्वारा अनुभव किए गए उत्पीड़न के कारण। उनमें मानवीय गुणों को मूर्त रूप देने की भी प्रवृत्ति है। आइए बुराई और सद्गुण के बारे में फ्रैंक और कार्लेन द्वारा लिखे गए उद्धरणों की तुलना करें।

ऐनी फ्रैंक के अनुसार अपराध

"लोगों में नष्ट करने की चाहत, चाहत होती है"
वध करना, मार डालना और क्रोध करना।”

Machine Translated by Google



"जब मैं अपने करीबी दोस्तों के भाग्य के बारे में सोचता हूं तो मैं खुद से डर जाता हूं
अब यह पृथ्वी पर घूमने वाले सबसे नीच राक्षसों के हाथों में है। और यह सब इसलिए क्योंकि हम यहूदी हैं।"

"पिछली रात, मेरे सोने से पहले, झूठ नहीं तो अचानक मेरी आँखों के सामने कौन आ सकता था! मैंने उसे अपने सामने देखा, उसके कपड़े फटे हुए थे... उसकी आंखें इतनी बड़ी थीं और वह मुझे इतनी उदासी और घृणा से देख रही थी कि मैं उसकी आंखों को पढ़ सकता था, 'ओह ऐनी, तुमने एक को क्यों छोड़ दिया?

कृपया, हे मेरी मदद करो, मुझे इस नरक से बचाओ!''

बार्ब्रो कार्लेन के अनुसार अपराध

"काश वह लिख पाता कि यह कितना महत्वपूर्ण है, यहाँ तक कि महत्वपूर्ण भी
बुराई के सामने कभी हार मत मानो, चाहे यह सब कितना भी अंधकारपूर्ण और निराशाजनक क्यों न हो। बुराई पृथ्वी पर मौजूद है और संभवतः हमेशा रहेगी। बुराई सदैव सद्गुण पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करेगी।"

ऐनी फ्रैंक के अनुसार सदाचार

"चाहे कुछ भी हो, मुझे अभी भी सचमुच विश्वास है कि लोगों के दिल वास्तव में अच्छे होते हैं।"

बार्ब्रो कार्लेन के अनुसार सद्गुण

"लेकिन जितना अधिक लोग सद्गुण और अपने भीतर सद्गुण की शक्ति में विश्वास करते हैं, बुराई को नियंत्रित करने की संभावना उतनी ही अधिक होती है। यदि वे सदाचार में विश्वास करते, और इस आंतरिक शक्ति की उपस्थिति में, कई दुखी लोग अंधेरे से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करने में सक्षम होते।

"पृथ्वी पर अधिकांश लोगों को अभी भी यह एहसास नहीं है कि वे अपने भीतर सद्गुण की शक्ति पा सकते हैं और यह उनकी मदद तभी कर सकती है जब वे इसकी तलाश करेंगे।"

अंत में, ऐनी फ्रैंक बुराई और उत्पीड़न के बावजूद भी अच्छाई में विश्वास करती है। बार्ब्रो के व्यक्तित्व में, हम ऐनी की आवाज़ को अधिक समझदार रूप में सुनते हैं।

Machine Translated by Google



बार्ब्रो ने ऐनी की मौत को बर्गेन-बेलसन एकाग्रता शिविर में जोड़ दिया होगा। यदि हम बारब्रो को ऐनी के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार करते हैं, तो ऐनी एक मजबूत संदेश के साथ लौटती है कि बुराई आत्मा को नहीं मार सकती है और आत्मा का कोई धार्मिक, जातीय या नस्लीय संबंध नहीं है।

बारब्रो को इस जीवन में एक ईसाई के रूप में पाला गया था, जबकि ऐनी को एक यहूदी के रूप में सताया गया था। इस बारे में सोचें कि यदि कुछ दशक पहले, जर्मनों को पता होता कि कोई व्यक्ति एक जीवनकाल में यहूदी और दूसरे जीवन में ईसाई पैदा हो सकता है, तो निश्चित रूप से नरसंहार कभी नहीं हुआ होता। जो लोग होलोकॉस्ट की भयावहता को कम करने वाली बारब्रो की कहानी पर आपत्ति कर सकते हैं, वे एक महत्वपूर्ण बिंदु से चूक रहे हैं - कि आत्माएं मरती नहीं हैं और भगवान के प्यार के साथ, इतनी प्यार और याद की जाने वाली आत्माएं एक बार फिर पृथ्वी पर चलेंगी। आइए हम इस महिमा को नज़रअंदाज़ न करें।

इसके अलावा, आइए हम स्वीकार करें कि ऐनी का ज्ञान फ्रैंक ने एक अलग धर्म में अवतार लिया था, जो धार्मिक, नस्लीय और जातीय गठबंधनों को जीवन से जीवन में बदल सकता था, भविष्य में होने वाले सामूहिक नरसंहार को रोक सकता था।

मैं ऐनी फ्रैंक की डायरी से अंतिम वाक्यांश उद्धृत करूंगा, जो विश्वास और यहूदी लोगों के लचीलेपन को संदर्भित करता है। इन शब्दों में पुनर्जन्म के बारे में सत्य की एक काव्यात्मक छटा भी है, शायद ऐनी द्वारा अनजाने में, लेकिन फिर भी आकर्षक।

“किसने हम पर यह सब थोपा है?
हम यहूदियों को बाकियों से अलग कौन बनाता है?
अब तक हमें इतना कष्ट किसने सहने दिया?

यह ईश्वर ही था जिसने हमें वह बनाया जो हम हैं,
लेकिन भगवान,
जो हमें वापस जीवन में लाएगा।”

Machine Translated by Google



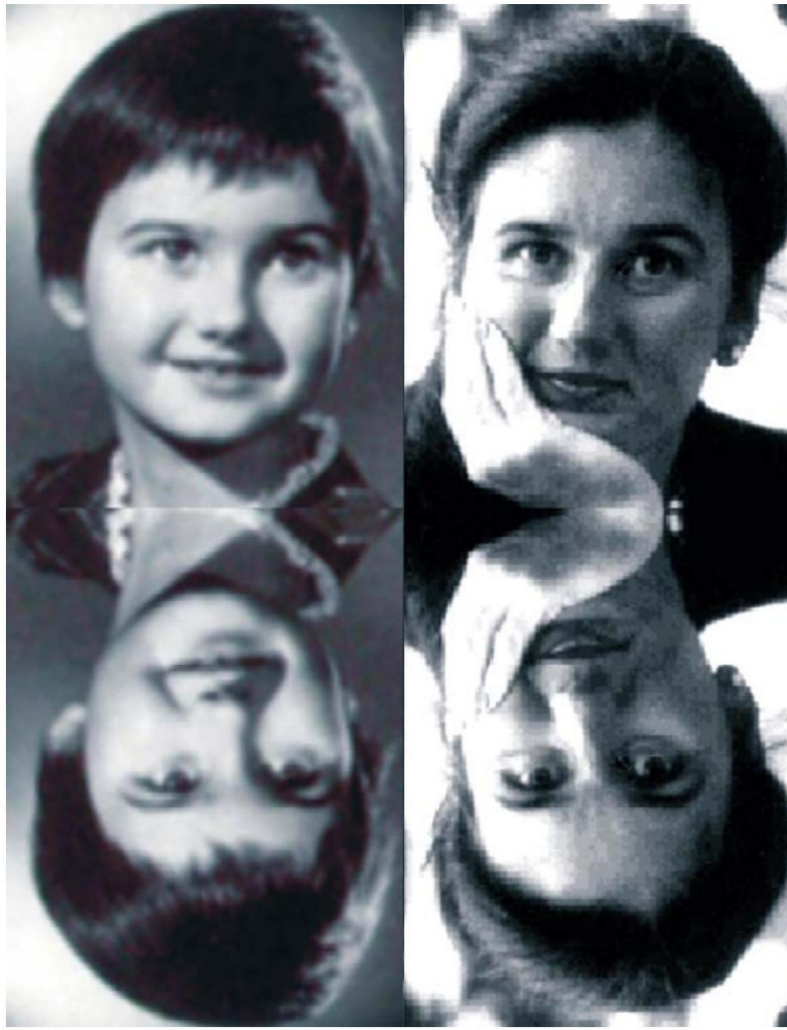

बार्ब्रो का फोटो

कार्लेन: बारब्रो कार्लेन का योगदान

बार्ब्रो कार्लेन

7 साल बड़ा

बार्ब्रो कार्लेन

प्रौढ़

Machine Translated by Google

बारब्रो कार्लेन के चेहरे की विशेषताएं ऐनी फ्रैंक के समान हैं और इस तस्वीर में, वह ऐनी के समान मुद्रा का उपयोग भी करती है। इसकी तुलना ऐनी की मेज पर लगी तस्वीर से करें, जैसा कि "डीके बायोग्राफी ऑफ ऐनी फ्रैंक" पुस्तक के कवर पर देखा जा सकता है।

Machine Translated by Google

# 4

## पोर्ट्रेट पेंटर और पुलिस कप्तान

रॉबर्ट स्नो पुलिस विभाग में कैप्टन हैं
इंडियानापोलिस वर्तमान में संगठित अपराध का प्रभारी है। कैप्टन स्नो ने लुकिंग फॉर कैरोल बेकविथ नामक एक पुस्तक लिखी है, जिसमें उनके पुनर्जन्म के मामले का विस्तार से वर्णन किया गया है। इस अध्याय में, मैं एक संक्षिप्त सारांश प्रदान करूंगा।

कहानी एक पार्टी से शुरू होती है, जहां एक पुलिस अधिकारी, जो एक अतिरिक्त गतिविधि के रूप में पिछले जीवन प्रतिगमन थेरेपी करता है, वर्णन करता है कि कैसे वह अपने ग्राहकों को आराम की स्थिति में मार्गदर्शन करता है ताकि पिछले जीवन की यादें उभर सकें। कैप्टन स्नो ने सोचा कि ये तथाकथित यादें बनी होंगी और उन्होंने पिछले जीवन की इन यादों को भ्रमपूर्ण बताकर खारिज कर दिया। यह बात उन्होंने रिग्रेशन थेरेपिस्ट को पहले ही बता दी थी।

नाराज होकर, रिग्रेशन थेरेपिस्ट कैप्टन स्नो को अपने पिछले जीवन की रिग्रेशन थेरेपी से गुजरने की चुनौती देता है। स्नो ने कहा, "ज़रूर, मैं करूँगा," भले ही उसका वास्तव में अपनी बात रखने का कोई इरादा नहीं था।

प्रतिगमन चिकित्सक, जो एक पुलिस अधिकारी भी है, जारी है
स्नो को परेशान करना और उस पर "डरा हुआ" होने का भी आरोप लगाना। ऐसा लगता है कि यह काम कर रहा है, इसलिए कैप्टन स्नो अनिच्छा से एक अन्य रिग्रेशन थेरेपिस्ट के पास रेफरल लेता है और एक अपॉइंटमेंट शेड्यूल करता है, सिर्फ यह दिखाने के लिए कि वह "चुनौती से भाग नहीं रहा है।"

कैप्टन स्नो पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करते हैं और सत्र के दौरान ऐसे यादगार अनुभव की उम्मीद नहीं करते हैं।

कैप्टन स्नो की पुस्तक के आनंददायक पहलुओं में से एक उच्च स्तर का संदेह और हास्य की भावना है जो इसके साथ चलती है। आइये मिलकर देखते हैं

Machine Translated by Google



कैरोल बेकविथ की तलाश से लिए गए निम्नलिखित उद्धरणों में कैप्टन स्नो का अनुभव। हम प्रतिगमन चिकित्सक, डॉ. मैरीलेन ग्रिफ़िथ से शुरू करते हैं, जिन्होंने प्रतिगमन प्रक्रिया का मार्गदर्शन किया।

डॉ. ग्रिफ़िथ ने कैप्टन स्नो को यह कल्पना करने का निर्देश देते हुए शुरुआत की कि वह अपने घर में आराम से आराम कर रहे हैं। कैप्टन स्नो की पुस्तक की कथा जारी है:

"अब, कल्पना कीजिए कि आपकी उच्च आत्मा इस कमरे में आ रही है
आपको नमस्कार,'' डॉ. ग्रिफ़िथ ने कहा।

मैंने भी ऐसा किया, हालाँकि जब मैं अपनी आँखें बंद करके सोफे पर बैठा तो मुझे सचमुच आश्चर्य हुआ कि मैं यहाँ क्या कर रहा था, खासकर जब उसने मुझसे पूछा कि मेरी आत्मा ने क्या पहना है। मुझे नहीं पता? यह स्पष्टतः एक दिवास्वप्न था। लेकिन मुझे कोशिश करने दीजिए.

"सफ़ेद," मैंने उत्तर दिया, "एक लंबा सफ़ेद वस्त्र। क्या ऐसा नहीं है
सभी आत्माओं द्वारा पहना गया?"

"आपकी आत्मा वहां खड़ी है और पूछती है कि क्या आप जाने के लिए तैयार हैं
यात्रा। वह आपसे कहता है कि वह आपकी यात्रा में आपका मार्गदर्शन करेगा और आपकी रक्षा करेगा।"

हे भगवान, मैंने सोचा, अपने चेहरे पर गंभीर भाव रखने की कोशिश करते हुए, मैं ऐसा कैसे कर सकता हूँ!1

लेकिन अंततः, और उनके आश्चर्य के लिए, कैप्टन स्नो को प्रतिगमन के दौरान पिछले जीवन की मजबूत और ज्वलंत यादों का अनुभव होता है। कैप्टन स्नो का कहना है कि पिछले जीवन की घटनाओं के बारे में उनकी धारणा उनकी जाग्रत चेतना जितनी ही स्पष्ट है। वह कई अलग-अलग जिंदगियों को याद कर सकते थे, लेकिन सबसे खास तौर पर एक चित्रकार के रूप में, जो 19वीं सदी का लगता था। कैप्टन स्नो को इस जीवनकाल के संबंध में 28 विशिष्ट विवरण याद हैं।

उनमें से एक जब एक कुबड़ी महिला का चित्र बना रहा था।
कैप्टन स्नो को वह अनुभव स्पष्ट रूप से याद है, जिसमें वह अनुभव भी शामिल है जब उन्होंने पूछा था कि इतने विकृत शरीर वाला व्यक्ति अपना चित्र क्यों बनवाना चाहेगा।

प्रतिगमन का कैप्टन स्नो पर इतना गहरा प्रभाव पड़ा कि वह यह निर्धारित करने की कोशिश में लग गया कि क्या यह सच है।
स्वयं कैप्टन स्नो

Machine Translated by Google



वह अभी भी पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करता है और इस धारणा के साथ शोध करता है कि उसने किताबों के माध्यम से, स्कूल में या संग्रहालयों में अतीत के चित्रकारों का अध्ययन किया है। प्रतिगमन अनुभव स्वयं एक भूली हुई स्मृति का प्रतिनिधित्व करता है जो सामने आती है।

स्नो इस प्रतिगमन अनुभव की जाँच करता है जब वह एक पुलिस मामले की जाँच करता है। उन्होंने बेतहाशा कला की किताबें पढ़ीं, कला दीर्घाओं का दौरा किया, और कला डीलरों से संपर्क किया, और कुबड़ी महिलाओं के चित्रों की तलाश की, जिन्हें उन्होंने प्रतिगमन में देखा था, या अन्य सुरागों के लिए।

बहरहाल, कैप्टन स्नो एक ऐतिहासिक कलाकार की पहचान करने में असमर्थ थे जो उनके प्रतिगमन में आकृति के समान था।

स्नो एक अनुभवी अन्वेषक हैं, जिन्होंने छह पुस्तकें लिखी हैं
पुलिस प्रबंधन एवं अन्य विषयों पर. वह बहुत चतुर भी है; उन्होंने कॉलेज में सभी विषयों में ए प्राप्त किया और मनोविज्ञान में डॉक्टरेट के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। हालाँकि, एक साल की जाँच के बाद, वह अंततः एक गतिरोध पर पहुँच गया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि वह संभवतः उस चित्रकार की पहचान कभी नहीं कर पाएंगे जिसे उन्होंने प्रतिगमन में देखा था। उस समय, कैप्टन स्नो की पत्नी मेलानी ने न्यू ऑरलियन्स में छुट्टी का प्रस्ताव रखा।

एक बार वहां, फ्रेंच क्वार्टर में एक आर्ट गैलरी के अंदर, कैप्टन स्नो को एक और गहन अनुभव हुआ। यह घटना दर्शाती है कि पुनर्जन्म अनुसंधान में लोगों को स्पष्ट रूप से आध्यात्मिक स्रोतों द्वारा कैसे निर्देशित किया जा सकता है। इसी आर्ट गैलरी में कैप्टन स्नो भटक रहे थे, जाहिर तौर पर "संयोग" से, जब उन्होंने कुबड़ी महिला का चित्र देखा। कैप्टन स्नो ने इस घटना का वर्णन किया:

मैं मुड़ा, मुंह खोलकर चित्र को स्तब्ध होकर घूर रहा था, उस अनुभव को फिर से याद कर रहा था जो एक बार हुआ था, जब मैंने बिना जाने-समझे एक जीवित बिजली के तार को पकड़ लिया था, बिजली के झटके ने मुझे स्थिर कर दिया क्योंकि उच्च वोल्टेज मेरे हाथों और पैरों के ऊपर और नीचे चला गया था ... .

अगले कुछ मिनटों तक, मैं चित्र के सामने से नहीं हिला, लेकिन देखने के लिए अपनी आँखें बंद करता रहा और अपने स्टूडियो में इस चित्र को चित्रित करने के दृश्य को फिर से देखता रहा, और फिर चित्र को देखने के लिए अपनी आँखें खोलीं।

Machine Translated by Google



वास्तव में समाप्त हो गया। यह स्थिति अवास्तविक लगने लगती है, एक बहुत ही ज्वलंत सपने की तरह जिसमें आप पसीने से तर होकर उठते हैं, एक ऐसा सपना जिसके बारे में आपको खुद को बार-बार बताना पड़ता है कि यह सिर्फ एक सपना था। यह वास्तविक नहीं है।

अंततः, हालाँकि मुझे पूर्ण निश्चितता के साथ पता था कि यह वही पेंटिंग है जिसे मैंने सम्मोहन के दौरान देखा था, मैंने खुद को आश्वस्त किया कि इस चित्र के साथ मेरी आकस्मिक मुठभेड़ इतनी अजीब थी कि यह सच नहीं हो सकता था। मैं कुछ देर तक इस विचार में उलझा रहा कि शायद मुझे दौरा पड़ा है और मैं सोच रहा था कि मैं इस चित्र के सामने खड़ा हूँ, जबकि वास्तव में मैं कहीं अस्पताल के बिस्तर पर या शायद किसी नर्सिंग होम में लेटा हुआ था। कुछ समय तक इस संभावना पर विचार करने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि जो कुछ चल रहा था उसके तर्कसंगत उत्तर खोजने में मैं कितना हताश था। लेकिन हताश हों या न हों, वास्तविक जीवन में ऐसी चीज़ें नहीं होतीं। महीनों की व्यवस्थित जांच के बाद क्या संभावना है कि मैं इस तरह से पेंटिंग में शामिल हो जाऊं? क्या संभावना है कि मेलानी न्यू ऑरलियन्स जा रही थीं, और हमें इस गैलरी का दौरा करने का मौका मिला, जैसे वे इस पेंटिंग को बेच रहे थे?

एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने 30 वर्षों के अनुभव के दौरान, मैंने हमेशा सत्य की खोज की है। हालाँकि कभी-कभी सच्चाई वैसी सामने नहीं आती जैसी मैंने उम्मीद की थी, लेकिन फिर भी, सच्चाई वही है जिसकी मुझे हमेशा से चाहत रही है। और अब, यहां, मुझे उस सत्य का सामना करना पड़ रहा है जिसकी मैं तलाश कर रहा हूं, लेकिन साथ ही मैं इसे नकारने की भी कोशिश कर रहा हूं, जो सत्य मैंने पाया है उसे नकारने की हर संभव कोशिश कर रहा हूं... अलौकिक चीजें नहीं होती हैं वास्तविक लोगों के लिए. यह फिल्मों में हो सकता है, लेकिन वास्तविक जीवन में ऐसा नहीं होना चाहिए।2

कैप्टन स्नो की किताब के अंश यह दर्शाते हैं कि यह अलौकिक है
इस तरह की चीजें वास्तविक जीवन में होती हैं। कुबड़ी महिला के चित्र से, कैप्टन स्नो को पता चला कि उसके पिछले जीवन में चित्रकार का नाम प्रतिगमन था

Machine Translated by Google



कैरोल बेकविथ. कैप्टन स्नो बेकविथ द्वारा छोड़ी गई एक पूरी डायरी के साथ-साथ अन्य स्रोतों के माध्यम से बेकविथ के जीवन की जांच करता है। प्रतिगमन के दौरान स्नो ने जिन 28 विशिष्ट स्मृतियों का दस्तावेजीकरण किया था, जैसे कि कुबड़ी महिलाओं के चित्र, वे सभी इस शोध के माध्यम से सिद्ध हो गए थे।

हालाँकि शुरुआत में पुनर्जन्म को अपने प्रतिगमन अनुभव के आधार के रूप में स्वीकार करने में अनिच्छुक थे, कैप्टन स्नो अंततः इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि वह पिछले जीवन में कैरोल बेकविथ बन गए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने जो सबूत इकट्ठा किए हैं, वे मुकदमे में भी टिके रहेंगे और अनिवार्य रूप से अब कोई सौदेबाजी नहीं होगी।

दिलचस्प बात यह है कि कैप्टन स्नो को अपने और कैरोल बेकविथ के बीच शारीरिक समानता के बारे में पता नहीं था। जब मैं सितंबर 2000 में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ रिग्रेशन रिसर्च एंड थेरपीज़ (आईएआरटी) की बैठक में कैप्टन स्नो से मिला, तो मैंने उनकी एक तस्वीर लेने और उनकी तुलना बेकविथ से करने की पेशकश की। मैं अनुभव से जानता हूं कि यह तुलना छवियों को एक साथ रखकर सबसे अच्छी तरह से की जाती है। इस बिंदु पर, कृपया इस पुस्तक में प्रदर्शित बेकविथ और स्नो तुलना का संदर्भ लें। आप देखेंगे कि हालांकि फोटो में कैप्टन स्नो, पोर्ट्रेट अवधि में बेकविथ की तुलना में अधिक भारी दिख रहे हैं, लेकिन दोनों की चेहरे की विशेषताएं बहुत समान हैं।

कैप्टन स्नो का मामला एक विशिष्ट घटना को दर्शाता है जो तब घटित होती है जब कोई व्यक्ति किसी विशिष्ट पिछले जीवन के बारे में ठोस रूप से जागरूक हो जाता है। पिछले जीवन की जानकारी अक्सर किसी व्यक्ति में अंततः उसकी आदत पड़ने से पहले एक दर्दनाक प्रतिक्रिया उत्पन्न कर देती है। जब कोई व्यक्ति पुनर्जन्म की वास्तविकता का सामना करता है, तो उसके दुनिया को देखने के तरीके की पुनः परीक्षा की आवश्यकता होती है। जीवनकाल के दौरान, हम सभी दुनिया को समझने का एक अनोखा तरीका विकसित करते हैं।

इस विश्वास प्रणाली में जीवन का आध्यात्मिक पहलू शामिल हो सकता है, या यह नास्तिक हो सकता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारी विश्वास प्रणाली क्या है, पुनर्जन्म के ठोस सबूत हमारी विश्वास प्रणाली में बदलाव की मांग करते हैं। भले ही हम पुनर्जन्म में विश्वास करते हों,

Machine Translated by Google



पिछले जन्मों में विश्वास से पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के प्रत्यक्ष अवलोकन की ओर बदलाव भी आश्चर्यजनक हो सकता है।

याद दिला दें कि कैप्टन स्नो पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करते थे
अपने प्रतिगमन के समय और अपने पिछले जीवन के अनुभवों का अनुसरण करते हुए, उन्होंने अपनी यादों के
लिए एक तार्किक स्पष्टीकरण खोजने की कोशिश की।
एक आर्ट गैलरी में एक कुबड़ी महिला का चित्र देखने के बाद भी, कैप्टन स्नो अभी भी इस संभावना की खोज कर रहे थे कि
बेकविथ का काम एक बार एक संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया था और अपने जीवन में किसी समय उन्होंने इसे देखा था।
स्नो इस सिद्धांत पर लौटता है कि उसका प्रतिगमन अनुभव उसके वर्तमान जीवन की एक छिपी हुई स्मृति है।

आइए फिर से जुड़ें और न्यू ऑरलियन्स गैलरी क्लर्क के साथ कैप्टन स्नो की अगली प्रतिक्रिया साझा करें जो अभी भी स्नो को बेकविथ की पेंटिंग बेचने की कोशिश कर रहा है:

"नहीं," उस आदमी ने थोड़ा सिर हिलाते हुए कहा, "आपने यह काम पहले कभी नहीं देखा है।" यह चित्र कई वर्षों से एक निजी संग्रह में है। और फिर, ईमानदारी से कहूं तो, मुझे नहीं लगता कि पिछले 75 वर्षों में बेकविथ के काम की कोई प्रदर्शनी हुई है। यह बहुत प्रसिद्ध नहीं है. इसलिए मैं इस पेंटिंग को रियायती मूल्य पर जारी कर सकता हूं।

जब गैलरी कार्यकर्ता के उत्तर ने जो कुछ भी हुआ था उसके लिए तार्किक स्पष्टीकरण को पलट दिया, तो चक्कर फिर से आ गया। मेरा पूरा विश्वास तंत्र न केवल लड़खड़ा गया, बल्कि ढह गया।

मेरे चारों ओर सब कुछ इतना अवास्तविक लग रहा था जैसे कि मैं काफ्का उपन्यास में हो सकता हूँ।

और मैं वहीं मुंह लटकाए खड़ा रहा, स्तब्ध और वास्तविकता से अलग महसूस कर रहा था। जैसा कि मैंने 1978 में पाया, जब असंभव घटित होता है, जब असंभव वास्तविकता बन जाता है, तो ऐसा लगता है जैसे आपका दिमाग आपके शरीर से अलग हो गया है।3

बिलकुल कैप्टन स्नो की तरह जो सदमे के दौर से गुज़रा
और अविश्वास जब पुनर्जन्म के साक्ष्य का सामना करता है, तो बड़े पैमाने पर समाज उसी प्रतिक्रिया का अनुभव करेगा। यह उन संस्कृतियों के लिए विशेष रूप से सच है जहां पुनर्जन्म नहीं होता है

Machine Translated by Google



उचित बात. सामूहिक रूप से हमें अपनी विश्वास प्रणालियों को समायोजित करने की आवश्यकता होगी क्योंकि पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य दुनिया में सामने आते हैं। सामान्य तौर पर, यह अच्छी खबर है, आपको बस इसकी आदत डालने की जरूरत है।

कैरोल बेकविथ विवरण, सेल्फ पोर्ट्रेट, 1898 जेम्स कैरोल बेकविथ, कलाकार का उपहार,

फोटो ©1999 डेट्रॉइट इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स रॉबर्ट स्नो का फोटो: वाल्टर सेमकिव द्वारा

कैरोल बेकविथ रॉबर्ट स्नो

Machine Translated by Google

# 5

# कॉन्फेडरेट जनरल और कनेक्टिकट यांकीज़

जेफरी कीन एक सेवानिवृत्त अग्निशामक हैं
योग्यता के साथ, और वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट में अग्निशमन विभाग के सहायक प्रमुख। 2001 में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ढहने के बाद, कीन को "ग्राउंड ज़ीरो" की विशेष यात्रा का पुरस्कार मिला*

. दोनों अग्निशमन विभागों के बीच एक संबंध स्थापित किया गया है, क्योंकि वेस्टपोर्ट अग्निशमन विभाग में न्यूयॉर्क सिटी अग्निशमन विभाग की #1 बचाव इकाई के साथ "भागीदारी" करने की परंपरा है। इस विशिष्ट इकाई, रेस्क्यू #1 के ग्यारह सदस्यों ने 11 सितंबर, 2001 की सुबह अपनी जान गंवा दी।

कैप्टन रॉबर्ट स्नो की तरह, श्री कीन भी समुदाय के एक बहुत ही जिम्मेदार सदस्य हैं, जो अप्रत्याशित रूप से, खुद को अपने पिछले जीवन की पहचान की जांच करते हुए पाते हैं।

इस खोज के माध्यम से, महत्वपूर्ण जानकारी समकालिक और समयबद्ध घटनाओं के माध्यम से उसके पास आती है।

कीन इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उनके जांच प्रयासों में उनका मार्गदर्शन किया जा रहा था। मैं उनकी पुस्तक, समवन एल्स टुमॉरो के परिचय से उद्धरण देना चाहूंगा:

अधिकांश लोगों की तरह, मैं अपने काम से काम रखते हुए जीवन में लड़खड़ा रहा था, तभी अचानक दुनिया ने मेरे साथ अपने तरीके से व्यवहार करना शुरू कर दिया। अचानक, असाधारण सामान्य हो गया, और मेरे जीवन की अजीब घटनाएँ मेरे दिमाग में आने लगीं। मैंने पाया कि मैं एक बार था

---

* तबाही के बाद वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के मलबे की जगह को ग्राउंड ज़ीरो कहा जाता है।

Machine Translated by Google



कुछ बहुत प्रसिद्ध लोगों के मित्र, ऐसे लोग जिनके बारे में मुझे पता ही नहीं चला कि मैं उनसे मिल चुका हूँ। मुझे ऐसी अंतर्दृष्टियाँ दी गईं जिनसे जीवन के कुछ महानतम प्रश्नों के उत्तर मिले।

कुछ समय पहले, मैंने खुद को एक राज्य समाचार पत्र के पहले पन्ने पर और बियॉन्ड डेथ नामक एक कला और मनोरंजन नेटवर्क वृत्तचित्र में दिखाई दिया था। इस हद तक कि "संयोग" शब्द बहुत ही कम हो गया था, मैंने इस तथ्य को स्वीकार करने का फैसला किया कि मुझे निर्देशित किया जा रहा था और मैंने खुद को उस चीज़ के लिए खोल दिया जो जीवन मुझे दिखाना चाहता था। पिछले जन्मों के बारे में आश्वस्त होने के काफी समय बाद तक, अजीब घटनाएं मेरे निष्कर्षों को मजबूत करती रहीं, इस हद तक कि रहस्यों के खुलने का एकमात्र कारण यह था कि मुझे उन्हें दूसरों के साथ साझा करने की आवश्यकता थी।1

श्री कीन ने मुझे बताया कि उनके पिछले जीवन के शोध में मार्गदर्शक तत्व इतना मजबूत था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो आध्यात्मिक दुनिया ने उन्हें "शॉपिंग ट्रॉली की तरह" इधर-उधर धकेल दिया हो। जेफ़ की कहानी मई 1991 में शुरू होती है, जब वह अपनी पत्नी अन्ना के साथ छुट्टियों पर था। वे प्राचीन वस्तुओं की तलाश में थे और शार्प्सबर्ग, मैरीलैंड में रुक गए, जहां एंटिएटम का गृह युद्ध हुआ था।

हालाँकि जेफ़ ने कभी भी गृह युद्ध के बारे में कोई किताब नहीं पढ़ी थी या उस युग में उसकी कोई रुचि नहीं थी, फिर भी वह युद्ध के मैदान का दौरा करने के लिए बाध्य महसूस करता था।

सनकेन रोड नामक क्षेत्र में, जेफ़ एक टेप कथन सुनता है
1862 में हुई घटनाओं के बारे में। इस लड़ाई में छठी अलबामा नामक एक रेजिमेंट शामिल थी,
जिसकी कमान कर्नल जॉन बी के पास थी।
गॉर्डन. टेप सुनने के बाद, जैसे ही वह पुराने फार्म ट्रैक से नीचे चला गया, जेफ अनजाने में उस क्षेत्र में चला गया जिस पर कभी गॉर्डन और उसके लोगों का कब्जा था। इस स्थान पर, जेफ़ कीन को निम्नलिखित प्रतिक्रियाओं का अनुभव हुआ:

मेरे ऊपर दुख, उदासी और क्रोध की लहर दौड़ गई। बिना किसी चेतावनी के, मुझ पर अचानक आघात हुआ

Machine Translated by Google



संवेदनाएँ मेरे गालों से आँसू बह निकले। सांस लेना मुश्किल हो जाता है. जब मैं पुरानी सड़क के किनारे पर खड़ा था तो मेरी सांसें अटक गईं। मैं आज तक नहीं कह सकता कि तब कितना समय बीत गया, लेकिन जब ये भावनाएँ, ये भावनाएँ बीत गईं, तो मैंने खुद को इतना थका हुआ पाया जैसे कि मैंने अभी-अभी मैराथन दौड़ लगाई हो।

रास्ते से हटने के लिए खड़ी किनारे पर रेंगते हुए, मैं मुड़ा और अपने पीछे देखा। अभी जो हुआ उस पर कहने या आश्चर्यचकित होने से मैं थोड़ा स्तब्ध हूं। कार में वापस आना बहुत कठिन था क्योंकि मैं बहुत कमज़ोर महसूस कर रहा था। वापसी की यात्रा में मैं काफी हद तक शांत हो चुका था और अभी जो कुछ हुआ था उसके बारे में अन्ना को एक शब्द भी नहीं बताया था। मुझे क्या कहना चाहिए? मैं उसे कैसे समझा सकता हूँ? मेरे पास कोई जवाब नहीं, सिर्फ सवाल हैं.2

शार्प्सबर्ग छोड़ने से पहले, जेफ़ और अन्ना एक उपहार की दुकान पर गए।
एक पत्रिका, सिविल वॉर क्वार्टरली (विशेष संस्करण, एंटीएटम) जेफ का ध्यान आकर्षित करती है और वह इसे खरीद लेता है, साथ ही उस स्थान पर एक स्मारिका बुलेट भी मिलती है। घर पर, जेफ ने पत्रिका को अपने परिवार की फोन बुक की दराज में रख दिया, हालांकि डेढ़ साल बाद तक उन्होंने पत्रिका दोबारा नहीं देखी।

अक्टूबर 1992 में, जेफ़ और अन्ना एक हैलोवीन पार्टी में शामिल हुए।
बारबरा कैमवेल नामक एक ज्योतिषी को एक पार्टी में भविष्यवाणी करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। जब जेफ की बारी आती है, तो सनकेन रोड पर उसका अनुभव सामने आता है। बारबरा का कहना है कि जेफ एक सैनिक हुआ करता था और उसे युद्ध के मैदान में छेद के माध्यम से गोली मार दी गई थी।

फिर वह अपने शरीर के ऊपर तैरने लगा, जो खून से लथपथ ज़मीन पर बेजान पड़ा था। बारबरा ने बाद में कहा, "जब आप ऊपर मंडराते हैं और नीचे अपने शरीर को घूरते हैं, तो आप वास्तव में क्रोधित हो जाते हैं और चिल्लाते हैं, 'नहीं!'"

जेफ़ बताते हैं कि उस समय एक क्षण का मौन था। जेफ
फिर बारबरा को सुधारा, किसी कारण से वह खुद को नहीं जानता था, वह चिल्लाया, "अभी नहीं!"

अगले दिन, जेफ़ ने फैसला किया कि अब एंटीएटम में लड़ाई के बारे में स्मारिका पत्रिका पढ़ने का समय है

Machine Translated by Google



जिसे उन्होंने मई 1991 में खरीदा था। जेफ़ ने फिर सोचा कि यह पहली सिविल वॉर पत्रिका थी जिसे उन्होंने कभी खरीदा था। जेफ़ ने पत्रिका के एक पन्ने को पलटा जिसमें सनकेन रोड की तस्वीर थी, वह स्थान जहाँ जेफ़ अजीब भावनाओं का अनुभव कर रहा था। जैसे ही उन्होंने पाठ पढ़ा, उन्होंने एक उद्धरण देखा: "अभी नहीं"। उसकी गर्दन पर तुरंत बाल खड़े हो गये।

आगे पढ़ते हुए, जेफ़ को पता चला कि "अभी नहीं" द्वारा दिया गया एक आदेश था छठी अलबामा रेजिमेंट में कर्नल जॉन बी. गॉर्डन। यांकी निकट आ रहे थे और छठी अलबामा सेना गोलीबारी के लिए इंतजार नहीं कर सकती थी। जब तक यूनियन सैनिक ** 100 गज से कम दूरी पर न हों तब तक आग के आदेश नहीं दिए जाते। गॉर्डन ने खुद लड़ाई के बारे में कहा, “सनकेन रोड से बड़ी संख्या में राइफल की गोलियां चलाई गईं।

मेरी राइफ़लों से फायरिंग हुई और बिजली की चकाचौंध चमक की तरह फ़ेडरल के चेहरे पर गर्जना हुई। प्रभाव बिल्कुल आश्चर्यजनक है।"
जैसे ही उन्होंने गॉर्डन का उद्धरण पढ़ा, जेफ़ को उन्हीं भावनाओं का अनुभव होने लगा जो सनकेन रोड पर थीं और उनकी आँखों में आँसू आ गए।

लेख में गॉर्डन की चोट का वर्णन किया गया।
"छठे अलबामा के जॉन बी. गॉर्डन को चेहरे पर घाव लगने के बाद भारी खून बहने के कारण बेहोश होने से पहले बाएं हाथ, दाहिने कंधे और दाहिने पैर में दो बार गोली मारी गई थी"। आगे क्या हुआ यह जेफ ने खुद लिखा। “मैं सनकेन रोड की तस्वीर वाले पृष्ठ पर वापस गया, और अगले पृष्ठ पर एक और तस्वीर थी। इस बार मेरे रोंगटे खड़े हो गए और मेरी गर्दन पर बाल फिर से खड़े हो गए। तस्वीर ब्रिगेडियर जनरल जॉन बी की है।

गॉर्डन. मेरे लिए परिचित चेहरा. मैं इसे अच्छी तरह से जानता हूं, मैं हर दिन उसके साइडबर्न को शेव करता हूं।''3

जेफ़ का मानना है कि कैप्शन में, गॉर्डन की पहचान एक जनरल के रूप में की गई है, जबकि लेख में गॉर्डन की पहचान उस समय के कर्नल के रूप में की गई है जब वह घायल हुआ था। यह स्पष्ट था कि गॉर्डन एंटीएटम की लड़ाई में बच गया था।

** अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-1865) संघ, अर्थात् अब्राहम लिंकन के नेतृत्व वाले उत्तरी राज्यों के संघ और कॉन्फेडेरसी, जो जेफरसन डेविस के नेतृत्व वाले दक्षिणी राज्यों का संघ था, के बीच लड़ा गया था। कर्नल जॉन बी. गॉर्डन और जनरल ली कॉन्फेडरेट पक्ष के सैन्य कमांडर थे।

Machine Translated by Google



अपनी पुस्तक में, जेफ़ ने वर्णन किया है कि कैसे उन्हें बाद में यादें याद आईं
जॉन बी. गॉर्डन के रूप में उनके जीवन का। जेफ़ अपने और गॉर्डन के बीच कुछ सामान्य आदतों और लक्षणों का भी वर्णन करता है। इनमें अपनी बाहों को पार करके खड़े होने की प्राथमिकता, पोशाक की सामान्य समझ, और उसके चेहरे और शरीर पर निशान जो गॉर्डन की लड़ाई के निशान हैं, शामिल हैं।

उन्होंने दो प्रतीकात्मक घटनाओं को दर्ज किया है। पहला 9 सितंबर, 1862 को जनरल ली द्वारा लिखे गए एक आदेश से संबंधित है, जिसमें उत्तर पर आक्रमण करने के लिए कॉन्फेडरेट सेना की योजनाओं का वर्णन किया गया है। आदेश की नौ प्रतियां बनाई गईं; यात्रा के दौरान एक प्रति खो गई थी और संघ के सैनिकों को मिली। इस जानकारी ने संघ के सैनिकों को संघीय सेना की स्थिति और एंटीएटम की लड़ाई के कारण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। संक्षेप में, 9 सितंबर को लिखे गए आदेश एक गृहयुद्ध संघर्ष में समाप्त हुए जिसमें जॉन बी. गॉर्डन गंभीर रूप से घायल हो गए और लगभग मारे गए। यह प्रतीकात्मक घटना आज जेफ कीन का जन्मदिन है, जो 9 सितंबर है।

9 सितंबर से जुड़ी एक और प्रतीकात्मक घटना कीन के 30वें जन्मदिन पर हुई। उस दिन, जेफ को चेहरे और गर्दन में दर्द के कारण आपातकालीन कक्ष में ले जाया गया।

डॉक्टर जेफ के लक्षणों का कोई शारीरिक कारण नहीं ढूंढ सके।
दर्द का स्थान चेहरे और गर्दन पर लगे घावों से मेल खाता है जो एंटीएटम में जॉन बी. गॉर्डन को लगे थे।

जब गॉर्डन घायल हुआ तब उसकी उम्र 30 वर्ष थी; जेफ के चेहरे पर दर्द 9 सितंबर 1977 को उनके 30वें जन्मदिन पर हुआ।

यह घटना गॉर्डन की चोट से जुड़ी घटना की पुनरावृत्ति का प्रतिनिधित्व करती प्रतीत होती है। याद रखें कि जेफ़ को 1997 में आपातकालीन विभाग में ले जाया गया था, जो कि जेफ़ को गॉर्डन के साथ अपने संबंध का एहसास होने से 15 साल पहले था।

जेफ ने अपनी किताब में ऐसे दस्तावेज़ भी शामिल किए हैं जो उनकी लेखन शैली से समानता दर्शाते हैं। बाद के वर्षों में, जनरल गॉर्डन ने सिविल वॉर की यादें नामक पुस्तक लिखी, जिसने जेफ के अध्ययन के लिए सामग्री प्रदान की। आइए दो पांडुलिपियों की तुलना करें, एक गॉर्डन की पुस्तक से, जो उसके आदमियों के प्रयासों का वर्णन करती है

Machine Translated by Google



किसी आपातकालीन स्थिति में अपने अग्निशमन विभाग की प्रतिक्रिया के संबंध में राइट्सविले, पेंसिल्वेनिया में आग से लड़ना और कीने से एक। मेरे अवलोकन से, ये दोनों दस्तावेज़ एक ही "आवाज़" से लिखे गए प्रतीत होते हैं। मेरे अनुरोध पर, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में भाषाओं के प्रोफेसर मिरियम पेट्रक, पीएच.डी. ने इन दस्तावेजों का भाषाई विश्लेषण किया, जो इस अध्याय में भी संलग्न हैं। यह विश्लेषण पुष्टि करता है कि इन दोनों उद्धरणों में एक निश्चित व्यवस्था समान है।

जॉन गॉर्डन (गृहयुद्ध की स्मृतियों से)

मेरे लोगों ने बड़ी ताकत से पुल को बचाने का काम किया। मैंने कॉल किया
राइट्सविले के निवासियों ने बाल्टियों और डिपरों की मदद मांगी, लेकिन कोई नहीं मिला।

कुछ ही देर बाद, जब शहर में आग लगी थी, बाल्टियों और डिपरों की कोई कमी नहीं थी... मेरे लोगों ने शहर और पुल को बचाने के लिए दृढ़ता और बहादुरी से काम किया। अग्निशमन गाड़ियों या अन्य उपकरणों की अनुपस्थिति में, आग को फैलने से रोकने का एकमात्र मौका मेरे लोगों को जलती हुई जगह के चारों ओर रखना था, एक कंधे को नदी के किनारे की ओर रखना, और जल्दी से पानी की बाल्टी को एक हाथ से दूसरे तरफ स्थानांतरित करना था। हाथ।

इस तरह, और केवल तभी, भीषण आग पर काबू पाया जा सका, और रात के अंत तक आग पर काबू पा लिया गया और उसे शांत कर दिया गया।4

सहायक प्रमुख जेफरी कीन
(अग्निशमन प्रमुख को लिखे पत्र से)

मेरे रेडियो की बरामदगी के साथ, कार्यवाहक लेफ्टिनेंट क्रिस्टोफर एकली के मार्गदर्शन में कर्मियों और उपकरणों को लाया और स्थापित किया गया।

कार्य योजना स्थापित करते समय, लेफ्टिनेंट एकली ने सामान्य ज्ञान, ज्ञान और अच्छे अभ्यास के साथ-साथ अपने आदेश के तहत अग्निशामकों की सुरक्षा के लिए गहरी चिंता का प्रदर्शन किया। गैस की एक बड़ी धारा एक खुली खिड़की से इमारत में प्रवेश कर गई। हम दो वस्तुओं को छोड़कर सभी ज्वलनशील पदार्थों से छुटकारा पाने में कामयाब रहे। इमारत के मालिक ने हमें सूचित किया कि उसके घर में एक है

Machine Translated by Google



एक तेल से चलने वाली भट्टी और एक वॉटर हीटर। उन्हें अंदर या बाहर से मारने का कोई रास्ता नहीं था। एक टेप माप, एक सकारात्मक दबाव वाले पंखे और खिड़की को खोलने और बंद करने के साथ, दोनों वस्तुओं को अंततः हटा दिया गया।5

जैसा कि मैंने पहले कहा, लोग समूह कर्म, भावनात्मक बंधन और साझा परियोजनाओं के आधार पर समूहों में अवतार लेते हैं। समूह अवतार की धारणा के कारण, जेफ और मुझे संदेह है कि वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट अग्निशमन विभाग में उनके साथी अग्निशामक, जॉन बी के सैन्य सहयोगी रहे होंगे।

गृहयुद्ध के दौरान गॉर्डन। बाद में, जेफ अपने अग्निशामकों और उन अधिकारियों के बीच कुछ मेल की पहचान करने में कामयाब रहे जिनके साथ गॉर्डन ने लड़ाई की थी। इन प्रस्तावित अतीत-जीवन जोड़ियों में से एक, जो आश्चर्यजनक शारीरिक समानताएं प्रदर्शित करती है, कॉन्फेडरेट जनरल कैडमस विलकॉक्स और फायरफाइटर वेन आर. ज़ेलेटा के बीच है।

जनरल विलकॉक्स और ज़ेलेटा की तुलना करने वाली तस्वीरें जनरल गॉर्डन और जेफ़री कीन की तस्वीरों के बगल में देखी जा सकती हैं।

पिछले जीवन की स्मृतियों के संदर्भ में जेफ ने तीन प्रकार की स्मृतियों का वर्णन किया है याद। सबसे पहले, ध्यान की एक श्रृंखला के माध्यम से, जेफ़ गॉर्डन के रूप में अपने जीवन के विवरणों की कल्पना करने या याद रखने में सक्षम है। जेफ ने रिमिनिसेंस ऑफ सिविल वॉर पढ़ने से पहले जानबूझकर यह ध्यान किया था। उन्होंने इन अनुभवों का दस्तावेजीकरण किया और बाद में गॉर्डन की पुस्तक और अन्य स्रोतों के माध्यम से कई विवरणों की पुष्टि करने में सक्षम हुए।

दूसरे प्रकार की स्मृति किसी अन्य स्रोत से पहले से जानकारी प्राप्त किए बिना गॉर्डन के जीवन का विवरण जानने में सहज है। उदाहरण के लिए, जेफ ने एक बार एक आगंतुक केंद्र का दौरा किया जहां कॉन्फेडेरसी के आत्मसमर्पण समारोह के अवशेष रखे गए थे। गॉर्डन ने इस विशेष समारोह में भाग लिया। समारोह की प्रक्रिया को दर्शाने वाली एक छवि, जिसमें गॉर्डन और उनके साथी कॉन्फेडरेट अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए गए ध्वज शामिल हैं

Machine Translated by Google



जमा करना। जेफ को पता था कि प्रदर्शित झंडा समारोह में इस्तेमाल किया गया वास्तविक झंडा नहीं था। जेफ ने आगंतुक केंद्र में प्रदर्शित विभिन्न अन्य वस्तुओं से सटीक ध्वज को पहचान लिया। अधिकारी से पूछताछ करने के बाद, उन्होंने साबित किया कि प्रदर्शित झंडा वास्तव में बाद के युग का था, और जेफ ने समारोह में इस्तेमाल किए गए मूल झंडे की पहचान की थी।

जेफ़ की तीसरी प्रकार की स्मृति को भावनात्मक स्मृति कहा जा सकता है, जैसा कि सनकेन रोड की घटना में वर्णित है, जहां जेफ को अपने पिछले जीवन में एक आघात स्थल को दोबारा देखने पर गहरी भावनात्मक प्रतिक्रिया का अनुभव होता है।

जेफ़ कीन याद करते हैं कि गृह युद्ध के दौरान, वह दक्षिणी संघीय सेना में एक जनरल थे, लेकिन इस जीवन में वह उत्तर में रहते थे। जेफ ने नोट किया कि उनके पूर्वजों में से एक ने यूनियन आर्मी की तरफ से लड़ाई लड़ी थी, और इस प्रकार, जब वह जॉन बी गॉर्डन थे, तो उन्होंने कनेक्टिकट में अपने वर्तमान जीवन में अपने पूर्वजों से लड़ाई की होगी।

पुनर्जन्म हमें युद्ध पर एक अलग दृष्टिकोण देता है, एक ऐसा परिप्रेक्ष्य जो हमें यह देखने में मदद करता है कि युद्ध में जीवन और संसाधनों का बलिदान कितना व्यर्थ है।

मैं इस अध्याय को जेफ़ कीन की पुस्तक समवन एल्स टुमॉरो से लिए गए एक अंश के साथ समाप्त करना चाहूँगा। यह उद्धरण हमारे युग के लिए बहुत महत्व रखता है, यह देखते हुए कि आज हम अपने ग्रह पर कई संघर्ष देख सकते हैं। ध्यान दें कि यह उद्धरण किसी ऐसे व्यक्ति से आया है, जो पिछले जीवन में, संयुक्त राज्य अमेरिका के अब तक के सबसे महान युद्ध जनरलों में से एक था। इस बात पर विचार करें कि पुनर्जन्म को समझने से युद्धक्षेत्र के शूरवीरों का चरित्र भी कैसे नरम हो सकता है।

एक पल के लिए रुकें और इस पर विचार करें कि यदि पुनर्जन्म जीवन की वास्तविकता साबित हो तो दुनिया कैसी होगी। तो फिर हम एक दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करेंगे? परिवार, दोस्तों या परिचितों के साथ व्यवहार करते समय, हमें खुद से कुछ प्रश्न पूछने की ज़रूरत है जैसे: ये आत्माएँ कौन हैं?

Machine Translated by Google



यह? उन्हें मुझसे क्या लेना-देना? क्या मैं उनसे कुछ सीखने जा रहा हूँ या मैं उनका शिक्षक बनने जा रहा हूँ?
संभावनाएं अनंत हैं। हम सभी एक ही घर में रहते हैं और यह हर दिन छोटा होता जा रहा है।

यह ग्रह एक "वैश्विक गांव" बन गया है। पृथ्वी के अन्य भागों में होने वाली घटनाओं का वर्णन करने के लिए लिखित शब्दों की कोई आवश्यकता नहीं है। बस बटन दबाएं और हम आराम से बैठकर घटनाओं को देख सकते हैं।
प्रत्येक देश अपने वित्त, प्रदूषण समस्याओं और तुच्छ शत्रुता से एक-दूसरे को प्रभावित करता है। आज, पहले से कहीं अधिक, हर किसी को अपने सोचने का तरीका बदलने की ज़रूरत है। अब मैं नहीं, बल्कि हम हैं। अब वे नहीं, बल्कि यू.एस. हम खुद पर और अपने आस-पास के लोगों पर अपनी छाप छोड़ते हैं, इसलिए आइए हम सौम्य दृष्टिकोण के साथ प्रयास करें।5

Machine Translated by Google

जेफरी कीन का योगदान

जॉन बी. गॉर्डन

फोटो जॉर्ज कॉर्डोरज़ो द्वारा

जेफ़ कीन

Machine Translated by Google



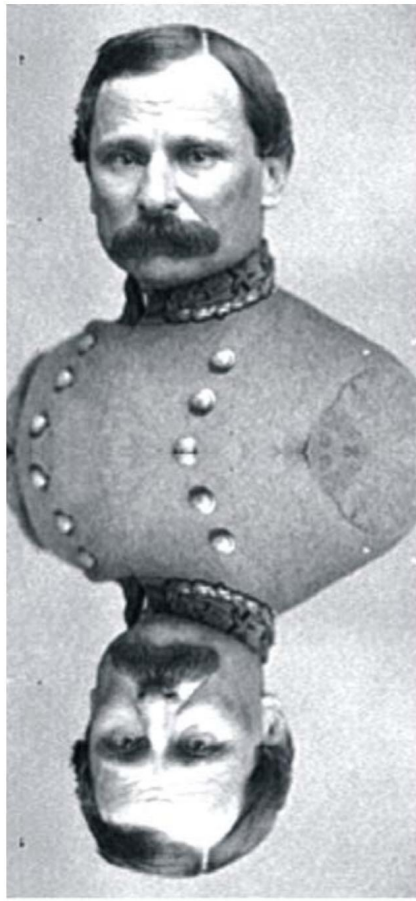

कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान

## कैडमस विलकॉक्स

वेन ज़ेलेटा का योगदान

## वेन ज़ेलेटा

Machine Translated by Google

कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान

जेफ कीन का योगदान

जॉन बी. गॉर्डन

जेफ़ कीन

गॉर्डन और विलकॉक्स कॉन्फेडरेट आर्मी में एक साथ लड़े। वे कीने और ज़ेलेटा के रूप में पुनर्जन्म लेते हैं, जो वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट अग्निशमन विभाग में एक ही अग्निशमन विभाग में काम करते हैं।

Machine Translated by Google



# लगाव

जॉन बी. गॉर्डन के मामले का भाषाई विश्लेषण/
जेफरी कीन

मिरियम पेत्रुक द्वारा, पीएच.डी.

जॉन गॉर्डन (गृहयुद्ध की स्मृतियों से)
मेरे लोगों ने बड़ी ऊर्जा के साथ पुल को बचाने के लिए काम किया। मैंने राइट्सविले के नागरिकों से बाल्टियाँ और बाल्टी माँगी, लेकिन कोई नहीं मिली।
थोड़ी देर बाद, जब शहर में आग लगी थी, तब बाल्टियों और बाल्टियों की कोई कमी नहीं थी... मेरे लोगों ने शहर को बचाने के लिए उतनी ही ईमानदारी और बहादुरी से काम किया, जितना उन्होंने पुल को बचाने के लिए किया था। फायर-इंजन या अन्य उपकरणों की अनुपस्थिति में, आग की लपटों की प्रगति को रोकने का एकमात्र मौका जलते हुए जिले के चारों ओर मेरे लोगों को नदी के किनारे पर आराम करने के साथ इकट्ठा करना था, और तेजी से एक हाथ से दूसरे हाथ तक जाना था पानी। इस प्रकार, और केवल इसी प्रकार, आगे बढ़ती, प्रचंड आग का सामना किया गया, और रात के एक घंटे के अंत तक जाँच की गई और उस पर विजय प्राप्त की गई।

सहायक प्रमुख जेफरी कीन
(अग्निशमन प्रमुख को लिखे पत्र से)
मेरे रेडियो को बहाल करने के साथ, मानव शक्ति और उपकरण लाए गए और उन्हें कार्यवाहक लेफ्टिनेंट क्रिस्टोफर एकली के मार्गदर्शन में रखा गया।
कार्य योजना स्थापित करते समय, लेफ्टिनेंट एकली ने अपने आदेश के तहत अग्निशामकों की सुरक्षा के लिए अच्छा सामान्य ज्ञान, ज्ञान, प्रशिक्षण और गहरी चिंता प्रदर्शित की। खुली खिड़की के रास्ते बड़ी मात्रा में गैस संरचना में प्रवेश कर गई। हालाँकि हमने आग लगने के सभी संभावित स्रोतों को हटाने की कोशिश की, लेकिन हम सभी को हटाने में सफल रहे। मालिक ने हमें बताया कि घर में एक तेल से चलने वाली भट्टी और एक भट्टी है

गरम पानी करने का यंत्र। उन्हें अंदर या बाहर से बंद करने का कोई तरीका नहीं था। मीटरिंग उपकरणों, एक सकारात्मक दबाव वाले पंखे और खिड़कियों को खोलने और बंद करने से खतरा दूर हो गया।

Machine Translated by Google



मिरियम पेट्रक, पीएच.डी. द्वारा भाषाई विश्लेषण का सारांश।

• प्रति वाक्य शब्दों की औसत संख्या लगभग समान है: गॉर्डनÿ21;
कीनेÿ18.

• संयुक्त वाक्यों का उपयोग: गॉर्डनÿ"आग की लपटों की प्रगति को रोकने का एकमात्र मौका जलते हुए जिले के चारों ओर अपने लोगों को बनाना था, जिसका किनारा नदी के किनारे पर आराम कर रहा था, और पानी की बाल्टी को एक हाथ से दूसरे हाथ तक तेजी से पार करना था"; कीने: "कार्य योजना स्थापित करते समय, लेफ्टिनेंट एकली ने अपने आदेश के तहत अग्निशामकों की सुरक्षा के लिए अच्छा सामान्य ज्ञान, ज्ञान, प्रशिक्षण और गहरी चिंता प्रदर्शित की"।

• जटिल वाक्यों में पूर्वसर्गीय उपवाक्यों का उपयोग: गॉर्डनो
"दमकल गाड़ियों के अभाव में"; कीनेÿ"कार्य योजना स्थापित करते समय"।

• अस्तित्वपरक प्रयोग, निषेध के साथ वाक्य: गॉर्डनÿ"कोई कमी नहीं थी
बाल्टियाँ"; कीनेÿउन्हें बंद करने का कोई रास्ता नहीं था"।

• वाक्य की शुरुआत में क्रियाविशेषण के साथ उपवाक्य: गॉर्डनÿ"महान ऊर्जा के साथ", "अग्नि-इंजनों की अनुपस्थिति में"; कीनेÿ"मेरे रेडियो को बहाल करने के साथ"।

• अंत को छोड़कर अधिकांश पाठ सक्रिय आवाज़ में है।
दोनों उद्धरणों में, पैराग्राफ निष्क्रिय आवाज़ में समाप्त होता है, जैसे कि सफलता शामिल पक्षों के हस्तक्षेप के बिना हुई हो। क्रिया के दो हिस्सों को अलग करके, वाक्यों के अपेक्षित क्रम को बदलकर उत्तेजना प्राप्त की जाती है।

गॉर्डन''बढ़ती हुई, प्रचंड आग का मुकाबला किया गया, और रात के एक घंटे तक जाँच की गई और उस पर विजय प्राप्त की गई।''; कीनेÿ" मीटरिंग उपकरणों, एक सकारात्मक दबाव वाले पंखे और खिड़कियों को खोलने और बंद करने से खतरा दूर हो गया"।

डॉ. पीटर के नोट्स:

हालाँकि, उपरोक्त समानताओं को देखते हुए, हमें लेखक की स्थिति के संबंध में एक बयान शामिल करना चाहिए। अधिक विशेष रूप से, क्योंकि ये पांडुलिपियाँ बहुत छोटी हैं और विश्लेषण (मुख्य रूप से) प्रमुख संरचनात्मक गुणों तक ही सीमित है, जिसके संबंध में कोई भी दावा किया जा सकता है

Machine Translated by Google



लेखक की स्थिति, अधिमानतः, अस्थायी है। इस बिंदु पर मजबूत दावा करने के लिए और अधिक विश्लेषण की आवश्यकता है।

बड़े, पूर्व-चयनित पांडुलिपि स्निपेट्स विभिन्न शब्द समूहों पर आवृत्ति परीक्षणों की भिन्नता की सुविधा प्रदान करेंगे। इसके अलावा, इन लेखों की उपशैली प्रकृति के बारे में अन्य प्रश्नों के उत्तर देने के लिए ऐसी पांडुलिपियों की जांच करना सहायक होता है। उदाहरण के लिए, क्या वे विशेष शब्दावली का उपयोग करते हैं? क्या पाठ सामान्य शब्दों के अनूठे संयोजनों का उपयोग करते हैं? क्या वाक्यों में कोई असामान्य वर्तनी या उद्धरणों का उपयोग, या अधिक सामान्यतः विराम चिह्नों का उपयोग है? जो कथा में इस प्रकार है।

आइये मिलकर देखते हैं.

Machine Translated by Google

# 6

## न्यूरोसर्जन नॉर्म शीली ए.एस

### पुनर्जन्मित डॉ. जॉन इलियटसन; जेके राउलिंग के रूप में चार्ल्स डिकेंस का पुनर्जन्म

नॉर्म शीली एक विश्व-प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन, आविष्कारक, लेखक और दर्द प्रबंधन विशेषज्ञ हैं। नॉर्म TENS यूनिट के आविष्कारक हैं, एक उपकरण जो दर्द को नियंत्रित करने के लिए त्वचा में विद्युत प्रवाह पारित कर सकता है। वह डोर्सल कॉलम स्टिमुलेटर के आविष्कारक भी हैं, एक उपकरण जिसे त्वचा के नीचे रखा जाता है जिसमें स्पाइनल नोड से जुड़े तार होते हैं, जो गंभीर और असहनीय पीठ दर्द के मामलों में दर्द के आवेगों को अवरुद्ध करने के लिए विद्युत प्रवाह उत्सर्जित करता है। डॉ. शीली ने फेसेट राइज़ोटॉमी का भी आविष्कार किया, एक शल्य प्रक्रिया जिसमें रीढ़ के जोड़ों से उत्पन्न होने वाले दर्द को कम करने के लिए तंत्रिका तंतुओं को काटा जाता है।

डॉ. शीली को आधुनिक व्यापक दर्द प्रबंधन कार्यक्रमों का जनक भी माना जाता है, जिसमें बहु-विषयक दृष्टिकोण, मनोवैज्ञानिकों और डॉक्टरों की भर्ती शामिल है। उपरोक्त सभी के कारण, नॉर्म शीली दुनिया भर के चिकित्सा समुदाय में अच्छी तरह से जाना जाता है।

नॉर्म शीली ने पिछले जीवन का अध्ययन किया है जिसमें वह जॉन था इलियटसन, 19वीं सदी के ब्रिटिश चिकित्सक थे, जो चिकित्सा में एक प्रवर्तक और दर्द विशेषज्ञ भी थे। डॉ. शीली अपने शब्दों में बताते हैं कि उन्हें अपने पिछले अवतार के बारे में कैसे पता चला। नीचे दिए गए लेख में, स्नोमास शब्द कोलोराडो में एक स्की रिसॉर्ट को संदर्भित करता है।

Machine Translated by Google



जनवरी 1972 में, मैं एस्पेन में स्नोमास में एक न्यूरोइलेक्ट्रिक सोसाइटी व्याख्यान में बैठा था, डॉ. की प्रतीक्षा कर रहा था।

विलियम क्रोगर ने अपना व्याख्यान समाप्त किया। मैं थोड़ा परेशान था क्योंकि वह हमें समझाने की कोशिश कर रहा था कि एक्यूपंक्चर सम्मोहन है और उसने अचानक कहा, "पिछली सदी में एक अंग्रेजी डॉक्टर ने दिखाया था कि आप सम्मोहित रोगी का ऑपरेशन कर सकते हैं। डॉक्टर का नाम जॉन इलियटसन है।"

जब उसने ऐसा कहा, तो मुझे ऐसा लगा जैसे किसी ने मेरी पीठ पर बर्फ का एक टुकड़ा मारा हो और मैंने खुद से कहा, "हे भगवान, वह मैं हूं।"

मैं उस समय पुनर्जन्म के मामले में औसत दर्जे का था। मैंने अपने से पूछा
मेडिकल लाइब्रेरियन अगर उन्हें जॉन इलियटसन के बारे में कोई जानकारी मिल सकती थी और उन्हें कुछ भी नहीं
मिला। फिर उसी साल जून में मैं लंदन गया. मैंने एक टैक्सी ली और ड्राइवर से मुझे रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स तक ले जाने को कहा,
यह सोचकर कि जॉन इलियटसन भी एक सर्जन होगा। जैसे ही हम दाहिनी ओर एक मोड़ पर मुड़ रहे थे, मैं टैक्सी के पीछे बैठ
गया और अचानक ऐसा महसूस हुआ कि मुझे शारीरिक रूप से उठा लिया गया है और विपरीत दिशा में मोड़ दिया गया है, एक बार फिर
मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी पीठ पर बर्फ की कोई गांठ हो। बाईं ओर एक ब्लॉक, दाईं ओर नहीं, लंदन का यूनिवर्सिटी कॉलेज
अस्पताल है, जहां जॉन इलियटसन के रूप में मेरा कार्यालय एक बार था। मैं इमारत में चला गया और मुझे घर जैसा महसूस हुआ।

यह पता चला कि जॉन इलियटसन यूनिवर्सिटी कॉलेज अस्पताल में मेडिसिन के पहले प्रोफेसर थे। उन्होंने 1830
में अपनी प्रतिष्ठा बनाई-
और चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं पर सार्वजनिक व्याख्यान देते समय।
उस समय लैंसेट पत्रिका के संपादक जेम्स वेकले उनके व्याख्यान अक्सर प्रकाशित करते थे। एक प्रशिक्षु के रूप में
अपने करियर के दौरान, जॉन ने स्टेथोस्कोप और नशीले पदार्थों के उपयोग की शुरुआत फ्रांस से की, जहां उन्होंने अध्ययन किया था।
उन्होंने मंत्रमुग्धता का भी परिचय दिया

और एक थिएटर में मंत्रमुग्धता के बारे में सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित करना शुरू किया। वह चार्ल्स डिकेंस और विलियम
थैकेरी के करीबी दोस्त थे। उन्होंने डिकेंस को सिखाया कि हाइपोकॉन्ड्रिया से पीड़ित अपनी पत्नी पर मंत्रमुग्धता का प्रयोग
कैसे किया जाए

Machine Translated by Google



बीमार होने का डर) इलियटसन लंदन के पहले डॉक्टर हैं जिन्होंने निक्कर का इस्तेमाल बंद कर दिया है*
. उसके काले घुंघराले बाल हैं और वह जन्म से ही लंगड़ा है।

उन्होंने यह भी प्रदर्शित किया कि उनके कुछ मरीज़ जो बिना इसका एहसास किए ट्रान्स में चले गए, वे मानसिक रोगी बन गए और आसानी से निदान कर सकते थे। इलियटसन ने जेम्स एस्डेल को मंत्रमुग्ध रोगियों पर बड़ी संख्या में ऑपरेशन करने के लिए भी प्रेरित किया। एस्डेल ने बाद में नेचुरल एंड मेस्मेरिक क्लैरवॉयन्स नामक पुस्तक लिखी और मानसिक क्षमताओं को ट्रिगर करने के लिए इलियटसन की कृत्रिम निद्रावस्था की तकनीक के उपयोग का उल्लेख किया।

इसकी अगली कड़ी में, इलियटसन को विश्वविद्यालय सलाहकार बोर्ड द्वारा मंत्रमुग्धता के सार्वजनिक प्रदर्शन को रोकने के लिए कहा गया था। इलियटसन क्रोधित हो गए और पीछे हट गए।

बारह वर्षों तक उन्होंने द ज़ोइस्ट का प्रकाशन जारी रखा, जिसमें उन्होंने मंत्रमुग्धता के कई पहलुओं का वर्णन किया, जिसमें अन्य सर्जनों द्वारा 300 से अधिक रोगियों का ऑपरेशन भी शामिल था, जब इलियटसन ने रोगी को ट्रान्स में डाल दिया था। अंततः उन्हें चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन द्वारा वार्षिक हैवेरियन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने नए विचारों को स्वीकार करने में विज्ञान के पाखंड पर व्याख्यान दिया।

अब मेरे जीवन में समानताएँ। 9 साल की उम्र में मेरे अलावा हर कोई निक्कर पहनता था। मेरी माँ मुझे इसे पहनने के लिए मजबूर करने की कोशिश करती थी और मैं तुरंत क्रोधित हो जाता था और पैंट फाड़ देता था। जब मैं बच्चा था, शायद 4 या 5 साल का, मुझे घुंघराले काले बाल इतने ज्यादा पसंद थे कि मैं एक बार अपनी चाची के पास गया और उनके काले बालों का एक गुच्छा काट दिया। जब मैं 16 साल का था और कॉलेज में प्रवेश कर रहा था, मैंने अपने बालों को काला रंग लिया था, लेकिन मैंने कभी भी उससे अधिक ऐसा नहीं किया। बहुत परेशानी भरा. जॉन एक लैटिन विद्वान है और मैंने हाई स्कूल में दो साल में लैटिन पदक जीता था। जब मैं 9 साल का था तो मेरे दाहिने पैर की हड्डी में छोटा सा फ्रैक्चर हो गया। घाव संक्रमित था और सड़ रहा था। यह एंटीबायोटिक दवाओं के आगमन से पहले था और मुझे बताया गया था कि मैं हमेशा ऐसा ही रहूंगा

* निकर: एक प्रकार का अंडरवियर जो शरीर को कमर से टखने तक ढकता है।

Machine Translated by Google



लंगड़ा कर चलना.

4 साल की उम्र से मैंने कहा था कि मैं डॉक्टर बनूंगा, 16 साल की उम्र में मैंने कहा हमेशा सोचा था कि मैं न्यूरोसर्जन बनूंगा। मेडिकल स्कूल में अपने प्रारंभिक और अंतिम वर्षों के बीच, मैंने विभिन्न सर्जिकल इंटर्नशिप अवसरों का दौरा करने के लिए तीन महीने की यात्रा की। मैं ड्यूक लौट आया और सर्जरी के बजाय आंतरिक चिकित्सा में इंटर्नशिप करने का फैसला किया, हालांकि इंटर्नशिप के बाद भी मैंने न्यूरोसर्जरी जारी रखी।

एक बच्चे के रूप में, चार्ल्स डिकेंस मेरे पसंदीदा लेखकों में से एक थे। 1974 में, मैंने एक महान चिकित्सक ओल्गा वॉरॉल से मुलाकात की। एक सम्मोहित अवस्था में, मैंने उसे अपने लिविंग रूम में चलते, मेज पर रखी एक किताब उठाते और उसे वापस रखते हुए देखा। फिर मैंने ओल्गा को बुलाया और पूछा कि क्या यह वही किताब है जो उसके लिविंग रूम की मेज पर थी।

इसमें कहा गया है कि यह विलियम थैकेरी द्वारा लिखित पेंडनिस है। थैकेरी ने अपना उपन्यास, पेंडनिस (1850) डॉ. इलियटसन को समर्पित किया और अपने उपन्यासों में डॉ. गुडइनफ़ के चरित्र को डॉ. की तरह बनाया।

इलियटसन.

मैंने अपने जीवन में बहुत सारा समय लोगों को उनके शरीर में नशीले पदार्थ डालने के बजाय उन्हें छुड़ाने में बिताया है। इलियटसन का नाम सुनने से छह महीने पहले, मैंने गुमनाम रूप से नए विचारों को स्वीकार करने में चिकित्सा जगत के पाखंड पर आधारित एक उपन्यास प्रकाशित किया था। मैं ऐसे कई उदाहरणों का उपयोग करता हूं जिनका उल्लेख इलियटसन ने अपने हार्वेरियन व्याख्यानों में किया है।

1973 में, इलियटसन का नाम सुनने से एक महीने पहले, मुझे फॉर्च्यून 500 कंपनी से 50,000 डॉलर की शोध निधि का प्रस्ताव मिला, जिसने मानसिक रोगी के निदान का अध्ययन करने के लिए गुमनाम रहने के लिए कहा।

1973 में, मैं 75 लोगों से मिला जिनके बारे में कहा जाता था कि वे महान मनोवैज्ञानिक थे, और मैंने चिकित्सा अंतर्ज्ञान, या निदान करने के लिए एक पूरी तरह से अप्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक की क्षमता का परीक्षण किया। हमें ऐसे 5 लोग मिले जिनकी सटीकता 70-75% के बीच थी। जब मैंने उन 75 अंतर्ज्ञानी लोगों को बताया, जिनसे मैं मिला था, तो मुझे व्यक्तिगत तौर पर ऐसा महसूस हुआ कि मैं एक समय जॉन इलियटसन था, सभी 75 वर्ष के थे।

Machine Translated by Google



वह व्यक्ति सहमत हो गया. अपने जीवन के लगभग सात वर्षों तक, मैंने चिकित्सा के वैकल्पिक दृष्टिकोणों को कवर करने वाला एक समाचार पत्र, होलोस प्रैक्टिस रिपोर्ट्स प्रकाशित किया।

संक्षेप में, मुझे कभी कोई संदेह नहीं था कि मैं अपने पिछले जीवन में जॉन इलियटसन था। जॉन इलियटसन का जन्म 24 अक्टूबर 1791 को हुआ था। 19 साल की उम्र में उन्होंने मेडिकल स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। दिलचस्प बात यह है कि मैंने 19 साल की उम्र में मेडिकल स्कूल में प्रवेश लिया।

29 जुलाई, 1868 को उनकी मृत्यु हो गई। संयोग से, जॉन ने लंदन में खोपड़ी के अध्ययन के लिए फ्रेनोलॉजी सोसाइटी की स्थापना की, और मुझे न्यूरोसर्जरी की ओर आकर्षित किया, जिसका निश्चित रूप से खोपड़ी से बहुत कुछ लेना-देना था।

आइए हम इलियटसन के कुछ मुख्य बिंदुओं की संक्षेप में समीक्षा करें/
घिनौना मामला. जब डॉ. शीली ने पहली बार जॉन इलियटसन का नाम सुना, तो उसे सहज ही पता चल गया कि वह पिछले जन्म का इलियटसन है। ऐसा तब भी हुआ जबकि उस समय डॉ.

पुनर्जन्म के बारे में शीली अभी भी औसत दर्जे की थी। इलियटसन के जीवन का अध्ययन करने से पहले और इलियटसन की तस्वीर देखे बिना, डॉ. शीली के पास जानने की एक आंतरिक भावना थी, साथ में एक नाटकीय अनुभूति भी थी जैसे कि "बर्फ की गांठ" ने उनकी पीठ पर प्रहार किया हो। जब डॉ. शीली इलियटसन की जांच करने के लिए लंदन जाते हैं, तो उन्हें सहज रूप से इलियटसन का कार्यालय मिल जाता है। इस घटना के साथ "बर्फ के टुकड़े" की अनुभूति भी होती है।

डॉ. शीली को बाद में पता चला कि उनमें और इलियटसन में बहुत सारी समानताएँ हैं। दोनों चिकित्सा क्षेत्र में एक समान आविष्कारक प्रकृति साझा करते हैं: इलियटसन ने इंग्लैंड में स्टेथोस्कोप का उपयोग शुरू किया, और नॉर्म शीली ने TENS इकाई और डोर्सल कॉलम स्टिमुलेटर का आविष्कार किया।

दोनों ने दर्द प्रबंधन में रुचि दिखाई है।
इलियटसन ने इंग्लैंड में नशीले पदार्थों के उपयोग की शुरुआत की, जबकि डॉ.
शीली दर्द प्रबंधन में विश्व विशेषज्ञ हैं। अपने वर्तमान करियर में, डॉ. शीली दर्द को प्रबंधित करने के अन्य तरीके खोजने की कोशिश कर रहे हैं ताकि लोग नशीले पदार्थों से छुटकारा पा सकें। इलियटसन एक प्रशिक्षु थे, जिन्होंने बाद में फ्रेनोलॉजी की स्थापना की, जो खोपड़ी का अध्ययन है। डॉ।

शीली ने सबसे पहले विज्ञान में इंटर्नशिप करना चुना

Machine Translated by Google



आंतरिक चिकित्सा, क्षेत्र बदलने और न्यूरोसर्जन बनने से पहले।

इलियटसन को मेस्मेरिज्म या सम्मोहन में रुचि थी, जो
डॉ. शीली. इलियटसन इस अवलोकन से चकित थे कि सम्मोहन उत्तेजना पैदा कर सकता है। डॉ. शीली ने कैरोलीन माइस सहित मनोविज्ञान और चिकित्सा अंतर्ज्ञान के साथ काम किया है।
दोनों को उनके विचित्र दृष्टिकोण के लिए चिकित्सा समुदाय में रूढ़िवादियों द्वारा नीची दृष्टि से देखा गया है।
इलियटसन ने हार्वेरियन व्याख्यान में अपने विरोधियों की तीखी आलोचना की, जहां उन्होंने नए विचारों को स्वीकार करने में विज्ञान के पाखंड पर प्रवचन दिया। डॉ।

शीली ने उसी संदेश के साथ एक उपन्यास प्रकाशित किया और उन्हीं उदाहरणों का उपयोग किया जो इलियटसन ने हार्वेरियन व्याख्यान में उपयोग किया था।
इलियटसन के बाल गहरे काले थे, जबकि डॉ. शीली, कम उम्र में, वापस पाने की कोशिश करते हैं। इलियटसन ने निक्कर पहनना बंद कर दिया। डॉ।
शीली को गुस्सा आ जाता है जब उसकी माँ उसे उसी तरह के कपड़े पहनने के लिए मजबूर करने की कोशिश करती है जिससे वह नफरत करती है।

यह महत्वपूर्ण है कि जब मैंने पहली बार 2002 में डॉ. शीली से संपर्क किया था।
उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि चेहरे की विशेषताएं जीवन भर एक जैसी रहती हैं। जब मैंने उससे पूछा कि क्या वह जॉन इलियटसन जैसा दिखता है, तो नॉर्म ने उत्तर दिया, "मुझे नहीं पता!" नॉर्म मुझे एक मेडिकल छात्र के रूप में

इलियटसन और खुद की तस्वीरें भेजने के लिए सहमत हुए, क्योंकि उन्हें लगा कि उनमें कुछ समानता हो सकती है। इस अध्याय के अंत में प्रस्तुत चित्र संबंधित चेहरे के आकार की संरचना को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। रॉबर्ट स्नो के मामले में भी, यह तथ्य कि नॉर्म शीली ने अपने पिछले जीवन के मामले को इतने ठोस तरीके से समाप्त किया, बिना किसी संदेह के विश्वास किया कि वह इलियटसन का पुनर्जन्म है और उपस्थिति समानता पर भी ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा है, फिर से चेहरे के भावों की स्थिरता को पुष्ट करता है एक अवतार से दूसरे अवतार तक जाना एक घटना है। वैध।

दो अतिरिक्त पिछले जीवन साथियों का निधन हो चुका है
नॉर्मन शीली मामले से. उनमें से एक में एंटोन मेस्मर शामिल थे, जिन्होंने जॉन इलियटसन को गहराई से प्रभावित किया।

Machine Translated by Google



मेस्मर एक ऑस्ट्रियाई डॉक्टर थे, जो 1734 और 1815 के बीच रहे। उन्होंने एक प्रकार का सम्मोहन विकसित किया जिसे "मेस्मेरिज्म" के रूप में जाना जाता है। मेस्मर ने पाया कि कुछ रोगियों को इस ट्रान्स या ध्यान अवस्था से लाभ होता है। चिकित्सा समुदाय के अन्य डॉक्टरों, जैसे जॉन इलियटसन/नॉर्म शीली, ने मेस्मर के काम का समर्थन किया।

1785 में, फ्रांसीसी सरकार ने मेस्मर के काम की जांच के लिए एक समिति बनाई, जिसमें बेंजामिन फ्रैंकलिन भी शामिल थे। समिति की रिपोर्ट ने मेस्मर का समर्थन नहीं किया और परिणामस्वरूप, उसे धोखाधड़ी माना गया। भविष्य की पीढ़ियों ने भी मेस्मर की आलोचना की, हालांकि सम्मोहन और उसके भाई, ध्यान को बाद में कई चिकित्सीय स्थितियों के लिए फायदेमंद पाया गया।

आज, एंटोन मेस्मर की पहचान जॉन काबट-ज़िन, पीएच.डी. के रूप में की गई है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में चिकित्सा समुदाय में "जागरूकता ध्यान" लाए थे। माइंडफुलनेस मेडिटेशन का उपयोग उन स्थितियों को राहत देने के लिए किया जाता है जो तनाव से बढ़ जाती हैं, और इसे मैस्मेरिज्म का एक आधुनिक संस्करण माना जा सकता है। इस कहानी का एक अद्भुत पहलू यह है कि आजकल एंटोन मेस्मर को उनके काम का श्रेय दिया जाता है, न कि उनका मजाक उड़ाया जाता है। वैसे, काबट-ज़िन के साथ मेस्मर की अनुकूलता की पुष्टि केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करने वाली मार्गदर्शक भावना अहतुन रे ने की है। इस भावना ने पिछले जीवन का सटीक मिलान करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है।

कई चिकित्सा संस्थानों में माइंडफुलनेस मेडिटेशन सिखाया जाता है।
इस जीवन में, डॉ. काबट-ज़िन मेडिकल अकादमी के सदस्य हैं, क्योंकि वह मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ मेडिसिन में मेडिसिन के सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। मुझे यह कहानी बहुत पसंद है क्योंकि यह दिखाती है कि जिन लोगों को अपने जीवन में एक बिंदु पर बंद दिमाग वाले लोगों द्वारा डांटा जाता है, वे वास्तव में अंत में पुरस्कार का उचित हिस्सा प्राप्त कर सकते हैं।

के संबंध में एक और पूर्व जन्म का मामला सामने आया है
नॉर्म शीली में चार्ल्स डिकेंस शामिल हैं, जो जॉन इलियटसन के करीबी दोस्त माने जाते हैं। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या डिकेंस

Machine Translated by Google



वर्तमान में अवतरित हुआ, और मुझे बताया गया कि अवतार कौन था।
मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि डिकेंस आज कौन हैं, हालाँकि दूसरी बार सोचने पर यह बहुत मायने रखता है। चार्ल्स डिकेंस का पुनर्जन्म हैरी पॉटर श्रृंखला के निर्देशक जेके राउलिंग के रूप में हुआ है।
अहतुन रे बताते हैं कि इस जीवन में, अपने पिछले जीवन की तरह, डिकेंस/
राउलिंग ने लेखन के माध्यम से बच्चों के जीवन में जादू लाया। डिकेंस और राउलिंग के बीच शारीरिक समानता भी प्रभावशाली है।

संक्षेप में, जॉन इलियटसन/नॉर्म शीली मामला एक है
स्वतंत्र रूप से जांचा गया मामला, जो चेहरे की विशेषताओं, प्रतिभाओं और व्यक्तित्व लक्षणों में समानता दिखाता है जो जीवन-दर-जीवन एक समान बने रहते हैं। मेस्मर/काबट-ज़िन और डिकेंस/राउलिंग के मामले अहतुन रे के माध्यम से पारित किए जाते हैं, जो एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक है जो रायर्सन के माध्यम से संचार करता है। अहतुन रे की पिछले जीवन की सटीक पहचान मिलान करने की क्षमता
पर इस पुस्तक के दूसरे भाग में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

Machine Translated by Google

©द रॉयल सोसाइटी

डॉ. जॉन इलियटसन

नॉर्म शीली का योगदान

डॉ. नॉर्म शीली

Machine Translated by Google



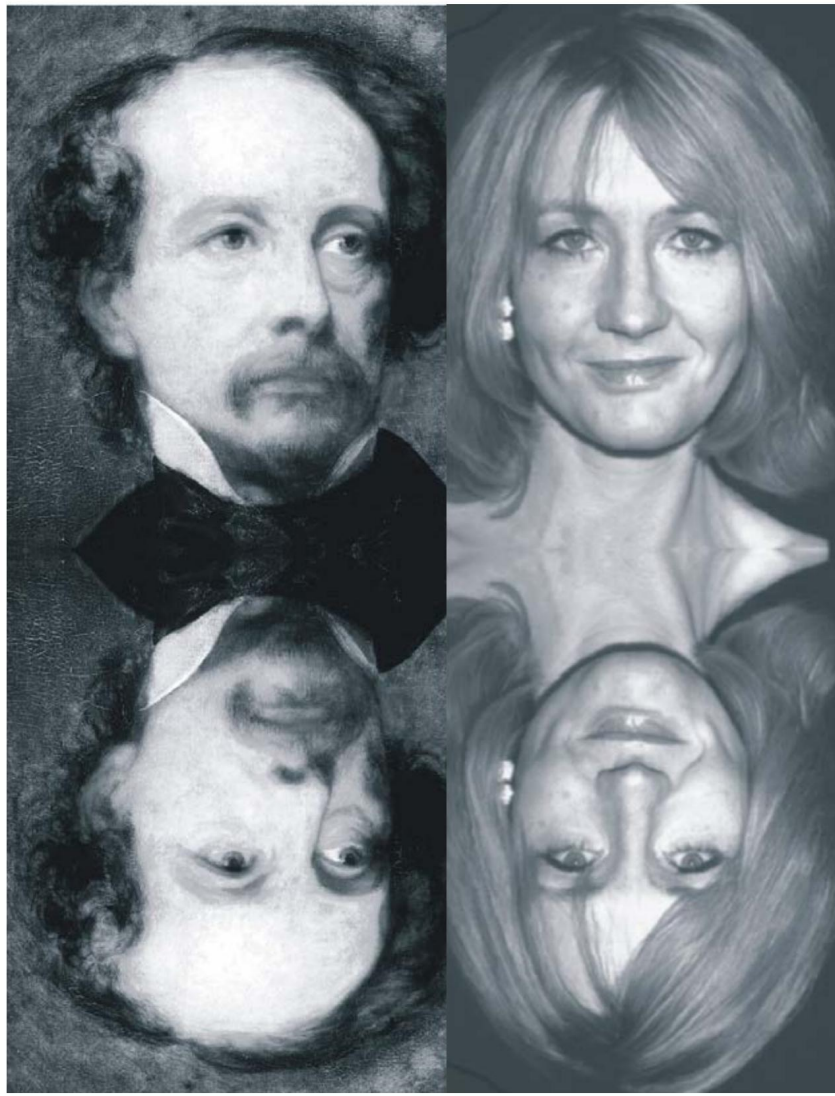

विवरण ©बेटमैन/कॉर्बिस

चार्ल्स डिकेंस

विवरण ©मिशेल गेरबर/कॉर्बिस

जेके रॉउलिंग

Machine Translated by Google

# 7

अमेरिकी राजनयिकों का पिछला जीवन

## वेन पीटरसन और उनका रिश्ता मैत्रेय और साईं बाबा के साथ

वेन पीटरसन संयुक्त राज्य अमेरिका के राजनयिक हैं
जो हाल ही में सेवानिवृत्त हुए हैं. उन्होंने 32 वर्षों तक अमेरिका में सेवा की है। अपने करियर के पिछले 17 वर्षों से, पीटरसन फुलब्राइट छात्रवृत्ति कार्यक्रम के निदेशक रहे हैं, जो वाशिंगटन डीसी में स्थित है लेकिन दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों के माध्यम से प्रसारित होता है।

हाल ही में, फुलब्राइट में अपने काम के हिस्से के रूप में, पीटरसन ने वियतनाम में एक मानवीय परियोजना पर सीनेटर जॉन केरी के साथ सीधे काम किया।

पीटरसन ने पीस कोर में अपनी अंतर्राष्ट्रीय सेवा शुरू की,
जहां उन्होंने ब्राजील में एक बहुत ही सफल एसओएस कार्यक्रम की स्थापना की।
निजी तौर पर वित्त पोषित यह कार्यक्रम देश की सबसे गरीब आबादी को सहायता प्रदान करता है।
मेल्विन लेयर्ड, जो बाद में रिचर्ड एम. निक्सन प्रशासन में रक्षा सचिव बने, पीटरसन परियोजना के प्रत्यक्ष समर्थक थे।

पीस कॉर्प्स कार्यकाल के अंत में, पीटरसन से ब्राजील में अमेरिकी राजदूत ने संपर्क किया, जिन्होंने उन्हें केवल एक आधिकारिक राजनयिक बनने और रियो डी जनेरियो में दूतावास में काम करने के लिए कहा। पीटरसन ने स्क्रीनिंग टेस्ट पास कर लिया और पीस कॉर्प्स में उनका कार्यकाल समाप्त होने से पहले उन्हें अमेरिकी विदेश विभाग में स्वीकार कर लिया गया। अगले 13 वर्षों में, उन्होंने लैटिन अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया और अंततः अफ्रीका में विभिन्न राजनयिक पदों पर कार्य किया।

पीटरसन वाशिंगटन लौट आए जहां उन्हें फुलब्राइट छात्रवृत्ति कार्यक्रम के निदेशक के पद से सम्मानित किया गया, इस पद पर वे 17 वर्षों तक रहे। अपने करियर के दौरान, पीटरसन

Machine Translated by Google



रॉबर्ट एफ. कैनेडी और उनकी पत्नी एथिल के साथ एक धन्यवाद रात्रिभोज में भाग लेने का अवसर मिला, उन्होंने राष्ट्रपति रिचर्ड एम. निक्सन के साथ एक निजी बैठक की, और उन्होंने राष्ट्रपति जॉन एफ. से मुलाकात की।
कैनेडी और राष्ट्रपति लिंडन बेन्स जॉनसन।

एक सम्मानित सेवानिवृत्त अमेरिकी राजनयिक होने के अलावा, पीटरसन आध्यात्मिक रूप से बहुत परिपक्व व्यक्ति भी हैं।

उन्होंने कई वर्षों तक ट्रांसमिशन मेडिटेशन समूहों का नेतृत्व किया है और एक्स्ट्राऑर्डिनरी टाइम्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स पुस्तक के लेखक हैं, जिसमें पीटरसन ने मैत्रेय जैसे आध्यात्मिक गुरुओं के साथ अपने प्रत्यक्ष मुठभेड़ों का वर्णन किया है, एक आत्मा जो मानव विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करती है। मैत्रेय का उस अर्थ में कोई भौतिक रूप नहीं है जिस अर्थ में आपका या मेरा शरीर है। इसके बजाय, मैत्रेय एक आत्मा है, अहतुन रे की तरह, जो खुद को "प्रकाश के शरीर" में प्रकट करने में सक्षम है, जो इसे देखने वालों को बहुत वास्तविक लगता है। ब्रिटिश लेखक और कलाकार बेंजामिन क्रेम ने मैत्रेय पर कई किताबें लिखी हैं और क्रेम ने ही ट्रांसमिशन मेडिटेशन की शुरुआत की थी

कार्यक्रम, जिसमें आध्यात्मिक क्षेत्र के शिक्षकों की ऊर्जा प्रतिभागियों को "संचारित" की जाती है।

दिलचस्प बात यह है कि अहतुन रे, एक आध्यात्मिक प्राणी जो केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करता है, जिसने बॉर्न अगेन और रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ में प्रस्तुत पुनर्जन्म के कई मामलों को हल किया है, मैत्रेय को जानता है और उनका सम्मान करता है। अहतुन रे ने बताया कि सभी महान आध्यात्मिक प्राणी, जैसे मुहम्मद, बुद्ध, मूसा, यीशु, हिंदू शिक्षक और मैत्रेय, सभी मानवता को आध्यात्मिक रूप से विकसित करने में मदद करने के लिए एक सामान्य लक्ष्य के साथ काम करते हैं। अब हम पीटरसन के तीन पिछले जन्मों की जांच करेंगे, जिन्हें उन्होंने अपने आध्यात्मिक शिक्षक मैत्रेय की थोड़ी मदद से स्वयं खोजा था।

पुनर्जन्म का मामला

फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी/वेन पीटरसन

वेन 1940 के दशक में ग्रीन बे के ठीक बाहर ग्रामीण विस्कॉन्सिन में पले-बढ़े। जैसा कि मैंने देखा, एक बच्चे के रूप में उसे पिछले जन्मों की सूक्ष्म स्मृतियाँ प्राप्त होने लगीं

Machine Translated by Google



सूक्ष्म, जब तक उसे यह एहसास नहीं हो जाता कि पुनर्जन्म ही उन स्मृतियों का आधार है। उदाहरण के लिए, एक बच्चे के रूप में, जब लोग पूछते थे कि उसका नाम क्या है, तो वेन उन्हें बताने से इंकार कर देते थे, क्योंकि उनका दृढ़ विश्वास था कि उनके पास एक बेहतर नाम है जो "असली मुझे" की पहचान कराएगा। इस संबंध में वेन बताते हैं:

यह मेरे माता-पिता और मेरे बीच वर्षों से झगड़ा था। अगर उन्होंने कहा, "उसका नाम वेन है," मैं कहूंगा नहीं। मेरी मां अक्सर मुझे दूसरा नाम रखने के लिए चुनौती देती थीं, लेकिन मुझे कभी याद नहीं आया कि मेरा नाम क्या होना चाहिए, भले ही मुझे पता था कि मेरे पास एक और नाम है।

जब मैं 12 साल की उम्र में आया, तो मैंने तय कर लिया कि मेरा असली नाम फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी था। यह कोई आसमान से गिरा हुआ नाम नहीं है. वर्षों तक फ़ॉस्करी नाम एक शब्द के रूप में मेरे दिमाग़ में घूमता रहा। मैंने अंततः इसे फ्रांसेस्को के शब्द के साथ जोड़ दिया क्योंकि यह उचित लग रहा था। उस नाम से मेरा गहरा भावनात्मक लगाव है. एक किशोर के रूप में, मैंने ठान लिया था कि एक दिन जब मैं बड़ा हो जाऊँगा, तो मैं आधिकारिक तौर पर अपना नाम बदलकर फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी रख लूँगा।

सभी किशोर कभी न कभी अपना नाम बदलने के बारे में सोचते हैं किसी फिल्म स्टार या ऐसे नाम की नकल करना जो अधिक रोमांटिक लगता हो। लेकिन मेरे मामले में, यह एक ऐसा नाम है जिसे मैंने कभी कहीं भी सुना या लिखा हुआ नहीं देखा है। वास्तव में, हमारे विस्कॉन्सिन समुदाय में इतालवी नाम मौजूद नहीं हैं; यह अजीब है कि एक इटालियन नाम मुझे इतना आकर्षित करता है।

गौर करें कि युवा वेन के अनुभव बारब्रो कार्लेन के साथ कितने समान हैं, जिन्होंने एक बच्चे के रूप में अपने माता-पिता को बताया था कि उसका नाम बारब्रो नहीं, बल्कि ऐनी फ्रैंक है। अंतर यह है कि वेन को इस बात का एहसास नहीं है कि फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी नाम में उसकी रुचि पिछले अवतार से जुड़ी हुई है, क्योंकि वेन के पास उस जीवनकाल की कोई दृश्य यादें नहीं हैं। इसके विपरीत, बारब्रो कार्लेन के पास ऐनी फ्रैंक होने की ज्वलंत यादें हैं।

Machine Translated by Google



पीटरसन ने कहा कि साल बीत गए और अमेरिकी राजनयिक मामलों में शामिल होने के बाद उन्होंने वेनिस की यात्रा की, जहां उन्हें डेजा वु की अजीब भावनाओं का अनुभव हुआ जो अलग थीं, एक ऐसा एहसास जैसे वह पहले भी वहां रहे हों। हालाँकि उन्होंने कभी कला की शिक्षा नहीं ली, लेकिन एक वयस्क के रूप में उन्हें पता चला कि वह बड़ी कुशलता से चित्र बना सकते हैं। उन्होंने पाया कि वह शास्त्रीय भवन वास्तुकला को चित्रित करने में विशेष रूप से अच्छे थे, हालांकि किसी कारण से उन्होंने केवल वेनिस के परिदृश्य को चित्रित करना चुना। जब उनके दोस्तों ने उनसे पूछा कि उनकी सारी कलाएँ वेनिस के इर्द-गिर्द क्यों घूमती हैं, तो पीटरसन इसे स्पष्ट नहीं कर सके।

1990 में एक सफलता मिली, जब पीटरसन, लगभग 50 वर्ष के थे इतालवी नाम फ़ॉस्करी में अपनी प्रारंभिक रुचि के वर्षों बाद, उन्होंने वेनिस में जीवन की ज्वलंत यादें अनुभव कीं। पीटरसन ने कहा कि उन्होंने उस घर का आंतरिक भाग स्पष्ट रूप से देखा जिसमें वह रहते थे।

पीटरसन को एहसास हुआ कि वह वही आदमी था जिसके पास घर था और वह उन भावनाओं का अनुभव करने लगा जो वह आदमी महसूस कर रहा था।
उन्होंने खुद को एक लंबा लाल ब्रोकेड गाउन पहने हुए देखा, जिसके बारे में उन्हें बाद में पता चला कि यह वेनिस के सीनेटर की आधिकारिक पोशाक थी।

फिर पीटरसन ने इमारत की एक खिड़की से बाहर देखा और देखा कि वह एक छोटे से नहर के किनारे एक बड़े घर की दूसरी मंजिल पर था, जिसका आकार एक फ़नल जैसा था, जो एक बहुत बड़े जलसेतु, वेनिस के ग्रैंड कैनाल की ओर जाता था। इसके बाद पीटरसन हॉल से नीचे चले गए और एक खिड़की से बाहर देखा जिससे इमारत के पीछे का दृश्य दिखाई दे रहा था। उसने देखा कि एक दीवार उसके घर को एक छोटी सी सड़क से अलग कर रही थी जो एक सफेद मेहराबदार पुल की ओर जाती थी जो एक अन्य छोटी नहर को पार करती थी। पीटरसन ने नीचे से एक महिला को उससे बात करते हुए भी सुना। उसे एहसास हुआ कि वह इतालवी बोल रही थी, और वह उसे समझ सकता था, भले ही अपने वर्तमान जीवन में, पीटरसन इतालवी नहीं बोल सकता था।

यह अनुभव, जिसके बारे में पीटरसन ने कहा कि मैत्रेय ने मदद की, बनाया वह अपने जीवन भर के लगाव को समझते हैं

Machine Translated by Google



नाम है फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी. वेनिस में अपने पिछले जीवन का अनुभव करने के बाद, पीटरसन ने वेनिस की इमारतों पर किताबें खरीदीं, विशेष रूप से ग्रैंड कैनाल के तट पर स्थित इमारतों पर केंद्रित। काफी खोजबीन के बाद, पीटरसन को फ़नल के आकार की नहर के पास एक घर मिला, जो ग्रैंड कैनाल में खुलती थी, जिसके पीछे एक सफेद मेहराबदार पुल था। घर बिल्कुल वैसा ही था जैसा पीटरसन ने अपनी पिछली जिंदगी की यादों में देखा था।

पीटरसन सबसे अधिक प्रभावित हुए जब उन्हें पता चला कि यह घर वेनिस गणराज्य के राजनेता और नेता फ्रांसेस्को फॉस्करी द्वारा बनाया गया था, जो 1373-1457 के बीच रहते थे।

वेनिस की अपनी अगली यात्रा पर, वेन पीटरसन ने फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी की कब्र खोजने की कोशिश की। चूँकि फ़ॉस्करी एक डोगे था, इसलिए शहर-राज्य का प्रमुख, पीटरसन ने तर्क दिया कि फ़ॉस्करी को कैथेड्रल में दफनाया गया होगा जहाँ अन्य डॉग्स को दफनाया गया था।

हालाँकि, फ़ॉस्करी की कब्र वहाँ नहीं थी।
फिर, जब वह वेनिस की सड़कों पर चल रहे थे, पीटरसन को एक छोटे से मंदिर में प्रवेश करने का अंतर्ज्ञान हुआ। वह एक चर्च के सामने, वेदी की ओर बढ़ा, जो चर्च के मुख्य हॉल से अलग थी। वहां नो एंट्री का साइन लगा हुआ है. फिर भी, पीटरसन के मन ने उसे उस रेखा को पार करने के लिए प्रेरित किया। वहाँ, वेदी के पीछे, पीटरसन को डोगे फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी की कब्र मिली!

## पुनर्जन्म का मामला

### लुईस वेंडरबिल्ट/वेन पीटरसन

वेन पीटरसन भी पिछले जीवन की यादों का अनुभव करते हैं जहां वह लुईस वेंडरबिल्ट हैं, जो अमेरिका के वेंडरबिल्ट कुलीन राजवंश के सदस्य फ्रेडरिक वेंडरबिल्ट की पत्नी हैं।

फ़ॉस्करी के जीवनकाल की उनकी बचपन की यादों के विपरीत, वेंडरबिल्ट के जीवन की ये यादें अधिक प्रत्यक्ष और दृश्य हैं। के जाने
इस घटना के बारे में पीटरसन का विवरण देखें।

Machine Translated by Google



एक बच्चे के रूप में मेरी सबसे पुरानी स्मृति उस समय के विस्तृत चित्रण की है जब महिलाएं लंबी, खिली हुई पोशाकें पहनती थीं और लोग अभी भी घोड़े से खींची जाने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल करते थे। मुझे विशेष रूप से एक बड़ा बलुआ पत्थर का घर, फ्रेड नाम का एक आदमी, एक साथ आने वाले दोस्त, ऊंची छत और सफेद पत्थर के फर्श वाला एक बड़ा स्वागत कक्ष याद है।

इन सब में से जो बात मुझे सबसे ज्यादा याद है वह एक महिला है जो इन सभी गतिविधियों के केंद्र में है।

यह रहस्यमय महिला कई दृश्यों का केंद्र थी जो मेरे शुरुआती वर्षों के दौरान दोहराई जाती रहीं और आज भी जारी हैं। मुझे अक्सर आश्चर्य होता था कि ये लोग कौन थे और वे मुझे इतने वास्तविक क्यों लगते थे।

एक छोटे बच्चे के रूप में मुझे लगा कि ये लोग मेरे वर्तमान जीवन का हिस्सा थे। किसी तरह वे कभी हमारे घर नहीं आये। मुझे वास्तव में लगता है कि एक दिन वे आएंगे और मुझे याद करेंगे और मैं बहुत खुश होऊंगा। मैं मान रहा हूं कि जब मैं बच्चा था, तो मैं अपने माता-पिता के साथ इन लोगों से मिला होगा और अब उन अधिकांश अंतरंग अनुभवों को भूल गया हूं। एक बच्चे के रूप में यह एकमात्र तरीका था जिससे मैं अपने सपनों में आए लोगों को स्पष्ट रूप से समझा सकता था। हालाँकि, ये लोग इस जीवन में कभी प्रकट नहीं हुए और मैं अभी भी अपने मन में उनके प्रकट होने की व्याख्या नहीं कर सकता। मुझे अपने शुरुआती प्री-स्कूल जीवन में पुनर्जन्म के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

पीटरसन को लगता है कि ये यादें अजीब हैं क्योंकि
1940 के दशक के बाद से, उनकी कल्पना को जगाने के लिए न तो टेलीविजन और न ही फिल्म थी। उन्होंने प्रतिबिंबित किया कि मध्य विस्कॉन्सिन के एक छोटे से शहर में उनके वास्तविक जीवन में उनके द्वारा देखी गई छवियों से कोई लेना-देना नहीं था। विस्कॉन्सिन में कपड़े, घर और सामाजिक शिष्टाचार उनकी स्मृति में उनके अनुभव से बहुत अलग थे। लेकिन फ्रेड नाम का एक आदमी, लहरदार पोशाक में एक महिला जो रथों और एक बड़े पत्थर के घर में यात्रा करती है

Machine Translated by Google



रेत, छोटे वेन को सब कुछ बहुत वास्तविक लगा। उलझन में, वेन अपनी माँ से इन लोगों और उस घर के बारे में पूछता है जो उसे याद है। उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें बचपन में ऐसी जगह ले जाया गया था। उत्तर हमेशा नहीं है. हालाँकि वह यह समझाने में असमर्थ है कि उसकी यादें कहाँ से आती हैं, फिर भी वे सांत्वना का स्रोत बनी हुई हैं, और वह फ्रेड नाम के किसी व्यक्ति के प्रति उदासीन भावना रखता है।

एक युवा वयस्क के रूप में, जैसा कि ऊपर वर्णित है, वेन पीटरसन पीस कॉर्प्स में शामिल हो गए और उन्हें ब्राज़ील को सौंपा गया। रियो डी जनेरियो के लिए उड़ान न्यूयॉर्क शहर से होकर जाती है।

चूँकि वेन पहले कभी किसी बड़े शहर में नहीं गया था, इसलिए उसने बिग एप्पल शहर को देखने के लिए न्यूयॉर्क में कुछ दिनों के लिए रुकने की व्यवस्था की। न्यूयॉर्क शहर में अपने दूसरे दिन, दोपहर में, वेन फिफ्थ एवेन्यू से नीचे चला गया। वह खचाखच भीड़ से मंत्रमुग्ध हो गया। आइए वेन को कहानी बताने के लिए आमंत्रित करें, जब वह फिफ्थ एवेन्यू के किनारे पर खड़ा था।

अचानक टोपी और सफेद दस्ताने पहने एक महिला सामने आई
सड़क मेरी ओर हाथ हिला रही थी और चिल्ला रही थी, "लुईस, लुईस, यहाँ आओ, यह मैं हूँ!"

वह लुईस चिल्लाता रहा और मैं स्तब्ध रह गया। मुझे तुरंत विश्वास हो गया कि वह मुझे बुला रहा है। किसी कारण से, मुझे अचानक विश्वास हो गया कि मैं लुईस हूं।

मेरा सारा ध्यान उस अपरिचित महिला पर केंद्रित था
भीड़ के बीच से मेरी ओर बढ़ रहा है. मेरे मन में, मैं कोई और थी, लुईस नाम की कोई। मुझे लगा कि जो लड़की मेरी ओर बढ़ रही है वह मेरी पुरानी दोस्त है, लेकिन मैं उसका चेहरा नहीं पहचान पाया।

फिर भी, मेरे मन में इतनी राहत की अनुभूति थी कि आखिरकार किसी ने मेरी असली पहचान कर ली है। विस्कॉन्सिन का कोई युवक नहीं, बल्कि लुईस नाम की एक महिला है। यह ऐसा है जैसे मैं भूलने की बीमारी का शिकार हूं और अचानक कोई मुझे वास्तविकता में झकझोर देता है।

दुर्भाग्य से, गहरी खुशी का वह क्षण बीत गया जब टोपी और दस्ताने पहने एक महिला मेरे पास से गुजरी और मेरे ठीक पीछे खड़ी एक बूढ़ी महिला के गले में अपना हाथ रख दिया।

Machine Translated by Google



तुरंत, मेरा दिमाग हिल गया और मैं न तो हिल सकता था और न ही सोच सकता था। मैं अभी भी लुईस के रूप में उस पल को जी रहा हूं और मैं इन दो लड़कियों को देख रहा हूं और सोच रहा हूं, बेवकूफ, तुम लोग मुझे क्यों नहीं पहचानते? मैंने सोचा, मैं असली लुईस हूं।

मुझे नहीं पता कि मैं कितनी देर तक खड़ा रहा और इन दोनों महिलाओं को उनके पुनर्मिलन का आनंद लेते हुए देखता रहा, लेकिन अंततः मेरी इंद्रियाँ लौट आईं और मुझे अपने कार्यों और विचारों पर सवाल उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।
शर्मिंदा और भ्रमित होकर, मैं अपने होटल के कमरे में लौट आया।

होटल में मैं बिस्तर पर लेटा रहा और कुछ घंटों तक क्या सोचता रहा
अभी हुआ था. क्यों, मैं सोचता रहा, मैंने क्यों सोचा कि मैं लुईस था? मुझे यह इतना वास्तविक और इतना महत्वपूर्ण क्यों लगा कि मैं लुईस थी? मैंने न्यूयॉर्क में अपने प्रवास के दौरान इस अजीब अनुभव पर विचार किया, लेकिन वर्षों बाद तक इसका उत्तर नहीं मिला... फिर भी, मैं संतुष्ट था कि सदी के अंत में पिछले जन्म में मैं लुईस थी और फ्रेड मेरे पति थे। .

मैं लुईस और फ्रेड के बारे में जो कुछ जानता हूं वह न केवल पिछले जीवन की झलक है, बल्कि मैं लुईस से निकलने वाली भावनाओं को भी महसूस कर सकता हूं। मैं सहज रूप से जानता था कि वह अक्सर सामाजिक कार्यक्रमों में फ्रेडरिक से निराश रहता था। लुईस घर के बड़े रिसेप्शन हॉल में होंगे और मेहमानों का स्वागत करेंगे। उसने कुछ ऐसे कपड़े पहने हुए थे जो मुझे विस्तार से याद हैं। मैं फ्रेड को हमेशा सफेद टाई और टेलकोट में देखता हूँ। वह उस पोशाक में पूरी तरह से सहज दिखती है, लेकिन जब भी संभव हो वह सीधे एक छोटे कार्यालय/लाइब्रेरी में भाग जाएगी। मुझे अभी भी वह पुस्तकालय का दरवाज़ा स्पष्ट रूप से याद है, वह अंदर से शांत था, और फ्रेड एक ऊँचे-ऊँचे सोफे के पीछे बैठा होता था जो उसे पिछले दरवाज़े से गुजरने वाले किसी भी व्यक्ति की नज़रों से छुपाता था... समय के साथ, लुईस मेकअप करते-करते थक गया मेहमानों के वहाँ न आने का बहाना। फ्रेड.

अपने पिछले जीवन की यादों में, जब वह एक छोटा लड़का था, वेन पीटरसन को अभी भी नहीं पता कि फ्रेड और लुईस वास्तव में कौन हैं। दशक

Machine Translated by Google



फिर, 1990 के दशक में, एक सुराग तब मिला जब पीटरसन न्यूयॉर्क शहर में एक उच्च पदस्थ मित्र से मिलने जा रहे थे, उसका नाम मैरी था। उसका दोस्त वेन को आयरलैंड के दक्षिणी तट पर स्थित अपने आयरिश घर में छुट्टियों पर अपने साथ आने के लिए मजबूर करता है। मैरी ने कहा कि वे अच्छा समय बिताएंगे और कहा कि उनकी सबसे अच्छी दोस्त ग्लोरिया भी उनके साथ शामिल होगी।

वेन ने पूछा, "ग्लोरिया कौन है?" मैरी ने उत्तर दिया, "वह मेरी मित्र ग्लोरिया वेंडरबिल्ट है।" ग्लोरिया वेंडरबिल्ट के संबंध में बयान पर पीटरसन की प्रतिक्रिया यहां दी गई है।

तुरंत मेरी इंद्रियाँ एक बार फिर से स्तब्ध हो गईं जैसे कि यह वर्षों पहले न्यूयॉर्क शहर में हुआ हो जब बूढ़ी औरत ने लुईस का नाम चिल्लाया था। किसी अन्य व्यक्ति या पहचान ने मेरी चेतना पर कब्ज़ा कर लिया और मैंने कहा, “यह बहुत अच्छा है! ग्लोरिया और मैं अपने रिश्तेदारों के बारे में बात कर सकते हैं और गपशप कर सकते हैं।"

मेरी मित्र मैरी की ओर से एक क्षण का मौन था और मुझे एहसास होना शुरू हुआ कि मैंने अभी क्या कहा था। मैरी ने पूछा कि सामान्य रिश्तेदारों से मेरा क्या मतलब है, और मैंने घबराते हुए हकलाते हुए कुछ कहा क्योंकि मैंने अपने हास्यास्पद बयान के लिए एक अच्छा कारण सोचने की कोशिश की। आख़िरकार मैंने समझाया कि मुझे लगा कि ग्लोरिया का एक दिलचस्प पारिवारिक वृक्ष है। बातचीत को सफलतापूर्वक समाप्त करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि एक पल के लिए ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी दूसरे जीवन में चला गया हूँ।

अनुभव इतना गहन था कि मुझे सच में विश्वास हो गया कि मैं ग्लोरिया वेंडरबिल्ट की बहन हूं और हम वास्तव में परिवार के सदस्यों के बारे में बात कर सकते हैं।
मुझे फिर आश्चर्य हुआ कि मैंने इतनी मूर्खतापूर्ण बात इतने विश्वास से क्यों कही?

मैरी के साथ मेरी बातचीत के बाद के दिनों में, मैंने ऐसा करना शुरू कर दिया
आश्चर्य है कि क्या फ्रेडरिक और लुईस वेंडरबिल्ट कभी अस्तित्व में थे। नहीं, मैंने तर्क दिया, जांच की जहमत उठाने के लिए संभावनाएं बहुत कम थीं।
हालाँकि, कुछ सप्ताह बाद जब मैं अपनी पसंदीदा किताबों की दुकान में घूम रहा था, मेरा ध्यान 1800 और 1900 के दशक की शुरुआत में अमीर परिवारों के बारे में एक किताब पर गया। मैं उस पुस्तक के कारण ही जानता था कि वह पुस्तक अस्तित्व में है

Machine Translated by Google



निचली शेल्फ पर और शेल्फ से लगभग 4-5 इंच बाहर निकला हुआ।

भले ही मैंने किताब को साफ-सुथरा रखने के लिए उसे कई बार अपने पैरों से धकेला, लेकिन जब तक मैंने उसे उठाया और कवर नहीं पढ़ा, वह कई बार बाहर निकलती रही। मैं अपने हाथों से यह जांचने के लिए घुटनों के बल बैठ गया कि शेल्फ पर ऐसा क्या था जो किताब को लाइन से बाहर निकलने के लिए मजबूर कर रहा था। स्वाभाविक रूप से, किताब के पीछे की खाली जगह के अलावा वहां कुछ भी नहीं था।

उत्सुकतावश, मैंने किताब की कीमत की झलक देखी और तुरंत उसे वापस शेल्फ पर रखना चाहा। लेकिन किसी तरह, मैं किताब को जाने नहीं दे सका, भले ही मेरा मन इसे वापस शेल्फ पर रखना चाहता था।

पुस्तक के लिए भुगतान करने के बाद भी मैं अपने आप को उस पुस्तक को खरीदने से नहीं रोक पाने से नाराज था जो मैं नहीं चाहता था।
मैं किताब घर ले गया और यह सोचकर अपनी किताबों की शेल्फ पर रख दिया कि यह एक ऐसी किताब है जिसे मैं शायद कभी नहीं पढ़ूंगा, इसलिए यह पूरी तरह से पैसे की बर्बादी थी।

हालाँकि, देर रात मुझे एक सपना आया कि मुझे यह नया पढ़ना है
किताब। इन्हीं विचारों के निरंतर व्याकुलता के कारण मुझे नींद नहीं आ रही थी, मैं नीचे गया और किताब खोली। पहले तो किसी चीज़ ने मेरा ध्यान आकर्षित नहीं किया, लेकिन जल्द ही मैंने एक पृष्ठ खोला जिसने मुझे सचमुच आश्चर्यचकित कर दिया। उस कमरे की एक रंगीन तस्वीर थी जिसकी मैं बचपन में हमेशा कल्पना करता था।

विशिष्ट छत, चिमनी, सफेद संगमरमर का फर्श और सोफे बिल्कुल एक जैसे हैं और मुझे स्पष्ट रूप से याद है। वहाँ सब कुछ ऐसा था मानो कल ही मैं कमरे से बाहर निकला हूँ।

अगला पृष्ठ और भी अधिक खुलासा करने वाला है। फिर, रंगीन तस्वीरों में, एक कार्यालय/पुस्तकालय है जिसे मैं अच्छी तरह से जानता हूं। हल्के हरे रंग का सोफ़ा जहाँ फ्रेड सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान छिपता था और दो खूबसूरत मेज़ें जो फ्रेड और उसकी पत्नी की व्यवस्था का हिस्सा थीं। आश्चर्य में डूबकर, मैंने इस दृश्य के प्रति अपने अजीब लगाव के बारे में सोचा और इस असाधारण अनुभव से मैं क्या सीख सकता हूँ।

मैंने तस्वीरों के साथ आये लेख को पढ़ना शुरू किया।
उनका कहना है कि यह घर 1800 के अंत में न्यूयॉर्क के हाइड-पार्क में फ्रेडरिक वेंडरबिल्ट द्वारा बनाया गया था। मैंने सोचा, क्या यह एक अजीब संयोग नहीं होगा, अगर इस फ्रेड वेंडरबिल्ट की लुईस नाम की पत्नी होती?

जैसे-जैसे मैंने पेज पढ़ना जारी रखा, मैं बहुत प्रभावित हो गया

Machine Translated by Google



पढ़ें कि फ्रेडरिक का विवाह लुईस एच. एंथोनी से हुआ था।
उसके बाद के पन्ने खुलते गए, खासकर जब मैंने उसके बाद आने वाली रंगीन तस्वीरों को देखा... वे तस्वीरें जिन्होंने उन कमरों को फिर से जीवंत कर दिया, जिन्हें मैंने बचपन की यादों में कैद किया था। मुझे एहसास हुआ कि मैंने एक किताब खोली है जिसमें पिछले जीवन के सभी रहस्य उजागर हुए हैं।

पीटरसन ने आगे पढ़ा कि जबकि हाइड-पार्क में उनका घर उनका पसंदीदा था, उनका मुख्य घर फिफ्थ एवेन्यू, न्यूयॉर्क में था। तथ्य यह है कि लुईस वेंडरबिल्ट एक बार फिफ्थ एवेन्यू पर रहते थे, फिफ्थ एवेन्यू पर युवा वेन के अनुभव को उजागर करते हैं, जब सफेद दस्ताने में एक बूढ़ी महिला "लुईस" कहती है और वेन को लुईस के रूप में अपने पिछले अवतार में वापस ले जाया जाता है।

"लुईस" नाम ने न केवल उनके पिछले जीवन की याद दिला दी, बल्कि वेन को बाद में पता चला कि घटना के दौरान, वह वास्तव में फ्रेड और लुईस वेंडरबिल्ट के न्यूयॉर्क शहर के गृह स्थान, फिफ्थ एवेन्यू के ठीक सामने खड़े थे। वह घटना जिसमें भौगोलिक लेआउट पिछले अनुभव को ट्रिगर करता है, जॉन बी. गॉर्डन/जेफ़ कीन के मामले में भी प्रदर्शित किया गया है।

पीटरसन को यह भी पता चला कि लुईस और फ्रेडरिक बहुत अच्छे थे
तत्वमीमांसा में रुचि, जैसा कि आज के जीवन में पीटरसन की थी।
लुईस 18वीं सदी के फ्रांस की महान मालकिनों, विशेषकर मैरी एंटोनेट की भी बहुत बड़ी प्रशंसक थीं। लुईस वेंडरबिल्ट ने अपने शयनकक्ष को फ्रांसीसी शैली के फर्नीचर से भी भर दिया। पीटरसन को यह भी पता चला कि फ्रेडरिक ने, लुईस के समर्थन से, वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए धन का उपयोग किया था, और येल और कोलंबिया को भी बड़ी रकम दान की गई थी। लुईस की मृत्यु 1926 में पेरिस में हुई, जो उनके पसंदीदा शहरों में से एक था। फ्रेडरिक ने अपना बाकी जीवन ज्यादातर भीड़ से दूर एक जगह पर बिताया, 1938 में उनकी मृत्यु हो गई। फ्रेडरिक की बात करें तो पता चलता है कि आज की जिंदगी में उनकी भी पहचान हो गई है। फ्रेड एक ऐसा मित्र निकला जिसे वेन पीटरसन वर्षों से जानते थे, जिनकी रुचियाँ समान थीं

Machine Translated by Google



तत्वमीमांसा में वेन और मैत्रेय के साथ। हालाँकि वेन इस व्यक्ति को कुछ समय से जानता था, लेकिन फ्रेडरिक के रूप में उसकी पहचान की पुष्टि 2004 तक नहीं की गई थी। उस समय, फ्रेडरिक और लुईस वेंडरबिल्ट मृत्यु से अलग होने के 78 साल बाद जानबूझकर फिर से मिल गए थे।

पुनर्जन्म का मामला

क्लाउड लेडौक्स/वेन पीटरसन

लुईस वेंडरबिल्ट की मैरी एंटोनेट और फ्रांसीसी फर्नीचर में रुचि होने का एक कारण है, क्योंकि वेन पीटरसन का भी उस युग में एक पिछला जीवन था। यह पुनर्जन्म का मामला अनोखा है, क्योंकि इसे दो आध्यात्मिक प्राणियों, अहतुन रे और मैत्रेय के संयुक्त प्रयासों से हल किया गया है। चूँकि वेन इतना अच्छा दोस्त बन गया था, मैंने मान लिया कि मैं उसे पिछले जन्म में पहचानता था। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने पूछा कि क्या वेन कभी अमेरिकी क्रांति के दौरान अवतरित हुए थे। अहतुन रे, जिस मार्गदर्शक भावना के साथ मैंने केविन रायर्सन के माध्यम से काम किया है, उसने पिछले अवतारों को सटीक रूप से पहचानने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने मुझे बताया कि वेन वास्तव में उस समय अवतरित हुए थे, लेकिन वह फ्रांस में थे और फ्रेंच पैलेस से जुड़े हुए थे। पूछताछ करने पर अहतुन रे ने बताया कि उस जीवन में वेन का नाम "लेडौक्स" था।

उस जानकारी के साथ, मैंने इस लेडौक्स को ऐतिहासिक रूप से खोजने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने यह जानकारी वेन को दे दी और इस मामले को पीछे छोड़ दिया। सौभाग्य से, आध्यात्मिक जानवर मैत्रेय हमारी सहायता के लिए आए, उन्होंने पीटरसन को टेलीपैथी का संकेत दिया। मज़ेदार बात यह है कि वेन को अक्सर ये टेलीपैथिक संदेश तब मिलते हैं जब वह सुबह शेविंग कर रहा होता है। एक सामान्य दिन, जब वेन अपने साइडबर्न को संवार रहा था, उसे एक टेलीपैथिक संदेश मिला, "यदि आप लेडौक्स को ढूंढना चाहते हैं, तो इस पत्रिका में देखें।" उसके दिमाग में वेन ने स्पष्ट रूप से आर्किटेक्चरल डाइजेस्ट के एक विशेष अंक की कवर छवि देखी, जो मात्रा और संख्या से परिपूर्ण थी।

Machine Translated by Google



वेन ने इस अंक का आदेश दिया और जब उन्हें यह प्राप्त हुआ तो उन्होंने इसे शुरू से अंत तक पढ़ा लेकिन लेडौक्स के बारे में कुछ भी नहीं मिला। समय बीतता गया, और फिर से शेविंग करते समय, वेन को एक और टेलीपैथिक संदेश मिला, "यदि आप लेडौक्स को ढूंढना चाहते हैं, तो इस अध्याय को देखें।" फिर वेन ने अपनी आर्किटेक्चरल डाइजेस्ट पत्रिका में एक विशेष लेख देखा, जो केवल कुछ पेज लंबा था। वेन ने लेख को कई बार पढ़ा और दोबारा पढ़ा, लेकिन लेडौक्स नहीं। जब उसने एक दोस्त को लेडौक्स को न ढूंढ पाने की निराशा के बारे में बताया, तो उसके सबसे अच्छे दोस्त ने जवाब दिया, "शायद आपको करीब से देखने की ज़रूरत है। मैंने एक बार तुम्हें एक आवर्धक लेंस दिया था, तुम उसका उपयोग क्यों नहीं करते?"

वेन को शुरू में लगा कि यह एक बेवकूफी भरा विचार है, लेकिन उन्होंने अपने सबसे अच्छे दोस्त की सलाह का भी पालन किया। उन्होंने एक आदमी की तस्वीर पर ध्यान केंद्रित किया, जो लेख का विषय था, जो एक बुकशेल्फ़ के सामने बैठा था।

जब उसने आवर्धक कांच के नीचे फोटो में शेल्फ पर किताबों के शीर्षकों को देखा तो उसे कितना आश्चर्य हुआ, उसने स्पष्ट रूप से एक काली किताब देखी जिस पर सोने से लिखा हुआ था जिसका नाम क्लाउड लेडौक्स था। इसके बाद वेन ने इंटरनेट पर जाकर देखा कि यह किताब उपलब्ध है और उन्होंने इसे ऑर्डर कर दिया। जब उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया, तो उन्हें पता चला कि वह पूरी तरह से कलाकार और वास्तुकार, क्लाउड निकोलस लेडौक्स से जुड़े हुए थे, कि उनकी कला और वास्तुकला उन चित्रों के अनुरूप थी जो वेन ने वर्षों में बनाए थे। वास्तुकला को चित्रित करने की उनकी प्रतिभा लेडौक्स के जीवनकाल से ही चली आ रही है, हालांकि वेनिस के जिन परिदृश्यों को चित्रित करने के लिए उन्होंने चुना था, वे फ्रांसेस्को फॉस्करी के रूप में उनके अवतार से आए थे।

वेन ने यह भी देखा कि उसने कुछ चीज़ों पर फिर से काम किया है
लेडौक्स के जीवनकाल के समकालीन डिजाइन।
उदाहरण के लिए, लेडौक्स को फ्रांस के राजा ने एक गाँव का डिज़ाइन तैयार करने का काम दिया था। लेडौक्स ने एक एकीकृत समाज बनाया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि सुंदरता इसके सभी निवासियों के लिए पर्यावरण का हिस्सा होनी चाहिए, न केवल अभिजात वर्ग के लिए बल्कि आम लोगों के लिए भी। वेन को याद आया कि बचपन में उन्होंने भी वही यूटोपियन गांव बनाया था

Machine Translated by Google



उसके पिछवाड़े में कीचड़. इसके अलावा, लेडौक्स के जीवनकाल का अध्ययन करने से कुछ साल पहले वेन ने अपने गैराज की दीवार पर एक पेंटिंग भी बनाई थी, जो लेडौक्स के काम की प्रतिकृति है। इस भित्तिचित्र में, वेन दृश्य के लिए एक फ्रेम के रूप में एक दरवाजे के मेहराब का उपयोग करके एक परिदृश्य को चित्रित करता है। मेहराब के नीचे एक घुमावदार नीलगिरी का पेड़ है और दूर से लोगों की इमारतें देखी जा सकती हैं। लेडौक्स ने 200 साल पहले एक पुल के मेहराब को एक सुंदर फ्रेम के रूप में उपयोग करते हुए यही डिज़ाइन बनाया था। मेहराब के नीचे, दूर तक एक शहर की इमारतें दिखाई दे रही थीं और उसके सामने एक घुमावदार पेड़, जाहिरा तौर पर यूकेलिप्टस, था।

इस उदाहरण के अलावा, पुनर्जन्म के मामले में
गौगुइन और पिकासो, हम एक नाटकीय उदाहरण देखेंगे कि कैसे कलात्मक विकास को अनजाने में एक अवतार से दूसरे अवतार में पुन: इंजीनियर किया जा सकता है।

## साईं बाबा

मैं साईं बाबा के साथ वेन पीटरसन के रिश्ते के बारे में दो दिलचस्प कहानियों के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा, जिन्हें कुछ लोग एक आध्यात्मिक अवतार मानते हैं जो भारत में अवतरित हुए थे। वेन का पहला अनुभव 1970 के दशक का है, जब वेन पहली बार बेंजामिन क्रेम से मिलने गए, जो पास के एक कार्यक्रम में भाषण दे रहे थे। वेन उस समय आध्यात्मिक मामलों में नए थे और जब बेंजामिन क्रेम ने कहा कि वह साईं बाबा से ऊर्जा निकाल देंगे, तो वेन को लगा कि यह एक हास्यास्पद बयान है और उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। वेन सभागार की पिछली पंक्ति में बैठे थे और किसी कारण से, क्रेम ने वेन पर अपनी नजरें जमाईं और अपनी हथेली उठाकर वेन की ओर इशारा किया।

वेन को तब गर्मी की तीव्र और अचानक अनुभूति महसूस हुई, और वह और उसकी कुर्सी पाँच फीट पीछे धकेल दिए गए। ऊर्जा बहुत तेज़ थी और वेन को मिचली महसूस होने लगी थी। उन्होंने अंदर ही अंदर संदेश दिया, "साईं बाबा, यदि यह आपके बारे में सच है, तो कृपया रुकें।" शैली

Machine Translated by Google



तब ऊर्जा रुक जाती है। वेन स्तब्ध होकर सभागार से बाहर चला गया और शौचालय की ओर भागा, क्योंकि मतली इतनी तीव्र हो गई थी कि उसने उल्टी कर दी। प्रस्तुति के बाद, वेन की मैत्रेय, साईं बाबा और आध्यात्मिक मामलों में पूरी रुचि हो गई।

हालाँकि वेन साईं बाबा से कभी नहीं मिले, लेकिन ऐसा लगता था
उनके बीच किसी प्रकार का संबंध. यहां अमेरिकी अभिनेत्री जूडिथ लाइट की कहानी है, जिन्होंने वेन की किताब पढ़ी और प्रशंसक बन गईं। कथा कुछ इस प्रकार है। पीटरसन का एक दोस्त था जो 1990 के दशक में भारत में साईं बाबा से मिलने उनके आश्रम गया था।

उनका यह मित्र साईं बाबा का अनुयायी नहीं था, बल्कि अन्य अनुयायियों के साथ था। आश्चर्य की बात यह है कि जब साईं बाबा का ध्यान इस गैर-अनुयायी की ओर गया, तो उन्हें गहरा आध्यात्मिक अनुभव हुआ और उन्होंने अप्रत्याशित रूप से 6 महीने के लिए आश्रम में रहने का फैसला किया। जब वह संयुक्त राज्य अमेरिका लौटी, तो इस महिला ने पीटरसन को साईं बाबा की एक तस्वीर दी, जिस पर साईं बाबा ने आशीर्वाद दिया और इसे एक महान उपहार माना।

पीटरसन ने इस तस्वीर को करीब दस साल तक अपने पास रखा।

जब पीटरसन 2003 में थैंक्सगिविंग अवकाश के दौरान जूडिथ लाइट से मिलने गए, तो पीटरसन को एक टेलीपैथिक संदेश मिला कि उन्हें साईं बाबा की यह तस्वीर मिस लाइट को देनी होगी।

जब उसने इसे जूडिथ को दिया तो उसने कहा, "यह तुम्हारे लिए बहुत कीमती है, वेन, क्या तुम वाकई इसे मुझे देना चाहते हो?" पीटरसन ने कहा, "मेरा मतलब यही था।" जूडिथ लाइट ने तब उत्तर दिया, "शायद साईं बाबा दयालु होंगे और एक और तस्वीर भेजेंगे।" पीटरसन ने 21 नवंबर 2003 को मिस लाइट को फोटो दी।

जनवरी 2004 में, जूडिथ लाइट को साईं बाबा की तस्वीर देने के लगभग दो महीने बाद,
पीटरसन को अप्रत्याशित रूप से भारत में साईं बाबा के आश्रम से एक पत्र मिला। इस पत्र में पीछे एक नोट के साथ साईं बाबा की तस्वीर है। नोट पर 21 नवंबर 2003 की तारीख लिखी हुई थी, उसी दिन वेन पीटरसन ने जूडिथ लाइट को साईं बाबा की तस्वीर दी थी। नई तस्वीर के पीछे शिलालेख है: "आत्मा का रहस्य रूप के माध्यम से देखना है।"

पीटरसन को भेजी गई साईं बाबा की तस्वीर में एक तस्वीर भी है

Machine Translated by Google



साईं बाबा के कंधे पर एक तोता, जो साईं बाबा के चेहरे को आंशिक रूप से ढक रहा है।
आश्चर्यजनक रूप से, साईं बाबा की आँखें और भौहें तोते के शरीर से दिखाई दे रही थीं। साईं बाबा की यह तस्वीर वेन को उसी दिन कैसे भेजी गई, जिस दिन उन्होंने जूडिथ लाइट को भी ऐसी ही तस्वीर दी थी, जिस दिन जूडिथ ने सुझाव दिया था कि शायद साईं बाबा दयालु होंगे और वेन को एक और भेज देंगे, यह एक रहस्य बना हुआ है।

दिलचस्प बात यह है कि 4 जुलाई 1968 को छुट्टी के दिन साईं बाबा ने एक घोषणा पत्र दिया था, जिसमें उन्होंने इस बार अवतार लेने का उद्देश्य बताया था। मुझे आशा है कि इस पुस्तक में प्रस्तुत पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य उन संदेशों को ठोस वास्तविकता बनाने में मदद करेंगे जो साईं बाबा ने उस दिन व्यक्त किये थे। 4 जुलाई, 1968 को साईं बाबा ने खुलासा किया:

मैं आपके हृदय में प्रेम का दीपक जलाने आया हूं, इसे दिन-ब-दिन अधिक से अधिक चमक के साथ चमकते देखने के लिए आया हूं। मैं किसी धर्म विशेष के नाम पर नहीं आया हूं.

मैं किसी संप्रदाय या पंथ या संप्रदाय के प्रचार मिशन पर नहीं आया हूं, न ही मैं किसी सिद्धांत के लिए अनुयायियों को इकट्ठा करने आया हूं। मेरी गोद में या किसी और की गोद में जागीरदार शिष्यों को आकर्षित करने की कोई योजना नहीं है। मैं तुम्हें यह एक विश्वास, यह आध्यात्मिक सिद्धांत, यह प्रेम का मार्ग, यह प्रेम का कर्तव्य, यह प्रेम का कर्तव्य बताने आया हूं।

पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के माध्यम से हम समझ सकते हैं
कि हम सभी आध्यात्मिक प्राणी हैं जो स्वयं को विकसित करने और अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से इस पृथ्वी पर हैं। आइए हम बिना किसी झगड़े या विभाजन के विभिन्न मिशनों और लक्ष्यों को पूरा करें, इसके बजाय, जैसा कि साईं बाबा ने कहा, "प्रेम के मार्ग" पर चलें।

Machine Translated by Google

वेन पीटरसन का योगदान

विवरण ©मिशेल गेरबर/कॉर्बिस

## डोगे फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी अमेरिकी राजनयिक वेन पीटरसन

Machine Translated by Google

वेन पीटरसन का योगदान

वेन पीटरसन लुईस वेंडरबिल्ट वेन पीटरसन

Machine Translated by Google



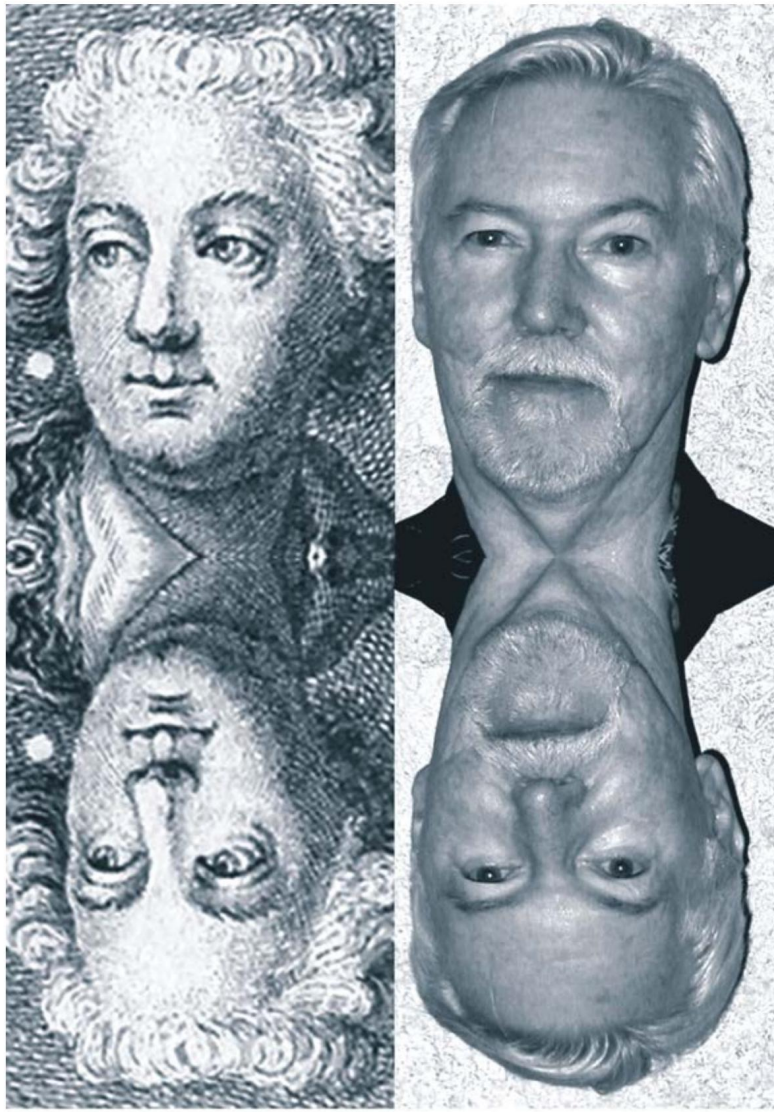

वेन पीटरसन का योगदान

क्लाउड लेडौक्स

वेन पीटरसन

Machine Translated by Google

# 8

## पॉल गाउगिन का पुनर्जन्म और पब्लो पिकासो

### पॉल गाउगिन के पुनर्जन्म के रूप में पीटर टेकैम्प

पीटर टेकैम्प की कहानी उनके बचपन के वर्षों में शुरू होती है, जब "गो-गॉन, गो-गॉन" शब्द उनके दिमाग में गूंजते रहते थे। पीटर को इन शब्दों को कलाकार पॉल गाउगिन से जोड़ने में कई दशक लग गए, और उसे यह स्वीकार करने में भी कई दशक लग गए कि वह गाउगिन का पुनर्जन्म था। चेहरे के भाव और व्यक्तित्व लक्षण भी सुसंगत हैं।

वास्तव में आश्चर्यजनक बात यह है कि रेखाचित्रों के विश्लेषण से पता चलता है कि पीटर ने अनजाने में गौगुइन के कलात्मक विकास पर फिर से काम किया था, भले ही वह कम उम्र में था।

इससे पता चलता है कि हम वास्तव में अपनी क्षमताओं को पिछली उपलब्धियों से ऊपर विकसित कर रहे हैं। जैसे-जैसे वह एक कलाकार के रूप में परिपक्व होते गए, पीटर ने एक ऐसी शैली विकसित की जो अधिक यथार्थवादी और कभी-कभी अतियथार्थवादी बन गई। जब 2005 में पीटर ने गौगुइन से प्रेरित चित्रों की एक श्रृंखला बनाने का निर्णय लिया; हम पाते हैं कि इन दोनों कलाकारों का काम लगभग अप्रभेद्य है।

पॉल गाउगिन का जन्म 7 जून, 1848 को पेरिस में हुआ था। उनके पिता एक पत्रकार थे और उनकी माँ पेरू से थीं। 1849 में, गौगुइन के पिता की दक्षिण अमेरिका की समुद्री यात्रा के दौरान मृत्यु हो गई।

फ्रांस लौटने से पहले गौगुइन ने अपना बचपन पेरू में बिताया, जहां उन्होंने बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई की। उनकी माँ की मृत्यु 1867 में हो गई, जब पॉल 19 वर्ष के थे। एक युवा लड़के के रूप में, गौगुइन एक नाविक बन गए, फ्रांसीसी मर्चेंट मरीन के साथ दुनिया की यात्रा की, फिर फ्रांसीसी नौसेना में शामिल हो गए। 1872 में, 24 वर्ष की आयु में, गौगुइन ने व्यवसाय की दुनिया में प्रवेश किया

Machine Translated by Google



शेयर दलाल. इस अवधि के दौरान, गौगुइन ने अपने खाली समय में पेंटिंग करना शुरू किया। अपना पूरा जीवन पेंटिंग में समर्पित करने से पहले उन्होंने दस साल से अधिक समय तक व्यवसाय जारी रखा।

1873 में, 25 साल की उम्र में, पॉल ने मेटे गाड से शादी की और अंततः इस जोड़े के पांच बच्चे हुए। गौगुइन जल्द ही अन्य कलाकारों, पिकासो और सेज़ेन के दोस्त बन गए। 28 साल की उम्र में, गौगुइन की एक पेंटिंग को पेरिस की एक प्रतिष्ठित कला प्रदर्शनी, सैलून डी'ओटोम्ने में स्वीकार किया गया था। 1884 में, गौगुइन अपने परिवार को अपनी पत्नी के गृह देश कोपेनहेगन, डेनमार्क ले गए। एक साल बाद, 1885 में, 37 साल की उम्र में, गौगुइन अपनी पत्नी से अलग हो गए और पूर्णकालिक कलाकार बनने के लिए पेरिस लौट आए। फ़्रांस लौटने पर, उनकी पहली पेंटिंग सेंट शहर का दृश्य थी।

क्लाउड, पेरिस शहर के बाहर, जिसका शीर्षक है, "पेसेज़ ए सेंट क्लाउड", जिसे 1885 में चित्रित किया गया था।

1887 में, गौगुइन ने पनामा नहर परियोजना के लिए नहर खोदने वाले के रूप में कुछ समय के लिए काम किया और फिर मार्टीनिक द्वीप समूह चले गए।
फ़्रांस लौटने पर, गौगुइन की विंसेंट वान गॉग से दोस्ती हो गई, जिन्होंने फ्रांस के दक्षिण में एक जगह आर्ल्स में उनके साथ पेंटिंग की। वान गाग और गौगुइन एक ही घर में रहते थे। इसी स्थान पर 23 दिसंबर, 1888 को वान गॉग ने अपना कान काटा था, जिसे उन्होंने एक वेश्या को दे दिया था। वान गाग ने अपना कान क्यों काटा?

अंत में, कारण अज्ञात है, सिवाय इसके कि यह वान गाग की बिगड़ती मानसिक बीमारी को दर्शाता है। गौगुइन ने बताया कि कान की घटना से एक दिन पहले वान गाग ने उसे उस्तरा से धमकाया था। वान गॉग द्वारा अपना कान काटने के अगले दिन, गौगुइन ने आर्ल्स छोड़ दिया।

फरवरी से दिसंबर 1888 तक आर्ल्स में अपने प्रवास के दौरान, गौगुइन ने काली रूपरेखा के साथ सपाट, शुद्ध रंगों का उपयोग करके पेंटिंग की शैली विकसित की जिसके लिए वह प्रसिद्ध हैं।

हालाँकि कला जगत किसी दिन गौगुइन का सम्मान करेगा, लेकिन उस समय वह न तो प्रसिद्ध था और न ही गरीब। 1891 में, 43 वर्ष की आयु में, गौगुइन ने दक्षिण प्रशांत की अपनी यात्रा के वित्तपोषण के लिए अपनी लगभग 30 पेंटिंग बेचीं, जहाँ वे अंततः ताहिती में बस गए। गौगुइन पश्चिमी सभ्यता से तंग आ चुके थे और उन्होंने इस कदम के लिए एक रास्ता तलाशा

Machine Translated by Google



सरल जीवन. अगले दो वर्षों में, गौगुइन ने दक्षिण प्रशांत के मनोरम दृश्यों को कैद किया। यह ताहिती में था कि उनकी सबसे प्रसिद्ध रचनाएँ निर्मित हुईं।

हालाँकि, गौगुइन के पास ताहिती में पैसे ख़त्म हो गए और उसे ऐसा करना पड़ा 1893 में फ़्रांस लौट आए। गौगुइन 1895 में 47 साल की उम्र में ताहिती लौट आए और फिर कभी यूरोप नहीं लौटे। गौगुइन के आखिरी पांच साल निरंतर गरीबी और बिगड़ते स्वास्थ्य में बीते।

गौगुइन इतने उदास हो गए कि उन्होंने 1897 में आत्महत्या का प्रयास भी किया, जब वह 49 वर्ष के थे। गौगुइन एक आत्मघाती हमले में बच गया। 1901 में, विकलांग और ताहिती में फ्रांसीसी अधिकारियों के साथ मतभेद के कारण, गौगुइन मार्केसस द्वीप समूह में चले गए।

8 मई, 1903 को 55 वर्ष की आयु में गौगुइन की मृत्यु हो गई और उन्हें कलवारी कब्रिस्तान में दफनाया गया।

अपने बाद के वर्षों में, गौगुइन ने लिखा, "ज्यादातर लोगों के लिए, मैं करूँगा हमेशा एक रहस्य बना रहूं, मुझे एहसास है कि लोग मुझे कम से कम समझेंगे... चाहे कुछ भी हो, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं प्रथम श्रेणी की चीजें हासिल करूंगा। मैं इसे महसूस कर सकता हूं और हम देखेंगे।" गौगुइन की भविष्यवाणी सटीक निकली। 1906 में, उनकी मृत्यु के तीन साल बाद, उनके कार्यों को सैलून डी'ऑटोमने में प्रदर्शित किया गया, जहां उनकी प्रसिद्धि और लोकप्रियता शुरू हुई।

पीटर टेकैम्प का जन्म गौगुइन की मृत्यु के 47 साल बाद, 1950 में नीदरलैंड में हुआ था। पीटर के पिता कैथोलिक हैं, जबकि उनकी मां यहूदी हैं। जब पीटर 4 साल का था तब उसके माता-पिता को वैवाहिक समस्याएं हुईं और वे अलग हो गए।

पीटर को एक कैथोलिक अनाथालय में रखा गया, जहां वह एक वेदी लड़का बन गया और चर्च गाना बजानेवालों में गाया। 9 साल की उम्र में पीटर की मां ने दूसरी शादी कर ली और पीटर अपनी मां और सौतेले पिता के साथ रहने लगे।

जब वह 10 साल का था, तो उसके दिमाग में दो अक्षर बार-बार आते थे, "गो-गॉन, गो-गॉन।" छोटे पीटर को इन शब्दों में कोई मतलब नहीं था, लेकिन उसे यह पसंद आया। खेलते समय, पीटर एक चिल्लाहट के रूप में चिल्लाता था, "गो-गॉन, गो-गॉन"। लेकिन 15 साल की उम्र तक उसने पूछना शुरू नहीं किया कि "गो-गॉन" का क्या मतलब है। उन्होंने अपने स्कूल के शिक्षकों से पूछा, "गो-गॉन का क्या मतलब है?" उसके शिक्षकों ने सोचा कि वह

Machine Translated by Google



उन्होंने उनसे डच भाषा में एक शब्द पूछा और उन्हें बताया कि उन्हें समझ नहीं आया कि इस शब्द का मतलब क्या है।

शायद पीटर को वास्तव में अपने पिछले जन्म का नाम याद था, कि "गो-गॉन" "गौ-गिन" का ध्वन्यात्मक उच्चारण था। इस प्रकार का अनुस्मारक अमेरिकी राजनयिक वेन पीटरसन के मामले में भी होता है। याद आया कि बचपन में जब वेन अपने माता-पिता को बुलाते थे तो वे नाम लेकर जवाब नहीं देते थे।

हताशा में उन्होंने पूछा, "तो आप किस नाम से पुकारा जाना चाहते हैं?" वेन ने कहा, "मेरा नाम फ़्रांसेस्को फ़ॉस्करी है," हालांकि वह नहीं जानता था कि वह उस नाम से क्यों बुलाया जाना चाहता था। एक किशोर के रूप में, वेन इस नाम से भावनात्मक रूप से इतने जुड़ गए कि उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपना नाम बदलने पर भी विचार किया।

वेन को यह एहसास होने में दशकों बीत गए कि पिछले जीवनकाल में, वह फ़्रांसेस्को फ़ॉस्करी, एक वेनिस सीनेटर और एक कुत्ता था।
यह भी याद रखें कि बारब्रो कार्लेन, जब वह छोटा था, ने अपने माता-पिता को बताया था कि ऐनी फ्रैंक उसका असली नाम था, और डैनियल जर्दी और टीटू सिंह के मामले में, पिछले जन्मों के नाम भी एक बच्चे के रूप में याद किए जा सकते हैं।

एक किशोर के रूप में, पीटर ने पेंटिंग करना शुरू कर दिया। प्रभावशाली बात यह है कि पीटर की प्रारंभिक पेंटिंग लगभग सौ साल पहले गौगुइन की पेंटिंग से मिलती जुलती हैं, हालाँकि जब पीटर ने पेंटिंग की थी तो उन्हें गौगुइन के रेखाचित्रों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। वास्तव में, पीटर टीकैम्प गौगुइन के रेखाचित्रों से परिचित नहीं थे, जो इस अध्याय के अंत में दिखाए गए हैं, 2003 तक, जब पीटर 53 वर्ष के थे। इन पेंसिल चित्रों के साथ, पीटर वास्तव में पिछले जीवन, पॉल गाउगिन के जीवनकाल से अपनी कला की यादें खोद रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि पीटर ने अनजाने में गौगुइन के काम को उस समय की तुलना में बहुत कम उम्र में पुन: प्रस्तुत किया जब गौगुइन ने ये रेखाचित्र बनाए थे। इस प्रकार, यह घटना दर्शाती है कि कैसे प्रत्येक जीवनकाल में हम पिछले अवतार की उपलब्धियों का पुनर्निर्माण करते हैं।

पीटर ने व्यवसाय में स्नातक की डिग्री प्राप्त की, इत्यादि

Machine Translated by Google



गौगुइन ने अपने करियर के रूप में व्यवसाय की दुनिया में प्रवेश किया। पीटर ने कई वर्षों तक विभिन्न खुदरा व्यवसायों में प्रबंधक के रूप में काम किया है। गौगुइन की तरह, पीटर भी एक विश्व यात्री बन गए, उन्होंने भारत में वाराणसी, तेल अवीव, पुर्तगाल और मिस्र जैसे स्थानों का दौरा किया, कई अवधियों तक इन स्थानों पर रहे और जीविकोपार्जन किया।

ड्राइंग द्वारा।

भित्ति चित्रण।

अंत में, पीटर संयुक्त राज्य अमेरिका चले गये। 1972 में, पीटर सभी स्थानों से, बेवजह, सेंट क्लाउड, मिनेसोटा में बस गए, जहां उन्होंने 22 साल की उम्र में गंभीरता से पेंटिंग शुरू की। यह एक पूर्णकालिक कलाकार बनने के लिए गौगुइन के कोपेनहेगन से फ्रांस लौटने के समान है। याद करें कि फ्रांस लौटने पर गौगुइन की शुरुआती पेंटिंग में से एक "पेसेज ए सेंट-क्लाउड" थी। सेंट क्लाउड, फ़्रांस और सेंट क्लाउड, मिनेसोटा के बीच क्या संबंध है? मेरा मानना है कि ऐसा होता है कि एक व्यक्ति अवचेतन रूप से उस स्थान को पहचान सकता है

पिछले जीवनकाल से उसके लिए प्रतीकात्मक अर्थ। हालाँकि पीटर को इसकी जानकारी नहीं थी
गौगुइन के जीवन के समय से ही सेंट क्लाउड का उनके लिए प्रतीकात्मक अर्थ है, मेरा मानना है कि यह उनका अवचेतन ज्ञान और उनकी आत्मा से पारित आकर्षण था जिसने पीटर के सेंट क्लाउड्स में रहने के निर्णय को प्रभावित किया।

मिनेसोटा में, पीटर ने एंजेला नाम की महिला और जोड़े से शादी की
के दो बच्चे हैं। पीटर ने खुदरा दुकानें चलाना जारी रखा और इसके अलावा, एक चित्रकार के रूप में अपना करियर बनाया। वह कला मेलों में भाग लेता है, जहाँ वह अपनी कृतियाँ बेचता है। अनेक
कई बार, लोग अनायास ही उनके पास आते थे और उन्हें पिछले जन्मों के बारे में बताते थे।
एक ने उसे बताया कि वह फ्रांस में रहता था, दूसरे ने कहा कि उसका नाम पॉल है। पीटर
मुझे नहीं पता था कि इन टिप्पणियों का क्या किया जाए, भले ही वह पुनर्जन्म के लिए तैयार थे। पीटर ने मुझे बताया कि जब वह 19 साल का था, तब उसने हरमन हेस्से का उपन्यास सिद्धार्थ पढ़ा था। उस समय, पीटर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि पुनर्जन्म ही एकमात्र आध्यात्मिक दर्शन है जो "न्याय और औचित्य" का प्रतीक है।

वह उपलब्ध कराता है

Machine Translated by Google



"सभी के लिए समान अवसर"। हालाँकि, 1970 के दशक की शुरुआत में, पीटर को अभी भी पता नहीं था कि वह अपने पिछले जीवन में कौन था, और फ्रांस में उसके पिछले जीवन के बारे में सड़क के मनोविज्ञानियों की टिप्पणियाँ, जिसका नाम पॉल था, ने उसे केवल हास्यास्पद और निरर्थक महसूस कराया। कुछ भी।

1979 में सब कुछ बदल गया, जब पीटर 29 साल के थे। उनकी पत्नी एंजेला के व्यक्तित्व में भारी परिवर्तन महसूस होने लगा, वह बहुत धार्मिक हो गये। हालाँकि पीटर शुरू में अपनी पत्नी की अधिक आध्यात्मिक बनने की आवश्यकता का सम्मान करता है, लेकिन वह चिंतित हो जाता है कि उसकी समर्पित जीवनशैली बहुत अधिक होती जा रही है। एक दिन, पीटर उनके घर के एक कमरे में गया और उसने अपनी पत्नी को जलती मोमबत्तियों के बीच प्रार्थना करते हुए पाया। एंजेला उठी और उसे एक किताब सौंपी, जिसे खोलने पर उसमें लाल रंग से घिरे पॉल गाउगिन का चित्र गिरा। एंजेला ने गहरे विश्वास के साथ पीटर से कहा, "आप पॉल गाउगिन के पुनर्जन्म हैं," एक बयान वह तब से पीटर को दोहरा रही है।

एंजेला का आग्रह था कि वह पुनर्जन्मित गौगुइन था
पीटर को "गो-गॉन, गो-गॉन" शब्दों पर विचार करने पर मजबूर किया, जो एक बच्चे के रूप में उसके दिमाग में गूंजते थे। पीटर ने यह भी देखा कि उसका चेहरा
विशेषताएँ गौगुइन के समान थीं। बाद में, उन्हें पता चला कि गौगुइन को अपने चित्रों की पृष्ठभूमि में चेहरे रखना पसंद है, कभी-कभी स्पष्ट, कभी-कभी छिपा हुआ, एक अभ्यास जिसे पीटर ने भी अनायास विकसित किया। हालाँकि, उसके लिए यह स्वीकार करना अभी भी बहुत अजीब था कि वह गौगुइन हो सकता है।

पीटर और एंजेला के रिश्ते में दूरियाँ बढ़ती गईं और अपनी शादी को बरकरार रखने के प्रयासों के बावजूद, अंततः दोनों अलग हो गए। पीटर अपाचे जंक्शन, एरिज़ोना चले गए, जहाँ उन्होंने एक आर्ट गैलरी खोली। पीटर को दक्षिण-पश्चिम में मूल अमेरिकी संस्कृति में उतनी ही दिलचस्पी थी जितनी गौगुइन को ताहिती जीवन में थी। इस अवधि की पीटर की पेंटिंग्स में अक्सर मूल अमेरिकी थीम शामिल होती हैं। अपाचे जंक्शन पर जाने के कुछ ही समय बाद, पीटर की मुलाकात एक महिला से होती है

Machine Translated by Google



जिसने पिछले जीवन में प्रतिगमन किया और पीटर ने इसे आज़माने का फैसला किया।

पीटर ने यह प्रतिगमन 1980 में किया था, जब वह 30 वर्ष के थे। पीटर उस जीवनकाल की स्मृतियों तक पहुंचने में कामयाब रहे जब वह एक चित्रकार थे। उसने एक गाँव, या शायद पेरिस की पथरीली सड़कें देखीं। उसने स्वयं को एक अँधेरे और गंदे स्टूडियो की ओर जाने वाली अँधेरी सीढ़ी पर चढ़ते देखा; ऐसा लग रहा था मानो कमरे की वर्षों से सफाई नहीं की गई हो। पीटर ने गंदे, परित्यक्त ब्रशों का अध्ययन किया और उसे अवसाद की गहरी भावना का अनुभव हुआ, एक ऐसी भावना जिसे उसने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। उसे अकेलापन, अस्वीकृति और यह अहसास हुआ कि उसे गलत समझा गया है।

पीटर को यकीन नहीं था कि वह गौगुइन के जीवनकाल में प्रवेश करेगा, लेकिन प्रतिगमन का अनुभव शक्तिशाली था और उसने गौगुइन का और भी अधिक अध्ययन किया। उसने जो पाया, वह उसे पसंद नहीं आया। सबसे पहले, पीटर को गौगुइन की पेंटिंग शैली पसंद नहीं आई, जिसे वह "बहुत कार्टूनिस्ट, आदिम और अधूरा" मानते थे। जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, इस जीवनकाल में, पीटर ने अधिक यथार्थवादी शैली विकसित की थी। वास्तव में, 2005 में पीटर की गौगुइन-प्रेरित कला में, रंग और एहसास गौगुइन के समान ही हैं, लेकिन पीटर के चित्रण का अर्थ अधिक है। जो पेंटिंग पीटर की शैली के विकास को दर्शाती हैं उनमें गौगुइन की उनकी बेटी एलाइन की पेंटिंग और पीटर की अमांडा नामक लड़की की पेंटिंग शामिल है, जिसकी कम उम्र में मृत्यु हो गई थी। अमांडा का चित्र वास्तव में एक कलाकार का चित्रण है, क्योंकि वह एक नवजात शिशु के रूप में मर गई थी, इसलिए एलाइन और अमांडा के बीच दिखने में समानता देखना दिलचस्प है। हालाँकि, अमांडा की पेंटिंग पृष्ठभूमि में बहुत सारी विस्तृत वस्तुओं के साथ अधिक यथार्थवादी है।

इस तथ्य के अलावा कि पीटर वास्तव में गौगुइन की कला की प्रशंसा नहीं करता था, ऐसी कई अन्य चीजें थीं जो पीटर को परेशान करती थीं।
उदाहरण के लिए, पीटर को यह पसंद नहीं था कि गौगुइन को कला में करियर बनाने के लिए अपनी पत्नी और बच्चे को पीछे छोड़ने वाला माना जाता था। फिर आखिरी वाला, गौगुइन

Machine Translated by Google



यौन रोग से मृत्यु हो गई, पीटर ने सोचा कि यह सराहनीय है। संक्षेप में, पीटर को यह लड़का, गौगुइन, पसंद नहीं था।

पुनर्जन्म का मुद्दा दोबारा उठने से पहले आठ साल बीत गए, जब पीटर 38 साल के थे। 1988 में अपाचे जंक्शन पर, पीटर की दोस्ती एक लंबे, मांसल, मध्यम आयु वर्ग के हाड वैद्य से हुई।

दो महीने तक, यह दोस्त पीटर को सप्ताह में दो या तीन बार लंच या डिनर पर ले जाता था। हालाँकि इस आदमी की दयालुता के लिए आभारी, पीटर को इस आदमी की उदारता के पीछे के इरादों के बारे में चिंता होने लगी। पीटर एक विषमलैंगिक व्यक्ति है, इसलिए वह नहीं चाहता कि उसका दोस्त रोमांटिक रिश्ते की कोई अपेक्षा रखे।

पीटर ने अपनी एक बैठक में इस मुद्दे को संबोधित करने का निर्णय लिया।

जब पीटर ने इस मोटे आदमी से उसकी उदारता का कारण पूछा, तो हाड वैद्य का चेहरा लाल हो गया और वह उठा, पीटर की शर्ट को तब तक खींचा जब तक पीटर का चेहरा उसके चेहरे से केवल पांच इंच दूर नहीं रह गया और कहा, "आप पॉल गाउगिन के पुनर्जन्म हैं!"

पीटर बहुत हैरान था, क्योंकि उसने कभी अपने दोस्त को हाड वैद्य गौगुइन के बारे में एक शब्द भी नहीं बताया था
गौगुइन के रूप में पीटर के पिछले अनुभवों के बारे में जानना असंभव था! फिर हाड वैद्य ने पीटर को रिहा कर दिया और चला गया। पीटर ने उसे फिर कभी नहीं देखा। अब, पीटर को दो लोगों, उसकी पूर्व पत्नी और हाड वैद्य, जो उसके लिए लगभग पूरी तरह से अजनबी थे, ने बताया है कि वह गौगुइन का पुनर्जन्म है। बात यह है कि, पीटर अभी भी गौगुइन नहीं बनना चाहता।

एक साल बाद 1989 में, जब पीटर 39 साल के थे, तब सनक की घटनाएँ घटीं। पीटर की आर्ट गैलरी का मकान मालिक अप्रत्याशित रूप से अंदर आता है और कहता है कि पीटर को वहां से निकलना होगा। मकान मालिक ने कहा कि पीटर ने एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें एक धारा थी कि वह बिना किसी पूर्व सूचना के पीटर को बेदखल कर सकते थे। मकान मालिक ने तुरंत उसे बाहर निकाल दिया, क्योंकि उसे बेहतर प्रस्ताव मिला था। तो पीटर का बिजनेस जल्द ही बंद हो जाएगा. उसी सप्ताह, जिस महिला के साथ वह डेटिंग कर रहा था, वह चली गई और पीटर एक गंभीर कार दुर्घटना का शिकार हो गया, जिससे उसकी कार नष्ट हो गई। अचानक, पीटर को ऐसा महसूस हुआ

Machine Translated by Google



उसने इस दुनिया में अपना सब कुछ खो दिया था और अचानक उसे आत्महत्या का एहसास हुआ। पीटर ने रेगिस्तान में आत्महत्या करने का फैसला किया। उसने एक बंदूक और व्हिस्की की एक बोतल ली और बंजर पहाड़ों में चला गया।

सौभाग्य से, पीटर शराब पीने वाला नहीं है और हालाँकि उसने रेगिस्तान की हवा में कई गोलियाँ चलाईं, इससे पहले कि वह खुद को मार पाता, पीटर शराब से बेहोश हो गया था।

ध्यान दें कि गौगुइन ने भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी। यह पैटर्न स्वयं को दोहराता क्यों है? मेरे अवलोकन में, हमारे पास जीवन भर एक ही ऊर्जा, एक ही जीवन का दृष्टिकोण है।

इस प्रकार, हममें भी एक ही प्रकार की समस्याएँ और संघर्ष उत्पन्न होने की प्रवृत्ति होती है; हम चुनौतियों पर भी उसी तरह प्रतिक्रिया करते हैं।
गौगुइन और टेकैम्प दोनों स्थिर जीवन जीते हैं जहां वे पारंपरिक व्यवसायों में काम करते हैं और वित्तीय सफलता का आनंद लेते हैं, लेकिन कलाकार के रूप में अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए उन दोनों ने सुरक्षा को पीछे छोड़ दिया है।

नुकसान और वित्तीय संकट पर प्रतिक्रिया करते हुए, वे दोनों बहुत उदास हो जाते हैं और आत्महत्या करना चाहते हैं, भले ही वे दोनों अपने आत्महत्या के प्रयास में असफल हो जाते हैं।

हम सभी के पास एक कार्यप्रणाली होती है जो हमारे चरित्र को आकार देती है,
सकारात्मक और नकारात्मक दोनों, और ये रास्ते जीवन-दर-जीवन एक जैसे बने रहते हैं। प्रतिक्रिया देने के प्रतिकूल तरीके हमें परेशानी में डाल सकते हैं, और यह आशा की जाती है कि जीवन भर, हम अपने लाभ के लिए इन लक्षणों को संशोधित कर सकते हैं। पुनर्जन्म को समझने में एक बड़ा वादा यह है कि एक बार जब हम पिछले जीवन को जान लेते हैं और हम पहले के समय से अपने व्यक्तित्व पैटर्न को सीख सकते हैं, तो हम अपने वर्तमान अवतार में अधिक जागरूक और अधिक प्रभावी हो
सकते हैं।

एक अंतिम अवलोकन जो मैं करना चाहूंगा वह यह है कि सिज़ोफ्रेनिया जैसी जैविक मानसिक बीमारियाँ, जीवन भर बनी नहीं रहती हैं। ये गंभीर बीमारियाँ उस शरीर से उत्पन्न होती हैं जिसमें व्यक्ति जन्म लेता है, जैसे मधुमेह या थायरॉयड रोग, और ये नहीं होते हैं

Machine Translated by Google



जीवन भर आत्मा की स्थिति को दर्शाता है।
दूसरे शब्दों में, एक व्यक्ति एक जीवनकाल में सिज़ोफ्रेनिक हो सकता है और दूसरे में सामान्य हो सकता है।

जब पीटर अगली सुबह रेगिस्तान में जागा, तो वह
हैंगओवर के बाद के लक्षण महसूस होते हैं और भयानक सिरदर्द होता है।
पीटर ने ठान लिया है कि उसे एक नई शुरुआत करने की जरूरत है और उसने फैसला किया कि उसे कैलिफोर्निया जाना होगा। पीटर ने यह भी दर्शाया कि वह गौगुइन के जीवनकाल की बात से इनकार कर रहा था और वह पिछले जीवन के संभावित संबंधों की अधिक खुले तौर पर जांच करेगा।

जब पीटर शहर लौटता है, तो वह अपने पूर्व पर्यवेक्षक, एक खुदरा स्टोर के मालिक से संपर्क करता है, और यह सुनकर प्रसन्न होता है कि न केवल उसके पूर्व मालिक के पास एटास्केडरो कैलिफ़ोर्निया में उसके लिए नौकरी है, बल्कि उसका मालिक उसे लेने के लिए एक ट्रक भी भेजेगा। ऊपर। पीटर ने प्रतिबिंबित किया कि चूँकि उन्होंने 39 साल की उम्र में गौगुइन के जीवनकाल का अधिक खुले तौर पर अध्ययन करने का निर्णय लिया था, इसलिए ऐसा लग रहा था कि चीजें उनके लिए अधिक सुचारू और सहजता से चल रही थीं; पीटर का कहना है कि जीवन उसके लिए "खिलना" शुरू हो रहा है।

पीटर एक रिटेल स्टोर का प्रबंधन करने में सफल रहा
एटास्कैडेरो को हॉलिस्टर, कैलिफ़ोर्निया में एक संपूर्ण शॉपिंग सेंटर के साथ-साथ एक खुदरा स्टोर के प्रबंधन के लिए पदोन्नत किया गया था।
वहां, 1991 में उनकी मुलाकात मिशेल मोसे से हुई, जो एक स्थानीय समाचार पत्र में विज्ञापन कॉलम बेचने का काम करती थीं। पीटर, जो दुकानों और शॉपिंग सेंटरों का प्रतिनिधित्व करता है, मिशेल का ग्राहक बन जाता है और उस अखबार में विज्ञापन देता है जहां वह काम करती है। 1997 में, अपने व्यवसाय को अपने काम के साथ मिश्रित करने के प्रयास में, पीटर ने खुद ही अखबार के लिए एक लेआउट कलाकार बनने का फैसला किया। इस कार्य में मिशेल समाचार पत्र के क्षेत्र में उनके गुरु बन गये।

उस पल पीटर और मिशेल को एक-दूसरे के प्रति गहरा स्पंदन महसूस हुआ और वे घनिष्ठ मित्र बन गये।

पीटर ने गौगुइन के बारे में कहानियों सहित अपने जीवन के विवरण साझा करना शुरू किया। उस समय मिशेल पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करती थी, लेकिन वह खुली थी। इसके बाद मिशेल पीटर को कई बातें बताती है

Machine Translated by Google



गौगुइन से जुड़ी उनकी अपनी समकालिक घटना। 1978 में, एक उपहार के रूप में, मिशेल के पिता ने दुनिया भर में जहां भी वह जाना चाहती थी, उसकी यात्रा के लिए भुगतान करने की पेशकश की।

मिशेल ने ताहिती जाने का फैसला किया और वहां रहते हुए उन्होंने गौगुइन संग्रहालय का दौरा किया। अगले वर्ष, अपने 23वें जन्मदिन पर, मिशेल पेरिस गयीं। मिशेल "वांडरिंग बीटल" (लेस ग्यूपेस बुइसोनियर) नामक एक क्रूज जहाज पर सवार होकर सीन के दर्शनीय स्थलों को देखने जाती है। दिलचस्प बात यह है कि गौगुइन ने ताहिती में "बीटल्स" नामक एक प्रकाशन का संपादन किया। पेरिस में रहते हुए, मिशेल 23 वर्ष की थी, यही वह उम्र थी जब मेटे की मुलाकात पॉल गाउगिन से हुई और उसने उससे शादी की।

पीटर एक पत्रिका पर काम करता है, जिसमें गौगुइन के बारे में उसके विचार शामिल हैं, और मिशेल पीटर को पत्रिका को संपादित करने में मदद करने की पेशकश करती है।

इस प्रकार, 1997 में, वे गौगुइन पर शोध करने और पीटर के बारे में एक कहानी लिखने में भागीदार बन गए।

कुछ ही समय बाद, उन्होंने गौगुइन के बारे में पहली किताब खोली जो मिशेल ने खरीदी थी। पीटर ने पृष्ठ पर चित्र देखा और उसने मिशेल को पुकारा, "देखो, यह तुम हो!" पीटर ने गौगुइन की पत्नी मेटे की तस्वीर देखी और उसकी मिशेल से समानता को नकारा नहीं जा सकता था।

जैसे-जैसे साल बीतते गए, पीटर और मिशेल चुपचाप इस संभावना पर विचार करते रहे कि वे पॉल और मेटे गाउगिन थे। 1999 में, पीटर फिर से चार साल के लिए दुनिया की यात्रा पर निकले, जहां भी वे गए उन्होंने भित्तिचित्र बनाए। पीटर मिशेल के संपर्क में रहता है, उसके साथ पत्र-व्यवहार करता है, ठीक उसी तरह जैसे पॉल ने भी मेटे के साथ पत्र-व्यवहार किया था जब वह ताहिती में था। इस बीच, मिशेल अपने परिवार और बचपन के प्रेमी के करीब रहने के लिए वाशिंगटन राज्य चली गईं।

जब पीटर यात्रा कर रहे थे, तो यह मिशेल ही थीं जिन्होंने गौगुइन पर गहराई से शोध करने की पहल की और उन्होंने ही पेंसिल स्केच की खोज की। मिशेल ने सबसे पहले नोटिस किया था कि पीटर ने, एक युवा व्यक्ति के रूप में, अनजाने में गौगुइन की पेंटिंग्स को दोबारा बनाया था।

2003 में जब पीटर संयुक्त राज्य अमेरिका लौटे, तो मिशेल की माँ

Machine Translated by Google



उसे ब्रेमरटन के पास एक छोटा सा अपार्टमेंट मिला और पीटर वहां चला गया। तभी मिशेल ने उसे रेखाचित्रों की तुलना दिखाई, जिससे पीटर को बहुत आश्चर्य हुआ। पीटर और गौगुइन के चित्रों के बीच तुलना उन अनुभवों की सूची में जुड़ जाती है जो तब तक बढ़ती रहती है जब तक कि पीटर को यह विश्वास नहीं हो जाता कि वह वास्तव में पॉल गौगुइन का पुनर्जन्म है।

एक दिन, जब वह ब्रेमरटन में घूम रहा था, एक भित्तिचित्र पकड़ा गया उसकी आँख. चमोरो नामक एक रेस्तरां भित्तिचित्र के बगल में था और पीटर एक कप कॉफी के लिए अंदर चला गया। जब वह अंदर के चारों ओर देखता है, तो पीटर को समुद्र तट पर दो महिलाओं की गौगुइन की चारकोल पेंटिंग प्रतीत होती है। पीटर ने रेस्तरां मालिक से पूछा कि यह स्केच कहां से आया।

परिसर के मालिक ने बताया कि स्केच मूल रूप से गुआम में उनकी परदादी का था, जिन्हें उपहार के रूप में स्केच दिया गया था। उन्होंने बताया कि गुआम के मूल निवासी चामोरो को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सेना ने भागने के लिए मजबूर किया था।

उनकी परदादी और उनका परिवार कब्जे के अंत तक गुफाओं में छिपे रहे। छिपने के दौरान वह यह स्केच अपने साथ रखते थे।

युद्ध के बाद, उनकी परदादी ने वह रेखाचित्र अपने पास रख लिया 33 वर्षों तक उसका अटारी तब तक खुला रहा जब तक कि उसने इसे अपनी बेटी, रेस्तरां मालिक की माँ, को नहीं दे दिया। जब वह 1999 में संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए, तो वह इस स्केच को अपने साथ ले गए और फिर इसे अपने रेस्तरां की दीवार पर लटका दिया। रेस्तरां के मालिक ने पीटर से कहा कि अगर उसने स्केच को उसके सुरक्षात्मक मामले से हटा दिया, तो उसके हाथ कोयले से सने होंगे। इससे पीटर को एहसास हुआ कि स्केच कोई कॉपी नहीं, बल्कि असली चारकोल स्केच था। यदि यह गौगुइन का मूल था, जिसे पीटर सच मानते थे, तो स्केच की कीमत लाखों में हो सकती थी।

तब मालिक ने उससे कहा कि वह वित्तीय संकट में है और उसे अपना व्यवसाय चलाने के लिए धन की आवश्यकता है। स्केच की प्रामाणिकता की पुष्टि होने तक इंतजार करने के बजाय, मालिक ने कहा कि वह स्केच को पहले व्यक्ति को 5,000 डॉलर में बेच देगा।

Machine Translated by Google



उस राशि का भुगतान करने को तैयार हूं। पीटर स्केच खरीदने के लिए सहमत हो गया और उसने मालिक को 5,000 डॉलर दिए। इसके बाद पीटर ने बिक्री समझौते में "यदि और कब" स्केच बेचा गया, के संबंध में एक खंड जोड़ा, तो पीटर मालिक के साथ लाभ साझा करेगा। स्केच की प्रामाणिकता जांच स्थगित कर दी गई. इस तरह, पीटर टेकैम्प के पास गौगुइन का मूल काम प्रतीत होता है। इसके अलावा, यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि पीटर ने गौगुइन की मृत्यु के 100 साल बाद 2003 में गौगुइन का स्केच खोजा था।

समकालिक घटनाएँ और उत्सव ऐसे तरीके हैं
हमारी आत्माओं सहित आध्यात्मिक दुनिया, हमारे साथ संचार करती है।
याद रखें कि मिशेल के पास दुनिया में कहीं भी यात्रा करने का विकल्प था और उसने ताहिती और गौगुइन संग्रहालय का दौरा करना चुना, और वह उसी उम्र में पेरिस गई जब मेटे की मुलाकात पॉल गौगुइन से हुई थी।

ये समकालिक घटनाएँ महज़ संयोग नहीं हैं, बल्कि हमारे आध्यात्मिक मार्गदर्शकों और आत्माओं द्वारा अंतर्ज्ञान और इच्छाशक्ति के रूप में अनुभव किए गए टेलीपैथिक संदेशों के माध्यम से आयोजित की जाती हैं। दरअसल, कैलिफोर्निया में पीटर की मिशेल से मुलाकात भी संयोग नहीं, बल्कि पूर्व निर्धारित थी। हम उन लोगों से मिलने की व्यवस्था, समझौते करते हैं जिन्हें हम पिछले जन्मों में जानते हैं। हम पैदा होने से पहले ही समझौते कर लेते हैं।

उसी प्रकार, गौगुइन की मृत्यु की 100वीं वर्षगाँठ पर पीटर द्वारा गौगुइन की मूल पेंटिंग की खोज भी कोई दुर्घटना नहीं है। बल्कि, मेरा मानना है कि यह आध्यात्मिक दुनिया के प्राणियों द्वारा आयोजित एक घटना है। इस घटना का उद्देश्य पीटर के इस विश्वास को मजबूत करना है कि वह गौगुइन का पुनर्जन्म है। मेरी पुस्तक, रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ में, समकालिक घटनाएँ और जन्मदिन की घटनाएँ उभर कर सामने आती हैं। प्रतीकात्मक संयोगों के माध्यम से, आध्यात्मिक दुनिया हमें संदेश भेजती रहती है।

इस बिंदु पर, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, पीटर और मिशेल थे
बहुत खुश हुए, न केवल इसलिए कि उन्हें एक ऐसा स्केच मिला जिसकी कीमत लाखों में हो सकती है, बल्कि इसलिए भी कि उन्हें एक ऐसा स्केच मिला जिसकी कीमत लाखों में हो सकती है

Machine Translated by Google



क्योंकि यह संभावना और भी अधिक वास्तविक लगती है कि पीटर पॉल गाउगिन का पुनर्जन्म है। मिशेल ने इंटरनेट पर पुनर्जन्म पर शोध करना शुरू किया और उसे मेरी वेबसाइट www.johnadams मिली।

नेट पर कई पुनर्जन्म के मामले हैं, जैसा कि इस पुस्तक में दिखाया गया है। अचानक, पीटर और मिशेल को महसूस हुआ कि पुनर्जन्म के अनुभव में वे अकेले नहीं हैं; ऐसे अन्य लोग भी हैं जिन्होंने पिछले जन्मों की खोज की है।

मिशेल ने मुझे बुलाया और कहा, "डॉ. सेमकिव, हमारे पास कुछ ऐसा है जो हमें लगता है कि आपकी रुचि का होगा।
मेरा मानना है कि मेरा दोस्त, पीटर टेकैम्प, पॉल गाउगिन का पुनर्जन्म है। यह विडंबनापूर्ण लगता है, लेकिन जब कोई किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का पुनर्जन्म होने का दावा करता है तो मैं हमेशा इस पर विश्वास नहीं करता। मैंने उनकी कहानियाँ सुनीं और नोट्स लिए।

फिर, केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि वास्तव में पीटर टेकैम्प और मिशेल मोसे पॉल गाउगिन और उनकी पत्नी मेटे के पुनर्जन्म थे।

2004 के अंत में, पीटर, मिशेल, केविन रायर्सन और मैं आमने-सामने मिले और उन्होंने अपनी कहानियाँ सुनाईं। उस बैठक में, केविन और मैं आश्वस्त हो गए कि पीटर टीकेम्प/के पुनर्जन्म के मामले

पॉल गाउगिन और मिशेल मोसे/मेटे गागुइन वास्तव में वैध थे, उनके द्वारा प्रस्तुत कहानियों के आधार पर।

इस कथा में.

मेरे अवलोकन से, पीटर टेकैम्प को वास्तव में पूरी तरह से विश्वास नहीं था कि वह 4 जुलाई, 2005 के सप्ताहांत तक गौगुइन थे, जब उन्होंने ऐसे लोगों की एक सभा में भाग लिया, जिन्हें अपने स्वयं के पिछले जीवन के बारे में ज्ञान था, जिनमें से कई अमेरिकी क्रांति के समय के थे।

इस कार्यक्रम की मेजबानी नॉर्म शीली ने मिसौरी में अपने फार्म पर की थी।

प्रतिभागियों में 6 डॉक्टर (एक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और मानव जीनोम परियोजना के एक शोधकर्ता सहित), 6 पीएचडी, 6 प्रमुख लेखक, 2 अमेरिकी राजनयिक, 2 अमेरिकी सैन्य कप्तान, कई मनोवैज्ञानिक और एक टेलीविजन स्टार शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक को अपने अतीत की पहचान पता थी। . जैसे-जैसे हर कोई अपनी कहानियाँ सुनाता है, पीटर और मिशेल के लिए पुनर्जन्म अधिक वास्तविक हो जाता है और तभी उन्हें सचमुच विश्वास होता है कि वे पॉल और मेटे गाउगिन हैं।

Machine Translated by Google



दरअसल, 4 जुलाई 2005 से पहले, पीटर टेकैम्प ने कभी ऐसा नहीं किया था गौगुइन शैली में कोई कलात्मक कार्य बनाया और वास्तव में, यह मुझे परेशान कर रहा है कि गौगुइन के पुनर्जन्म गौगुइन की तरह चित्रित नहीं हैं। 4 जुलाई की बैठक के बाद, मैंने पीटर को सुझाव दिया कि गौगुइन के समान कुछ कार्यों को चित्रित करने में कोई नुकसान नहीं होगा। और मुझे ख़ुशी है कि उनमें से कुछ रचनाएँ बाद में अनेक बन गईं। इस अध्याय के अंत में सूचीबद्ध सभी चित्र 4 जुलाई और दिसंबर 2005 के बीच चित्रित किए गए थे, जब पीटर पिकासो की कला को फिर से बना रहे थे।

अंत में, 1903 में 55 वर्ष की आयु में पॉल गाउगिन की दुखद मृत्यु हो गई। 2003 में, गौगुइन की मृत्यु के 100 साल बाद, पीटर टेकैम्प ने गौगुइन का एक मूल स्केच प्राप्त किया। 4 जुलाई 2005 को हुई बैठक में पीटर 55 वर्ष के थे, जब पीटर ने अपनी पहचान पॉल गाउगिन के रूप में बताई, उसी उम्र में गाउगिन इस दुनिया को छोड़कर चले गए।

## पाब्लो के पुनर्जन्म के रूप में एलेक्जेंड्रा नेचिता पिकासो

पॉल गाउगिन मामले के अलावा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहूंगा कि अन्य कलाकार, जिन्हें कुछ लोग 20वीं सदी के सबसे महान कलाकार मानते हैं, ने पुनर्जन्म लिया है और फिर से महान कृतियां बना रहे हैं। इस मामले ने सामान्य तरीके से मेरा ध्यान खींचा. दरअसल, पाब्लो पिकासो के पुनर्जन्म का मामला इतना स्पष्ट है कि यह लगभग अपने आप ही सुलझ गया।

केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करने वाली मार्गदर्शक भावना अहतुन रे ने पुष्टि की है कि एलेक्जेंड्रा नेचिता पाब्लो पिकासो का पुनर्जन्म है। मैं समझाऊंगा कि कैसे पिकासो/

नेचिता मामला विकसित हुआ।

2004 की गर्मियों में, मैंने बोल्डर, कोलोराडो में पुनर्जन्म पर एक प्रस्तुति दी। उपस्थित लोगों में से एक सेवानिवृत्त अमेरिकी राजनयिक और फुलब्राइट छात्रवृत्ति कार्यक्रम के पूर्व निदेशक वेन पीटरसन के मित्र थे, जिनके पुनर्जन्म मामले पर इस पुस्तक में पहले चर्चा की गई थी। उसका सबसे अच्छा दोस्त

Machine Translated by Google



यह मुझे बताता है कि मुझे एलेक्जेंड्रा नेचिता नामक एक युवा कलाकार की जांच करनी चाहिए, क्योंकि उसका काम पिकासो के समान है और यह सुझाव दिया गया है कि वह पिकासो का पुनर्जन्म है। मुझे बताया गया कि एलेक्जेंड्रा का काम उस समय डेनवर में गैलरी एम में प्रदर्शित किया जा रहा था।

अगले दिन, मैं एलेक्जेंड्रा का काम देखने के लिए गया और मैं दंग रह गया। मैंने विश्लेषण किया है कि कैसे लेखन पैटर्न पूरे अवतार में समान रह सकते हैं, जैसे जेफ कीन के मामले में और हाले बेरी के मामले में, मैंने खुद देखा कि कैसे बेरी ने अपने आदर्श स्टार की भूमिका निभाने की क्षमताओं के साथ-साथ अपने पिछले जीवन का भी प्रदर्शन किया। पहचान, डोरोथी डैंड्रिज। हालाँकि, यह पहली बार है जब मुझे यह देखने का अवसर मिला है कि किसी चित्रकार की प्रतिभा और कलात्मक शैली को इतने नाटकीय तरीके से कैसे दोहराया जा सकता है। (रिकॉर्ड के लिए, उस समय मैं पीटर टेकैम्प और मिशेल मोसे से नहीं मिला था)। हालाँकि मैं कला में कोई विशेषज्ञ नहीं हूँ, अलेक्जेंड्रा का काम पिकासो से इतना मिलता-जुलता है कि यह आश्चर्यजनक है।

मैंने गैलरी एम के निदेशक से पूछा कि क्या इसकी तस्वीरें हैं एलेक्जेंड्रा, शायद ब्रोशर में या बिजनेस कार्ड पर, और अगर मुझे एलेक्जेंड्रा की संपर्क जानकारी मिल सके। गैलरी के निदेशक ने कहा कि उनके पास एलेक्जेंड्रा की कोई तस्वीर नहीं है और कलाकार एक निजी व्यक्ति था और उसकी व्यक्तिगत संपर्क जानकारी प्रदान नहीं की जा सकती। हालाँकि, केविन रायर्सन के साथ अगले सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या एलेक्जेंड्रा वास्तव में पिकासो का पुनर्जन्म था, जिसकी अहतुन रे ने पुष्टि की।

पीटर टेकैम्प, मिशेल मोशाय और के साथ मेरी मुलाकातें केविन रायर्सन, जिसका मैंने इस अध्याय में पहले वर्णन किया है, कई महीनों बाद घटित हुआ। पीटर को एलेक्जेंड्रा के बारे में पता था और उसने ऐसा कहा वह उसकी प्रतिभा से प्रभावित हुआ। पीटर, जिसने उसे एक टेलीविजन टॉक शो में देखा था, ने सोचा कि एलेक्जेंड्रा पिकासो हो सकती है। मैंने पीटर से पूछा कि क्या एलेक्जेंड्रा पिकासो की तरह दिखती है, और उसने जवाब दिया, "मुझे कोई समानता नहीं दिखती।"

बाद में मुझे पता चला कि मामला ऐसा नहीं था।

पाब्लो पिकासो/अलेक्जेंड्रा नेचिता का मामला छिपा हुआ है

Machine Translated by Google



लगभग दो वर्षों तक. जनवरी 2006 में वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया की यात्रा के दौरान सब कुछ बदल गया।

वहां न्यूरोसर्जन डॉ. पीटर हुडोबा ने एक पुनर्जन्म प्रस्तुति को प्रायोजित किया, जहां मैं पीटर टेकैम्प को गौगुइन के पुनर्जन्म के रूप में दुनिया के सामने पेश करना चाहता हूं। हमारे प्रायोजक डॉ. हुडोबा ने सोवियत संघ में रहते हुए चिकित्सा में कई स्वर्ण पदक जीते थे। इसके बाद वे कनाडा चले गए, जहां उन्होंने सास्काटेवान विश्वविद्यालय में न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण के निदेशक के रूप में काम किया। शुक्र है, इस मामले में मेरे पास दो अकादमिक न्यूरोसर्जन, डॉ. हुडोबा और नॉर्म शीली हैं, जो मेरे पुनर्जन्म अनुसंधान का पुरजोर समर्थन करते हैं।

पीटर टेकैम्प, मिशेल मोसे और मैं अपने होटल के कमरे में अपनी प्रस्तुति की तैयारी कर रहे थे।

एलेक्जेंड्रा नेचिता का विषय मेरे दिमाग में आया और मैंने छवि खोजने के लिए फिर से प्रयास करने का निर्णय लिया। इंटरनेट पर, मैंने पाया कि एलेक्जेंड्रा के पास अब उसकी तस्वीरों वाली एक वेबसाइट है। मैंने तुरंत उसके चेहरे की विशेषताओं की तुलना पिकासो से की और पाया कि वे मेल खाते हैं। यद्यपि एलेक्जेंड्रा नाजुक चेहरे वाली एक खूबसूरत युवा महिला है, जबकि पिकासो एक ऐसा व्यक्ति है जिसका चेहरा झुर्रीदार दिखता है, हड्डियों की संरचना, चेहरे का आकार और सिर सामान्य रूप से, मुझे वही लगता है। जबकि मैं अहतुन रे की यह जांचने की क्षमता पर भरोसा करने का आदी हो गया हूं कि किसी व्यक्ति का पिछला जीवन मेल खाता है या नहीं, चेहरे की विशेषताओं की जांच करना महत्वपूर्ण डेटा है जो अभी तक पिकासो/नेचिता मामले में मौजूद नहीं है। तो, वैंकूवर में, पुनर्जन्मित गौगुइन और उनकी पत्नी मेटे की उपस्थिति में, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि पिकासो का वास्तव में पुनर्जन्म हुआ था।

आइए पाब्लो पिकासो और एलेक्जेंड्रा नेचिता के इतिहास की संक्षेप में समीक्षा करें। पिकासो का जन्म 25 अक्टूबर, 1881 को मैलेगा, स्पेन में हुआ था। पिकासो ने बचपन में ही अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखा दी थी और 15 साल की उम्र में उन्होंने बार्सिलोना के स्कूल ऑफ द फाइन आर्ट्स में प्रवेश लिया। जब वे 16 वर्ष के थे तब उनकी पेंटिंग, साइंस एंड चैरिटी ने मलागा में एक प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक जीता था और उस समय पिकासो का बार्सिलोना में अपना स्टूडियो था।

Machine Translated by Google



1900 में, पिकासो ने पेरिस की यात्रा की, जहाँ उन्होंने एडगर डेगास और हेनरी टूलूज़-लॉट्रेक जैसे आधुनिक कलाकारों के काम की प्रशंसा की। पिकासो 1904 में पेरिस चले गए और गर्ट्रूड स्टीन और मैक्स जैकब जैसे लेखकों से उनकी दोस्ती हो गई। पिकासो ने पेरिस में रहने के दौरान पॉल गाउगिन की लोकप्रियता में वृद्धि भी देखी और पिकासो भी उनके काम से प्रभावित थे।

पिकासो ने जॉर्जेस ब्रैक के साथ मिलकर "क्यूबिस्ट" पेंटिंग शैली की शुरुआत की, जिसमें परिदृश्य छवियां छोटे क्यूब्स से बनी दिखाई देती हैं। पिकासो अमूर्त निर्माण के लिए विभिन्न सामान्य वस्तुओं का उपयोग करते हुए एक अभिनव तरीके से मूर्तिकला भी करते हैं। पिकासो रोम में बैले रसेस के लिए काम करते हुए स्थल डिजाइन में भी शामिल थे। पिकासो के शानदार करियर की परिणति लौवर, पेरिस में एक प्रदर्शनी में हुई, जो 1971 में उनके 90वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। इस आयोजन के साथ, पिकासो पहले जीवित कलाकार थे जिन्होंने अपनी कृतियों को लौवर में प्रदर्शित किया था।

पिकासो की मृत्यु 8 अप्रैल, 1973 को फ्रांस में हुई।

पिकासो की मृत्यु के बारह साल बाद, 27 अगस्त 1985 को रोमानिया में एलेक्जेंड्रा नेचिता का जन्म हुआ। एलेक्जेंड्रा के पिता, निको, अपनी बेटी के जन्म के समय दुःखी रूप से अनुपस्थित थे। निको ने संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य की तलाश में कम्युनिस्ट रोमानिया छोड़ दिया था, जब उनकी पत्नी विओरिका 6 महीने की गर्भवती थी।

निको ने 1987 तक अपनी पत्नी और बेटी को नहीं देखा, जब वे लॉस एंजिल्स में फिर से मिले।

पिकासो की तरह, एलेक्जेंड्रा ने भी कलात्मक प्रतिभा दिखाई
बहुत कम उम्र. वास्तव में, एलेक्जेंड्रा ने जैसे ही उसके तंत्रिका तंत्र के विकास की अनुमति दी, उसने पेंटिंग करना शुरू कर दिया। एलेक्जेंड्रा अपनी कलरिंग बुक के प्रति जुनूनी हो गई, जिससे उसके माता-पिता चिंतित हो गए, क्योंकि उसे उन चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं थी जो आमतौर पर छोटी लड़कियां करती हैं, जैसे खेलना और रस्सी कूदना। उनकी पहली कलम और स्याही की पेंटिंग दो साल की उम्र में बनी थी।

जब एलेक्जेंड्रा चार साल की थी, तब उसके माता-पिता ने वास्तव में एक चौंकाने वाला अवलोकन किया था। एलेक्जेंड्रा

Machine Translated by Google



दो चेहरों और चार आँखों वाली अमूर्त आकृतियाँ बनाना, जैसा कि पिकासो की कला में देखा जाता है। एलेक्जेंड्रा ने तुरंत अपने मूल कार्यों का एक संग्रह तैयार किया। आठ साल की उम्र में, एलेक्जेंड्रा की कला की पहली प्रदर्शनी 1 अप्रैल, 1994 को लॉस एंजिल्स सार्वजनिक पुस्तकालय में आयोजित की गई थी। एक समकालिक घटना, उसी दिन जब उनकी पहली प्रदर्शनी थी, उन्होंने लॉस एंजिल्स में पहली बार पिकासो की कलाकृति भी देखी थी। काउंटी कला. संग्रहालय।

एलेक्जेंड्रा को अभिव्यक्ति की वह स्वतंत्रता पसंद है जो वह पिकासो के काम में देखती है, जो नियमों से मुक्त है।

इसके बाद से एलेक्जेंड्रा का करियर आसमान छू गया। जैसा कि उस पर लिखा है वेबसाइट, “उन्होंने कला समीक्षकों और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने दुनिया को इस दुर्लभ बाल प्रतिभाशाली कलाकार के बारे में बताना शुरू किया, जिसने ड्राइंग और रंग में महारत हासिल की है, एक ऐसा कलाकार जिसने एक अनूठी शैली में अपनी खुद की दृश्य भाषा बनाई है। , गीतात्मक, आलंकारिक और अमूर्त गोभी; एक कलाकार जो अभी 9 साल का हुआ है।”

वास्तव में, मीडिया ने उन्हें "लिटिल पिकासो" करार दिया है।

1999 में, 14 साल की उम्र में, एलेक्जेंड्रा को वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस (यूएन) द्वारा 100 से अधिक देशों को शामिल करते हुए ग्लोबल आर्ट्स इनिशिएटिव का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। अपने प्रारंभिक जीवन के दौरान, एलेक्जेंड्रा संयुक्त राज्य अमेरिका में कई राष्ट्रीय टेलीविजन शो में अतिथि थीं, जिनमें सीबीएस संडे मॉर्निंग, एनबीसी टुडे, द रोजी ओ'डोनेल शो, टॉम ब्रोकॉ के साथ एनबीसी नाइटली न्यूज और ओपरा विन्फ्रे शो शामिल थे।

यदि गौगुइन और पिकासो के पुनर्जन्म के मामलों को स्वीकार कर लिया जाता है, तो इस बात पर विचार करें कि इन आत्माओं ने अपने पिछले दो जन्मों में विकास के अद्वितीय पैटर्न कैसे दिखाए हैं। पिकासो और एलेक्जेंड्रा दोनों ही बचपन में सीधे कला की ओर चले गए और किशोरावस्था में ही प्रतिभाशाली बन गए, और अपने जीवन की शुरुआत से ही दुनिया के अग्रणी कलाकार बन गए।

दूसरी ओर, पॉल गाउगिन और पीटर टेकैम्प, युवा के रूप में, स्वतंत्र दुनिया के साहसी बन गए।

वे दोनों खुद को सहारा देने के तरीके के रूप में व्यावसायिक करियर बनाने के लिए आगे बढ़े। गौगुइन और टेकैम्प स्केच बना रहे हैं

Machine Translated by Google



पेंसिल स्केच, फिर एक वयस्क के रूप में शौक के तौर पर पेंटिंग करना शुरू किया।
दोनों ने कम उम्र में ही कला को पूर्णकालिक पेशे के रूप में अपनाने का फैसला किया। गौगुइन की मृत्यु गरीब और अज्ञात में हुई और पीटर, हालांकि एक कुशल कलाकार था, इस समय अपेक्षाकृत अज्ञात था।

उम्मीद है, इन पैटर्न को सचेत रूप से बदला जा सकता है। एक बात मैं पक्के तौर पर कह सकता हूं, पीटर ने देखा कि गौगुइन का एक टुकड़ा हाल ही में 39 मिलियन डॉलर में बिका, वह अगले जीवन में निम्नलिखित परिणामों पर काम करेगा।

आइए हम इस पर भी विचार करें कि ये दो मामले इसे कैसे दर्शाते हैं
हम वास्तव में अपने पिछले जन्मों की उपलब्धियों पर खड़े हैं।
इस अध्याय के अंत में दिखाए गए गौगुइन/टीकैंप रेखाचित्र, घोड़े का सिर, घेरे में महिलाएं, बेरेट टोपी पहने पुरुष और क्राइस्ट, दर्शाते हैं कि पीटर टीकैंप ने अनजाने में गौगुइन के कलात्मक विकास के चरणों को फिर से बनाया, लेकिन पहले की उम्र में. इसी तरह, एलेक्जेंड्रा ने 4 साल की उम्र में दो आंखों और चार सिर के साथ अमूर्त आकृतियों को चित्रित करके पिकासो के विकास की फिर से कल्पना की। पिकासो 1907 में क्यूबिस्ट पेंटिंग के अग्रणी बन गए, जब वह 26 वर्ष के थे। मीडिया ने नोट किया कि एलेक्जेंड्रा ने 9 साल की उम्र में "अमूर्त क्यूबिस्ट शैली" में पेंटिंग की थी।

अंत में, मेरी राय में, अब समय आ गया है कि मानवता कला की दुनिया के दो सबसे महान नायकों, पॉल गाउगिन और पाब्लो पिकासो के पीटर टेकैम्प (www) के अवतारों को पहचाने और उनका जश्न मनाए।

peterteekamp.com) और एलेक्जेंड्रा नेचिता (www.nechita.info)।
आइए इन मामलों के माध्यम से यह समझें कि पृथ्वी पर जीवन व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और विकास के लिए है। इस ज्ञान के साथ, आइए एक ऐसी दुनिया बनाएं जहां हम लौटने की इच्छा रखते हैं, जहां इन दो कला शिक्षकों सहित हम सभी, अनावश्यक युद्धों, संघर्षों और संघर्षों से प्रभावित हुए बिना विकसित और प्रकट हो सकें। आइए इस जीवन के आशीर्वाद का जश्न मनाएं।

Machine Translated by Google

पीटर टेकैम्प का योगदान

पॉल गौगुइन पीटर टेकैम्प

हालाँकि इस छवि में अच्छी तरह से चित्रित नहीं किया गया है, पीटर टेकैम्प की "इंका नाक" गौगुइन के समान ही है।

Machine Translated by Google



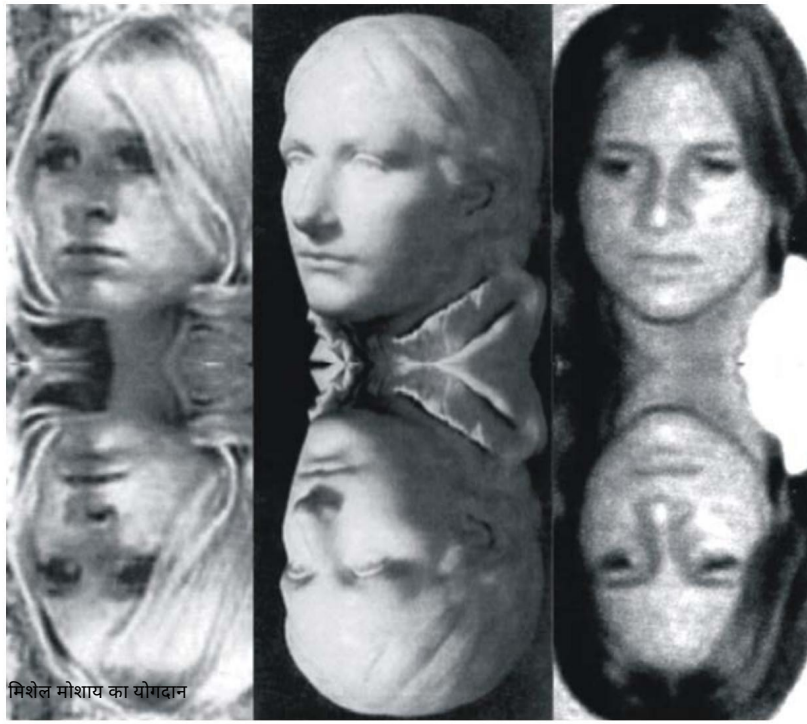

मिशेल मोशाय का योगदान

मिशेल मोसे मेटे गौगुइन मिशेल मोसे

Machine Translated by Google

गौगुइन 43 वर्ष के हैं

टीकैम्प 16 साल का

गौगुइन 41 साल के हैं

टीकैंप 22 साल का है

गौगुइन 46 वर्ष के हैं

टीकैंप 22 साल का है

गौगुइन 40 वर्ष

टीकैम्प 26 साल का है

गौगुइन की ये तस्वीरें पीटर टीकैम्प ने पहली बार कितने साल की उम्र में देखी थीं

53. इन रेखाचित्रों की तुलना से पता चलता है कि गौगुइन की कलात्मकता टीकैंप द्वारा विकास की फिर से कल्पना की गई, लेकिन पहले की उम्र में। रेखाचित्रों की यह तुलना दर्शाती है कि हम वास्तव में अपने विभिन्न पिछले जन्मों की उपलब्धियों पर खड़े हैं।

Machine Translated by Google



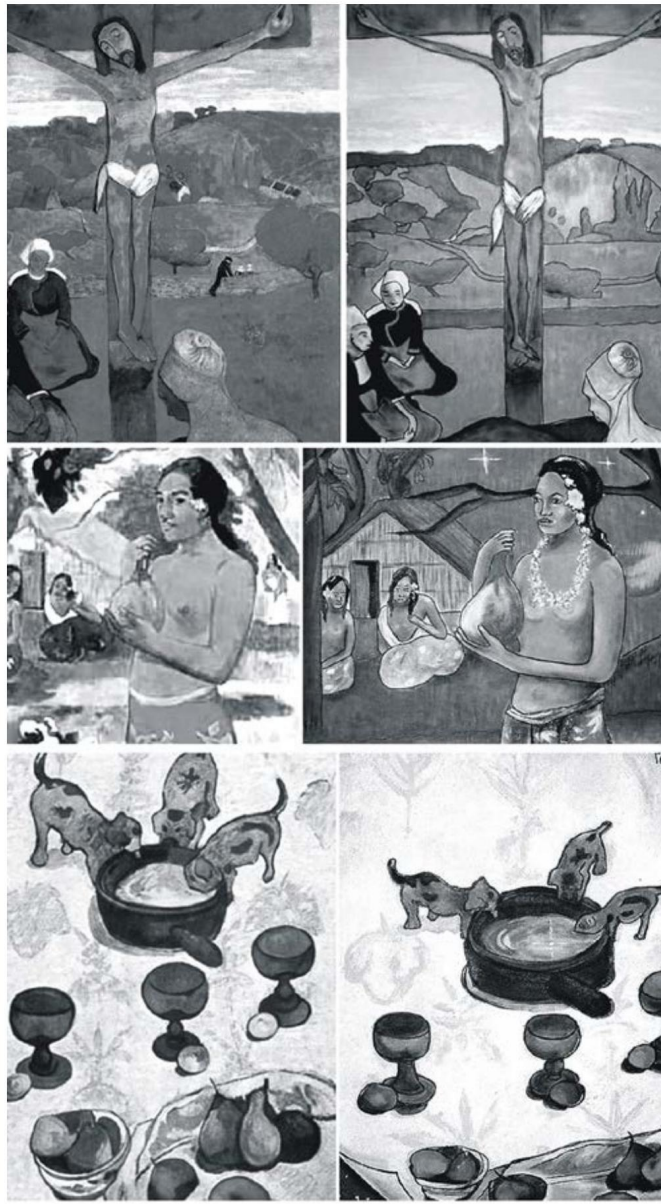

पॉल गौगुइन पीटर टेकैम्प

Machine Translated by Google

© बेटमैन/कॉर्बिस

एलेक्जेंड्रा नेचिता का योगदान

पब्लो पिकासो

एलेक्जेंड्रा नेचिता

4 साल की उम्र में एलेक्जेंड्रा ने दो चेहरे और चार आंखों वाले पिकासो जैसी आकृतियों को चित्रित करना शुरू कर दिया। एक बच्चे के रूप में, वह एक कुशल क्यूबिस्ट चित्रकार बन गए थे और मीडिया ने उन्हें "लिटिल पिकासो" करार दिया था। एलेक्जेंड्रा ने अपनी पहली कला प्रदर्शनी लगाई

8 साल की उम्र में और उसी दिन पहली बार पिकासो के काम की प्रदर्शनी देखी।

Machine Translated by Google

एलेक्जेंड्रा नेचिता द्वारा लिखित "द वाइन टेस्टर" जिसे पाब्लो पिकासो के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया है।

Machine Translated by Google

# 9

# पेनी पियर्स के तीन जीवन और विभाजित अवतार घटना

## चार्ल्स पार्कहर्स्ट के रूप में पेनी पीयर्स। पुनर्जन्म

1999 में, मैं एक ई-मेल चर्चा समूह में शामिल हुआ
इनप्रेजेंस कहा जाता है, जिसके सदस्यों में ऐसे लेखक शामिल हैं जिनका काम अंतर्ज्ञान और संबंधित विषयों को विकसित करने पर केंद्रित है। एक बार, मैंने अपने द्वारा किए जा रहे पुनर्जन्म अनुसंधान का वर्णन करते हुए एक ई-मेल भेजा था और मैंने पूछा था कि क्या इनप्रेज़ेंस में किसी को किसी अन्य मामले के बारे में पता है जिस पर मैं शोध कर सकता हूँ। प्रतिक्रिया देने वाले लोगों में से एक पेनी पीयर्स थे, जिन्होंने कहा कि उनके पास पिछले जीवन की एक कहानी है जो शायद घटित हुई होगी।

पीयर्स एक पेशेवर सहज ज्ञान युक्त, सलाहकार, अवधारणात्मक कौशल है
संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और जापान में कार्यरत प्रशिक्षक और व्याख्याता। वह द इंटुएटिव वे: ए गाइड टू लिविंग फ्रॉम इनर विजडम, द प्रेजेंट मोमेंट: ए डेबुक ऑफ क्लैरिटी एंड इंट्यूशन, और ड्रीम्स फॉर डमीज़ के लेखक हैं। मैं पीयर्स से उनके मामले के बारे में और अधिक जानने के लिए सैन फ्रांसिस्को के उत्तर में नोवाटो, कैलिफ़ोर्निया में उनके घर पर मिला। यह बात है।

पीयर्स अपने अधिकांश समय देश भर में घूमते हुए बड़े हुए
मध्यपश्चिम में और कुछ पूर्वी तट पर। वह 1970 के दशक की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर से कैलिफ़ोर्निया चले गए। पीयर्स ने एक कॉर्पोरेट कला निर्देशक और ग्राफिक डिजाइनर के रूप में काम किया, लेकिन अपने खाली समय में ध्यान और मानसिक विकास भी किया, उस समय जब कैलिफोर्निया में आत्म-सुधार आंदोलन बढ़ रहा था।

उस दौरान, एक माध्यम, जिसे मैं बॉबी जो कहता हूं, नियमित रूप से सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र का दौरा करता था।

Machine Translated by Google



एक माध्यम के रूप में बॉबी जो आध्यात्मिक आत्माओं को अपने माध्यम से बोलने देता है और अपने ग्राहकों को पिछले जन्मों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। बॉबी जो, जो इस पूरी प्रक्रिया के दौरान ध्यान की स्थिति में रहे, उन्हें बताई गई जानकारी के बारे में कुछ भी याद नहीं है। पिछले जन्मों के बारे में जानकारी कथित तौर पर आकाशिक रिकॉर्ड्स, मेमोरी बैंकों या ग्रहीय इतिहास पुस्तकालयों के एक सेट के माध्यम से पहुंच योग्य है, जो आत्मा क्षेत्र में पाई जा सकती है। पीयर्स ने बॉबी जो को एक हंसमुख स्वभाव और भोले विश्वास वाला एक नाटकीय चरित्र बताया। जब वे मिले तो बॉबी जो को पीयर्स के बारे में कुछ नहीं पता था, न ही पीयर्स ने उनके निजी सत्र में उनके बारे में कोई जानकारी दी।

इस पृष्ठभूमि के कारण, पीयर्स को आश्चर्य हुआ जब उनके सत्र में बॉबी जो ने अपने पिछले जीवन के बारे में तथ्यों पर चर्चा करना शुरू किया जैसे कि वह एक विश्वकोश से पढ़ रहे हों।

बॉबी जो बताते हैं कि बहुत पहले पीयर्स का नाम चार्ल्स एच था।
पार्कहर्स्ट, कि उनका जन्म 17 अप्रैल, 1842 को फ्रामिंघम, मैसाचुसेट्स में हुआ था, एक खेत में रहते थे और बाद में एक प्रमुख मंत्री बने। पार्कहर्स्ट को पहाड़ों पर चढ़ना और अपराध से लड़ने के लिए अपने व्याख्यान मंच का उपयोग करना पसंद है।

बॉबी जो ने बाद में बताया कि पार्कहर्स्ट ने कई किताबें लिखी थीं, जिनमें शामिल हैं: ईसाई धर्म का सनी पक्ष; एन्जिल्स से थोड़ा कम; लैटिन क्रिया का विश्लेषण: संस्कृत के रूपों द्वारा चित्रित; धर्म के बिना दुनिया कैसी होती?; द ब्लाइंड मैन्स क्रेडिट एंड द प्यू; नवयुवकों से बातचीत; युवा महिलाओं से बातचीत; और न्यूयॉर्क में मेरे चालीस वर्ष। बॉबी जो ने पीयर्स को बताया कि पार्कहर्स्ट की मृत्यु 8 सितंबर, 1933 को 91 वर्ष की आयु में हो गई, और बॉबी जो ने दबे हुए स्वर में कहा, "और प्रिये, तुम स्लीपवॉकर से मर गईं और छत से गिर गईं!"

इस विशिष्ट जानकारी की गहराई के कारण, सत्र समाप्त होने के बाद, पीयर्स तुरंत निकटतम पुस्तकालय में यह देखने के लिए पहुंचे कि क्या वह बॉबी जो द्वारा बोले गए पिछले जीवन के विवरणों को सत्यापित कर सकते हैं। में

Machine Translated by Google



अपनी जांच में, पियर्स कुछ मूल्यवान खोजने में कामयाब रहे।
उन्होंने पाया कि चार्ल्स पार्कहर्स्ट के रिकॉर्ड थे और चार्ल्स पार्कहर्स्ट के बारे में बॉबी जो का विवरण हर विवरण में सटीक था, जिसमें पार्कहर्स्ट द्वारा लिखी गई पुस्तकों की लंबी सूची भी शामिल थी। उन्होंने महसूस किया कि पार्कहर्स्ट और उनके बीच कई गुण समान थे, और यहां तक कि शारीरिक समानताएं भी थीं। पिछले जीवन की इस पहचान पर विचार करते हुए, पीयर्स ने विचार किया कि बॉबी जो ने पार्कहर्स्ट के सभी डेटा को याद नहीं किया था।

इसके अलावा, पार्कहर्स्ट में, बॉबी जो ने एक ऐसे व्यक्ति की पहचान की है जिसकी विशेषताएं पीयर्स के करीब हैं, भले ही बॉबी जो उसके बारे में कुछ नहीं जानता हो। अंत में, जब पीयर्स ने पार्कहर्स्ट के जीवन का अध्ययन किया, तो वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उनके पिछले जीवन के मैच सटीक थे।

आइए चार्ल्स पार्कहर्स्ट और पेनी पीयर्स के बीच कुछ समानताओं की जाँच करें। सबसे पहले, पार्कहर्स्ट और पीयर्स दोनों के पास प्रमुख लेखक के रूप में उपलब्धियाँ हैं। एक लेखक के रूप में पीयर्स ने छोटी उम्र से ही प्रतिभा दिखाई और एक लघु कहानी के लिए राष्ट्रीय स्कोलास्टिक पत्रिका पुरस्कार जीता। पीयर्स की 3 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, और इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य शीर्षकों में भी योगदान दिया है, जैसे कैरोल एड्रिएन और जेम्स रेडफील्ड द्वारा द सेलेस्टाइन प्रोफेसी एंड टेन्थ इनसाइट एक्सपेरिमेंटल गाइड्स, कैरोल एड्रिएन द्वारा द पर्पस ऑफ योर लाइफ, इंटुइटिंग द फ्यूचर। विलियम कौत्ज़. अपने शैक्षणिक कार्य के अलावा, पार्कहर्स्ट ने युवाओं के लिए भी लिखा है। इसी तरह, पीयर्स कॉलेज के समय से ही बच्चों के लिए किताबें लिख रहे हैं और हाल ही में उन्होंने इन कहानियों में आध्यात्मिक विषयों को शामिल किया है।

पार्कहर्स्ट और पीयर्स दोनों की आध्यात्मिकता में रुचि है
चर्च के माध्यम से मंत्रालय प्रदान करना। पार्कहर्स्ट ने एमहर्स्ट कॉलेज से स्नातक और मास्टर डिग्री हासिल की, फिर हाले, लीपज़िग और बॉन में धर्मशास्त्र का अध्ययन किया। वह मैसाचुसेट्स में विलिस्टन सेमिनरी में पढ़ाने के लिए लौट आए, और उसके बाद 6 साल के लिए लेनॉक्स, मैसाचुसेट्स में एक कांग्रेगेशनल पादरी बन गए। बाद में वह मैडिसन स्क्वायर में पुजारी बन गए

Machine Translated by Google



न्यूयॉर्क शहर में प्रीबीस्टेरियन चर्च और अपनी पीएच.डी. अर्जित की। और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय और कोलंबिया से देवत्व में डॉक्टरेट (डीडी) की उपाधि प्राप्त की। पेनी पीयर्स का आध्यात्मिक अध्ययन से भी आजीवन जुड़ाव रहा है। जब से उसे याद आया, पीयर्स ने कहा कि "क्यों" वह शब्द था जिसने उसके व्यवहार को प्रेरित किया, और उसे विश्व धर्मों, गुप्त घटनाओं और दर्शन पर किताबें पढ़ने का शौक था। पीयर्स सभी धर्मों में मूल सत्य की खोज पर थे, और इस रुचि के परिणामस्वरूप वह एक लाइसेंस प्राप्त मंत्री बन गए। यहां तक कि उन्होंने यूनिटी चर्च में स्थानापन्न पादरी के रूप में भी काम किया।

पार्कहर्स्ट की तरह, पीयर्स की भी प्राचीन भाषाओं में स्वाभाविक रुचि थी। पार्कहर्स्ट ने ग्रीक और लैटिन पढ़ाया और संस्कृत के रूपों द्वारा चित्रित लैटिन क्रिया का विश्लेषण नामक पुस्तक लिखी।

पीयर्स ने हाई स्कूल में उन्नत लैटिन पाठ भी लिया और राष्ट्रीय लैटिन प्रतियोगिताओं में उच्च अंक प्राप्त किये। उन्हें संस्कृत और मिस्र के प्रतीकों में भी रुचि थी। पीयर्स ने कहा कि उन्होंने सपनों की एक श्रृंखला का अनुभव किया है जिसमें प्राचीन ग्रीक शब्द शामिल हैं, ऐसे शब्द जिन्हें वह अपनी रोजमर्रा की चेतना में बिल्कुल भी नहीं जानता था।

चार्ल्स पार्कहर्स्ट ने अपने व्याख्यान मंच का उपयोग सामाजिक सुधार के लिए किया और आध्यात्मिक भ्रांतियाँ। पार्कहर्स्ट ऐसे समय में न्यूयॉर्क में रहते थे जब राजनीतिक भ्रष्टाचार एक प्रमुख मुद्दा था। 1800 के दशक के अंत में सत्ता में आए राजनीतिक शासन टैमनी हॉल ने अपराध मालिकों के साथ मिलीभगत की। टैमनी हॉल पुलिस अधिकारी नियमित रूप से रिश्वत स्वीकार करते हैं, जबकि आम जनता अपना सिर रेत में छिपा लेती है और चुप रहती है। पार्कहर्स्ट, जो अपराध निवारण सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, ने जो दिया वह शायद अमेरिकी इतिहास में सबसे प्रसिद्ध उपदेशों में से एक है, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार की निंदा की।

पार्कहर्स्ट ने न्यूयॉर्क शहर को "खुले ढक्कन वाला नरक" बताया और आम जनता को कुछ करने की चुनौती दी। एक स्ट्रीट रिपोर्टर दर्शकों के बीच मौजूद था और कहानी प्रिंट में छपी, जिससे लोगों में काफी रुचि पैदा हुई और अधिकारियों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

Machine Translated by Google



पार्कहर्स्ट पर हमला किया गया और उसे अपने आरोप साबित करने की चुनौती दी गई।
उन्होंने अपनी जांच स्वयं की और जल्द ही तथ्यों के साथ अदालत में उपस्थित हुए। परिणाम लेक्सो जांच का उद्भव और एक सुधार सरकार, अर्थात् मजबूत सरकार का चुनाव था।

टेडी रूज़वेल्ट को नए पुलिस आयुक्त के रूप में भी चुना गया।

पार्कहर्स्ट की तरह, पीयर्स में भी सामाजिक समस्याओं के आलोचक और सुधारक की प्रवृत्ति थी। अपने कैंपस अखबार में, पेनी ने पाठ्यक्रम और विभागीय परिवर्तनों का विरोध करते हुए लेख प्रकाशित किए जो उन्हें छात्रों के लिए हानिकारक लगे। जब उन्होंने एक बड़ी कंपनी के लिए काम किया, तो उन्होंने अपने विभाग में होने वाली अनैतिक गतिविधियों के बारे में चेतावनी देने के लिए एक पत्र-लेखन अभियान चलाया।

चार्ल्स पार्कहर्स्ट और पेनी पीयर्स दोनों यहीं बड़े हुए
खेती और दोनों को खेती से प्यार है.
पार्कहर्स्ट ने अपनी आत्मकथा में लिखा है, “कृषि सभी सभ्यताओं की रीढ़ है। कृषि सभ्यता के साथ-साथ चलती है, जैसे शरीर आत्मा के साथ चलता है।''1 पार्कहर्स्ट आगे कहते हैं, ''भूमि पर खेती करना एक महान मौलिक कला है।''2

पीयर्स ने सात साल की उम्र में जर्नलिंग शुरू कर दी थी और उनकी अधिकांश प्रेरणा प्रकृति और कृषि से आती है। इसके अलावा, उन्होंने जो नेशनल स्कोलास्टिक मैगज़ीन पुरस्कार जीता, वह कंसास में गेहूं के खेतों के बारे में एक छोटी कहानी के बारे में था। पीयर्स को "मिट्टी पर खेती करना" भी पसंद है और जब वह 20 साल का था, तब से वह हर साल एक सब्जी का बगीचा लगाता है।

पार्कहर्स्ट और पीयर्स दोनों लंबी पैदल यात्रा का आनंद लेते हैं। पार्कहर्स्ट एक पर्वतारोहण उत्साही है जो हर साल आल्प्स में छुट्टियां मनाता है, मैटरहॉर्न, वीसहॉर्न और अन्य महान चोटियों पर चढ़ता है।

पीयर्स को भी कम उम्र से ही चढ़ाई का शौक था।
तीन साल की उम्र में, वह अपने घर के बगल में एक देवदार के पेड़ पर चढ़ गए और अपने घर की दूसरी मंजिल के बाथरूम में देखा, जहाँ उनकी माँ अपना मेकअप कर रही थीं। जब पेनी की माँ ने बाहर देखा और अपनी तीन साल की बेटी को पेड़ से लहराते हुए देखा, तो उसे लगभग दौरा पड़ गया!

Machine Translated by Google



पार्कहर्स्ट की मृत्यु एक दुखद, यद्यपि हास्यप्रद घटना है
ऊंचाई के प्रति उनके प्रेम से जुड़ा हुआ है। 91 साल की उम्र में, पार्कहर्स्ट को नींद में चलने का अनुभव हुआ, जिसमें वह अपने फ़ोयर की छत से उतरे, गिर गए और उनकी मृत्यु हो गई।

दर्दनाक घटना के बाद जो प्रतीत होता है, उसमें पेनी पीयर्स बताते हैं कि वर्षों तक उन्हें बार-बार बुरे सपने आते थे, जिसमें वह एक चट्टान से नीचे गिर रहे थे, एक गिरती हुई लिफ्ट में, और एक पेड़ से गिर रहे थे। प्रत्येक सपने के अंत में, जब उसे एहसास होता कि वह मरने वाला है, तो पीयर्स घबराकर जाग जाता।

जब पीयर्स ने बॉबी जो के साथ अपना सत्र किया और पता चला कि पार्कहर्स्ट की छत से गिरने से मृत्यु हो गई है, तो उसके बुरे सपने कम हो गए। उसने एक आखिरी सपना देखा था जिसमें वह "सुपर स्लो मोशन" में एक पेड़ से गिर गया था, वह सचेत रूप से देख रहा था कि गिरने से उसकी मृत्यु कैसे हुई। उस सपने के बाद उसे फिर कभी कोई दुःस्वप्न नहीं आया।

पीयर्स का मानना है कि उन्हें पतझड़ की स्वप्न छवियां मिलीं क्योंकि पार्कहर्स्ट सो रहे थे और जब उनकी मृत्यु हुई तो वे बहुत भ्रमित थे, और अनुभव को कभी भी सचेत रूप से संसाधित नहीं किया जा सकता है। पीयर्स ने यह भी महसूस किया कि खिड़की से बाहर नींद में चलने और छत से गिरने से पार्कहर्स्ट की मृत्यु भी ऊंचे स्थानों से कूदने और पक्षी की तरह उड़ने की उसकी अवचेतन इच्छा से संबंधित थी। शायद पार्कहर्स्ट के पास भी यही इच्छा थी और उसे इसे उड़ाने का एक तरीका मिल गया। पीयर्स का मानना है कि आज भी ऊंचे स्थानों के प्रति उनमें आकर्षण है, नापसंद नहीं। सौभाग्य से, इस जीवन में पीयर्स एक मंजिला खेत-शैली के घर में रहते थे।

## ऐलिस कैरी के पुनर्जन्म के रूप में पेनी पीयर्स

माध्यम के साथ अपने सत्र में, पीयर्स को इससे भी पहले के अवतार के बारे में बताया गया। बॉबी जो बताते हैं कि उस जीवन में पेनी का नाम ऐलिस कैरी था।

Machine Translated by Google



उनका जन्म 26 अप्रैल, 1820 को सिनसिनाटी, ओहियो के पास एक फार्म में हुआ था और उनकी मृत्यु 12 फरवरी, 1871 को हुई थी। पार्कहर्स्ट के मामले में, बॉबी जो ने ऐलिस कैरी द्वारा लिखी गई पुस्तकों की एक श्रृंखला सूचीबद्ध की है, जिसमें निम्नलिखित शीर्षक शामिल हैं: ऐलिस और फोबे कैरी की कविताएँ; क्लोवरनुक: पश्चिम में ऑरे पड़ोस की यादें; हाजिरा: आज के लिए एक कहानी: लाइरा और अन्य कविताएँ; क्लोवरनुक बच्चे; विवाहित, विवाह योग्य नहीं; दत्तक पुत्री, और अन्य कहानियाँ; जोसेफिन गैलरी; देशी जीवन के चित्र: गाथागीत, गीत और भजन; बिशप का बेटा, एक प्रेमी की डायरी; द बॉर्न थ्रॉल; स्नो-बेरीज़: युवा लोगों के लिए एक किताब; और छोटे लोगों के लिए गाथागीत। फिर, ऐसा लगता है कि बॉबी जो के पास बिना किसी तैयारी के सीधे बोली जाने वाली अविश्वसनीय रूप से विस्तृत जानकारी तक पहुंच है।

बॉबी जो ने पीयर्स को यह भी बताया कि ऐलिस कैरी उस जीवनकाल के दौरान अपनी छोटी बहन, फोएबे से अविभाज्य थी। बॉबी जो यह भी नोट करते हैं कि फोएबे वर्तमान में पीयर्स की छोटी बहन, पाउला है।

पुस्तक के शीर्षकों की सूची से पेनी पीयर्स, ऐलिस कैरी और चार्ल्स पार्कहर्स्ट के बीच समानताएँ स्पष्ट हैं। साफ़ है कि ये तीनों बेहतरीन लेखक हैं और तीनों ने बच्चों के लिए किताबें लिखी हैं. ऐलिस कैरी की तरह, पीयर्स एक विपुल कवि होने के साथ-साथ एक गैर-काल्पनिक लेखक भी थे।

दिलचस्प समकालिकता में, ऐलिस कैरी ने उपनाम "पैटी ली" के तहत लिखा, जो पीयर्स के पहले और मध्य नाम: "पेनी ली" से संबंधित था।

इन तीनों जिंदगियों के बीच विभिन्न भौगोलिक संबंध भी हैं। प्रतिगमन चिकित्सकों ने यह भी देखा है कि आत्माएं अक्सर एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में वापस आती हैं।

यह लगभग वैसा ही है जैसे आत्मा परिचित स्थानों और पिछले जन्मों की स्थितियों के प्रति उदासीनता महसूस करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि आत्मा एक जीवन पथ की योजना बना रही है जो उसे उन पूर्व स्थानों पर ले जाएगी जिन्हें वह जानता था। उदाहरण के लिए, पीयर्स ने सिनसिनाटी विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां से ऐलिस का जन्म हुआ था। यहाँ, कैरी की तरह, पीयर्स ने गंभीरता से कविता लिखना शुरू किया। कॉलेज में भी, पीयर्स की एक प्रेमिका है जो कविता भी लिखती है और लड़कियों की तस्वीरें भी बनाती है

Machine Translated by Google



कल्पना। उसकी प्रेमिका अक्सर इस काल्पनिक महिला को उसकी प्रेरणा की देवी के रूप में संदर्भित करती है और वह उसे "ऐलिस" कहता है। दिलचस्प बात यह है कि ऐलिस कैरी को ओहियो में रहने के दौरान उसके प्रेमी ने छोड़ दिया था, जिसके कारण वह अचानक न्यूयॉर्क चली गई थी। पीयर्स को आश्चर्य हुआ कि क्या उसकी कॉलेज गर्लफ्रेंड वही आदमी थी जिसने कैरी को छोड़ दिया था।

कैरी के न्यूयॉर्क चले जाने के बाद, उसकी बहन, फोएबे भी उसके साथ चली गई। ये दोनों महिलाएँ साहित्य से आजीविका कमाने के इरादे से शहर आती हैं - यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है।

साथ में, उन्होंने कविता और कथा साहित्य की कई किताबें लिखी और प्रकाशित कीं। न्यूयॉर्क में, ऐलिस और फोबे कैरी को "द सिस्टर्स ऑफ़ द वेस्ट" के रूप में जाना जाता था, क्योंकि उस समय भी ओहियो को विकासशील अमेरिका का पश्चिमी तट माना जाता था।

कैरी बहनें कई विद्वानों और अन्य लोगों की चहेती बन गईं जब उन्होंने 15 वर्षों तक अपने घर में एक लोकप्रिय साहित्यिक सैलून की स्थापना की। उपस्थित लोगों में प्रमुख विचारक, दार्शनिक, प्रारंभिक नारीवादी, लेखक और उस समय की हस्तियां शामिल थीं, जैसे होरेस ग्रीली, एडगर एलन पो, जॉन ग्रीनलीफ व्हिटियर और पीटी बार्नम।

प्रतीत होता है कि समानांतर रास्ते में, विश्वविद्यालय से स्नातक होने और न्यूयॉर्क शहर जाने से पहले, पीयर्स ने भी अचानक ओहियो छोड़ दिया।
न्यूयॉर्क में, ऐलिस कैरी की तरह, पीयर्स जल्द ही नारीवादी और अन्य लेखकों के एक समूह में शामिल हो गईं। भौगोलिक रूप से संबंधित एक अन्य घटना में, पीयर्स का कार्यस्थल ग्रामरसी पार्क के पास है, जहां से कुछ ही ब्लॉक की दूरी पर फोएबे और ऐलिस कैरी रहते थे।

न्यूयॉर्क में, चार्ल्स पार्कहर्स्ट का जीवन भी उनके साथ जुड़ा हुआ है।

वेस्ट 80वीं स्ट्रीट पर पीयर्स का अपार्टमेंट, वेस्ट 74वीं पर चार्ल्स पार्कहर्स्ट के निवास से कुछ ही ब्लॉक की दूरी पर है। उन्होंने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय और कोलंबिया के रात्रि स्कूलों में पढ़ाई की, जिसमें पार्कहर्स्ट भी शामिल हुए। समय के साथ, पीयर्स ब्रुकलिन के पार्क स्लोप में चले गए, जहां ऐलिस और फोएबे को ग्रीनवुड कब्रिस्तान में दफनाया गया था। एक और अजीब समानांतर में, पार्कहर्स्ट, एक बूढ़े व्यक्ति के रूप में, न्यूयॉर्क से लॉस एंजिल्स की यात्रा करता है

Machine Translated by Google



दूसरी बार शादी की. इसी तरह, पीयर्स ने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स में डिजाइन में स्नातक की डिग्री पूरी करने के लिए न्यूयॉर्क छोड़ दिया और लॉस एंजिल्स चले गए। उन्होंने यह भी नोट किया कि बॉबी जो से मिलने के एक साल बाद, उनके माता-पिता चार्ल्स पार्कहर्स्ट के जन्म और बचपन के स्थान, पास के फ्रामिंघम चले गए।

अपने माता-पिता के घर की यात्राओं के दौरान, पेनी देख सकता था कि पार्कहर्स्ट कहाँ रहता था।

पेनी पीयर्स और चार्ल्स पार्कहर्स्ट की तरह, ऐलिस कैरी को भी ज्ञान में प्रारंभिक रुचि थी, यहां तक कि रात में तेज़ रोशनी में पढ़ना भी जब उनके लिए मोमबत्तियाँ उपलब्ध नहीं थीं। कैरी एक प्रकृति प्रेमी हैं और उन्हें ग्रामीण परिदृश्यों के बारे में लिखने का शौक है।

कैरी और पार्कहर्स्ट की तरह पीयर्स को भी प्रकृति से प्यार था, और वह एक सक्रिय फार्म की सेटिंग में रहता था।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, पेनी ने सात साल की उम्र में अपनी पत्रिका में लिखना शुरू कर दिया था और वह प्रकृति, जानवरों और कृषि से बहुत प्रेरणा लेती है। ऐलिस कैरी की तरह, पेनी ने किशोरी के रूप में लेख और कविताएँ प्रकाशित कीं।

हमें कैनसस गेहूं के खेतों के बारे में अपनी लघु कहानी के लिए जीता गया नेशनल स्कोलास्टिक मैगज़ीन पुरस्कार याद है।

एक दिलचस्प पत्र में, जॉन ग्रीनलीफ़ व्हिटियर ने एक कविता लिखी
ऐलिस के लिए द सिंगर शीर्षक, जो गेहूं के संदर्भ के साथ समाप्त होता है। व्हिटियर ने ऐलिस के बारे में लिखा: उसके विनम्र होंठ गीत से मधुर हो गए,

उसके हर शब्द पर एक स्मृति मंडराती रहती है,
लौंग के खेत और पक्षियों की चहचहाहट से,
उसकी काली, फैली हुई आँखों को दर्शाया गया है,
विशाल पश्चिमी क्षितिज,
उसके शब्द खेत के फूलों को बिखेरते हैं, सुनहरे,
गेहूं की फसल जो इसके चारों ओर घूमती है

साहित्य में करियर के अलावा, ऐलिस कैरी पार्कहर्ट और पीयर्स की तरह एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। ऐलिस गुलामी के उन्मूलन में दृढ़ विश्वास रखने वाली और रक्षक है

Machine Translated by Google



महिला अधिकार। वह अमेरिका के पहले महिला क्लब, द सोरोरिटी ऑफ सिस्टर्स (सोरोसिस) की पहली अध्यक्ष बनीं और जेन क्रोली, एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन और सुसान बी. एंथोनी से मित्रता की। इसी तरह, पेनी भी न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया में नारीवादी आंदोलन में शामिल थीं और एक नारीवादी पत्रिका के लिए कला निर्देशक बन गईं। ऐलिस कैरी को मानवीय उत्पीड़न या किसी भी प्रकार की जबरदस्ती से नफरत है। पेनी पीयर्स ने आम जनता पर मास मीडिया और विज्ञापन के हानिकारक ब्रेनवॉशिंग प्रभावों पर शोध करने के लिए परिसर में एक गैर-लाभकारी संगठन का गठन किया।

आध्यात्मिक रूप से, ऐलिस यूनिवर्सलिस्ट चर्च के प्रति आकर्षित है और इसके सिद्धांतों को स्वीकार करती है, जिसमें पुनर्जन्म में विश्वास और मृतकों की आत्माएं जीवित लोगों के साथ संवाद कर सकती हैं। उन्होंने लिखा है:

हंसो, तुम जो कभी नहीं हंसते,
तुम्हारी मृत्यु लौट आती है; लेकिन इसे मुझसे मत लो,
...मेरे मूर्खतापूर्ण सपने,
वह हमारी नश्वर आँखें,
जो निकलता है वह धरती और आकाश को प्रतिबिंबित करता है,
साथ ही अनंत काल को भी तौल रहा है।''4

जीवनी लेखक कारू का कहना है कि ऐलिस की भी इसमें रुचि थी
अटकल. ऐलिस की बहनों और दोस्तों ने साझा किया कि वह "हर सुबह चाय के कप में हमारी कुंडली ताज़ा करके, हम में से प्रत्येक के नए भाग्य की भविष्यवाणी करती थी"। इसी तरह, पीयर्स ने अपने करियर की शुरुआत में ही परामनोविज्ञान और मानसिक क्षमताओं के विकास का अध्ययन किया।

पीयर्स ने अपने लेखन में ऐलिस कैरी और चार्ल्स पार्कहर्स्ट के लेखन में भी कई समानताएँ देखीं। उदाहरण के लिए, तीनों रोजमर्रा की जिंदगी में, इरादे में और छोटे कार्यों के माध्यम से आध्यात्मिक मूल्यों को प्रदर्शित करने के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और यह कि अभ्यास, प्रक्रिया और अनुभव केवल भव्य आदर्शों के बारे में बात करने से अधिक महत्वपूर्ण है। इस बिंदु को स्पष्ट करने के लिए पीयर्स ने अपनी पुस्तकों से निम्नलिखित उद्धरण चुने।

Machine Translated by Google



कैरी: "सच्चा मूल्य अस्तित्व में है, न कि जो दिखता है-
हर गुजरते दिन में, दयालुता के छोटे-छोटे कार्य करने में।''5

पार्कहर्स्ट: "चरित्र एक आवेग है जो निरंतर निरंतरता के साथ बार-बार नियंत्रित होता है।"6

पीयर्स: "प्रक्रिया, जरूरी नहीं कि उत्तर, पवित्र है।"7

एक अन्य उदाहरण में, तीनों ने सत्य के बारे में लिखा।
पार्कहर्स्ट ने लिखा: "सत्य, निश्चित रूप से, शाश्वत है और भगवान के रूप में मौजूद है, जबकि एक विचार केवल सत्य तक पहुंचने और उस दिमाग के साथ आने का एक प्रयास है जो इसे विकसित करता है।"8 पीयर्स ने अपनी पत्रिका में लिखा : “जानकारी मन से होती है। ज्ञान सत्य है, किसी प्राणी या आत्मा के प्रत्यक्ष अनुभव का परिणाम है। सूचना तथ्य है, ज्ञान का मात्र वर्णन है।''9

ऐलिस ने लिखा: “क्योंकि कभी-कभी, सत्य तीखा, ठंडा और क्षमा न करने वाला होता है। हमारी इच्छाओं के बावजूद, हम प्रकाश को खोलने का आग्रह करते रहेंगे; सभी चीज़ों के सादे रूप; और उस आदर्श स्थान से आत्मा अवतरित होगी; नीले आकाश की ऊंचाई से लेकर समुद्र तक, एक तारे की तरह, दुख से भरी एक जंगली सुंदरता में

और कृतज्ञता के संबंध में, पार्कहर्स्ट लिखते हैं: "हमारे पास हम सभी को खुश और आभारी बनाने के लिए पर्याप्त है यदि हम सामान्य रूप से अपने आशीर्वादों की संख्या को प्यार से गिनने के लिए पर्याप्त समय तक चुप रहें, और अपने दिलों को उन्हें महसूस करने दें और उनके साथ मिश्रित होने दें, जब तक कि हम पूर्ण नहीं हो जाते उनमें से। आराम और जागृति धन्य व्यक्ति के धैर्य के गुण के कारण प्रेम की भावना बन जाती है।''11 पियर्स ने लिखा: ''इतना धीमा हो जाओ कि आप जो चीजें महसूस करते हैं उन्हें सरल शब्दों में वर्णित कर सकें, जैसे कि आप अपनी सूची गिन रहे हों। हर चीज़ से अवगत होकर, आप अपनी दुनिया से जुड़े रहते हैं। 'स्त्री मन' आपको सद्गुण और पर्याप्तता की भावना की ओर ले जाता है, और जब आप इसे पूरी तरह से अनुभव करते हैं, तो आप सिसक सकते हैं, या प्रशंसा से भर सकते हैं, या परमानंद की भावनाओं से चमक सकते हैं।'12 ऐलिस ने लिखा: "जब मैं सोचती हूं आशीर्वाद का -आशीर्वाद

Machine Translated by Google



जिसने प्रेम, हृदय, आशा, आत्मा और शरीर, वह सब कुछ जो एक नश्वर प्राणी दे सकता है, के अभयारण्य को सुशोभित किया है; एक असाधारण पवित्र इच्छा की खातिर, मैं खुश हूं, नहीं, इससे भी ज्यादा, मुझे गर्व है कि मैं जीवित हूं!''13

पीयर्स ने देखा कि वह पार्कहर्स्ट के अधिक मर्दाना, विद्वान और लिपिक पक्ष और भावनात्मक, नारीवादी, काव्यात्मक ऐलिस कैरी के बीच एक दिलचस्प संबंध प्रतीत होता है।

अपने लेखन में, पीयर्स दोनों के तत्वों को जोड़ते हैं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि पेनी के मामले में, हालांकि लिंग और युग बदलने के साथ शैली बदल सकती है, लेकिन मूल विचार वही रहते हैं।

इन मामलों में एक और दिलचस्प समानता पिछले जन्मों के शारीरिक निशान और घावों को वापस लाने की संभावना है।

इयान स्टीवेन्सन, एमडी, ने उन बच्चों पर अपने शोध में जो पिछले जन्मों को अनायास याद करते हैं, देखा कि जब कोई व्यक्ति बाद के जीवन में चाकू या गोली के घाव जैसी दर्दनाक चोट से मर जाता है, तो उस स्थान पर एक जन्म चिन्ह पाया जाएगा। घटना। दर्दनाक चोट.

पीयर्स ने एक परिकल्पना प्रदान की कि वही विरासत में मिली घटनाएँ पुरानी बीमारियों के साथ भी हो सकती हैं। ऐलिस कैरी की मृत्यु तपेदिक से हुई, जिसका उन्होंने कई वर्षों तक सामना किया। पेनी पीयर्स का जन्म फेफड़ों की गंभीर समस्याओं के साथ हुआ था, जो उनके जीवन के पहले 15 वर्षों के दौरान क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और निमोनिया में बदल गई। पीयर्स ने यह भी देखा कि जब चार्ल्स पार्कहर्स्ट की मृत्यु गिरने के कारण लगी चोटों से हुई, तो चोटों में से एक बायां पैर टूट गया था। पीयर्स ने देखा कि उसके बाएं पैर में कई चोटें आईं, जिसमें टखना भी टूट गया। यह सवाल कि क्या एक जीवन से बीमारी और घावों के अवशेष जीवन भर में ले जाए जा सकते हैं, एक ऐसा मामला है जिस पर आगे की जांच की आवश्यकता है।

ऐलिस कैरी/पेनी पीयर्स मामले में एक कर्म भी शामिल है
ऐसा रिश्ता जो एक जीवन से दूसरे जीवन तक बना रहता है।
याद रखें कि बॉबी जो ने पीयर्स को बताया था कि ऐलिस कैरी की जीवन में फोएबे नाम की एक बहन है

Machine Translated by Google



इस मामले में, फोएबे वर्तमान जीवन में पेनी की बहन पाउला है।
ऐसा लगता है कि बॉबी जो का कथन मान्य है, क्योंकि पाउला के चेहरे की विशेषताएं फोएबे कैरी से मेल खाती हैं। गुणों की विशेषताओं में भी समानताएँ होती हैं। फोएबे को अमेरिका की सबसे विनोदी महिलाओं में से एक माना जाता है, जो ग्लैमरस में हास्यास्पद देखने की क्षमता और पैरोडी प्रदर्शन करने की अपनी जबरदस्त क्षमता के लिए प्रसिद्ध है। पीयर्स ने देखा कि ये गुण पाउला के अनुरूप थे, जिन्होंने पीएच.डी. अर्जित की थी। और फोएबे की तरह मजाकिया भी माने जाते हैं। पीयर्स ने एक बार लिखा था कि पाउला को "राजनयिक स्वभाव के साथ मजाकिया और हंसमुख" बताया गया था। अधिक सामान्य अर्थ में, फोएबे को घरेलू काम करने में अरुचि होने के लिए जाना जाता है।

इस जीवन में पाउला को भी वही नापसंद है.
पाउला ने कुछ पैसे अलग रखे, ताकि वह घर का काम खुद करने के बजाय एक नौकरानी रख सके।

एक और महत्वपूर्ण समानता दो बहनों, ऐलिस और फोएबे और पेनी और पाउला के बीच के रिश्ते में भी देखी जाती है।

दोनों जोड़ों के बीच उम्र का लगभग समान अंतर है और दोनों एक-दूसरे के साथ काफी करीबी रिश्ता रखते हैं। ऐलिस और कैरी के बारे में, उनके जीवनीकारों में से एक ने लिखा: "भाइयों के बीच का रिश्ता, जो हमेशा एक-दूसरे के साथ असाधारण समझ और कोमलता के साथ व्यवहार करते थे, उनकी अनूठी एकजुटता के बारे में सबसे प्यारी चीजों में से एक था।"14 इन भाइयों के बीच भावनात्मक संबंध है इतने मजबूत कि वे व्यावहारिक रूप से एक साथ मर जाते हैं। ऐलिस की तपेदिक से मृत्यु के बाद, फोएबे इतनी दुखी हुई कि 6 महीने बाद उसकी मृत्यु हो गई।

दोनों बहनों के बीच करीबी रिश्ते आज भी कायम हैं. पाउला कहती है, "मेरे पूरे जीवन में, मेरी बहन पाउला मेरी सबसे अच्छी दोस्त थी।"

दोनों बहनों के बीच का रिश्ता शुरू से ही पुनर्जीवित हो गया था, क्योंकि पेनी याद करती है कि जब पाउला का जन्म हुआ, तो उसके मन में ईर्ष्या या भाई-बहन की प्रतिद्वंद्विता की कोई भावना नहीं थी, इसके बजाय पेनी अपनी छोटी बहन के करीब रहना चाहती थी। बाद की तारीख में, ऐसा लगता है कि पेनी ने अवचेतन रूप से एक पहचान बना ली है

Machine Translated by Google



बहन का अतीत. पेनी ने साझा किया कि एक युवा लड़की के रूप में, उसने उन नामों की एक सूची के बारे में कल्पना की थी जो वह एक दिन अपने बच्चों को देगी।
दिलचस्प बात यह है कि उनका पसंदीदा नाम फोएबे था, जिसका अर्थ उन्होंने बाद में "चमकदार और प्रतिभाशाली" समझा।

## विभाजित अवतार घटना

ऐलिस कैरी/चार्ल्स पार्कहर्स्ट/पेनी पीयर्स का मामला, यदि वैध माना जाता है, तो एक दिलचस्प घटना दिखाता है। यह घटना कि एक आत्मा एक ही समय में दो अलग-अलग शरीरों में प्रकट हो सकती है। जीवन की इस श्रृंखला में सबसे प्रारंभिक अवतार ऐलिस कैरी का जन्म 1820 में हुआ और 1871 में उनकी मृत्यु हो गई। चार्ल्स पार्कहर्स्ट का जन्म 1842 में हुआ, जब ऐलिस कैरी 22 वर्ष की थीं। ऐलिस कैरी की मृत्यु 1871 में 51 वर्ष की आयु में हुई, जब पार्कहर्स्ट 29 वर्ष के थे।

ऐलिस कैरी की मृत्यु के 52 साल बाद 1933 में पार्कहर्स्ट की मृत्यु हो गई। पेनी पीयर्स का जन्म पार्कहर्स्ट की मृत्यु के 16 साल बाद 1949 में हुआ था, जहाँ से पार्कहर्स्ट की मृत्यु हुई थी। यदि हम इस कालक्रम को देखें, तो हम पाते हैं कि 1842 में पार्कहर्स्ट के जन्म और 1871 में कैरी की मृत्यु के बीच 29 वर्षों का अंतराल है। 29 वर्षों की अवधि में, ऐसा प्रतीत होता है कि एक ही आत्मा दो शरीरों में निवास करती है।

यह अनुमान लगाना दिलचस्प है कि क्या ऐलिस कैरी और चार्ल्स पार्कहर्स्ट कभी एक दूसरे से मिले। हालाँकि इस बात का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि कैरी और पार्कहर्स्ट कभी मिले थे, लेकिन ऐसा लगता है कि वे एक-दूसरे के करीब थे। 1850 में, 30 साल की उम्र में, ऐलिस ओहियो से मैसाचुसेट्स में जॉन ग्रीनलीफ़ व्हिटियर के घर पर मिलने गई, जो उस जगह से ज्यादा दूर नहीं था, जहां पार्कहर्स्ट, जो उस समय 8 साल का लड़का था, फ्रेमिंघम में अपने परिवार के खेत में रहता था। ऐलिस उसी वर्ष न्यूयॉर्क चली गई।

ये दोनों फिर से एक ही भौगोलिक स्थिति 20 में थे
वर्षों बाद, 1870 की गर्मियों में जब

Machine Translated by Google



ऐलिस कैरी ने नॉर्थम्प्टन, मैसाचुसेट्स में दोस्तों से मिलने के लिए न्यूयॉर्क से अपनी आखिरी यात्रा की।

उस समय पार्कहर्स्ट पास में ही रह रहा था और कुछ ही महीने बाद नवंबर में, चार्ल्स पार्कहर्स्ट ने नॉर्थम्प्टन में अपनी पहली पत्नी से शादी की। कैरी की मृत्यु के नौ साल बाद, 1880 में पार्कहर्स्ट न्यूयॉर्क चले गए। हालाँकि ऐसा लगता है कि दोनों कभी नहीं मिले, यह संभव है कि पार्कहर्स्ट कैरी को जानता हो।

जब पार्कहर्स्ट छोटे थे, कैरी एक लेखक के रूप में अपने करियर के चरम पर थे, और उस समय की लोकप्रिय पत्रिकाओं में भारी योगदान दे रहे थे। यह संभव है कि पार्कहर्स्ट ने किसी अन्य व्यक्ति ऐलिस कैरी को लिखे लेख पढ़े हों।

निष्कर्ष में, ऐलिस कैरी/चार्ल्स पार्कहर्स्ट/पेनी पीयर्स मामले दिखाते हैं कि कैसे चेहरे की विशेषताएं, व्यक्तित्व लक्षण और यहां तक कि भौगोलिक स्थान तीन जन्मों तक एक समान बने रह सकते हैं। इसके अलावा, एक समय में ऐलिस और फोएबे के बीच का रिश्ता, और दूसरे में पेनी और पाउला का रिश्ता दिखाता है कि एक अवतार से दूसरे अवतार में कर्म और भावनात्मक संबंध कैसे बनाए रखे जाते हैं।

29 वर्ष की अवधि में जब ऐलिस कैरी और चार्ल्स पारहर्स्ट एक साथ अवतरित हुए थे तो ऐसा प्रतीत होता है कि एक आत्मा एक ही समय में दो शरीरों में निवास कर सकती है।

यह घटना यह समझाने में मदद कर सकती है कि आज ग्रह पर पहले की तुलना में अधिक लोग क्यों हैं।

Machine Translated by Google



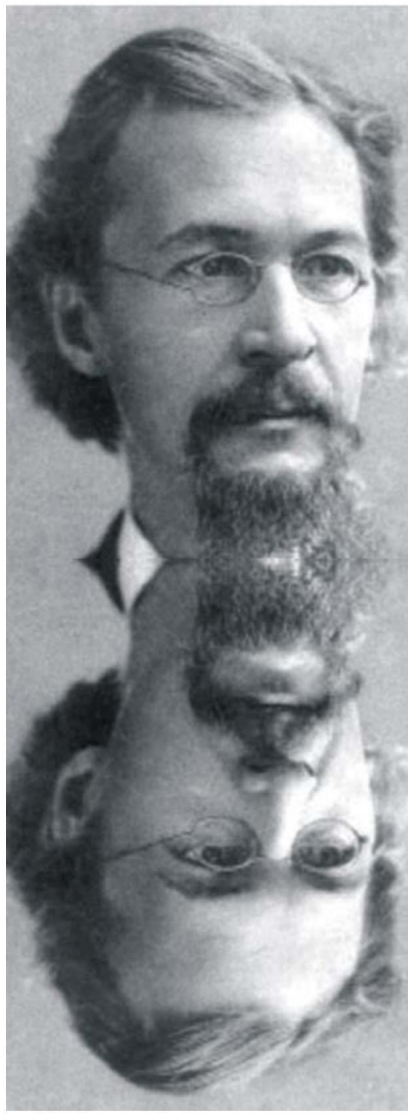

कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान

चार्ल्स पार्कहर्स्ट

पेनी पियर्स का योगदान

पेनी पियर्स

Machine Translated by Google

पेनी पियर्स का योगदान

ऐलिस कैरी पेनी पियर्स

चार्ल्स पार्कहर्स्ट और ऐलिस कैरी का जीवनकाल 29 वर्षों तक ओवरलैप हुआ, जिससे पता चलता है कि आत्मा एक ही समय में दो शरीरों में रह सकती है,

एक ऐसी घटना

"विभाजित अवतार" कहा जाता है।

Machine Translated by Google

पाउला पीयर्स का योगदान

पाउला पियर्स फोबे कैरी पाउला पियर्स

बहनें ऐलिस और फोएबे कैरी बहनों पेनी और पाउला पीयर्स के रूप में पुनर्जन्म लेती हैं।

Machine Translated by Google

# BORN again

भाग द्वितीय

के माध्यम से मामले सुलझाए गए

केविन रायर्सन और अहतुन रे

Machine Translated by Google

# 10

केविन रायर्सन का परिचय,
टॉम मैकफ़र्सन, और अहतुन रे

Machine Translated by Google



मैंने वह जानकारी एक तरफ रख दी और लगभग 12 वर्षों तक एडम्स के साथ कोई रिश्ता नहीं चाहा।

1995 के अंत में, मैं पूरी तरह से अपने मेडिकल करियर में व्यस्त था और हवाई में एक व्यापारिक यात्रा पर था।
मैं यूनोकल 76 नामक एक तेल कंपनी के चिकित्सा निदेशक के रूप में काम कर रहा था, जिसका तकिया कलाम "1776 की आत्मा" था, जो अमेरिकी क्रांति की भावना का संदर्भ था। अचानक, कहीं से भी, मुझे अपनी आत्मा से एक आदेश मिला जो मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।

यह ऐसा था मानो एक तेज़, लेकिन सूक्ष्म आवाज़ मेरे दिमाग में आई और आदेश दिया, "एडम्स के जीवन को सीखो।" इस आवाज द्वारा दिया गया संदेश इतना मजबूत और अचूक था, इतना मजबूत कि मुझे उस शाम होनोलूलू में एक किताबों की दुकान में जाना पड़ा, जहां मैंने अमेरिकी क्रांति और जॉन एडम्स के बारे में किताबें खरीदीं।

1984 के सत्र में, मार्गदर्शक भावना ने मुझसे कहा कि अगर मैं जॉन एडम्स पर शोध करूं, तो मैं खुद को शारीरिक उपस्थिति, व्यक्तित्व और आदतों में पाऊंगा। जब मैंने 1996 के दौरान एडम्स के बारे में पढ़ा, तो मुझे बिल्कुल यही पता चला। मेरा चरित्र वही है, वही ताकत है, वही कमजोरियां हैं, और कुछ चित्रों में, जैसे क्रांतिकारी युद्ध के बाद पेरिस शांति सम्मेलन के लिए चित्रित चित्र में, मेरा चेहरा काफी हद तक एडम्स जैसा दिखता है। समय के साथ, मैंने एडम्स से जुड़े 60 लोगों की पहचान की, जो जीवन भर मेरे आसपास अवतरित होते रहे। उदाहरण के लिए, मेरा भाई, जॉर्ज, शक्ल-सूरत और चरित्र में समानता के आधार पर पीटर एडम्स, जॉन एडम्स का भाई लगता है।

दो वर्षों के दौरान, मैं धीरे-धीरे उस पर विश्वास करने लगा
यह सच हो सकता है कि मैं जॉन एडम्स का पुनर्जन्म था। यदि यह सच है, तो मुझे लगता है कि यह जानकारी यह समझने में मूल्यवान हो सकती है कि पुनर्जन्म कैसे काम करता है, लेकिन मुझे नहीं पता कि इस जानकारी का क्या करना है। निःसंदेह मैं इसे सार्वजनिक रूप से बताने के लिए तैयार नहीं था। इसके अलावा, मैं अच्छी सैलरी वाला एक डॉक्टर हूं। मैं अपनी नौकरी नहीं खोना चाहता

Machine Translated by Google



मैं इधर-उधर भटकता रहा और मुझे बताता रहा कि मैं जॉन एडम्स हूं, अगर यह गलत निकला। मुझे किसी प्रकार का प्रमाण या पुष्टि चाहिए।

मुझे नहीं पता था कि और क्या करूं, मैंने ओझाओं के पास जाना शुरू कर दिया समुदाय में, जिनकी अच्छी प्रतिष्ठा थी, यह देखने के लिए कि उन्हें क्या कहना है। सबसे पहले, मैंने माइकल तमुरा से मुलाकात की, जिन्होंने लगभग 20 वर्षों तक बर्कले साइकिक इंस्टीट्यूट का नेतृत्व किया है। माइकल के साथ मेरे सत्र में, उन्होंने कहा, "हां, आप जॉन एडम्स थे और आप संस्थापक पिताओं को वापस लाने के लिए यहां हैं।"

अच्छा लगता है, लेकिन मैं अभी भी निश्चित नहीं हूं। मैं कई अन्य मनोवैज्ञानिकों के पास गया, और उन सभी ने मुझे एक ही बात बताई, कि मैं जॉन एडम्स का पुनर्जन्म था।

मेरी बाद की यात्राओं के दौरान, अंततः मुझे केविन रायर्सन के बारे में बताया गया, एक माध्यम जिसने लगभग 30 वर्षों तक शर्ली मैकलेन के साथ काम किया और जो उनकी तीनों पुस्तकों में चित्रित है।

मुझे पता चला कि केविन एक ट्रान्स माध्यम है, जिसका अर्थ है कि जब वह काम करता है, तो वह ध्यान की स्थिति या ट्रान्स में चला जाता है और आध्यात्मिक प्राणियों को अपने माध्यम से संवाद करने की अनुमति देता है। अहतुन रे नाम की एक आत्मा केविन के माध्यम से मुझसे जुड़ी हुई है, जो खुद को न्युबियन जनजाति के एक मिस्रवासी के रूप में पेश करती है। अहतुन रे ने बताया कि वह एक इंसान के रूप में कई जन्मों की श्रृंखला के माध्यम से विकसित हुए और फिर बुद्ध, यीशु, मुहम्मद और कई अन्य आध्यात्मिक गुरुओं के रूप में आगे बढ़े। उन्होंने कहा, अहतुन रे का अंतिम अवतार मिस्र में फिरौन अखेनाटन (1379-1362 ईसा पूर्व) के शासनकाल के दौरान हुआ था, जिन्हें "एकेश्वरवाद के जनक" के रूप में जाना जाता है।

अहतुन रे ने अखेनाटन के उच्च पुजारी और सलाहकार के रूप में काम किया और इस प्रकार अहतुन रे का अंतिम अवतार लगभग 3,350 साल पहले हुआ।

मिस्र के एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक से बात करना, जो 3,000 से अधिक वर्षों से मर चुका था, मेरे लिए एक नया अनुभव था। मैं खुला हूं, लेकिन संशयवादी हूं, और शुरू से ही मैंने कभी नहीं माना कि अहतुन रे सटीक था। सामान्य ज्ञान वाले किसी भी व्यक्ति की तरह, और विशेष रूप से मेरी पृष्ठभूमि के कारण

Machine Translated by Google



विज्ञान के क्षेत्र में, मुझे यह विश्वास करने में सक्षम होने के लिए सबूत की आवश्यकता है कि अहतुन रे वैध जानकारी प्रदान कर रहा है।

सबसे पहले, अहतुन रे ने भी पुष्टि की कि मैं वास्तव में जॉन था
एडम्स का पुनर्जन्म. इसके बाद मैं लगभग 60 पिछले जीवन के मेलों की एक सूची की समीक्षा करता हूं, जिनके बारे में मैंने उन लोगों के बारे में परिकल्पना की है जो जॉन एडम्स के आसपास अवतरित हुए थे, जिनके बारे में मुझे लगता है कि मैंने इस जीवन में पहचान लिया है।
जैसे ही हम प्रत्येक मैच पर गए, अहतुन रे ने मुझे बताया कि मैं सही था या गलत। कुल मिलाकर, इसने मेरे लगभग 85 प्रतिशत मैचों की पुष्टि की और कहा कि शेष 15 प्रतिशत गलत थे। हालाँकि, मुझे अभी भी यकीन नहीं है कि मेरे पास अहतुन रे पर विश्वास करने का कोई कारण है या नहीं। मैं कैसे जान सकता हूँ कि उसके निर्णय वैध हैं?

एक सफलता तब मिली जब मैंने उन पहचानों के बारे में पूछना शुरू किया जिनके लिए मेरे पास कोई काल्पनिक पत्राचार नहीं था, और मैंने अहतुन रे से मुझे यह बताने के लिए कहा कि उसके पिछले जीवन में कोई व्यक्ति कौन था, या उसके वर्तमान जीवन में कौन से ऐतिहासिक व्यक्ति थे। मैंने जो पाया वह यह था कि अहतुन रे पिछले जीवन की पहचान करने में सक्षम था, जिसकी जांच करने पर वह वैध और सटीक प्रतीत हुई। उन्होंने जो मिलान किया, जब उसकी जांच की गई, तो चेहरे की विशेषताओं, गुणों, प्रतिभाओं और संबंधित कर्म वर्गीकरण में समानताएं दिखाई दीं।

इसके अलावा, कभी-कभी मिलान प्रक्रिया के बारे में
इतिहास में व्यक्तियों के बारे में जानकारी इतनी छिपी हुई थी कि जानकारी प्राप्त करना इतना कठिन था कि आध्यात्मिक डेटा के सटीक स्रोत तक पहुंच के बिना अहतुन रे (या उस मामले के लिए खुद केविन रायर्सन) के लिए मैच बनाना असंभव था। .

कुछ लोग जानकारी के इस स्रोत को आकाशीय रिकॉर्ड के रूप में संदर्भित कर सकते हैं, कुछ इसे यूनिवर्सल माइंड के रूप में संदर्भित कर सकते हैं।
ऐसे मामले जो स्पष्ट रूप से अहतुन रे की पिछले जीवन से मेल खाने की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं, उनमें अमेरिकी ग्रीन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार राल्फ नादर, खगोलशास्त्री कार्ल सागन और नील डोनाल्ड वाल्श शामिल हैं।

Machine Translated by Google



कन्वर्सेशन्स विद गॉड पुस्तक श्रृंखला के लेखक। ये मामले होंगे
निम्नलिखित अध्यायों में प्रस्तुत किया जाए।

इससे पहले कि मैं अहतुन रे के माध्यम से हल किए गए मामलों पर चर्चा शुरू करूं, मैं एक किस्सा साझा करना चाहूंगा जो दर्शाता है कि केविन रायर्सन के माध्यम से प्रस्तुत मार्गदर्शक भावना पृथ्वी पर घटनाओं की निगरानी भी कर सकती है।

मेरी पुस्तक, रिटर्न ऑफ़ द रेवोल्यूशनरीज़ में, शर्ली मैकलेन को एक पुनर्जन्म वाले अमेरिकी क्रांतिकारी और स्वतंत्रता की घोषणा के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में पहचाना गया है, जो कि अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई है।

मिस मैकलेन स्वयं इतनी दयालु थीं कि वह मेरी पुस्तक में शामिल होने के लिए सहमत हो गईं, हालाँकि उन्हें स्वयं इस पिछले जीवन की पहचान की सीधे पुष्टि करने के लिए मेरी पुस्तक के प्रकाशन से पहले केविन के साथ एक सत्र आयोजित करने का अवसर नहीं मिला था।

रिटर्न ऑफ द रिवोल्यूशनरीज़ के प्रकाशन के कुछ महीने बाद, मिस मैकलेन अक्टूबर 2003 में सैन
फ्रांसिस्को में एकेडमी ऑफ आर्ट कॉलेज में सेमिनारों की एक श्रृंखला आयोजित कर रही थीं। मैं सैन फ्रांसिस्को में रह रहा था, इसलिए यह मेरे लिए एक अवसर था। सुश्री मैकलेन से पहली बार मिलें। बीते महीनों में, मुझे केविन से पता चला कि शर्ली ने उसके और अहतुन रे के साथ एक सत्र आयोजित किया था।

मैं स्वयं शर्ली के कार्यक्रम से एक दिन पहले केविन रायर्सन के साथ एक सत्र करने वाला था।

सत्र के दौरान, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या मुझे शर्ली के लिए एक उपहार लाना चाहिए। अहतुन रे ने, केविन के माध्यम से अपनी गहरी बास आवाज में बात करते हुए, मुझे एक टी-शर्ट बनाने के लिए कहा, जिसके सामने क्रांतिकारी शर्ली की तस्वीर हो, जिसके नीचे एक कैप्शन हो: "अपने अगले जीवन में, मैं शर्ली मैकलेन बनना चाहता हूं"। टी-शर्ट के पीछे, अहतुन रे ने कहा कि मुझे निम्नलिखित वाक्य बनाना था: "वन हंड्रेड लाइफस्पैन ओनली गेट्स दिस अग्ली टी-शर्ट"।

अहतुन रे न केवल पिछले जीवन का सटीक मिलान कर सकता है, बल्कि उसका सेंस ऑफ ह्यूमर भी बहुत अच्छा है।

लगभग एक चमत्कार की तरह, मैं उस टी-शर्ट को बनाने में सफल रहा
एक दिन और जब मैं शर्ली की बातचीत देखने गया तो मैं इसे अपने साथ ले गया। सुबह के सत्र के बाद

Machine Translated by Google



अविश्वसनीय बात, मैंने शर्ली को उसके लंच ब्रेक के दौरान अपना परिचय दिया। आगे जो हुआ उसके लिए मैंने तैयारी नहीं की। दोपहर के सत्र की शुरुआत में, शर्ली ने मुझे मंच पर शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

करीब दो घंटे तक तीनतरफा बातचीत हुई
पुनर्जन्म, मेरी किताब और शर्ली पुनर्जन्म मामले के संबंध में शर्ली, उपस्थित दो से तीन सौ लोगों और मेरे बीच। भले ही मैं अपने जीवन के इस सुनहरे अवसर का आनंद ले रहा हूं, लेकिन मैं ग्रह पर सबसे प्रसिद्ध हस्तियों में से एक के साथ मंच पर होने से घबरा रहा हूं। मेरी घबराहट माइक्रोफ़ोन पकड़े हुए मेरे दाहिने हाथ तक फैल गई। मेरे दाहिने हाथ ने उसे तब तक कस कर पकड़ रखा था जब तक कि उसमें ऐंठन न होने लगी। उस समय, शायद हमारी चर्चा 40 मिनट तक चली थी, मैंने माइक्रोफ़ोन को अपने बाएँ हाथ में ले लिया। कुछ मिनटों के बाद, मेरे बाएं हाथ में ऐंठन होने लगी, जब तक कि मुझे माइक्रोफ़ोन को अपने दाहिने हाथ में वापस नहीं ले जाना पड़ा। यह माइक स्विचिंग शर्ली के साथ मंच पर मेरे प्रदर्शन के दौरान हुई।

शर्ली के साथ हुई इस घटना में सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि केविन
रायर्सन की मार्गदर्शक आत्माओं ने देखा कि दूसरे क्षेत्र से क्या हो रहा था। कार्यक्रम के कुछ महीने बाद और एकेडमी ऑफ आर्ट कॉलेज में शर्ली से मुलाकात के बाद केविन रायर्सन आए

एक व्याख्यान और प्रदर्शन आयोजित करने के लिए सैन फ्रांसिस्को

जनता तक चैनलिंग (आंतरिक चैनलिंग)। सत्र के दौरान, केविन के माध्यम से एक और मार्गदर्शक भावना उभरी: टॉम मैकफर्सन।
मैकफ़र्सन अक्सर शर्ली मैकलेन के सत्र के दौरान आते थे, क्योंकि टॉम का अंतिम अवतार शेक्सपियर नाटक मंडली में एक अभिनेता के रूप में था, इसलिए उनकी और शर्ली की नाटक में समान रुचि थी।

टॉम ने केविन के माध्यम से अपने आयरिश लहजे में दर्शकों को संबोधित किया और मुझे बुलाया। टॉम ने पूछा, "तो दोस्त, क्या तुम्हें रेडहेड के साथ रहना अच्छा लगा?"

निस्संदेह, लाल बालों वाले टॉम का मतलब शर्ली मैकलेन था। मैंने उत्तर दिया कि शर्ली के साथ मंच पर बिताया गया समय अद्भुत था।
टॉम ने बाद में सुझाव दिया, "लेकिन आप माइक्रोफ़ोन को एक हाथ से दूसरे हाथ तक आगे-पीछे घुमाते समय बहुत घबराए हुए थे।"

Machine Translated by Google



जब टॉम ने यह बयान दिया तो मुझे आश्चर्य हुआ, क्योंकि मैंने केविन को माइक्रोफोन घटना के बारे में कभी नहीं बताया था। फिर पूछताछ के बाद केविन ने पुष्टि की कि जब मैं शर्ली के साथ मंच पर था तो उसे माइक्रोफोन के साथ मेरी समस्या के बारे में पता नहीं था।

इससे मुझे एहसास हुआ कि केविन के गुरु पृथ्वी पर होने वाली घटनाओं पर नज़र रख सकते हैं, भले ही केविन शारीरिक रूप से कहीं भी हो।

जब से हम पहली बार मिले थे तब से लेकर अब तक मैंने केविन के साथ कई वर्षों तक काम किया है अक्टूबर 2001, हम घनिष्ठ मित्र बन गये। इसके अलावा, क्योंकि मैंने केविन के साथ 70 से अधिक सत्र किए हैं, मुझे यह भी लगता है कि अहतुन रे मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। उन सत्रों में, अहतुन रे उतना ही गर्मजोशीपूर्ण और मानवीय है जितना आप फोन पर संपर्क कर सकते हैं। अहतुन रे में एकमात्र अंतर यह है कि फोन केविन रायर्सन है। मैकफ़रसन ने भी कई बार दौरा किया, हालाँकि अहतुन रे वह प्राथमिक मार्गदर्शक भावना थी जिसके साथ मैंने काम किया। इस परिचय के साथ, आइए अहतुन रे के माध्यम से हल किए गए मामलों की समीक्षा करें।

Machine Translated by Google

अधूरी पेंटिंग का विवरण
बेंजामिन वेस्ट द्वारा "पेरिस की संधि"।
विंटरथुर संग्रहालय योगदान

जॉन एडम्स

वाल्टर सेमकिव का योगदान

वाल्टर सेमकिव

Machine Translated by Google



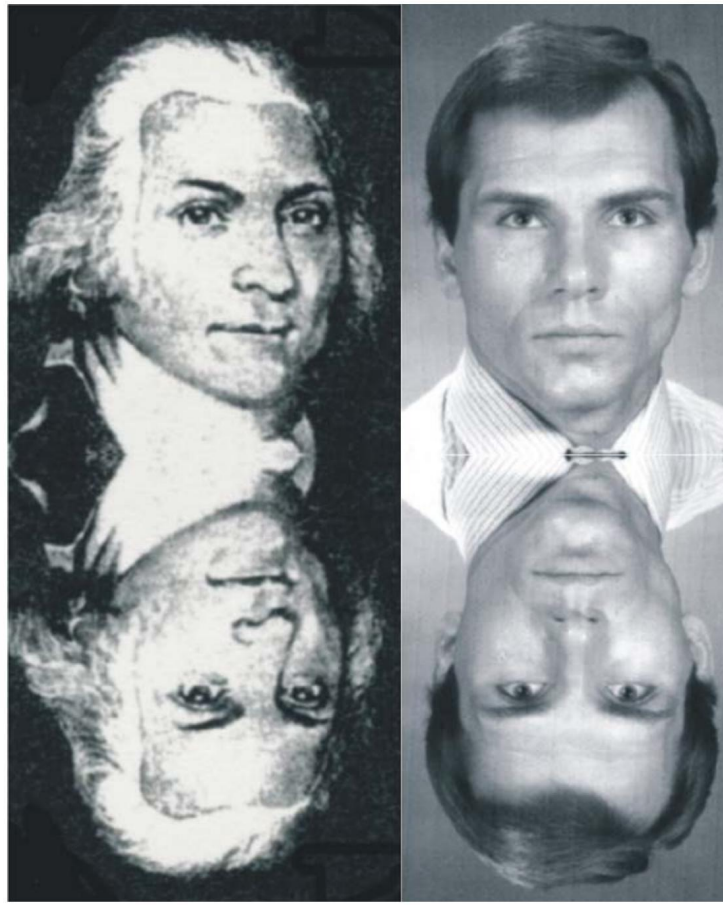

पीटर एडम्स जॉर्ज सेमकिव

पीटर जॉन एडम्स का भाई है और जॉर्ज वाल्टर सेमकिव का भाई है।

यह मामला दिखाता है कि आत्माओं का पुनर्जन्म कैसे होता है
समूह और परिवार के सदस्य फिर से एक परिवार के रूप में लौट सकते हैं।

Machine Translated by Google

# 11

## पुनर्जन्म के मामले

राल्फ नादर, कार्ल सागन, और
नील डोनाल्ड वाल्श

## चार्ल्स थॉमसन के पुनर्जन्म के रूप में राल्फ नादर

जैसा कि पिछले अध्याय में बताया गया है, जब 2001 के अंत में मेरे और केविन रायर्सन और अहतुन रे के बीच एक कामकाजी संबंध स्थापित हुआ, तो मैंने यह देखने का फैसला किया कि क्या अहतुन रे पिछले जीवन की पहचान से मेल खाने में सक्षम है, जिसकी मैंने पहले कल्पना नहीं की थी। उदाहरण के लिए, मुझे लगता है कि राल्फ नादर जो 2000 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने थे, अमेरिकी क्रांतिकारी समूह का हिस्सा थे, हालांकि मुझे नहीं पता कि वह कौन थे।

केविन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या नादेर का जन्म कभी अमेरिकी क्रांति के दौरान हुआ था, और यदि हां, तो वह कौन था। अहतुन रे ने पुष्टि की कि नादेर 18वीं शताब्दी में रहते थे और उनका नाम या तो थॉमसन या थॉमसन था। अहतुन रे ने कहा कि नादेर कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में एक महत्वपूर्ण अभिनेता थे और अहतुन रे ने कहा कि मैं पाऊंगा कि थॉमसन के चेहरे की विशेषताएं बिल्कुल राल्फ नादर के समान थीं।

सबसे पहले, मैं इसके बारे में जानकारी ढूंढ़ते हुए निराश हो गया था
अमेरिकी क्रांति के बारे में मैंने जो किताबें और अन्य स्रोत जुटाए थे, उनमें थॉमसन नाम का पात्र था। समय एक मुद्दा था, क्योंकि मैंने 30 अक्टूबर 2001 को रिटर्न ऑफ द रिवोल्यूशनरीज़ के लिए हस्ताक्षर किए थे, जो कि, जैसा कि कहा गया था, जॉन एडम्स का जन्मदिन था, और तब तक प्रकाशकों को पांडुलिपियां जमा करने की समय सीमा नजदीक आ रही थी।

Machine Translated by Google



मैंने दौरा करके नादेर मामले को एक आखिरी मौका देने का फैसला किया सैन फ्रांसिस्को पब्लिक लाइब्रेरी। मैंने कॉन्टिनेंटल कांग्रेस* और कॉन्स्टिट्यूशनल कन्वेंशन से संबंधित अमेरिकी इतिहास के अनुभागों का दौरा किया, जिसमें पुस्तकों से भरी तीन अलमारियाँ थीं। मैंने थॉमसन या थॉमसन में से किसी एक को खोजने की उम्मीद में प्रत्येक सूचकांक को व्यवस्थित रूप से देखा। लगभग सौ पुस्तकों को बिना सफलता के पढ़ने के बाद, मेरी उम्मीदें धूमिल होने लगीं।

अचानक, एक बड़ी पांडुलिपि में, जो संभवतः वर्षों से नहीं खोली गई है, मुझे सूचकांक पर चार्ल्स थॉमसन का नाम दिखाई देता है, जिसमें पृष्ठ संख्या द्वारा पहचाना गया चित्र है। क्या यह वही है जिसकी मुझे तलाश है?

जब मैं इस चित्र वाले पृष्ठ को पलटता हूं, तो मुझे राल्फ नादर का चेहरा उसकी अनोखी भौहें और एक तरफ एक ऊर्ध्वाधर चेहरे की रेखा के साथ दिखाई देता है, जो चार्ल्स थॉमसन के सममित है।

केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि राल्फ नादर क्रांतिकारी युग के चार्ल्स थॉमसन थे। इसके अलावा, चेहरे की बनावट में समानता के अलावा, मैंने पाया कि थॉमसन और नादेर के व्यक्तित्व लक्षण बहुत समान थे। दोनों उपभोक्ताओं के पैरोकार थे, दोनों ने गरीबों के लिए लड़ाई लड़ी और दोनों को कार्यालय में चुने जाने के लिए बहुत कट्टरपंथी माना जाता था। क्रांतिकारियों की वापसी में, मैं थॉमसन/नाडर मामले के लिए एक विशेष अध्याय समर्पित करता हूं, जिसमें मैं थॉमसन और नादर के लेखन के उद्धरणों की तुलना करता हूं, जो दोनों के बीच मूल्यों और विचारों में आवश्यक समानताएं दिखाते हैं।

यह मामला मेरे लिए गहरा अर्थ रखता है, क्योंकि यह दर्शाता है कि अहतुन रे में पिछले जीवन की पहचान को सटीक रूप से स्थापित करने की क्षमता है।

---

* ब्रिटेन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, अमेरिकियों के पास अभी भी कोई आधिकारिक सरकार नहीं थी। इसके बजाय, कॉन्टिनेंटल कांग्रेस सभी राज्य प्रतिनिधियों से बनी एक अंतरिम संक्रमणकालीन सरकार के रूप में कार्य करती है। अपने कर्तव्यों को पूरा करने के बाद, कॉन्टिनेंटल कांग्रेस को भंग कर दिया गया और पहली आधिकारिक सरकार का जन्म हुआ। फिर, स्वतंत्रता के बाद, विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि एक साथ एकत्र हुए और संवैधानिक सम्मेलन की स्थिति में संविधान का मसौदा तैयार किया जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका के कानूनी आधार को जन्म दिया।

Machine Translated by Google



# डेविड रिटेनहाउस के पुनर्जन्म के रूप में कार्ल सागन

चार्ल्स थॉमसन फिलाडेल्फिया में एक अमेरिकी क्रांतिकारी थे।
थॉमस पेन फिलाडेल्फिया में रह रहे थे जब उन्होंने अपना पैम्फलेट, कॉमन सेंस लिखा था। पुस्तिका कॉमन सेंस, अपने सीधे तर्कों के साथ कि ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की आवश्यकता क्यों थी, सबसे अधिक बिकने वाला लेखन बन गया जिसने लोगों की भावनाओं और स्थिति को प्रभावित करने में मदद की, और क्रांतिकारी युद्ध शुरू करने में मदद की। कॉमन सेंस के इतिहास के बारे में पढ़ते समय मुझे पता चला कि फिलाडेल्फिया निवासी डेविड रिटनहाउस एक संपादक के रूप में काम करते थे। जब मैंने केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में रिटनहाउस के बारे में पूछा तो मुझे इस आदमी के बारे में बस इतना ही पता था। विशेष रूप से मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या रिटेनहाउस ने अभी पुनर्जन्म लिया है।

जब अहतुन रे ने कहा कि डेविड रिटेनहाउस ने कार्ल सागन के रूप में पुनर्जन्म लिया है, तो मुझे यकीन हो गया कि वह गलत थे।

उस समय तक, मैंने देखा था कि आत्माएं स्वयं को एक ही तरीके से, जीवन-दर-जीवन अभिव्यक्त करती थीं, और वे समान प्रतिभाओं को प्रदर्शित करती थीं। मेरे लिए इसका कोई मतलब नहीं था कि रिटनहाउस, जिन्हें मैं फिलाडेल्फिया क्रांति में बहुत कम जाना जाता था, एक विश्व-प्रसिद्ध खगोलशास्त्री के रूप में पुनर्जन्म लेंगे। मैंने निर्धारित किया कि अहतुन रे से गलती हुई थी और मुझे पुनर्जन्म पहचान मिलान बनाने के लिए एक विश्वसनीय स्रोत होने की उसकी क्षमता पर कुछ हद तक संदेह था। लेकिन यह पता चला कि मैं गलत था.

जब मैंने रिटनहाउस के बारे में अधिक शोध किया, तो मुझे पता चला कि वह एक उपकरण निर्माता था जिसने अमेरिका की पहली दूरबीन बनाई थी। मुझे यह भी पता चला कि वह एक गणितज्ञ थे, जिन्होंने दूरबीन से अपने अवलोकनों के आधार पर एक तारामंडल बनाया था - जो एक तारामंडल का अग्रदूत था, जो सौर मंडल को बड़ी सटीकता से दर्शाता है। बाद में मुझे रिटनहाउस का एक चित्र मिला और पाया कि उसका चेहरा कार्ल सागन जैसा ही था। यह सब मेरे कामकाजी रिश्ते की शुरुआत में ही घटित हुआ

Machine Translated by Google



केविन रायर्सन और जब मुझे एहसास हुआ कि यह अहतुन रे ही था जिसने यह मैच बनाया था, जो वर्तमान में मुझे अविश्वसनीय रूप से सटीक लगता है, मुझे एहसास हुआ कि कुछ बहुत बड़ा हो रहा था, कि मेरे पास अतीत और वर्तमान अवतारों में आत्माओं की सटीक पहचान करने में सक्षम संसाधन था .

## नील डोनाल्ड वाल्श पुनर्जन्मित पादरी के रूप में विलियम वाल्टर

मेरे पुनर्जन्म शोध में, केविन रायर्सन से मिलने से पहले ही, मैंने यह निर्धारित कर लिया था कि लेखक मैरिएन विलियमसन और डॉक्टर जॉन हेगेलिन बोस्टन में क्रांतिकारियों का हिस्सा थे। हेगेलिन महर्षि महेश योगी की नेचुरल लॉ पार्टी के तहत राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ रहे हैं। अहतुन रे ने बाद में इस मैच की पुष्टि की, 60 मैचअप के हिस्से के रूप में मैंने हमारे पहले कुछ सत्रों में उनके साथ चर्चा की थी। वे जॉन एडम्स के करीबी बोस्टन क्रांतिकारी थे। वास्तव में, मैरिएन विलियमसन की पुष्टि जॉन एडम्स की पत्नी अबीगैल एडम्स के रूप में की गई है। समकालिक घटनाएँ हमें पहली बार 2001 में वेलेंटाइन डे पर एक साथ लाएँगी, जब मैरिएन अबीगैल के पुनर्जन्म के रूप में रिटर्न ऑफ़ द रेवोल्यूशनरीज़ में शामिल होने के लिए सहमत हुई। जॉन हेगेलिन ने, बोस्टन के एक प्रतिभाशाली वकील, जेम्स ओटिस के पुनर्जन्म की पुष्टि की, जिन्होंने रिट ऑफ असिस्टेंस, एक अवैध खोज और जब्ती कानून के संबंध में ब्रिटेन को न्याय के दायरे में लाकर क्रांतिकारी आंदोलन को बढ़ावा देने में मदद की।

हाल के दिनों में सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब के लेखक नील डोनाल्ड वाल्श हैं पुस्तक श्रृंखला कन्वर्सेशन्स विद गॉड, विलियमसन और हेगेलिन दोनों से काफी परिचित हो गई है। वाल्श और विलियमसन ने 2000 में हेगेलिन की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन किया और साथ में, वाल्श और विलियमसन ने ग्लोबल रेनेसां एलायंस की स्थापना की।

इतना कहने के बाद, मैंने सवाल किया कि क्या निएले भी अंदर थी

Machine Translated by Google



अमेरिकी क्रांति के दौरान बोस्टन। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने खुलासा किया कि वॉल्श वास्तव में बोस्टन में एक पादरी थे जो जॉन और अबीगैल एडम्स के अच्छे दोस्त थे, और वह उस समय जॉन हेगेलिन के सहयोगी भी थे। मैंने अहतुन रे से पूछा कि उस समय नील का क्या नाम था। अहतुन रे को सूचित किया गया

नील को रेवरेंड वाल्टर के नाम से जाना जाता था और वह एक सदस्य था
फ्रीमेसन के, जिन्होंने एंग्लिकन मुद्दे का भी समर्थन किया।

रेवरेंड वाल्टर इतिहास की किताबों में नहीं हैं, लेकिन मैं उन्हें न्यू इंग्लैंड वंशावली और ऐतिहासिक सोसायटी (एनईजीएचएस) के माध्यम से ढूंढने में सक्षम था। हार्वर्ड विश्वविद्यालय से एक जीवनी भी उपलब्ध है जो इस बात की पुष्टि करती है कि वह एक फ्रीमेसन थे। बाद में जॉन एडम्स की डायरियों की खोज से पता चला कि वाल्टर नाम का केवल एक पुजारी एडम्स परिवार को जानता था। पादरी विलियम वाल्टर थे, जिनका जन्म 7 अक्टूबर 1737 को हुआ था। वाल्टर को लंदन के बिशप द्वारा इंग्लैंड में पादरी के रूप में अपना लाइसेंस प्राप्त हुआ था। रेवरेंड वाल्टर फिर बोस्टन लौट आए और जुलाई 1764 में ट्रिनिटी चर्च में मंत्रालय में शामिल हो गए। 4 अप्रैल, 1768 को वाल्टर को ट्रिनिटी का चांसलर चुना गया।

पादरी विलियम वाल्टर से संबंधित जॉन एडम्स की डायरियाँ, दिनांक 24 मई, 1773, नीचे संलग्न हैं। रिकॉर्ड में दो अन्य व्यक्तियों, कर्नल और मेजर ओटिस का भी उल्लेख है, जो पिता और पुत्र थे। बेटा, मेजर ओटिस, जेम्स ओटिस को संदर्भित करता है, जिसे उसके वर्तमान जीवन में जॉन हेगेलिन के रूप में पहचाना गया है। आइए अब जॉन एडम्स के नोट्स पर नजर डालें। मैंने स्पष्टता के लिए पात्रों की वर्तमान पहचान को कोष्ठक में रखा है।

जॉन एडम्स ने लिखा:

सैंडविच के पार्सन विलियम के साथ व्हीलराइट्स में शाम बिताई... विलियम्स ने पूरी रात कर्नल ओटिस और उनके बेटे मेजर (जॉन हेगेलिन) के बारे में कहानियाँ सुनाते हुए बिताई।

मेजर (जॉन हेगेलिन) लेफ्टिनेंट कर्नल का असाइनमेंट लेटर प्राप्त करने के लिए, सरकार के मित्र के रूप में गवर्नर के सामने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए पार्सन वाल्टर (नीले डोनाल्ड वाल्श) को काम पर रखता है।

Machine Translated by Google



मेजर (जॉन हेगेलिन) ने अपने मैन्युफैक्चरिंग हाउस में लिबर्टी लिखी है... कर्नल ओटिस आम लोगों की बड़ी सभा को पढ़ते हैं, एलन लिबर्टी की सुंदरता के बारे में बोलते हैं और इसे एक उत्कृष्ट कृति के रूप में अनुशंसित करते हैं।1

ध्यान दें कि मेजर जेम्स ओटिस/जॉन हेगेलिन ने ब्रिटिश साम्राज्य सरकार के भीतर उच्च सैन्य रैंक हासिल करने के लिए पार्सन वाल्टर/नीले डोनाल्ड वाल्श की मदद ली थी।

कृपया याद रखें कि यह घटना अमेरिकी क्रांति से पहले हुई थी और कई देशभक्त नेताओं ने स्वतंत्रता की घोषणा से पहले ब्रिटिश व्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिकाओं में काम किया था।

धार्मिक नेता और पादरी समुदाय के नेता हैं, और यही कारण है कि रेवरेंड विलियम वाल्टर/नीले डोनाल्ड वाल्श जेम्स ओटिस/जॉन हेगेलिन को सरकार में अधिक प्रभाव हासिल करने में मदद करने की स्थिति में हैं।

यह भी ध्यान दें कि यह स्थिति हेगेलिन और वाल्श से जुड़ी वर्तमान घटनाओं के समान है। 2000 के राष्ट्रपति अभियान के हिस्से के रूप में, हेगेलिन ने वाल्श को धन उगाहने वाली सहायता के रूप में इस्तेमाल किया, जैसे ओटिस ने लेफ्टिनेंट कर्नल के पद के लिए अपने अभियान में रेवरेंड वाल्टर का इस्तेमाल किया था। इसलिए यहां हम जॉन हेगेलिन और नील डोनाल्ड वाल्श के बीच एक कार्मिक संबंध प्राप्त करने में सफल हुए हैं, यदि प्रस्तावित अतीत की पहचान वैध है।

रेवरेंड वाल्टर ने बीच में तटस्थ रवैया बनाए रखने की कोशिश की उनकी मण्डली में वफादार और क्रांतिकारी। इस प्रकार, कोई अप्रत्याशित घटना घटित होने तक वाल्टर देशभक्तों और वफादारों दोनों के संपर्क में रहता है। फरवरी 1776 में, जब पेन का सामान्य ज्ञान हलचल पैदा कर रहा था, रेवरेंड वाल्टर पर पैट्रियट सेना में चेचक फैलाने का आरोप लगाया गया था।

उस समय चेचक के टीके का आविष्कार नया ही हुआ था, लेकिन इस बात पर बहुत विवाद था कि क्या यह इलाज से ज्यादा नुकसान पहुंचाता है।

जिन लोगों को टीका लगाया गया है वे समय के साथ दूसरों में बीमारी फैला सकते हैं, इसलिए जो लोग

Machine Translated by Google



टीका लगाए गए व्यक्ति को अस्थायी संगरोध में प्रवेश करना होगा।

जो घटना सामने आई उसमें एक छोटा बच्चा शामिल था जिसने रेवरेंड पर आरोप लगाया था
वाल्टर पर उस पर जबरन टीका लगाने का आरोप लगाया। लड़के का दावा है कि रेवरेंड वाल्टर ने उसे पैट्रियट आर्मी बेस पर जाने के लिए कहा जहां लड़के को चेचक हो गया था। इससे देशभक्तों को बीमारी होने का खतरा है। हालाँकि यह कल्पना करना कठिन है कि यह कहानी सटीक है, कुछ बोसोनियन लोग इस कहानी को स्वीकार करते हैं और वाल्टर पर देशभक्तों के भीतर चेचक फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हैं। उन्होंने उसे वफादार और गद्दार करार दिया। परिणामस्वरूप, रेवरेंड वाल्टर के घर में तोड़फोड़ की गई और उन्हें 1776 में इंग्लैंड में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

1777 के वसंत में, जब क्रांतिकारी युद्ध चल रहा था, वाल्टर न्यूयॉर्क लौट आए, और उन्हें तीसरी अंग्रेजी बटालियन का पादरी नियुक्त किया गया। इस क्षमता में, रेवरेंड वाल्टर अक्सर उन देशभक्तों की देखभाल करते थे जो युद्धबंदी थे। एक जीवनी लेखक ने लिखा है कि "वाल्टर देशभक्त बंदियों के प्रति दयालु होने के लिए प्रसिद्ध थे"2। देशभक्त कैदियों के लिए यह सेवा अहतुन रे के कथन के अनुरूप है कि वाल्श ने क्रांतिकारियों को सुरक्षा और सहायता प्रदान की थी। यह भी दिलचस्प है कि रेवरेंड वाल्टर ने जेल के कैदियों से भी मुलाकात की, क्योंकि नील डोनाल्ड वाल्श ने आज जेल के कैदियों को किताबें उपलब्ध कराने के लिए एक विशेष कार्यक्रम बनाया था। इसलिए, विलियम वाल्टर और नील डोनाल्ड वाल्श दोनों का जेल के कैदियों की सेवा करने का एक समान इतिहास है।

दिसंबर 1783 में, रेवरेंड वाल्टर इंग्लैंड लौट आए और जुलाई 1784 में
लंदन में उनका स्वागत करने के लिए वह अबीगैल एडम्स से मिलने गए। अबीगैल हाल ही में अपने पति जॉन से मिलने पहुंची थीं, जो ब्रिटेन में अमेरिकी मंत्री के रूप में कार्यरत थे। यह यात्रा क्रांतिकारी युग के दौरान विलियम वाल्टर/नील डोनाल्ड वाल्श और अबीगैल एडम्स/मैरिएन विलियमसन के बीच एक कार्मिक संबंध को प्रदर्शित करती है।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, वर्तमान समय में, मैरिएन विलियमसन ने इसकी स्थापना की है
वाल्श के साथ वैश्विक पुनर्जागरण गठबंधन जिसे सह-संस्थापक कहा जाता है।

Machine Translated by Google



जुलाई और अगस्त 1787 में, रेवरेंड वाल्टर बोस्टन लौट आए और उन्हें एक एंग्लिकन चर्च में प्रचार करने के लिए आमंत्रित किया गया, जो इंग्लैंड के चर्च से आया था।

इंग्लैंड में अपने निर्वासन से पहले, वाल्टर को अमेरिका में एंग्लिकन सूबा की स्थापना का समर्थन करने के लिए जाना जाता था, जिससे स्वतंत्रता-उन्मुख अमेरिकियों में नाराजगी थी।

एंग्लिकन चर्चों के साथ उनकी संगति और एंग्लिकन बिशप के रूप में उनका व्यवसाय अहतुन रे के कथन के अनुरूप है कि वाल्श ने क्रांतिकारी युग में अपने जीवन के दौरान एंग्लिकन मिशन का समर्थन किया था। यह भी ध्यान दिया जाता है कि रेवरेंड वाल्टर एक फ्रीमेसन थे और मेसन कार्यक्रमों में उपदेश देते थे। एक पर्यवेक्षक ने लिखा, "डॉ. वाल्टर एक कट्टर मेसन थे क्योंकि उन्होंने संगठन का उद्देश्य मानव जाति के लिए प्रेम विकसित करना देखा था।

इंग्लैंड से लौटने के बाद जैसे-जैसे साल बीतते गए, बोस्टन के निवासियों को रेवरेंड वाल्टर वापस मिल गए और समय के साथ, उन्हें बोस्टन में क्राइस्ट चर्च का चांसलर नियुक्त किया गया।

रेवरेंड वाल्टर कैम्ब्रिज के क्राइस्ट चर्च में भी अक्सर प्रचार करते थे। 5 दिसंबर, 1800 को उनकी मृत्यु हो गई और उन्हें मेसोनिक सम्मान के साथ क्राइस्ट चर्च के नीचे एक पारिवारिक कब्रगाह में दफनाया गया। विलियम वाल्टर के सम्मान में ट्रिनिटी चर्च के भीतर एक स्मारक खिड़की बनाई गई थी। पादरी वाल्टर सात बच्चों को छोड़ गए।

ऐतिहासिक विवरणों के अलावा जो अहतुन रे के लिए उपयुक्त हैं
क्रांतिकारी युग में वाल्श का वर्णन और अबीगैल एडम्स/मैरिएन विलियमसन और जेम्स ओटिस/जॉन हेगेलिन के साथ कार्मिक संबंध, रेवरेंड वाल्टर और वाल्श के बीच समानताएं और चरित्र लक्षण देखे जाते हैं।

उदाहरण के लिए, मुझे बताया गया कि वॉल्श को सार्वजनिक स्थानों पर रहना और अच्छे कपड़े पहनना पसंद है। वॉल्श ने स्वयं इस पर अपने अहंकार का सार्वजनिक रूप से मजाक उड़ाया था। जॉन हेगेलिन के लिए आयोजित धन उगाहने वाले कार्यक्रमों में, वॉल्श ने बताया कि जब वह दूर थे

Machine Translated by Google



एक वयस्क के रूप में उसकी सबसे बड़ी चिंता उसके "बाल" और हेयर स्टाइल है।
यह इस बात के अनुरूप है कि बोस्टन में महिलाएं रेवरेंड वाल्टर को कैसे याद करती हैं। इनमें से एक महिला ने कहा:

डॉ. वाल्टर बहुत सुन्दर, लम्बे और सुगठित व्यक्ति थे।
जब वह सड़क पर होता है, तो वह अपने पुरोहिती वस्त्र के ऊपर नीले कपड़े का एक लंबा कोट पहनता है; एक पूर्ण-बूट वाला विग**, साफ़ और कड़ा; एक त्रिकोणीय टोपी; काले रेशमी पतलून के साथ बढ़िया सामग्री की काली घुटने की टोपियाँ; और एक चौकोर जूता, चाँदी के बकल के साथ

वाल्श, जैसा कि मैं समझता हूं, अच्छे जूते पहनना भी पसंद करते हैं।
वाल्श एक पूर्व अभिनेता और रेडियो व्यक्तित्व भी हैं। ये भूमिकाएँ पादरी वाल्टर के संबंध में दिए गए कथनों पर भी अच्छी तरह फिट बैठती हैं: "उनका सारा ध्यान कपड़ों, पार्टियों, बैठकों और नाटकों पर था;"5 "उनकी आवाज़ संगीत की तरह स्पष्ट थी, और स्वर भी अच्छा था।" 6

वॉल्श ने अपनी पत्नी नैन्सी के प्रति बहुत प्यार और भावना दिखाई।
यह उन शब्दों से स्पष्ट होता है जो वह अपनी पत्नी का वर्णन करने के लिए उपयोग करता है
उनकी पुस्तकों का परिचय.
उदाहरण के लिए, कन्वर्सेशन्स विद गॉड, पुस्तक 3 में, वाल्श लिखते हैं:

इसके बाद, मैं अपनी अद्भुत जीवन साथी नैन्सी की सराहना और धन्यवाद करना चाहूंगा, जिन्हें यह पुस्तक समर्पित है।
जब मैं नैन्सी के बारे में सोचता हूं, तो मेरे कृतज्ञता और धन्यवाद के शब्द उसके कार्यों के सामने निरर्थक लगते हैं, और मैं निराश महसूस करता हूं कि मुझे यह व्यक्त करने का कोई तरीका नहीं मिल रहा है कि वह कितनी अद्भुत है। ये तो मैं ही जानता हूं. इसके बिना मेरा काम संभव नहीं होगा.

यह प्यार भरा रिश्ता रिश्ते के अनुरूप है
रेवरेंड वाल्टर अपनी पत्नी लिडिया लिंडे के साथ, जिनसे उन्होंने 30 को शादी की थी

** विग का यह मॉडल अक्सर ब्रिटिश सिविल सेवकों, बालों द्वारा उपयोग किया जाता है
एक लंबा नकली जो नीचे की ओर मुड़ा हुआ होता है।

Machine Translated by Google



सितंबर 1766। जब मैंने रेवरेंड वाल्टर के बारे में पढ़ा तो मुझे सबसे ज्यादा आश्चर्य तब हुआ जब उन्होंने 1789 में अपनी प्यारी पत्नी को खो दिया था। यह उल्लेखनीय है कि वाल्टर अपने अंतिम संस्कार में उपदेश को मुश्किल से पूरा कर पाए थे।

एक पर्यवेक्षक ने कहा, "अपनी पत्नी को समर्पित अंतिम संस्कार का उपदेश लगभग उसके आंसुओं में डूब गया।"7 अपनी पत्नी के लिए रेवरेंड वाल्टर की भावनाओं की गहराई वाल्श के नैन्सी के प्रति गहरे प्रेम में परिलक्षित होती है।

पादरी वाल्टर और वाल्श के बीच एक और समानता यह है कि उन दोनों ने अत्यधिक लोकप्रिय आध्यात्मिक और आध्यात्मिक कार्य किए। नि:संदेह, वॉल्श ने कन्वर्सेशन्स विद गॉड श्रृंखला लिखी है, जिसकी लाखों में बिक्री हुई है। इसी तरह, रेवरेंड वाल्टर ने प्रमुख उपदेश दिए जिनमें आध्यात्मिक गुणवत्ता थी।

पादरी वाल्टर के बारे में निम्नलिखित उद्धरण इस बात को स्पष्ट करते हैं।
"इस युवा उपदेश की लोकप्रियता आश्चर्यजनक है।"8 वाल्टर के एक उपदेश के संबंध में, एक श्रोता ने लिखा, "आध्यात्मिक, लेकिन अच्छी तरह से बोला गया और स्थिति के अनुकूल।"9

सबसे विशेष रूप से, 18वीं शताब्दी में रेवरेंड वाल्टर ने दिया था
अलौकिक लोगों के संदर्भ से जुड़े उपदेश। इस अंक की विषयवस्तु इसकी सामग्री के अनुरूप है

भगवान के साथ बातचीत, पुस्तक 3 जिसमें वाल्श "अत्यधिक विकसित प्राणियों" के बारे में लिखते हैं जो अलौकिक (ईटी) प्राणी हैं।
वाल्श ने लिखा है कि ये अत्यधिक विकसित जीव विकासवादी पैमाने पर मनुष्यों की तुलना में महान और अधिक उन्नत थे।
आइए हम 18वीं शताब्दी में लिखे गए रेवरेंड विलियम वाल्टर के शब्दों पर विचार करें, जब उन्होंने ईश्वर को ब्रह्मांड बनाने का वर्णन किया था, जिसमें ग्रहों पर जीवित चीजें थीं और बुद्धि के विभिन्न स्तर थे।

उसने कहा, और देखो! सूर्य जो महान सभा में इतनी चमक से प्रकट होते हैं, अचानक प्रकट होते हैं; हर्शेल या न्यूटन की नज़र में जो सूर्य...गिने नहीं जा सकते: वह शासन करता है, और देखता है! सूर्य ग्रहों और उनके उपग्रहों से घिरा हुआ है, जो शारीरिक आत्माओं के निवास के लिए तैयार हैं। ये असंभव नहीं है

Machine Translated by Google



अनगिनत दुनिया के निवासी जो अपनी केंद्रीय अग्नि के चारों ओर अंतहीन रूप से घूमते रहते हैं, सौर मंडल के बाहर एक सौर मंडल बनाते हैं, जो बुद्धि के विभिन्न स्तरों और खुशी प्राप्त करने के विभिन्न तरीकों से संपन्न होते हैं, यही कारण है कि उनकी रचना की गई थी।10

तो रेवरेंड विलियम वाल्टर प्राणियों के बारे में बात कर रहे थे

जो दूसरे ग्रहों पर रहते हैं, उनमें से प्रत्येक का खुशी प्राप्त करने का अपना तरीका है। यह बुद्धिमान अलौकिक प्राणियों के बारे में वाल्श के संदेश के अनुरूप है जो अपने तरीके से विकसित हुए हैं।

संक्षेप में, अहतुन रे जो जानकारी प्रदान करता है

ऐसा प्रतीत होता है कि नील डोनाल्ड वाल्श के पिछले जीवन की पहचान रेवरेंड विलियम वाल्टर के व्यक्तित्व से हुई थी। इसके अलावा, विलियम वाल्टर और जेम्स ओटिस/जॉन हेगेलिन और अबीगैल एडम्स/मैरिएन विलियम्स के बीच एक कार्मिक संबंध मैच मौजूद है।

बौद्धिक गुणों और रुचियों की विशेषताएँ भी सुसंगत प्रतीत होती हैं।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, चेहरे का आकार भी उपयुक्त है, खासकर आंख और माथे के क्षेत्र में। इन सभी कारणों से, ऐसा लगता है कि नील डोनाल्ड वाल्श वास्तव में रेवरेंड थे

पिछले जन्म में विलियम वाल्टर। अहतुन रे ने नील की पत्नी नैन्सी की पहचान लिडिया लिंडे के रूप में की, जिसे विलियम वाल्टर बहुत प्यार करते थे।

तो, हम देखते हैं, यह प्रेम कहानी जारी है।

अंत में, चार्ल्स थॉमसन/राल्फ नादर, डेविड रिटनहाउस/कार्ल सागन और रेवरेंड विलियम वाल्टर के तीन मामले बताते हैं कि अहतुन रे पिछले जीवन से मेल खाने में सक्षम हैं। ये तीन मामले मेरे लिए बहुत ठोस हैं, लेकिन वाल्टर/वाल्श मामला सबसे सार्थक है, क्योंकि अहतुन रे एक व्यक्ति, रेवरेंड विलियम वाल्टर के बारे में बहुत विशिष्ट जानकारी प्रदान करता है, जो इतिहास की किताबों में सूचीबद्ध नहीं है, हालांकि व्यापक शोध के बाद, अहतुन रे ने इस मामले के बारे में जो कुछ भी कहा, उसकी पुष्टि की जा सकती है। इसके अलावा, जब मैंने इस पुनर्जन्म मामले पर नील डोनाल्ड वॉल्श को जानकारी भेजी और मैंने कहा कि मैंने तर्क दिया कि पिछले जन्म में, वह रेवरेंड विलियम वाल्टर थे,

Machine Translated by Google



कि उनकी सबसे अच्छी दोस्त मैरिएन विलियमसन अबीगैल एडम्स थीं और जॉन हेगेलिन जेम्स ओटिस नाम के एक बोस्टन रिवोल्यूशनरी थे, नील डोनाल्ड वाल्श ने मुझे फोन किया और कहा, "मुझे लगता है कि यहां कुछ है।" निएले बाद में रेवरेंड विलियम वाल्टर के पुनर्जन्म के रूप में रिटर्न ऑफ रिवोल्यूशनरीज़ में शामिल होने के लिए सहमत हुए। कन्वर्सेशन्स विद गॉड के मालिक की ओर से, मुझे एक मान्यता प्राप्त अनुभव के रूप में उनकी स्वीकृति प्राप्त है।

Machine Translated by Google



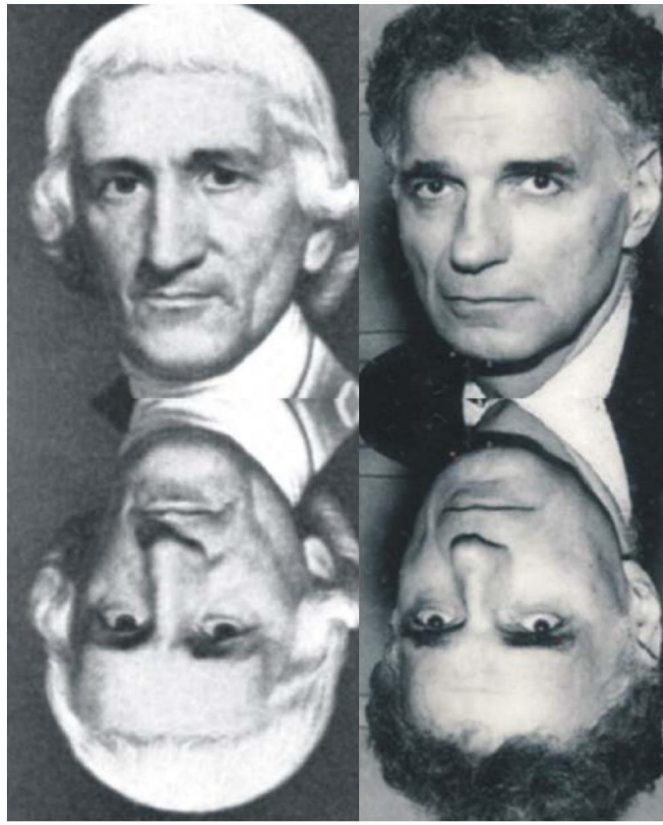

श्रीमती पॉल बार्टलेट के संग्रह से

फोटो बेवर्ली एन द्वारा

चार्ल्स थॉमसन

राल्फ नादर

जब डॉ. सेमकीव ने शर्ली मैकलेन की तीन पुस्तकों में चित्रित एक ट्रान्स माध्यम केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करने वाले एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे से पूछा कि अमेरिकी क्रांति के दौरान राल्फ नादर कौन थे, अहतुन रे कहते हैं कि नादेर एक महाद्वीपीय थे

थॉमसन नाम के कांग्रेस नेता. शोध से पता चला है कि चार्ल्स थॉमसन कांग्रेस के सचिव थे और उनके चेहरे की विशेषताएं और व्यक्तित्व लक्षण बिल्कुल नादेर के समान थे। इस मामले ने डॉ. सेमकिव को अहतुन रे पर गंभीरता से प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया।

Machine Translated by Google



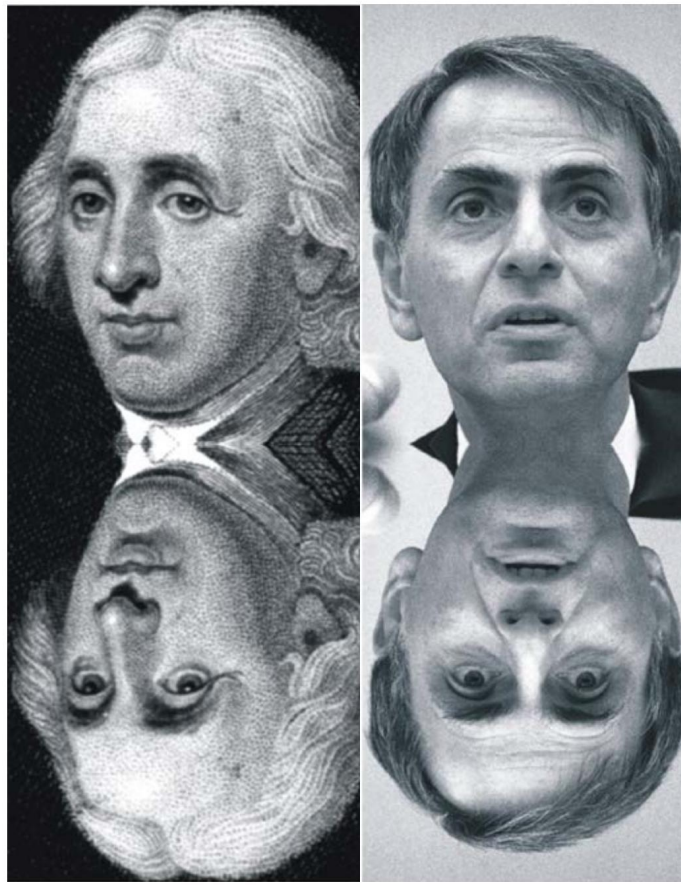

एडवर्ड का योगदान
सैवेज, डेविड रिटनहाउस, एलएलडी, एफआरएस,
येल विश्वविद्यालय, आर्ट गैलरी, माबेल

विवरण © बेटमैन/कॉर्बिस

डेविड रिटनहाउस

कार्ल सैगन

डेविड रिटेनहाउस, जो एक अमेरिकी क्रांतिकारी थे, ने अमेरिका की पहली दूरबीन और तारामंडल का अग्रदूत बनाया, जो हमारे सौर मंडल का सटीक चित्रण करता है।

उनका पुनर्जन्म खगोलशास्त्री कार्ल सागन के रूप में हुआ था।

Machine Translated by Google



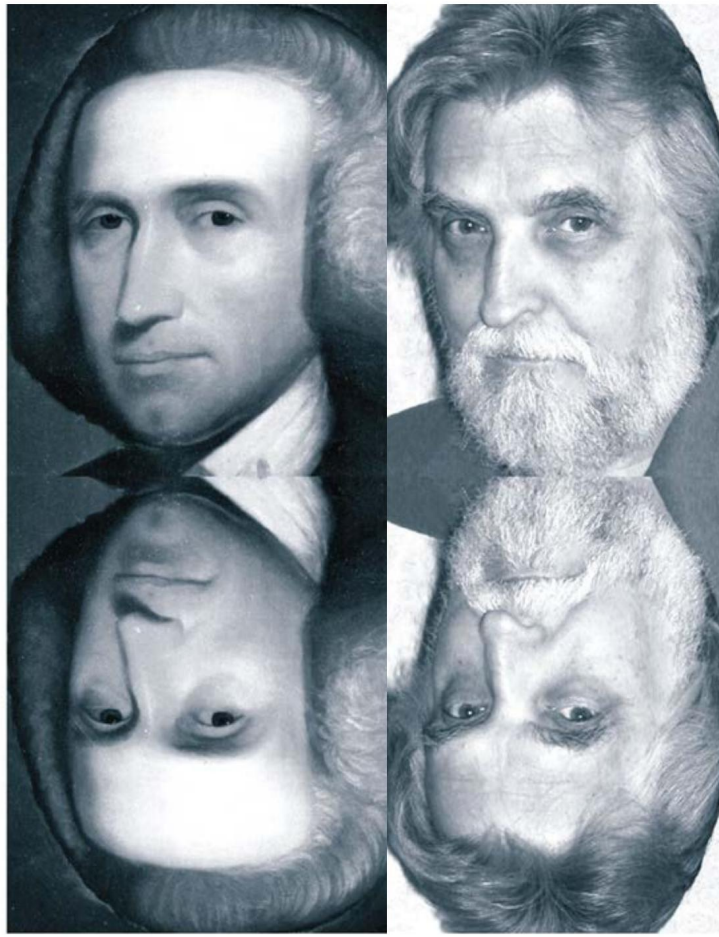

विवरण, वर्जीनिया हिस्टोरिकल सोसायटी,
रिचमंड, वर्जीनिया

फोटो वाल्टर सेमकिव द्वारा

रेवरेंड विलियम वाल्टर

नील डोनाल्ड वाल्श

"कन्वर्सेशन विद गॉड" के लेखक वाल्श, पुस्तक में पादरी वाल्टर के पुनर्जन्म के रूप में प्रदर्शित होने के लिए सहमत हुए

"क्रांतिकारियों की वापसी"। यह मामला नाटकीय रूप से अहतुन रे की पिछले जीवन की पहचान बनाने की क्षमता को प्रदर्शित करता है

मेल खाता है.